राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थांक १४२

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची

भाग ५

(जयपुर-संग्रह)

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम. ए.
महोपाध्याय विनयसागर

प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur.

1983

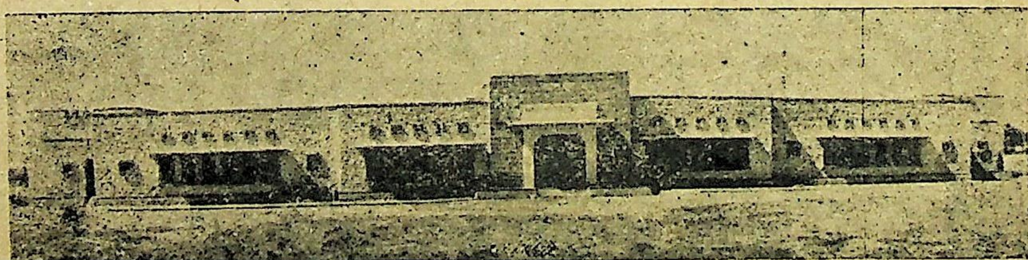
राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क १४२

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची
भाग ५
(जयपुर-संग्रह)

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम. ए.
महोपाध्याय विनयसागर



प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)
Rajasthan Oriental Research Institute. Jodhpur.

1983

प्रथमावृत्ति 250 मूल्य : रु. 62/-

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क १४२

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची
भाग ५
(जयपुर-संग्रह)

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम. ए.
महोपाध्याय विनयसागर



प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur.

1983

प्रथमावृत्ति 250 मूल्य : रु. 62/-

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थान प्रदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश; हिन्दी, राजस्थानी आदि भाषा-निबद्ध
विविध वाङ्मय प्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावली।

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक

ग्रन्थाङ्क १४२

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम.ए.
महोपाध्याय विनयसागर

प्रकाशक
राजस्थान राज्य संस्थापित
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)

मुद्रक
पंकज प्रिण्टर्स, जोधपुर

वि सं. 2040 ※ ई. सन् 1983

अनुक्रम

———

प्रधान सम्पादकीय

जयपुर शाखा में संगृहीत कुल 11,892 हस्तलिखित ग्रन्थों में स्व० पुरोहित हरिनारायणजी से प्राप्त संग्रह के सूचीपत्र के मुद्रण के बाद इस पांचवें भाग में ग्रन्थांक 2178 से 7119 पर्यन्त 'हिन्दी राजस्थानी ग्रन्थों' को उठाया गया है। क्रीत ग्रंथों के अतिरिक्त सर्वश्री बदरीनारायणजी द्वारा प्रदत्त 1907 ग्रंथ (ग्रन्थांक 2205-4111), रामकृपालुजी शर्मा के 1500 ग्रन्थ (ग्रन्थांक 4113-5612) एवं जिनधरणेन्द्रसूरिजी के 2592 ग्रंथ (ग्रन्थांक 5613-8204) इस भाग में स्थान पा रहे हैं। शेष ग्रंथों का सूचीपत्र एवं उदारमना-ग्रंथ प्रदाताओं का संक्षिप्त परिचय छठे भाग में जाएगा और उसी के साथ जयपुर कार्यालय के अद्यावधि संगृहीत ग्रन्थों का यह विवरण समाप्त हो जायगा।

इन सूचीपत्रों को शोधार्थियों के लिए और उपयोगी बनाने की दृष्टि से परिशिष्ट (1) में कुछ महत्वपूर्ण कृतियों के आद्यन्त तथा परिशिष्ट (2) में उन लघु कृतियों की सूची भी प्रस्तुत की है जो विभिन्न गुटकों में स्वतंत्र कृतियों के रूप में बिखरी रहती हैं। फलस्वरूप पूरे गुटके की जानकारी हमें एक जगह मिल जाती है और सूचीपत्र का आकार भी मर्यादित रहता है। कर्त्तानामानुक्रमणिका में 'लघु कृतियों' के रचयिताओं के नाम सम्मिलित कर जिज्ञासुओं का मार्ग और भी सरल करने का प्रयत्न किया गया है। सम्पादन कार्य में सर्व श्री ओंकारलाल मेनारिया व म० विनयसागर ने पूरी लगन से अपने दायित्व को निभाया है।

प्रूफसंशोधन आदि में कनिष्ठ तकनीकी सहायक श्री गिरिधरवल्लभ दाधीच ने बड़े मनोयोग और उत्साह से काम किया है तदर्थ श्री दाधीच धन्यवाद के पात्र हैं। साथ ही में पंकज प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री पुखराज जांगिड़ भी धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने इसके मुद्रण में पूरा सहयोग दिया है।

पद्मधर पाठक
निदेशक

विषय-तालिका

संकेत-तालिका

1. र०का०	रचना-काल
2. र०स्था०	रचना-स्थान
3. टी०	टीकाकार; टीका
4. सं०क०	संकलनकर्त्ता
5. सं०का०	संकलन-काल
6. लि०क०	लिपिकर्त्ता
7. लि०स्था०	लिपि-स्थान
8. गु०	गुटका (जिसमें अनेक रचनाओं का संकलन हो)
9. मू०	मूल ग्रन्थ
10. प०	परिशिष्ट
11. वि०सं०	विक्रम संवत्
12. श०	शताब्दी (विक्रमी)

शुद्धि-पत्र

पृष्ठ सं०	क्रमांक एवं कोष्ठक सं०	अशुद्ध	शुद्ध
8	43/2	3215 (1)	3225 (1)
10	58/2	2421	2412
12	71/4	शिष्य बदरीदास	मुकुन्द शिष्य बदरीदास
14	83/2	7991	6991
14	86/2	2448 (8)	2448 (4)
14	89/2	7028 (19)	7028 (10)
20	129/2	6010 (2)	7010 (2)
22	142/2	7111	7111 (11)
24	149/2	2489	2482
26	158/2	5228	2528
30	189/2	6558 (1)	6558
36	225/4	—	शिवदास
42	273/2	6058 (14)	6058
48	302/6	541........	541-545
48	311/2	2187 (3)	2187
50	320/2	350	3500
54	340/2	6968 (109)	6998 (109)
56	362/2	3116 (3)	3116
62	394/2	2484 (5)	2481 (5)
64	405/2	2187 (11)	2187
68	434/2	4757	4775
80	502/3	जातांरणमा-विधि	वात भारण-विधि
80	503-2	3360 (2)	3360
82	525/2	5299	5229

पृष्ठ सं०	क्रमांक एवं कोष्ठक सं०	अशुद्ध	शुद्ध
90	568/2	2079	2979
90	578/2	6990 (19)	6990 (10)
96	605/2	7077 (8)	7047 (8)
108	683/3	अर्द्ध जाप	अद्धजाप
108	684/2	5814	5874
128	816/2	9146	6146
134	850/2	5518	5518 (6)
148	945/2	4927	5927
152	973/2	7073 (18)	7083 (18)
170	1087-1089/4	बुद्धिसागर	देपाल भोजग
182	1159/2	5990 (69)	6990 (69)
184	1173/9	स्वलिखित पाण्डुलिपि	× ×
184	1174/9	× ×	स्वलिखित पाण्डुलिपि
194	1240/2	6904 (55)	6994 (55)
202	1295/9	र.का. 1729	र.का. 1724
226	1443/2	5869	5867
244	1555/2	6823 (3-8)	6868 (3-8)
250	1585/2	9069 (1-3)	6069 (1-3)
250	1592/2	6664 (1-2)	6646 (1-2)
260	1643/2	5975	5976
268	1704/2	6044	6044 (2)
274	1741/2	5952 (2)	5925 (2)
292	1846/2	(8-8)	(5-8)
292	1847/2	(1-2)	(1-5)
316	1988/2	3549	5349
318	1999/2	(13-)	(1-3)
328	2053/2	4451	5451

राजस्थान हिन्दी-हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची

भाग ५

राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान

(जयपुर-संग्रह)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1. दर्शन 1	7111 (6)	अष्टदल-कमल-भेद	गोरखनाथ
2	7088 (8)	गरभावली	
3	2187 (2)	ज्ञानसमुद्र	सुन्दरदास
4	4112 (6)	,,	,,
5	6495	पंचतत्त्व विशेष निरूपण	
6	2187 (16)	पंचमुद्रा	
7	2187 (3)	पंचेन्द्रिय	सुन्दरदास
8	3137 (1)	,,	,,
9	4974 (1)	ब्रह्मजिज्ञासोपनिषत्-भाषा	
10	5553 (13)	वैराग्यप्रकरण-भाषा	
11	7000 (2)	योगाभ्यासआम्नाय-दोहा	
12	3038	विचारमाला	अनाथदास
13	5553 (3)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×16 16; 17	19–20	पूर्ण	18 वीं श.	पत्राङ्क 20 पर सूर्यचंद्रनमस्कारमंत्र एवं दशदिक्पाल नामकोष एवं कोष्ठक है।
15 5×22 21; 15	43-46	"	19 वीं श.	
17×13.5 16; 19	82-118	"	1846	लि. क. जोशी नगजी लि. स्था. नाथद्वारा
17×9.5 12; 21	632–665	"	19 वीं श.	
18×11 11; 26	6-7	"	18 वीं श.	
17×13 5 16; 15	1–7	"	19 वीं श	
17×13.5 16; 21	118–134	अपूर्ण	1846	पत्राङ्क 135–150 अप्राप्त
15×9.5 7; 14	1-18	"	19 वीं श.	पत्राङ्क 1 से 10 अप्राप्त
13×8 7; 19	1–8	पूर्ण	19 वीं श	
13.5×7 9; 20	330–500	"	19 वीं श.	योगवासिष्ठ के अन्तर्गत
12×11.5 15;20	5-7	"	19 वीं श.	अंत में औपदेशिक दोहा, सवैया है। लि. क. खुश्यालचन्द
17×11 7; 19	29–44	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 35 वां खंडित
13.5×7.5 8; 21	57-51	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1726

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1. दर्शन 14	4105	विचारमाला	अनाथदास
15	7079 (1)	,,	,,
16	3948	विचारसागर की टीका	
17	2735	शतप्रश्नोत्तरी-भाषा	मनोहरदास निरंजनी
18	4053	,,	. ,,
19	2410	सांख्यज्ञान को अंग	सुन्दरदास
20	4135 (4)	सोलह राजयोग	
2. ध. शा. 21	3032	धातुदानविधि	
22	3008	नारायणबलि-अनुक्रमणिका	
23	4037	पूजनविधान	
24	2796	मूलशांति-विधि	
25	2439	रामचन्द्रजी को शाखोच्चार	
26	4135 (2)	वास्तु-पुरुष-पूजा-विधान	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×12 13;41	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
16.5×11 9;18	33	,,	18 वीं श.	पत्राङ्क 1–14 अप्राप्त
21×12 10;28	1–7	पूर्ण	20 वीं श.	5 दोहों की टीका
24×11.5 14;29	25	अपूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण, पत्राङ्क 2,22 अप्राप्त
21×10 12,44	14	,,	19 वीं श	जीर्ण
22×14 13;34	4	,,	20 वीं श.	
21.5×15 20;19	24–32	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×11 8×21	13	अपूर्ण	19 वीं श.	जलाभिसिक्त
17×10 8;16	1	पूर्ण	20 वीं श.	
19×19 7;20	6	अपूर्ण	19 वीं श.	शोभनलिपि
20×11 7;15	3	पूर्ण	20 वीं श.	शतौषधिनाम सहित
23×17 10;19	12	,,	20 वीं श.	
21.5×15 10;16	4-7	अपूर्ण	19 वीं श.	पूजाविधि षट्चक्र सहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3 पुराण27	3492 (1)	सुन्दरकाण्ड-पाठ-विधि	
28	2349	अनन्तव्रतकथा	
29	6995 (1)	,,	भवानीदास व्यास पुत्र लालू पुत्र बदरीदास
30	4134 (1)	आदिपुराण	
31	3017	(आषाढ़ एवं श्रावण शुक्ला) एकादशी-कथा	
32	3918	एकादशी माहात्म्य–भाषा	मुकुन्ददास निरंजनी
33	3609	,,	
34	3888	,,	
35	4104	,,	
36	3608	कार्तिक एकादशी माहात्म्य	
37	3935	कार्तिक माहात्म्य-भाषा	भगवानदास निरंजनी
38	4065	,,	सेवादास
39	7003 (1)	,,	

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×8 8; 16	2	पूर्ण	19 वीं श.	
21×14 5 10;36	4	पूर्ण	1945	लि. क. रघुनाथ जोशी
14.5× 10 14;22	28	,,	1956	लि. क. भीमराज यति लि. स्था. धेनावास
31×19 20;24	1-7	,,	20 वीं श.	
14.5×11 10;17	15	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 6-7 अप्राप्त
27×12 13;40	71	पूर्ण	19 वीं श.	लि. स्था. विसाऊ
27×14 12;43	10	अपूर्ण	19 वीं श.	
29×13 12;44	26	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 4, 8-12 अप्राप्त
29×13 12;42	22	,,	20 वीं श.	
27×14 15;41	3	पूर्ण	1882	लि. क. फतेपुरिया दादूपंथी
26×12 12;40	60	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 48-57 दो बार
28×14 15;32	4	,,	20 वीं श.	द्वितीय अध्याय पर्यन्त
14.5×11 11;15	53	,,	1897	लि. क. रायचन्द

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थनाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3 पुराण 40	3566	कार्तिक माहात्म्य-भाषा	
41	7086 (2)	गणेशचतुर्थी-कथा	
42	2202 (1)	गणेशचतुर्थी-कथा	
43	3215 (1)	गीतामाहात्म्य-भाषा (पद्मपुराणगत)	
44	3012 (1)	,, ,,	
45	2481 (1)	गीतामाहात्म्य-भाषा	भगवानदास निरंजनी
46	6997 (13)	चोथमाता (केरड़ावाली) री वारता	
47	2930 (1)	चोथमातारी कथा	
48	6207 (1)	,,	
49	2203	,, (गणेश कथा)	
50	4596	चौवीस एकादशी माहात्म्य-भाषा	
51	6990 (9)	चौवीस एकादशीरा नाम	
52	3769	जन्माष्टमी-व्रत-कथा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28×13 13;37	21	अपूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1742
13×7.5 6;11	63	पूर्ण	19 वीं श.	पद्यानुवाद
12×10.5 7;10	7-19	,,	1879	पत्राङ्क 1-6 प्राप्त लि. क. पंचोळी सदारूप
13×13 10;16	121	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-5 अप्राप्त
16×11 7;20	100	पूर्ण	1936	
19×15 15;24	11-44	अपूर्ण	1784	पत्राङ्क 1-10 अप्राप्त; लि. क. मानदास लि. स्था. झिलाय
12×19 18;15	87-91	,,	19 वीं श.	जीर्ण
22×12.5 18;36	2	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×10.5 8;14	18	,,	1945	लि. क. भीमराज गुरां लि. स्था. अटबड़ा
15.5×15 11;15	15-19	,,	1909	लि. क. विजयराज; लि. स्था. जोधपुर पत्राङ्क 1-14 20-28 पर औषधोपचार है।
20.5×10 10;28	33	,,	18 वीं श.	प्रथम पत्र खण्डित
24×17.5 18;28	43वां	,,	19 वीं श.	
21×13 13;27	5	,,	1954	लि. क. देवीनारायण मिश्र

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3.पुराण 53	7111 (8)	दशावतार-वर्णन	
54	3225 (5)	नासिकेत-कथा	
55	3225 (6)	,,	
56	7008 (5)	,,	
57	7111 (9)	,,	
58	2421	नासिकेतपुराण-भाषा	
59	6992	नासिकेतोपाख्यान-भाषा	चरणदास
60	5553 (12)	भगवद्गीता-भाषा	भगवानदास निरंजनी
61	2480 (1)	,,	
62	3035	भगवद्गीता-हिन्दी-पद्यानुवाद	हुलासराम पुत्र बिहारीलाल कायस्थ
63	3549	,, ,,	हरिवल्लभ
64	7078 (1)	भरतखण्ड-वर्णन	
65	2425 (1)	भागवत-अनुक्रम-आख्यान	हरिदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×16 16;16	22–24	पूर्ण	18 वीं श.	पत्राङ्क 24 पर 27 नक्षत्र एवं 12 राशियों के नाम हैं।
13.×13 10;16	5-29	,,	19 वीं श.	
13×13 10;16	87	अपूर्ण	19 वीं श.	
13.5×17.5 17;12	27–44	पूर्ण	19 वीं श	
15.5×16 17;23	33-53	,,	1794	
23×17 14;16	70	अपूर्ण	1974	प्रारम्भ के 13 पत्र व अतिमांश अप्राप्त
16×12.5 14;26	54	पूर्ण	1943	लि. क. भीमराज गुरां लि. स्था. आलणपुर
13.5×7 8;20	181–330	,,	1852	
16×16 9;18	4–13	,,	1799	दो अध्याय मात्र
17×11 8;14	29	अपूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1812; पत्राङ्क 1, 10, 11, 21 अप्राप्त
16×12 11;16	68	पूर्ण	1821	लि. क. केशवराम लि. स्था. कर्णकुण्डल
11.5×16.5 19;10	32	अपूर्ण	19 वीं श.	
24×13 13;16	1–23	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3 पुराण66	2540	भागवतपुराण-भाषा	
67	2357	भागवत-दशमस्कन्ध-भाषा (कृष्णचरित्र)	नरहरिदास बारठ
68	2369	भागवत-दशमस्कन्ध-भाषा	भोपतिराम
69	2213	भागवत-एकादशस्कन्ध-भाषा	संतदास
70	7104	,, ,,	
71	3574	भीष्मपंचक-भाषापद्यानुवाद	शिष्य बदरीदास
72	2193	मनसा-वाचारी कथा	
73	7111 (13)	मार्गशीर्ष कृष्णा एकादशी-कथा	
74	3774	रासपंचाध्यायी	नन्ददास
75	3647	,,	,,
76	5483	,,	,,
77	7003 (2)	वैशाखमाहात्म्य-भाषा	
78	4797	शनि प्रसन्न (शनिश्चर कथा)	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28×13 12; 42	123	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
31 5×21 33;27	257-307	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 282–302 अप्राप्त पत्र चिपके हुए
30.×21 17;25	205	,,	1847	र. का. 1744 लि. क. कन्हैयालाल
30×15 15;45	125	,,	19 वीं श.	लि. स्था. सवाई जयपुर पत्र जीर्ण एवं चिपके हुए
20×15 12;23	70	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-5 अप्राप्त; 40-42 व 35 वां दो बार
29×13 13;40	12	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1764 र. स्था. बिसाऊ
14.5×11.5 8;16	15-32	अपूर्ण	1909	पत्राङ्क 1-14 अप्राप्त लि क. विशनसिंह; लि. स्था रतलाम
15.5×16 17;19	100–118	पूर्ण	1706	लि. स्था. वाघावास
24×12 10;34	13	,,	19 वीं श	
20×7 9;33	15	अपूर्ण	1895	प्रथम पत्र अप्राप्त
21.5×9.5 8;29	18	पूर्ण	19 वीं श.	
14 5×11 11; 15	59 88	,,	1897	लि. क. पं. रायचन्द लि. स्था. समदड़ी
7.×11.5 10;12	48	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3.पुराण79	2195 (2)	शनिश्चरजीरी कथा	जोरा पुत्र हुकमराय (जोरावरमल माथुर)
80	5088	,,	,,
81	5771	,,	,,
82	6155	,,	,,
83	7991 (280)	,,	,,
84	6207 (8)	,,	नेणचन्द गुलराज माथुर
85	3019	,,	रामानन्द
86	2448 (8)	,,	
87	3047	,,	
88	3126 (1)	,,	
89	7028 (19)	,,	
90	3126 (2)	,,	
91	3231	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×10 9; 18	23	पूर्ण	1921	लि. क. पूनमचन्द र. का. 1824
21.5×10.5 9; 30	15	,,	1928	र. का. 1824; लि. क. रामविलास लि. स्था. सवाई जयपुर
24.5×11.5 13; 35	9	,,	1884	लि. क. पं. चक्रपाण धजाधारी लि. स्था. सवाई जयनगर
26×12.5 16; 52	4	,,	1934	लि. क. कृष्ण लि. स्था. देवीकोट
15.5×14.5 24;24	111–118	,,	19 वीं श.	
12.5×10.5 8; 13	14	,,	1950	लि. क. भीमराज जती
16×11 8; 18	48	,,	1922	र. का. 1820; लि. क रामचन्द्र ब्राह्मण
20×16 7×21	52–53	अपूर्ण	1898	
15×10 12; 23	28	,,	20 वीं श.	
15×11 6; 12	36	,,	1881	पत्राङ्क 1 अप्राप्त; लि. क. गंगाधर जोशी; जीर्ण
16.5×12 9; 16	120–147	पूर्ण	1890	किनारे नष्ट; लि. क. प्रमाणविजय लि. स्था. धिनावास
15×11 8; 14	4	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
15×12 13; 13	16	पूर्ण	,,	पत्राङ्क 2,15 खण्डित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
92	4626	शनिश्चरजीरी कथा	
93	4712	,,	
94	5519 (1)	,,	
95	7007 (8)	,,	
96	2966	,, आदि संग्रह	
97	6207 (2)	,, छोटी वात	
98	5520 (5)	शिवरात्रि-व्रत-कथा	
99	2452	सत्यनारायण-कथा	
100	3012 (2)	सूरजजीरी कथा	
101	3652	सोलह-सोमवार-कथा	
102	2480 (2)	स्वर्गारोहणपर्व-भाषा	
4. इतिहास			
103	3492 (10)	इन्द्रसिंहजी आदि राजपरिवार की तिथियां एवं पात्रदान-सूची	
104	5561	काकुत्स्य (कछवाहा) वंशावली	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10.5×15.5 13;13	16	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. हरनाथ
15×11.5 7;12	42	,,	1893	अंत में स्फुट कवितादि हैं ।
15 5×12.5 7;17	42	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-31 अप्राप्त
18×12.5 9;16	64–80	पूर्ण	1909	लि. क मेघराज
17×11 12;16	76	,,	1897	महाजनी लिपि में कक्काबत्तीसी औषधीसंग्रह तथा जैन स्तवनादि हैं ।
12.5×10.5 8;14	6	,,	1946	
17×16.5 7;16	16	,,	1938	
23×14 16;45	7	पूर्ण	20 वीं श.	अंतिम पत्र त्रुटित
16×11 7;20	101–122	,,	1936	लि. क. गोपालद्विज; पद्मपुराणगत
15×10 7;17	19	,,	19 वीं श.	र. का. 1692 शाके
16×16.5 9;18	40	,,	1799	अंत के 12 पत्रों में स्फुट औषधी, मंत्रयन्त्रादि हैं । लि. क. जैत
15×8 7;14	3	पूर्ण	19 वीं श.	
22×27.5 20;24	48	,,	1878	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
इतिहास			
105	6408	तपागच्छ पट्टावली	
106	7024 (4)	देहरा कराने, गच्छों की उत्पत्ती आदि की विगत	
प 107	6952	पताजी, दूदाजी रा ग्राम सिणधरी व जसोल री विगत तथा ऐतिहासिक टिप्पणियाँ	
108	7091 (3)	पातसाहांरी नामावली	
109	5909	महाजनांरी वंसावली	
110	4134 (2)	राठौड़ारो वंशावली	
111	7091 (4)	" "	
112	3057 (5)	वल्लभाचार्य वंश-परम्परा की नामावली	
113	3138 (1)	वल्लभाचार्य-वंशावली	
114	6998 (94)	वस्तुपाल-तेजपाल कृत धर्मकार्य की विगत	
ऐ.का.115	6993 (44)	अमरसिंह राठौड़रो सिलोको	साह नेतसी
116	7028 (11)	" "	
117	6216	चित्तौड़री गज़ल	खेतल कवि
118	7088 (6)	"	"

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×12 15;38	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
16×12.5 7;17	27-33	पूर्ण	20 वीं श.	
16 5×908 —;24	1	,,	1891	खरड़ा
11.5×8.5 12;12	1-3	,,	19 वीं श.	
25×10.5 10;26	2	,,	19 वीं श.	
31×19 20;24	7-10	,,	20 वीं श.	
11.5×8.5 12;14	3-5	,,	1822	पाट पर बैठने वालों की विगत
17×10 10×18	18-21	,,	1822	अंत में कन्हैयालालजी महाराज कृत दो श्लोक संस्कृत में हैं।
13×10 7;13	5	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
15.5×10.5 13;21	94-95	पूर्ण	18 वीं श.	अन्त में दो सवैये हैं।
14.5×18.5 1;17	83-86	,,	18 वीं श.	र. स्था. सीरांणो ग्राम (जालंधर)
16.5×12 9;16	147-153	,,	1890	लि. क. प्रमाणविजय
25,5×11.5 21;52	3	,,	19 वीं श.	र. का. 1748
15.5×22 28;18	33-35	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ऐ.का 119	6681	चित्तौड़ री गज़ल	खेतल कवि
120	6998 (82)	,,	,,
121	6394	तारातंबोलरी वार्त्ता	
122	4136	पृथ्वीराज रासो (महोबा समय)	चन्दवरदाई
123	5742 (2)	राठोड़ांरी वंशावली रा कवित्त	
काव्य 124	2357 (1)	अवतारचरित्र	नरहरिदास बारठ
125	2374	,,	,,
126	7015 (4)	,, (रामचरित)	,,
127	2474	आल्हा-वर्णन	कविचन्द
128	2423	कवितावली	गो० तुलसीदास
129	6010 (2)	कृष्ण-रुक्मिणीरी वेली भाषा टीका सह	पृथ्वीराज राठौड़
130	3586	गगा-कथा	गो० तुलसीदास
131	7088 (3)	गजमोखरी नीसांणी	माधोदास दधवाडिया

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.5×9.5 8;27	6	पूर्ण	1817	लि. क. भगवान मुनि लि. स्था. रोहिट ग्राम
15.5×10.5 13;22	7/-81	,,	18 वीं श.	लि. स्था. मनरूप
21×11.5 10;28	7	,,	20 वीं श.	
33×21 19;23	15–62	अपूर्ण	1934	लि. क. गणेश व्यास लि. स्था. महलां
25×10.5 13;52	1	पूर्ण	वीं श.	
31.5×21 33;27	257	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-61 अप्राप्त
25×22 27;31	280	,,	19 वीं श.	जीर्ण एवं त्रुटित
13×16.5 14;12	2–72	पूर्ण	1821	लि. क. पंडित शिवचन्द
25×15.5 22;15	61	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-5 अप्राप्त
22×16 15;34	22	,,	18 वीं श.	
23×17.5 18;26	42	,,	18 वीं श.	पत्राङ्क रहित
29×13 12;38	29	,,	19 वीं श	
15 5×22 25; 16	34–35	,,	1834	लि. स्था. बाघावास

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 132	6285	गरुड़ चौपई	
133	7015 (1)	गुणसभापर्व	हरिदास मीसण
134	2329	जानकी-मंगल	
135	3498	,,	
136	6035 (7)	ढोला-मारूरा दोहा	
137	7015 (2)	देवीयांण	ईसरदास बारठ
138	3118	द्रोपदी का बारहमासा	भुंतो जोशी
139	5056	नवकुली नाग	
140	7005 (3)	नागदमण	
141	7014 (2)	,,	सांयाजीझूला
142	7111	,,	,,
143	6288	पंच सहेली री चौपई	छीहल कवि
144	6035 (5)	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×11.5 17;36	3	पूर्ण	1834	
13×16.5 14;11	20	,,	1834	
16×10.5 11;35	3	,,	1911	
16×10.5 10;17	5	,,	19 वीं श.	
21×12.6 21;40	43–52	,,	18 वीं श.	जीर्ण-त्रुटित
13×16.5 17;15	20-27	,,	19 वीं श.	
15×10.5 7;13	8	,,	1963	र. स्था. कलकत्ता लि. क. मघदत्त औदिच्य
24.5×11.5 17;48	4	,,	1854	
15×14.5 12;17	20–34	,,	19 वीं श	
17×15 5 11;18	17	,,	20 वीं श.	
15.5×16 15;21	55-56	,,	1789	लि. क. पं. गोकलचन्द
24 5×12.5 11;24	5	,,	20 वीं श.	र. का. 1574
21×12.5 21;42	38–39	,,	18 वीं श.	पत्र चिपके हुए

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 145	5185 (2)	पातल	
146	5819	भावपञ्चाशिका	कविवृन्द
147	7015 (3)	भृंगीपुराण	हरदास मीसण
148	2387	रामचन्द्रिका	केशवदास
149	2489	,,	,,
150	2512	रामचरितमानस	गो० तुलसीदास
151	2243	,, बालकाण्ड	,,
152	3988	,, अयोध्याकाण्ड	,,
153	2537	,, अयोध्या एवं अरण्यकाण्ड	,,
154	2351	,, ,,	,,
155	2443	,, ,,	,,
156	3931	,, ,,	,,
157	2218	,, किष्किधाकाण्ड	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×11.5 11;16	10–13	अपूर्ण	19 वीं श.	
22.5×10.5 16;30	7	पूर्ण	1837	
13×16.5 13;12	63	,,	19 वीं श.	
22×16.5 14;26	125	अपूर्ण	19 वीं श.	
18×18 14;26	155	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-4 अप्राप्त
30×15 15;37	247	पूर्ण	1871– 1872	लि. क. उत्तमराम व रामरतन दादूपन्थी; लंकाकाण्ड नहीं है।
31×14 12;42	49	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 3-4 अप्राप्त
30×15 12;40	79	पूर्ण	19 वीं श.	
28×13 9;35	171	,,	1865	लि. क. मंगलदास
30×14.5 14;38	18	,,	1830	लि. क. गंगाराम लि. स्था. सवाई जैपुर
24×16 12;25	29	अपूर्ण	1897	पत्राङ्क 2,5 अप्राप्त
27×14.5 13;34	24	पूर्ण	19 वीं श.	
28×15 12;32	16	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 158	5228	रामचरितमानस-किष्किधाकाण्ड	गो० तुलसीदास
159	2919	,, ,,	,,
160	3111	,, ,,	,,
161	3626	,, ,,	,,
162	3949	,, ,,	,,
163	3992	,, ,,	,,
164	4820	,, ,,	,,
165	2219	,, सुन्दरकाण्ड	,,
166	2734	,, ,,	,,
167	3932	,, ,,	,,
168	3993	,, ,,	,,
169	2245	,, लङ्काकाण्ड	,,
170	3236	,, ,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×15 11; 31	26	पूर्ण	1913	लि. क. बालकृष्ण पंचोली लि. स्था. कृष्णगढ़ पत्राङ्क 4 से एक ही ओर लिखित हैं।
20×11 10; 24	25	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 2, 10, व 21 वां अप्राप्त
15×10 8; 20	32	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1, 2, 25, 26. व 31 वां अप्राप्त
25×12 12; 39	5	पूर्ण	1892	लि. क. जानकीदास वैष्णव
28×14 14;36	16	अपूर्ण	1875	पत्राङ्क 7-12 अप्राप्त लि. क. लालदास दादूपंथी लि. स्था. मळसीसर
30×15 13; 45	10	पूर्ण	19 वीं श.	
19×11.5 10; 24	21	,,	19 वीं श	जीर्ण
28×16 11;39	23	,,	1903	
23×11 6; 22	65	,,	19 वीं श.	
27×14.5 13; 65	19	,,	19 वीं श.	
30×15 13; 47	16	,,	19 वीं श.	
30.5×15 12; 44	56	अपूर्ण	1886	लि. क. रामलाल पुजारी पत्राङ्क 15 वां अप्राप्त
31×15 10; 41	64	पूर्ण	1846	लि. क. श्यामदास प्रथम पत्र खण्डित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 171	3900	रामचरितमानस-लंकाकाण्ड	गो० तुलसीदास
172	2628	,, ,,	,,
173	4085	, सुलोचना कथा	,,
174	2192	रामरासो	माधोदास दधवाड़िया
175	5624	,,	,,
176	7087 (55)	राम सुमिरन	मानकवि
177	2178	विश्रामसागर (रामायण)	रघुनाथदास
178	2365 (2)	विहारी सतसई	बिहारीदास
179	3246	वृन्दसतसई	वृन्दकवि
180	3223	सुदामा-चरित्र	बीरबल
स्फुट काव्य 181	7016 (10)	आशीष एवं कवित-सग्रह	
182	6143	आसिक पच्चीसी	जीतचन्द यति
183	7037 (12)	ईदा रो गीत	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×14 13;37	44	अपूर्ण	1892	लि. क. नारायणदास लि. स्था. चूरू
21.5×12.5 11;24	5	,,	19 वीं श.	
29×13 13;34	15	पूर्ण	19 वीं श.	
16×13 10;15	176	पूर्ण	1817	अंत में 'कागवचनादि' है। लि. क. मगाराम
22.5×10.5 29;26	41	अपूर्ण	1858	लि क. प. मुकना
20×12.5 13;30	48–59	पूर्ण	19 वीं श.	द्वितीय पत्राङ्क अप्राप्त
30×15 13;45	111	अपूर्ण	1939	अयोध्याकाण्ड के पत्राङ्क 1–8 अप्राप्त
32×22 32;26	36–52	पूर्ण	19 वीं श.	
20×14 10;24	30	अपूर्ण	20 वीं श	
16×14 12;19	16	,,	1726	पत्राङ्क 1-5 अप्राप्त लि. क. रामदास लि. स्था. कामवन
15.5×22 22;22	77–78	पूर्ण	19 वीं श.	
9.5×25 75;17	1	,,	19 वीं श.	
15.5×14.5 14;17	23–26	,,	19 वीं श.	संवत् 1759 में युद्ध के प्रसंग पर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फुट काव्य			
184	7015 (5)	ईसर बारठरा कुण्डलिया	ईसरदास बारठ
185	2187 (12)	कंकाळी रा कवित्त	
186	4481	कक्का बत्तीसी	जीवऋद्धि
187	5418	,,	
188	5519 (11)	,,	
189	6558 (1)	,,	
190	5519 (12)	कक्का बारहखड़ी रो छन्द	सूरति (जैन)
191	7022 (55)	कर्म-चौवीसी	
192	7032	करुणाछत्तीसी	माधोराम
193	3224	कवित्त, दोहा संग्रह	आनन्दघन आदि
194	2384	कवित्त-संग्रह	
195	2418	,,	पद्माकर, घनानन्द, कलानिधि
196	2187 (15)	कवित्त, निमाणी, गीत, दोहा-संग्रह	शंभुदास आदि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×16.5 12;12	72–78	पूर्ण	19 वीं श.	
17×13.5 12;14	13-14	,,	19 वीं श.	
28×14 12;25	2	,,	1907	लि. क. कस्तूरचन्द
26×14 11;26	2	,,	20 वीं श.	
15.5×12.5 8;19	89–89	अपूर्ण	19 वीं श.	अंत में औषधि-संग्रह है।
24.5×11 15;38	1	पूर्ण	1917	लि. स्था. गिरनार
15.5×12.5 8;20	93-104	अपूर्ण	19 वीं श.	कीटविद्ध
11×8 13;22	126–129	पूर्ण	18 वीं श.	
6.5×12 23;12	9	,,	19 वीं श.	
15×14 17;18	50	,,	19 वीं श.	
24×18 19;18	6	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1, 3, 6 अप्राप्त
22×16 16;17	16	पूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भ में नन्ददास कृत 'अनेकार्थमंजरी' का प्रारम्भ है।
17×13.5 12;14	18–32	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फुट काव्य 197	2424	कवित्त-संग्रह आदि	
198	7087 (37)	कवित्त सवैया	
199	7008 (20)	कवित्त, सवैया, दोहादि	
200	7008 (11)	,, ,,	
201	7079 (2)	कागदरी पैंठ	
202	7019 (163)	कृष्ण-बारहमासा	
203	7019 (164)	,,	कुनालाल
204	5516 (2)	केहरी रा कुण्डलिया	केहरी
205	5516 (3)	गिरधर के कुण्डलिया	गिरधर कविराय
206	6214	,,	,,
207	4215	गीत-संग्रह	दास अली
208	2187 (14)	गीत अखाजीरा बेटा रो	
209	6035 (13)	गूढा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×14 12; 20	102	पूर्ण	20 वीं श.	जलाभिसिक्त
20×12.5 13; 25	31–33	,,	19 वीं श.	श्रीकृष्ण संबन्धी
13.5×17.5 15; 12	100–103	,,	19 वीं श.	कीटविद्ध
13.5×17.5 14; 10	69–71	,,	19 वीं श.	
16.5×11 10; 18	34-36	,,	20 वीं श.	
15×20.5 23; 19	135 वां	,,	20 वीं श.	अंत में पार्श्वनाथ के दो दोहे हैं।
15×20.5 32; 18	136 वां	,,	20 वीं श.	
15.5×21.5 40; 19	228 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×21.5 25; 21	3–4	पूर्ण	19 वीं श.	
20,5×12.5 13;22	6	,,	19 वीं श.	
20×13.5 10; 27	3	,,	19 वीं श.	र. स्था. दिल्ली 1822; तीसरे पत्र में अंजन की औषधी है।
17×13.5 12; 14	17-18	,,	19 वीं श.	
21×12.5 21; 48	55–57	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फुट काव्य 210	6035 (11)	छन्द-पुरुषांरो कुवखाण	
211	2187 (13)	जोधपुर-वर्णनरो गीत	
212	7000 (3)	ज्ञान पचीसी रा दूहा	
213	7001 (6)	तेतीस अक्षर सीख	
214	7016 (9)	दशावतार-वर्णन	
215	6035 (3)	दोहा-संग्रह नागड़ारा, खींवरा, जेटवारा, सरोत्तरा आदि	
216	7087 (36)	दोहा-संग्रह	कवि मान, जमाल, किसनिया
217	7088 (1)	दोहा-संग्रहादि	
218	6337 (3)	द्रोपदीरा सवैया	
219	3227 (3)	नन्दपचीसी	
220	6667	नवरत्न कवित्त दोहा	
221	6759 (3)	पखवाड़ा रा दूहा	
222	6035 (16)	पनरह तिथि रा दूहा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×12.5 20;37	54–55	पूर्ण	18 वीं श.	पत्र चिपके हुए; नष्ट प्राय:
17×13.5 12;14	15-16	,,	19 वीं श.	
12×11 21;25	7–8	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×10.5 11;18	3-5	पूर्ण	19 वीं श.	ककारादि से प्रारम्भ
15.5×22 42;22	76–77	,,	19 वीं श.	
21×12.5 21;42	34–35	,,	18 वीं श.	
20×12.5 13;24	31 वां	,,	19 वीं श.	
15.5×22 23;18	24	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 13 पर शंकराचार्य रचित महारुद्राष्टक सस्कृत में है। पत्राङ्क 1-4 अप्राप्त
22.5×10.5 16;24	8-9	,,	20 वीं श.	
14×13 11;15	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
24.5×12.5 11;34	2	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×17 14;43	1	पूर्ण	1882	लि. क. विरधीचन्द
21×12 5 15;36	58 वां	पूर्ण	18 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फुट काव्य 223	5273 (1)	पाबूजीरी नीसांणी	
224	7007 (6)	पृथ्वीराज के दोहे	पृथ्वीराज
225	7016 (11)	प्रमोदपचीसी	
226	5516 (4)	प्रास्ताविक कवित्त	कवि गद
227	6997 (5)	,, ,, दूहा, उपमा	
228	7000 (245-46)	प्रास्ताविक-दोहे (गुरु-चेलारा दोहा)	
229	6414	प्रेमपत्री	
230	6759 (2)	प्रेमपत्री रा दूहा	यति खेतळमल
231	6773 (1)	,,	
232	3236	फुटकर कवित	
233	3252	,,	
234	2702	बारहखड़ी	खुश्यालदास
235	3146 (1)	,,	गोपी

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×10 10;30	2	पूर्ण	18 वीं श.	
18×12.5 9;13	36 वां	,,	1932	लि. क. वैष्णव किशनदास
15.5×22 22;22	78–79	,,	1841	अंत में राठौड़ अमरसिंह पर छन्द हैं।
15 5×21.5 24;21	5-6	अपूर्ण	19 वीं श.	
12×19 14;40	69–71	पूर्ण	19 वीं श.	
12×11 17;26	313–315	,,	19 वीं श.	लि. क. का(ला)सागर
24.5×11 14;34	3	,,	20 वीं श.	लि क. कुनणमल
24.5×17 16;43	1	,,	20 वीं श.	र. का. 1748
25.5×10.5 19;19	1	,,	19 वीं श.	
13×13 8;12	18	,,	19 वीं स.	
16×11 7;19	4	,,	19 वीं स.	
21×11 15;36	2	,,	19 वीं स.	र. का. 1875
15×9 8;16	9	,,	1874	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फुट काव्य 236	6207 (9)	बारहमासो	भवानीदास
237	2930 (2)	,,	
238	6035 (9)	मूरख-सोलही	लालचन्द
239	6035 (15)	रागमाला	
240	5067	राजस्थानी दोहा-संग्रह	किसन, ईसरदास
241	6586	रामचन्द्रजीरी-मूंदड़ी	
242	6062	रामचन्द्रजीरो विवाहलो	
243	2191 (1)	लोकगीत-संग्रह	
244	6759 (1)	वरसातरा दूहा	
245	7005 (5)	,, ढोलेरा दूहा	
246	5552 (3)	विवाह समय के दोहे	
247	5516 (1)	वैनीया रा दोहा	वैनीया
248	7016 (1)	शिक्षा उपदेश	

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12 5×10.5 8;14	6	पूर्ण	1950	लि. क. भीमराज जती लि. स्था. अटवड़ा
22×12.5 18;36	2–3	,,	19 वीं श.	
21×12.5 23;37	53–54	,,	18 वीं श.	
21×12.5 30;36	57-58	,,	18 वीं श	शृंगारिक दोहे हैं।
20×11 15;33	5	,,	19 वीं श.	
26×12 14;32	2	,,	19 वीं श.	
25.5×12 11;38	1	,,	19 वीं श.	
18×13 8;18	8	,,	20 वीं श.	छिनालपचीसी तथा बारहमासो भी है।
24.5×17 17;43	1	पूर्ण	20 वीं श.	
15×14.5 12;18	51–53	अपूर्ण	19 वीं श.	
11.5×9.5 12;14	32 वां	,,	17 वीं श.	पत्राङ्क 28-31 अप्राप्त
15.5×21.5 20;16	2	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×22 16;15	2–7	,,	1846	लि. क. शिवचन्द गुरां जलाभिसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फुट काव्य 249	6035 (2)	शृंगार-चन्द्रायणा	
250	5519 (5)	सज्जन-दुर्जन-महिमा	
251	7000 (135)	संध्यारा कवित्त	भद्रसार
252	6627 (3)	समस्यापद एवं राजनीति षद्पद कवित्त	धर्मवर्द्धन
253	6035 (8)	समस्यारा दूहा	लालचन्द कवि
254	6035 (10)	,,	
255	7000 (234-235)	सवैयाद्वय एवं पदसंग्रह	केशव, कबीर
256	6563	सिद्धबूँटी (भंग) की नीसांणी एवं कवित्त	कवि देद
257	2448 (3)	सुदामाजी री बारहखड़ी	
258	3046 (2)	,,	
259	6840 (1)	,,	
260	7016 (14)	सुभाषित कवित्त	
261	7000 (134)	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×12.5 21;42	33–34	पूर्ण	1762	
15.5×12.5 10;19	65–67	,,	1812	लि. क. रतनचन्द
12×11.5 27;18	165 वां	,,	19 वीं श.	आणंद कृत दोहे भी हैं।
26×11.5 13;38	7 वां	,,	19 वीं श.	
21×12.6 10;36	53 वां	,,	18 वीं श.	
21×12.6 26;36	54 वां	,,	18 वीं श.	पत्र चिपके हुए नष्ट प्रायः
12×11.5 15;25	307 वां	,,	19 वीं श.	
15×10.5 18;52	1	,,	19 वीं श.	लि. क. पं० भूपति
20×16 7;21	46–52	,,	1898	
14×11 5;8	16–34	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क २३, २४, अप्राप्त
26×11 21;48	1	,,	1922	लि. स्था. रतलाम
15.5×12 28;20	99 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
21×11.5 14;19	162–164	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फुट काव्य			
262	7087 (64)	सुभाषित दूहा	
263	6875 (2)	सुभाषित दूहादि	हेम यति
264	7096 (6)	,,	
265	3146 (5)	सुभाषित-दोहावली	
266	7000 (7)	,, संग्रह आदि	
267	7025 (6)	सूरतरी बारहखड़ी	सूरत कवि
268	6176	सोभाचन्द भंडारी का प्रशंसात्मक चित्र काव्य	
269	2463	स्फुट कवित्त दोहादि संग्रह	मतिराम, गंग, बंशीलाल
270	2185 (17)	हीयाळी-संग्रह	वीरविजय
271	6035 (4)	,,	जसराज
272	6035 (14)	हीयाळी सग्रह	
273	6058 (14)	,, सस्तबक	देपाल
नीति शास्त्र			
274	2370	अश्व-हस्ति-लक्षण	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×12.5 9;18	69–73	पूर्ण	19 वीं श.	
16×11.5 10;23	5–7	,,	19 वीं श.	
13×11.5 9;13	3-12	,,	19 वीं श.	
15×9 8;16	21-30	,,	19 वीं श.	
12×11 15;24	16–26	,,	19 वीं श.	छींकविचार; पूजाविधि; हीयाला, समस्यापूर्ति व नुस्खे भी हैं।
20.5×12.5 7;23	48–60	,,	19 वीं श.	
18×18 12;10	1	,,	20 वीं श.	कमलबद्ध
20×15 17;20	27	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-7 व 16 वां अप्राप्त
23×60 7;64	1	पूर्ण	20 वीं श.	
21×12.5 21;42	35–38	,,	18 वीं श.	
21×12.6 18;38	57 वां	,,	18 वीं श.	
25×10.5 13;36	1	,,	1781	लि. क. सुखानन्द लि. स्था. जालोर
29×23 27;31	17-20	,,	1999	शुक्रनीति के अनुसार है। पत्राङ्क 19 वां जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
नीति-शास्त्र 275	2483	चाणक्य-नीति-भाषा	उम्मेदराम
276	2431	,,	
277	2195 (1)	दस्तूर अमल	
278	2375 (3)	नसीयतनामा	
279	2201	लुकमान हकीम को नसीयत	
280	7079 (3)	,, ,,	
281	5695	सवासौ सीख	धर्मवर्द्धन
282	6262	,,	,,
283	7019 (112)	,,	,,
284	4952	,,	,,
285	6378	,,	,,
भक्ति सा० 286	5553 (18)	अजामिल-चरित्र	दास
287	5553 (8)	अरिल्ल छन्द	वाजीद

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×19 21;13	3	अपूर्ण	20 वीं श	
25×14 8;29	6	,,	20 वीं श.	
16×10 8;18	7–15	,,	1922	लि. क. काशीराम सेवक
28.5×23 19;16	11	पूर्ण	20 वीं श.	सन् 1853 आगरा में छपी पुस्तक की नकल है।
20×10.5 10;24	8	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्राङ्क 5 वां अप्राप्त
16.5×11 5;18	37–42	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11 17;48	1	पूर्ण	20 वीं श.	
25×10.5 14;40	2	,,	19 वीं श.	जीर्ण
15×20.5 22;18	114-115	,,	1928	लि. क. भीमराज लि. स्था. बालूपद
23×10.5 15;37	2	,,	1810	लि. क. गंगाराम लि. स्था. कांनोड़; अन्त में 3 पद हैं।
24×10.5 15;34	3–4	,,	19 वीं श.	अंत में 'निद्रा सज्झाय' है।
13.5×7 9;21	526-541	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1724
13.5×7 8;21	151–159	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 288	7000 (244)	आत्माशिक्षा-सज्झाय	काज़ी महमद
289	2202 (2)	उषा-प्रसंग	
290	2481 (7)	कबीरजी की परची	अनन्तदास
291	4112 (2)	कबीरवांणी	कबीरदास
292	5553 (2)	कायाबेली सभाषा टीका	
293	3498 (2)	कृष्णमंगल	
294	7019 (189)	कृष्ण-लावणी	भादु जीवन
295	3137 (5)	गज-चरित्र	सुन्दरदास
296	5553 (20)	गजनामा की साखी	
297	7038 (6)	गीत 'बूझहू हो तुम बुझहू हो भाई'	गोरखनाथ
298	2199 (2)	गुणहरिरस	
299	3584	गुरु-उपदेशमहिमा	पोहकरदास
300	3056 (6)	गुरु-महिमा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12×11 12;24	312 वां	पूर्ण	19 वीं श.	अंत में एक और अपूर्ण सज्झाय है।
22×10.5 7;10	20–22	अपूर्ण	1879	
19×15 15;24	24–36	,,	1784	
17×9.5 12;21	295–526	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×7 8;21	15–57	,,	19 वीं श.	
16×10.5 11;77	6–7	,,	19 वीं श.	
15×20.5 22;19	142–143	,,	20 वीं श.	
15×9.5 7;14	108-111	अपूर्ण	19 वीं श.	
13.5×7 9;21	575-600	पूर्ण	1859	लि. क. रामविलास लि. स्था. ककोड़-डूंगरी के महल में
13×30.5 33;16	45–46	,,	16 वीं श.	
21×15.5 13;18	9	अपूर्ण	19 वीं श.	
26.5×12.5 12;38	4	पूर्ण	19 वीं श.	
17×10 7;14	5	अपूर्ण	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 301	2425 (3)	गुसांईजी ना २५२ सेवक नु धोल	
302	5553 (19)	गोपीचन्द की वैराग्य लीला	कल्याणदास
303	6943 (5)	चन्द्रायणा फुटकर	
304	6849	चेतावणी को अंग	रामचरण
305	3150	,,	जनतुरसी
306	5555 (1)	,,	रामचरण
307	3233 (1)	चौरासी वैष्णव को धोल	वल्लभाचार्य ?
308	2425 (2)	,,	दयाराम
309	5553 (6)	छीतरदासजी के सवैये	
310	6087	जोगपावड़ी	गरीबदास
311	2187 (3)	तर्कचिंतामणि	सुन्दरदास
312	2481 (6)	तिलोचनजी की परची	अनन्तदास
313	5553 (16)	दत्तात्रेय-गोरख-संवाद	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×13 13;16	27-33	पूर्ण	1894	लि. क. परमानन्दघेला लि. स्था. श्रीभारिया; पत्राङ्क 33-34 पर संस्कृत, हिन्दी के सुभाषित पद्य हैं ।
13.5×7 9;21	541-5/5	"	19 वीं श.	
22×11.5 20;35	29 वां	"	19 वीं श.	
27.5×13 11;36	6	"	19 वीं श.	
19×10 8;17	15	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1, 2, 3, 6, 11 अप्राप्त
11×6.5 7:15	38	"	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-28 अप्राप्त
17×13 9;20	1-6	पूर्ण	19 वीं श.	
24×13 13;16	24-27	"	19 वीं श.	
13.5×7 8;20	124-133	"	19 वीं श.	
25.5×10.5 17;43	2	"	19 वीं श.	जीर्ण
17×13.5 16;16	6-11	"	1849	
19×15 15;24	22-24	"	1784	
13.×57 9;20	505-512	"	18 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 314	5553 (14)	दयाबोध	
315	4112 (8)	दयालजी की भेट के सवैये	छीतरदास
316	2188	दयालजी की वांणी	दयालदास शिष्य रामदास
317	3084	दादूवांणी	दादूदयाल
318	3187	"	"
319	4112 (1)	"	"
320	350	दानलीला	कृष्णदास
321	3771	"	"
322	2481 (4)	"	भवानीदास कायस्थ
323	5382	"	हरि
324	3246	"	
325	3498 (3)	"	
326	5553 (10)	दासजी की चौपई	दास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.5×7 9;21	500–502	पूर्ण	19 वीं श.	
17×9.5 12;21	710–716	,,	1865	पत्राङ्क 716-717 पर सकृत को अंग एवं साखी है।
22.5×17 21;16	185	,,	1873	लि. क. बालकदास लि. स्था. खेड़ा
16×11 8;13	52	,,	19 वीं श.	
17×8 9;21	10	अपूर्ण	20 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
17×9.5 12;23	295	पूर्ण	19 वीं श.	
15×11 10;19	14–19	,,	19 वीं श.	
19×11 10;25	4	,,	19 वीं श.	
19×15 15;24	8-15	,,	1784	र. का. 1772
23.5×10.5 14;44	2	,,	18 वीं श.	
22×11 8;27	4	,,	19 वीं श.	
16×10.5 10;17	7–13	,,	19 वीं श.	
13 5×7 8;21	166-169	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 327	2187 (7)	द्विजकन्या-संवाद	
328	5552 (2)	देवादासजी की वांणी	देवादास
329	2967 (1)	धर्मजहाज	चरणदास
330	4112 (7)	धरचा जुजमल पदमसिंघ राजारी कथा	
331	2565	ध्यानमंजरी	अग्रदास
332	2187 (4)	ध्रुवचरित्र	जन गोपाल
333	3498 (4)	,,	,,
334	5553 (15)	नरबोध	
335	2198	नरसी मेहतानी हुंडी	परमानन्द
336	2425 (4)	नवाख्यान	
337	4112 (3)	नामदेवजीरी वांणी	नामदेव
338	7015 (7)	नाममाला	धीरसाह
339	7019 (178)	पदसंग्रह	मीरां

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×13 5 17;13	30	पूर्ण	1848	
11×6.5 7;15	39–71	,,	19 वीं श.	
18×13 13;11	55	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त
17×9.5 12;21	666–710	पूर्ण	1865	लि. क. धीरमदास लि. स्था. सुहालूवास
26×13 10;35	5	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क २ रा अप्राप्त
17×13.5 16;21	151–152	,,	1846	
16×10.5 10;17	13–20	पूर्ण	1903	
13.5×7 9;20	502–505	,,	19 वीं श.	
25×14.5 11;32	10	,,	19 वीं श.	कीटभक्षित
24×13 13;16	35–50	,,	1894	वल्लभाचार्य एवं विट्ठल संबन्धी 9 कडुवे हैं।
17×9.5 12;21	526–567	,,	19 वीं श.	
13×16.5 19;22	81–82	,,	19 वीं श.	भगवान राम, कृष्ण, पीर आदि का गुणानुवाद है।
15×20.5 6;19	140 वां	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा०			
340	6968 (109)	पदसंग्रह	सूरदास
341	2185 (13)	,,	कबीरदास
242	7006 (63)	,,	,,
343	7006 (52-56)	,,	कबीरदास, गोरखनाथ, आनन्दकन्द
344	4735 (1)	,,	मीरां
345	2196	,,	जैमलदास, हरिरामदास, रामदास, दयालदास, परसराम, सेवगराम, भोजो, सहजराम, मीरां, सूरदास
346	2366	,,	सूरदास, चतुर्भुज, विट्ठल, परमानन्द, गोविन्द, कृष्णदास हितहरिवंश, नन्ददास, ठाकुरदास
347	2367	,,	लछीराम, आनन्दघन, व्यासदास, मानिकचन्द, सूरदास, चतुर्भुजदास, माधवदास, गदाधर, सुमति, सगुनदास, जनमाधी. जनहरिदास आदि
348	2391	,, (वर्षाऋतु के)	सूरदास, कुम्भनदास, नन्ददास, तानसेन, मदनराय, विठ्ठल, हरदास
349	2392	,, (छाक का)	परमानन्द, छीतस्वामी, मुरारिदास, सूरदास, कृष्णदास, विठ्ठल नन्ददास, मोहन
350	2411	पदसंग्रह (लाडिलीजू, ललिताजू व सखियों की बधाई के)	वंशीअली
351	2413	पदसंग्रह	कानड़दास, चन्द्रसखी, राजा मानसिंह, तुलसीदास, सूरदास, बगतावर आदि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×10.5 12;24	108 वां	पूर्ण	18 वीं श.	पत्राङ्क 109 पर राठौड़ अमरसिंह का झूलणा तथा भोजराज का प्रसंग है।
23×10 6;64	1	,,	20 वीं श.	
15×10.5 11;18	115–116	,,	19 वीं श.	
15×10.5 11;18	106–111	पूर्ण	19 वीं श.	
15×11.5 10;11	1	,,	19 वीं श.	
14×9.5 9;21	116	,,	19 वीं श.	
30×21 28;20	6	,,	19 वीं श.	
30×21 41;35	10	,	19 वीं श.	
22×15 24;19	9	अपूर्ण	19 वीं श.	
22×15 19;16	10	पूर्ण	19 वीं श.	
20×14 19;16	19	अपूर्ण	19 वीं श.	
22×18 21;22	62	अपूर्ण	19 वीं श.	रागबद्ध; पत्राङ्क, 1, 4, 5, 8-12, 15-19, 21, 22, 73-77 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम		कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 352	2415	पदसंग्रह		ब्रह्मदास, नरसी, मीरां
353	2419	,,	(राजभोग आदि के)	दामोदर, नन्ददास
354	2420	,,	(ब्रजराजजी के)	चतुर्भुजदास, कुम्भनदास नन्ददास आदि
355	2425 (5)	,,		वल्लभाचार्य
356	2428	,,	(वर्षोत्सव के)	सूरदास, परमानन्द, नन्ददास, माधोदास, कृष्णदास आदि
357	2464	,,		हित हरिवंश, सदानन्द, विहारीदास
358	2946	,,		राधागोविन्द गोस्वामी
359	2987	,,	(जन्मोत्सव आदि के)	जनगोविन्द, रामदास तुलसीदास, रामरसिक, कविराम, चरणदास
360	3037	,,		
361	3103	,,		परमानन्द, मानदास बुधानन्द, व्यासदास हरिदास, केवलराम, सूरदास, श्रीभट, नन्ददास, मीरां, गदाधर,
362	3116 (3)	,,		रामचरण, जनसुरतराम, रतनदास, कबीरदास
363	3206	,,		कृष्णदास, कुंभनदास, नन्ददास, परमानन्द, सूरदास, हरदास
364	4043	,,		तुलसी, छोगा, चंद्रसखी, सूरदास, शाह हुसैन, नन्ददास, तारासिंह, मीरां, कबीर, मोहनदास, नागरी, गुमानीराम, नरसी, आदि।

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×17 19; 21	3	पूर्ण	19 वीं श.	
22×16 18; 14	10	अपूर्ण	20 वीं श.	बीच के तीन पत्रों पर स्फुट दोहे हैं।
21×15 18; 21	15	पूर्ण	20 वीं श.	
24×13 13; 16	50–58	पूर्ण	19 वीं श.	पन्द्रहतिथि तथा परिक्रमा के पद हैं।
24×16 15;16	18	अपूर्ण	19 वीं श.	
20×14.5 8; 23	11	,,	19 वीं श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त; राग बद्ध
21×11 7; 22	9	,,	19 वीं श.	
17×11 11;19	18	पूर्ण	19 वीं श.	राग मारू
16×11 8; 19	6	अपूर्ण	19 वीं श.	राग-गोरी, आसावरी, काफी
17×12 11; 21	30	,,	19 वीं श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त; 68 पद हैं।
14×8 6; 14	43	,,	19 वीं श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त; 35 पद हैं।
11×8 10; 9	48	पूर्ण	19 वीं श.	
17×11 10; 24	98	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा०			
365	5560 (1)	पदसंग्रह	कबीरदास
366	6181 (1)	,,	नरसी
367	2181 (12)	,,	कबीर
368	7019 (180)	,,	
369	2479 (1)	परमार्थ अष्टोत्तरी (प्रथमपचीसी)	नवनिधिराम
370	2187 (5)	प्रह्लाद-चरित्र	जनगोपाल
371	3137 (3)	,,	,,
372	3219 (1)	प्रह्लादजी की लीला	
373	5553 (9, 11)	फुटकर सबद	
374	5553 (17)	बालकरामजी के कवित्त	बालकराम
375	2187 (11)	ब्रह्मज्ञान-परची	संतदास
376	3056 (8)	ब्रह्मस्तुति	
377	3014	भंवरगीत	नन्ददास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29.5×14.5 16; 52	47	अपूर्ण	19 वीं श.	कीटविद्ध
23.5×11 5 30; 35	1	पूर्ण	19 वीं. श.	
25×11.5 8; 49	5 वां	,,	1953	
15×20.5 9; 18	140 वां	,,	20 वीं श.	
16×16 13; 20	5	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त
17×13.5 16; 19	152–168	पूर्ण	1846	लि. क. नगजी जोसी लि. स्था. नाथद्वारा
15×9 5 7; 14	60–95	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 61, 62, 82 92 अप्राप्त
23×17 14; 24	2–29	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
13.5×7 8; 21	160-166; 169–181	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×7 8;21	512–526	,,	19 वीं श.	
17×13.5 16; 15	1–10	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 11-12 पर पुराणों के 8 पद्य हैं।
17×10 6; 12	7-10	अपूर्ण	19 वीं श.	अंत में फुटकर सबद हैं।
16×12 8; 12	23	पूर्ण	19 वीं श.	लि, क. ठाकुरदास वैष्णव

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा०			
378	3341 (2)	भक्तमाल	नाभादास
379	3239	भक्तमाल 'भक्तिरसबोधिनी' टीका	मू. नाभादास टी. प्रियादास
380	3137 (4)	भक्त-विरुदावली	
381	3882	भक्तिरत्नाकर	
382	3137 (6)	भ्रमरचरित्र	सुन्दरदास
383	2395	मनप्रबोध	गोपालदास
384	5519 (4)	मन-भमरा-गीत	काजीमहमद
385	3137 (7)	मीन-चरित्र	सुन्दरदास
386	5553 (4)	मोहमरदराजा की कथा	जगनाथ
387	5555 (3)	"	"
388	3219 (2)	योग-लीला	
389	3046 (1)	राधिकाजी की बारहखड़ी	
390	3091	राधिका-श्याम की सगाई	नन्ददास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×14 16;54	1	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भमात्र
18×14 11;29	71	"	20 वीं श.	पत्राङ्क 1, 13 59-60,66 अप्राप्त
15×9.5 7;14	96–98	"	19 वीं श.	
23×10 10;41	3	"	19 वीं श.	
15×9.5 7;14	112–117	पूर्ण	19 वीं श.	
22×15 19;22	10	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×12.5 9;17	63–64	पूर्ण	1823	
15×9.5 7;14	117–134	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 117, 122-128 व 133 वां अप्राप्त
13.5×7 8;21	81-96	पूर्ण	19 वीं श.	
11×6.5 7; 15	72–129	"	19 वीं श.	र. का. 1776
23×17 14;24	29–37	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिम तीन पत्र खण्डित
14×11 5;8	16	पूर्ण	19 वीं श.	
14×11 7;10	13	अपूर्ण	19 वीं. श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 391	5551	रामचरणजी की वांणी	रामचरण
392	5189	राम-नाम गीत	हरिराम पुत्र प्रभुदास
393	4112 (4)	रैदासजीरी वांणी	रैदास
394	2484 (5)	विरहमञ्जरी	
395	7000 (247)	विमेकवारदरीनिसांणी	केसोदास गाडण
396	2187 (9)	विवेक चितावणी	सुन्दरदास
397	7087 (59)	,,	,,
398	2481 (2)	शुकसंवाद	खेम
399	2187 (6)	,,	,,
400	2967 (2)	सबद-सग्रह	चरणदास
401	3056 (8)	,,	जनहरिदास
402	6997 (3)	,,	दादूदयाल
403	2985 (2)	,,	कबीरदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×8.5 7;13	95	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11 12;36	1	,,	20 वीं श.	र. का. 1832
17×9 5 12;21	567–594	,,	19 वीं श.	
19×15 15;24	15–21	,,	1784	लि. क. मानदास
12×11.5 19;27	316–324	,,	19 वीं श.	
17×13.5 16;16	3–6	,,	19 वीं श.	
20×12.5 13;25	63–65	,,	19 वीं श.	
19×15 15;24	16	,,	1784	
17×13.5 16;19	17	,,	1846	लि. क. नगजी जोशी
18×13 13;11	55-59	अपूर्ण	19 वीं श	अतिमांश अप्राप्त
17×10 6;12	3-7	पूर्ण	18 वीं श.	
12×19 15;12	56 वां	,,	1849	
17×12 15;13	5-21	अपूर्ण	20 वीं श.	अंतिम पत्र चरणदास कृत 'ज्ञानस्वरोदय' का है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा०			
404	5560 (2)	साखीसंग्रह	कबीरदास
405	2187 (11)	सुन्दरदासजीरी वांणी	सुन्दरदास
406	3550 (6)	,,	,,
407	5553 (5)	सुन्दराष्टक	,,
408	5553 (1)	सुमरण को ग्रङ्ग	दादूदयाल
409	2481 (3)	स्नेहलीला	जनमोहन
410	3057 (1)	,,	,,
411	3145	,,	मुकुन्ददास
412	2448 (2)	,,	(मोहनदास स्वामी) जनमोहन
413	3550 (1)	,,	,,
414	2982	,,	विष्णुदास
415	2997	,,	,,
416	2980	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29.5×14.5 16;52	24	अपूर्ण	19 वीं श.	कीटविद्ध पत्राङ्क 2, 22 अप्राप्त
17×13.5 16;19	82	अपूर्ण	1846	प्रथम पत्र अप्राप्त
15×11 12;19	40–46	पूर्ण	19 वीं श.	साध को अंग
13.5×7 821;	96–98	,,	19 वीं श.	
13 5×7 8;21	15	,,	19 वीं श.	
19×15 15;24	8	,,	1784	
17×10 10;18	1–12	,,	19 वीं श.	
15×9 7;14	26	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1, 5-10, 16-19, 22, व 25 वां अप्राप्त
20×16 7;21	28–45	पूर्ण	1898	लि. क. लाला रामकुंवर
15×11 10;19	1–14	,,	19 वीं श.	
18×12 11;20	10	,,	1943	
17×12 10;14	15	,,	1926	
17×12 10;18	3	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 417	3380	स्नेहलीला	जन मोहन
418	4802	,,	,,
419	7111 (14)	,,	,,
420	3227 (1)	स्फुट साखी कवित्तादि	कबीर आदि
421	4112 (5)	हरदासजीरी बांणी	हरदास
422	7008 (7)	हरनांम-महिमा	दामोदर
423	5555 (4)	हरिचन्द-सत	
424	2187 (8)	हरिबोल-चितावणी	सुन्दरदास
425	3137 (2)	,,	,,
426	5553 (7)	,, तर्कचितावणी एवं विवेक चितावणी	,,
427	5180	हरिरस	ईसरदास बारठ
428	7005 (4)	,,	,,
429	7008 (4)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18×11 9;21	4	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×10.5 7;15	24	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×16 15;15	119-130	,,	1807	
14×13 10;15	7	,,	20 वीं श.	
17×9.5 12;21	594-631	,,	19 वीं श.	
13.5×17.5 12;10	45-57	,,	1795	
11×6.5 7;13	129-130	अपूर्ण	19 वीं श.	
17×13.5 16;15	1-3	पूर्ण	1848	
15×9.5 7;14	49-52	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 19-48 अप्राप्त
13 5×7 8;20	133-137; 137-145; 145-151	पूर्ण	19 वीं श.	
22×10 13;31	10	,,	1771	लि. क. पदमविजय
15×14 5 12;18	34-51	,,	19 वीं श.	
13.5×17.5 18;12	8-27	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा०			
430	7014 (1)	हरिरस	ईसरदास बारठ
431	7007 (5)	"	
कथा वार्त्ता			
432	7016 (2)	करणावली	
433	5376	कलंकी राजा की बात	
434	5757	"	
435	6487	(1) कहवाट सरवहियैरी वात	
		(2) राजा भोज अरु भानुमतीरी वार्ता	
		(3) चांपा सींधळरी वार्त्ता	
		(4) मोहिलांरी वार्त्ता	
		(5) जेसै सरवहियैरी वार्त्ता	
		(6) खीचियांरी वात	
		(7) सोरठ बींझारी वात	
		(8) मडलीकरी वार्त्ता	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×15.5 10; 15	30	अपूर्ण	1908	पत्राङ्क 1-8 अप्राप्त लि. क. मेहरचन्द लि. स्था. रोहिठ
18×12 5 7; 14	31-34	"	20 वीं. श.	
15.5×22 17; 15	8-10	"	19 वीं श.	
24×9.5 12; 40	2	पूर्ण	1823	लि. क. विनयविजय लि. स्था. उमरलाई
23.5×10 23; 36	1	"	20 वीं श.	
25 5×11 14; 40	51–57	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-50 अप्राप्त; पत्र चिपके हुए हैं।
25.5×11 14; 40	57–70	पूर्ण	19 वीं श.	"
25.5×11 14; 40	70–74	"	19 वीं श.	"
25.5×11 14; 40	74–77	"	19 वीं श.	"
25.5×11 14;40	77–81	"	19 वीं श.	"
25.5×11 14; 40	82–92	"	19 वीं श.	"
25.5×11 14; 40	93-98	"	19 वीं श.	"
25.5×11 14;40	98-100	"	19 वीं श.	"

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
कथा वा० 436	5855	चन्दकुमररी वात	रसिक कविराय
437	6943 (4)	,,	
438	7088 (2)	चन्दनमलयागिरी री वात	भद्रसेन
439	6955 (4)	चित्रगुप्तरी कथा	भवानीदास व्यास
440	2205	जलाल-वूबनारी वार्त्ता सचित्र	
441	6929 (1)	डोकरीनी वात	
442	2373	तिलस्मी क़िस्सा	
443	7017 (3)	दाढाला री वात	
444	5612 (16)	नागमंता	
445	7016 (3)	पंचाख्यान-भाषा	
446	7011	फूलजी-फूलमतीरी वार्त्ता	
447	6943 (2)	भुंडए-दाढाला-वाराहरी वात	
448	2180	मधुमालती री कथा	चतुर्भुजदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 5×10 11; 32	7	अपूर्ण	19 वीं श.	
22×11.5 14; 32	23-28	पूर्ण	1874	र. का 1640 लि. क. ऋषि उदयचन्द
15.5×22 23; 17	24-33	,,	1833	
14.5×10 13; 22	31-36	,,	1956	लि. क, यति भीमराज लि. स्था. धेनावास
27.5×20 22;15	53	,,	1913	लि क. सदाचन्द; लि. स्था. सुभटपुर चित्रित पत्राङ्क 1-4,6-32; 34-53 चित्रसंख्या-78
21×11.5 10; 26	1-2	,,	20 वीं श.	
27×18 19; 19	99	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्राङ्क नहीं लगे हैं।
17×21 23;19	68 वां	,,	19 वीं श.	
10.5×10 17; 15	86-99	,,	1901	लि. क. पण्डित हर्षचन्द्र लि. स्था. रतलाम पत्राङ्क 97 वां अप्राप्त
15.5×22 19; 15	2-39	,,	19 वीं श.	
20.5×13.5 14; 25	26	पूर्ण	1910	र. का. 1852 लि. क. पण्डित गुणविलास
22.5×11.5 10; 9	11-22	,,	1857	लि. क. ऋषि उदयचन्द लि. स्था. रोहिठ
21×16 21; 19	49	,,	1860	लि. क. रामकरण लि. स्था. सिणधरी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
कथा वा० 449	2194	मधुमालतोरी कथा	चतुर्भुजदास
450	2569	,,	,,
451	2597	,,	,,
452	5233	राजा रीसालुरी वात	नरबद
453	6758	राजा रीसालुरी वात	नरबद
454	7074	रावल जगमालरी वात	
455	5519 (2)	लाखाफूलाणीरी वात-	
456	6036	वैतालपच्चीसी-भाषा	देईदान नाइता
457	6774	शुकबहोत्तरी	
458	5596 (2)	सदैवच्छसावलिंगारी वात	
459	6035 (6)	,,	
460	6982	,,	
461	2375 (1)	ससी पना पातशाहजादा की बात	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×12.5 7;12	80	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भ व अंत में पांच पत्र अतिरिक्त हैं।
27×13 15;41	38	पूर्ण	1828	लि. क. ऋषि हरिचन्द
26×11 13;44	36	अपूर्ण	1767	पत्राङ्क 1-2, 5-7, 22 वां अप्राप्त लि. क. शिवविमल; लि. स्या. ईसरदा
26×11.5 17;38	8	पूर्ण	1841	लि. क. उत्तमचन्द लि. स्था. खेमतग्राम
24×16..5 22;42	5	पूर्ण	20 वीं श.	
20.5×7.5 10;34	8	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×12.5 10;18	14	"	19 वीं श.	
21×12.6 20;36	25	"	1726	जीर्ण; लि. क. उदयसोम लि. स्था. विक्रमपुर पत्राङ्क 1–2 अप्राप्त
25.5×11 19;33	20	"	18 वीं श.	
20.5×15.5 9;24	48	"	19 वीं श.	
21×12.5 21;44	39–43	"	18 वीं श.	चिपके हुए पत्र
24×10.5 16;42	8	पूर्ण	1866	लि. क. दलीचन्द लि. स्था. बीयां
28.5×23 19;16	12	अपूर्ण	20 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
कथा वा०			
462	6035 (1)	सिंहासन बत्तीसी	
463	6943 (1)	सोरठ वींझारी वात	
464	5596 (1)	हितोपदेश-भाषा	
465	3096	,,	
काव्य शास्त्र			
466	5720	कविप्रिया	केशवदास
467	3583	छन्दरत्नाकर	
468	5485	छन्दोरत्नावली	हरिरामदास निरंजनी
469	5524	,,	,,
470	7016 (13)	,,	,,
471	2981	नायिका भेद एवं अलंकार-वर्णन	
472	2371	पद्माभरण	पद्माकर
473	4134 (3)	पाण्डवयशेन्दुचन्द्रिका	सरूपदास
474	4133 (2)	पिंगल भाषा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×12.5 21;41	32	पूर्ण	1762	लि क. उदयसोम लि. स्था. विक्रमपुर
22.5×11.5 14;38	11	अपूर्ण	1853	लि. स्था. पाली
20.5×15.5 8;18	29	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-3 अप्राप्त
16×10 19;16	254	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 11-18, 20–24, 31-53, 248, 249, 253, अप्राप्त
26×10.5 11;36	11	पूर्ण	1842	लि. क. पण्डित खुश्यालचंद
24×10 10;40	6	अपूर्ण	20 वीं श.	
21.5×12 10;28	20	पूर्ण	1871	र. का. 1795, र. स्था. डीडवाना
25×13 10;36	16	,,	1913	लि. क ग्यानदास साधु लि. स्था. देवग्राम
15.5×22 18;18	81–98	,,	1842	लि. क. शिवा
18×12 11;21	6	,,	19 वीं श	
27×20 23;22	15	अपूर्ण	19 वीं श.	
31×19 16;16	175	पूर्ण	1933	र. का. 1892; लि. क सदालाल ब्राह्मण; प्रारम्भ के सात पत्रों पर 'आदिपुराण-भाषा' है ।
27×18 15;16	24	,,	1948	कीटविद्ध; प्रथम परिच्छेद मात्र; लि. क. घन्नानाथ जोगी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्यशास्त्र 475	2479 (2)	पिंगल भाषा-गणविचार, अभिसारिका वर्णन आदि	
476	2197	रघुनाथ-रूपक	मंछाराम
477	2365 (1)	रसिकप्रिया	केशवदास
478	4126	"	"
व्याकरण 479	7027 (3)	मात्रिका, संधि सूत्रादि	
480	7029 (1)	" "	
481	7047	संधिसूत्र	
कोष 482	3164 (4)	नाममाला	नन्ददास
483	6647	नाममाला-सूचनिका	
484	6878	मानमञ्जरी-नाममाला	नन्ददास
485	7010 (1)	"	"
486	7016 (4)	हरिजस-नाममाला	रतनूं हमीर
आयुर्वेद 487	6452	औषधी-संग्रह	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×16 13;20	15	अपूर्ण	19 वीं श.	
30×15 13;45	41	पूर्ण	1940	लि. स्था. जोधपुर अंत में 'मंदोदरी गीत' है।
32×22 32;26	16-36	,,	19 वीं श.	
25×10 12;42	46	,,	1783	लि. क. चोखचन्द ऋषि शोभन लिपि
16×12.5 11;22	15–26	,,	20 वीं श.	लि. क. विनयचन्द; पत्राङ्क 17-20 पर लघुचाणक्य; 21-25 पर 40 तक की पहाड़ा-पट्टी एवं 26 वें पर यंत्र हैं।
18.5×15.5 11;16	2	,,	1856	
11.5×10.5 13;16	4–6	,,	19 वीं श.	
12×7.5 5;11	95	,,	19 वीं श.	लि. क. चैनसुख लिं. स्था. अलवर
21×10.5 10;24	2	,,	20 वीं श	'समयसारनाटक' के अन्तर्गत
24×13.5 15;31	8	अपूर्ण	20 वीं श.	
23×17.5 15;24	15	पूर्ण	1792	लि. क. दीपचन्द तिवाड़ी
15.5×22 18;15	40-70	,,	19 वीं श.	र. का. 1776
21×11.5 12;28	80–87	,,	वीं श. 20	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
आयुर्वेद			
488	5545 (77)	औषधी-संग्रह	
489	6334	"	
490	6998 (28)	"	
491	4495	" एवं मंत्रादि	
492	7016 (5)	" "	
493	6638	"	
494	5612 (2)	" "	
495	3042	"	
496	5546	"	
497	2574	औषधोपचार	
498	2372	कफ-ज्वर का जतन	
499	4455	घोड़ा चोली गोली विधि	
500	5552 (6)	चिंतामणि चूर्णादि	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×9.5 7;16	118-128	पूर्ण	वीं 20 श.	
25·5×12 5 15 32	1	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×10.5 12;22	30–32	पूर्ण	18 वीं श.	
25.5×11 15;25	1	„	19 वीं श	
15.5×22 22;19	71–73	„	19 वीं श.	
25×10.5 16;38	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
10.5×10 15;12	142-145; 154-175: 182-194	पूर्ण	1892	लि. क. पण्डित हर्षचन्द्र
16×11 17;15	32	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-3, 6 अप्राप्त पत्र चिपके हुए
10.5×15.5 19;16	44	पूर्ण	19 वीं श.	
26×11.5 16;53	7	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त एवं 2 रा व 5 वां खंडित
30×21 14;21	6	पूर्ण	20 वीं श.	
20.5×12 10;28	4	„	20 वीं श.	
11,5×9.5 11;16	75–93; 114–115	„	17 वीं श.	पत्राङ्क 77 वां नष्ट

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
आयुर्वेद 501	6371	चौरासी तन्त्रात्मक चिकित्सा	
502	4522	बातांरणमा-विधि	
503	3360 (2)	बालतन्त्र-भाषा	मू० कल्याण
504	2417	रामविनोद	रामचन्द शिष्य पद्मरंग
505	6599	रोगी की जीवन-मरण परीक्षा आदि	
506	4511	लवंगादि चूर्ण विधि	
507	4512	लवणभास्करादि चूर्ण	
508	3095 (3)	रोगोपचार	
509	2986	वैद्यकसार	
510	5612 (1)	,,	
511	5522	वैद्यकसारोद्धार	हर्षकीर्तिसूरि
512	2379	वैद्यमनोत्सव	नैनसुख पुत्र पण्डित केशवदास
513	4132 (1)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.5 15;48	4	पूर्ण	1817	लि. क. हरनाथ लि. स्था. लवा ग्राम
25.5×11 17;52	1	,,	19 वीं श.	
27×14 10;30	16	अपूर्ण	19 वीं श.	
22×16.5 29;22	99	अपूर्ण	1822	प्रथम पत्र अप्राप्त; जीर्ण; लि. क. नानगदास पत्राङ्क 76 से ओषधी-संग्रह है।
25×12 16;38	4	पूर्ण	1944	सीताराम कृत "कवितरंग" ग्रन्थ से; लि. क. कुनणमल लि. स्था. बनारस
25×11 11;36	1	अपूर्ण	20 वीं श.	
26×11 13;38	1	,,	19 वीं श.	
17×11 9;16	39–47	पूर्ण	1920	
17×12 9;18	30	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 9 वां अप्राप्त; 'अतिसार' प्रसंग की प्रधानता है।
10.5×10 17;14	142	पूर्ण	1892	लि. क. हर्षचन्द लि. स्था. पाली
70.5×11 12;18	451	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्राङ्क 1-204 अप्राप्त
26×17 13;36	6	,,	1912	पत्राङ्क 4 से 8 व 10 वां मात्र है।
21×14 12;26	1–35	,,	1856	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
आयुर्वेद 514	6769	वैद्यमनोत्सव	नैनसुख पुत्र पं० केशवदास
515	6770	,,	नयनसुख
516	2370 (1)	शालिहोत्र	
517	4252	,,	
518	7884	शालिहोत्र-भाषा टीका	नकुल
519	3925	सोनामुखी के अनुपान	
ज्योतिष प० 520	3319	अंक शकुन बत्तीसी	मुकुन्द
521	6190	अंग फुरकरण, काक, पल्लि आदि शकुन-विचार	
522	5519 (6)	अंग-फुरकरण विचार	
523	7008 (16)	,,	
524	4346	अबजदी प्रश्नावली	
525	5299	,,	
526	6360	अरबी सुकनावली (पेगंबरी)	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10.5 13;30	18	अपूर्ण	1821	र. का. 1609; र. स्था. सिहनद; लि. क. खुश्यालचन्द; लि. स्था. मुजनगर
21.5×13 12;27	25	"	19 वीं श.	पत्राङ्क 5, 14 व 24 वां अप्राप्त
20×23 27;31	1–10	"	20 वीं श.	
17×11 8;16	49	"	19 वीं श.	
15.5×22 24;18	72–94	अपूर्ण	1833	लि. क. गोरधनजी गुरां लि. स्था. बाघावास
25×12 9;27	1	पूर्ण	20 वीं श.	
19×10 7 ;23	5	"	19 वीं श.	र. का. 1898
25.5×11.5 18;53	8	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
15.5×12.5 11;21	67–69	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×17.5 26;15	88-90	"	19 वीं श.	अंत में दो सवैये हैं।
27.5×14 16;48	4	"	1887	
25×12 14;37	5	अपूर्ण	1896	प्रथम पत्र खण्डित एवं दूसरा अप्राप्त
24 5×10.5 12;42	2	पूर्ण	1801	लि. क. जीतरत्न लि स्था. लेवड़ी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
527	7027 (2)	अरबी सुकनावली (पेगंबरी)	
528	6299	अर्धकाण्ड विचार तथा शनिश्चराचार बारह राशिफल	
529	6431	उल्कापातादि विचार	
530	4902	कमलबंध (विसराजा की) शकुनावली	
531	5281	कर्पूरचक्रम	
532	4120 (9)	कर्मविपाक	
533	4099 (1)	„ राशिफल	
534	6105	„ „	
535	6885	„ वार्ता	
536	3058 (1)	कागदाणी-विचार	
537	5853	कालज्ञान-भाषा	लक्ष्मीवल्लभोपाध्याय
538	5989	कालज्ञान-निर्णय	
539	7008 (6)	काली रोहिणी विचार, शुक्रोदय विचार	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×12.5 14;20	11–14	पूर्ण	1933	पत्राङ्क 14 पर अपूर्ण 'शालिभद्रसिलोको' है।
25×10.5 15;44	2	,,	19 वीं श.	
25×11 14;90	3	,,	19 वीं श.	
22×14 10;21	7	,,	20 वीं श.	
22.5×10 15;36	2	,,	18 वीं श.	
18×13 21;14	11–50	,,	1824	
26×12 19;60	1–3	,,	1849	लि. क. किशनचन्द लि. स्था. मरोटकोट
24.5×11.5 13;35	4	,,	19 वीं श.	
25×10.5 15;40	14	,,	19 वीं श.	
16×11 8;14	1	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 13;34	8	,,	19 वीं श.	र. का. 1741
22.5×12 16;38	1	,,	19 वीं श.	
13.5×17.5 37;20	44–45	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 540	5518	गुराचार	
541	7091 (4)	,,	
542	3095 (2)	गोरखनाथजी का पतड़ा	
543	6800	ग्रहणफल	
544	3923	ग्रहणविचार	
545	3461	ग्रहलाघव-उदाहरण	
546	3735	ग्रहलाघव-बालबोध	
547	4589	,, भाषा टीका	
548	5339	ग्रहस्पष्ट सारणी	
549	5255 (2)	चौघड़िया	
550	3058 (2)	छींक-विचार	
551	7008 (15)	जन्म-जातक	
552	3022	ज्ञानस्वरोदय	चरणदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×11 14;22	27–30	अपूर्ण	19 वीं श.	
11.5×8.5 12;17	5–11	पूर्ण	1822	
17×11 9;16	34–38	„	20 वीं श.	पत्राङ्क 36-38 पर "दशाचार" के कोष्ठक हैं।
25.5×10.5 17;44	2	„	19 वीं श.	
25×12 20;21	1	„	20 वीं श.	
33×15 12;45	7	„	1925	लि. क. हरदत्त द्विज पत्राङ्क 8 पर 'जातकपद्धति' संस्कृत में है।
18×9.5 10;17	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11.5 12;33	7	पूर्ण	1881	लि. क. नन्दलाल
27.5×11 10;39	3	„	1888	लि. क. दयादत्त भट्ट
26×13 9;32	1	„	19 वीं श.	
16×11 8;14	1	„	19 वीं श.	
13.5×17.5 13;20	85–88	„	1820	लि. क. पं० लालचन्द लि. स्था. मथाणीया
16×11 9;15	27	अपूर्ण	19 वीं. श.	पत्राङ्क 1-6 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 553	3076	ज्ञानस्वरोदय	चरणदास
554	3095	,,	,,
555	3359	,,	,,
556	3441	,,	,,
557	3627	,,	,,
558	3930	,,	,,
559	5610 (1)	,,	,,
560	6022	,,	मुरली
561	5513	ज्योतिषसार-भाषा	कृपाराम कायस्थ
562	5830	,, स्फुट	
563	7022 (41)	,, ,,	
564	2894	टीपणां री पाटी	
565	6990 (6)	टीपणां रो विचार और गुराचार	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×10 6;13	53	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. बलदेवदास
17×11 9;16	34	,,	20 वीं श.	
21.5×10.5 8;25	23	,,	1857	
17×13 9;20	30	,,	1941	लि. क. दुली मिश्र लि. स्था. सबलगढ़
29×13 12;47	8	,,	1866	
29×13 13;54	8	,,	1887	लि. क. साधु हरिदास लि. स्था. दिल्ली
15.5×11 8;18	31	,,	1914	लि. क. रामदयाल
26×13.5 10;29	14	,,	1886	लि. क. हीरदास; लि. स्था. मुंबई बंदर
14×19 16;20	39	,,	1838	र. का. 1792 लि. क. सोभाराम
25.5×11 6; 32	2	,,	19 वीं श.	लि. स्था. सवाई जयपुर
11×18 12;18	65–66	,,	18 वीं श.	जीर्ण
20 5×9 7;19	6	,,	19 वीं श.	लि. क. रामलाल व्यास
24×17.5 16;30	27–30	,,	1887	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
566	6428	टीपणों रा स्फुट श्लोक	
567	2739	टेवा करण री विधि आदि	
568	2079	तिथिफल	
569	7088 (9)	तिथि-विचारादि	
570	3282	दृष्टिसाधन	
571	5612 (3)	दोषावली	
572	6706	,,	
573	7008	द्वादश राशिफल	
574	6793	द्वादश लग्नफल	
575	6933 (2)	नारी-जन्मकुण्डली-विचार	
576	6917	पंचाङ्ग निर्माण-विधि	मेघराज शिष्य लब्धिविजय
577	5722	पंचाङ्गविधि	
578	6990 (19)	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 11;30	11	पूर्ण	19 वीं श.	
20×10 7;23	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
31×22 13;39	1	पूर्ण	18 वीं श.	
15.5×22 21;15	47–56	अपूर्ण	19 वीं श.	
22×10.5 9;28	2	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×10 15;12	146–154	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11;37	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
13.5×17.5 30;21	83–85	पूर्ण	18 वीं श.	
24.5×10.5 12;31	4	,,	19 वीं श.	
25.5×11 14;36	14-15	,,	1845	
24.5×11 9;26	5	,,	19 वीं श.	र. का. 1723
20.5×12 14;34	8	,,	19 वीं श.	
24×17.5 15;32	43–52	,,	19 वीं श.	लि. क. पं० विरधा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
579	6990 (11)	पक्षी-शकुनावली	
580	5827	,, (सचित्र)	
581	7111 (15)	,,	
582	7098	पक्षी-शकुनावली एवं रमल-शकुनावली	
583	4470	पल्ली-पतन-विचार	
584	5606 (1)	पाराशरी-जातक भाषा टीका	
585	3211	पाशाकेवली	
586	3317	,,	
587	3502 (1)	,,	
588	6478	,,	
589	6640	,,	
590	6648	,,	
591	5255	पृच्छावली (प्रश्नावली)	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×17.5 16;16	55–59	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×10 10;20	5-13	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 7–8 अप्राप्त
15.5×16 11;12	140–148	,,	18 वीं श.	
17.5×13.5 11;20	16	अपूर्ण	1944	लि. स्था. बालोतरा
20.5×11.5 12;20	1	पूर्ण	20 वीं श.	
22×10.5 7;28	19	अपूर्ण	20 वीं श.	
12×7 6;14	20	अपूर्ण	1799	लि. क. श्रीकृष्ण प्रथम पत्र अप्राप्त
24×10 10;35	6	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12 9;14	21	अपूर्ण	1857	पत्राङ्क 1–3 अप्राप्त
25.5×10.5 16;41	3	पूर्ण	1785	
24×12 12;27	4	,,	1860	लि. स्था. सत्यपुर
25×11 13;36	6	,,	1848	लि. क. अमृतप्रभ लि. स्था. वेसाला
26×13 17;32	5	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 4 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 592	4022	प्रश्नावली	
593	7103 (1)	प्रस्थान शकुन, काली चिड़ी के शकुनादि	
594	4901	बत्तीस बत्तीसी शकुनावली	
595	6392 (2)	बारह राशिफल	
596	6085	बौद्धचक्र (प्रस्थानयन्त्र)	
597	6610	भडलीपुराण	भड्डुली
598	6991 (286)	भडलीपुराण रा दूहा	,,
599	4044	,,	,,
600	7008	,,	,,
601	6991 (287)	,,	,,
602	6347	,,	,,
603	7047 (4)	,,	,,
604	7047 (10)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×14 21;18	14	पूर्ण	19 वीं श.	छठे पत्र तक प्रश्न तथा बाद में चक्र हैं।
15.5×21.5 19;13	23	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ के 2 पत्रों में अपूर्ण 'सीमंधरस्तवन' भक्तिलाभकृत, तथा सुभाषित एवं गूढ़ पद्य हैं।
22×14.5 11;22	7	,,	20 वीं श.	
21×11.5 12;30	83-84	अपूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11.5 15;26	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11.5 12;36	6	,,	20 वीं श.	
15.5×14.5 22;25	121-124	,,	19 वीं श.	
19×13 18;15	11	अपूर्ण	19 वीं श.	
13.5×17.5 20;19	93-95	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×14 5 22;25	124-125	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 17;55	5	,,	19 वीं श.	
11.5×10.5 9;16	23	,,	1805	लि. स्था. वागांनगर सिंधुतट
11 5×10.5 9;15	1-14	,,	19 वीं श	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
605	7077 (8)	भडली-पुराण रा दूहा	भड्डली
606	7017 (4)	भवानी-वाक्य	
607	6796	"	
608	3228	" (जमाना रा दूहा)	
609	6719	भोमादि चालकरी घटीकरण विधि ग्रौर ग्रहचार कर्तव्यता	
610	5915	मंडलविचार, राशिफल एवं सूतिकाध्यान	
611	6919	मकरन्द-ग्रह स्पष्टीकरण-उदाहरण	
612	6049	महामाई वाक्य एवं काक परीक्षा	
613	5273 (2)	"	
614	6606	मुष्टिचक्र शकुनावली	
615	3917	मुहूर्त्त चिन्तामणि	
616	5310 (1)	मुहूर्त्त दोहा भाषा	कृष्णनाथ
617	5340	यवन शकुनावली	

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×10.5 13;14	1–5	पूर्ण	1827	लि. क. रामकृष्ण
17×21 24;20	72–74	अपूर्ण	19 वीं श.	संवत् 1701 से 1800 तक का फल
23×11 5 9;25	6	पूर्ण	,,	संवत् 1801 से 1900 तक का फल
17×13 11;26	3	अपूर्ण	,,	
25×11 5 10;40	2	पूर्ण	1919	लि. क. पं. चन्द्रभाण
24 5×10 11;32	5	,,	1805	लि. क लक्ष्मीविलास लि. स्था. पुनरासर
25.5×10 5 20;62	3	,,	19 वीं श.	लि. क. उडबिधु
25×10.5 15;48	1	,,	18 वीं श.	
21.5×13 11;29	5	अपूर्ण	1768	लि. क. चतुरकुशल
25×11.5 14;37	4	पूर्ण	1870	लि. स्था. खाचरोद
26×12 14;34	2	,,	19 वीं श.	
16.5×10 6;21	7	,,	20 वीं श.	
23×12.5 10;30	2	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
618	3848	योग की वार्ता	
619	4464	योग, राशिनाम एवं अंक संख्या	
620	6699	रमल भाषा	
621	6540	रमल-शकुनविचार	
622	6935	"	
623	6991 (288)	"	
624	3209 (1)	रमल-शास्त्र	
625	3907	रामाज्ञा	गो० तुलसीदास
626	3221	राशि विचार	
627	5414	लग्नदोष कुण्डलिया	
628	5402	लग्न दोषावली	
629	3010	लग्नपत्र वणावण री वार्त्ता	
630	2441	लग्न, राशि अंश सारणी	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×10 8;19	2	पूर्ण	19 वीं श.	
22×9.5 13;33	1	,,	18 वीं श.	
25×11.5 14;36	20	अपूर्ण	20 वीं श.	
23.5×10 15;46	4	पूर्ण	19 वीं श.	
23.5×11 12;29	6	,,	,,	
15.5×14.5 22;25	125-127	,,	,	
12×7 6;17	14	अपूर्ण	1836	लि. स्था. नेमच छावणी; प्रथम पत्र अप्राप्त
21×10 9;26	26	पूर्ण	1884	
15×15 12;17	16	अपूर्ण	19 वीं श.	
23×10.5 12;36	2	पूर्ण	,	
25.5×11.5 14;56	2	,,	1964	लि. स्था. सेत्र ड़ी
17×11 16;31	1	,,	1953	लि. स्था. इन्द्रपुरी
42×31 57;61	1	,,	20 वीं श	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
631	6881	वर्षफल	
632	5041	विवाह पटल भाषा	अभयकुशल शिष्य पुण्यहर्ष
633	5790	,,	,,
634	5817	,,	,,
635	5881	,,	,,
636	6886	,,	,,
637	6891	,,	,,
638	6933 (1)	,,	,,
639	6057	,,	रूपचंद शिष्य पदमवस्त।
640	6978	,,	
641	5333	विवाहपटल-बालावबोध	
642	7094 (66)	शकुन-पृच्छावली	
643	7047 (3)	शकुनविचार, वर्षा दिशि विदिशी आदि	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22.5×13.5 8; 18	39	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1–3 अप्राप्त संवत् 1801 से 1830 तक
21×11.5 13; 38	5	पूर्ण	1924	लि. स्था. बीलीमारा
25×11 15; 42	3	,,	1818	लि. क. क्षमाविमल
25.5×11 13; 33	4	,,	19 वीं श	
21×11 9; 27	7	,,	1937	लि. क. पं० विनयचंद लि. स्था. सवाई जयपुर
24×11.5 13;33	4	,,	19 वीं श.	
25×10.5 10; 33	5	,	1851	लि. क. कपूरचंद लि. स्था. पाटोदी
25.5×11 14; 34	11–14	,,	1845	लि. क. गुलाबचन्द गुरां लि. स्था. जसोल
26×11 11;30	11	,,	20 वीं श	
20.5×11 16; 29	15	,,	19 वीं श.	
11.5×12.5 19; 20	305-309	,,	18 वीं श.	जीर्ण
11:5×10.5 16; 16	6–7	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 13; 26	17	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
644	6683	शकुन-विचार	
645	3939	शकुनसार (वर्षागम फल-शकुनसार)	
646	5330	शकुन सोलही	
647	2182 (3)	शकुनावली	
648	4515	,,	
649	6103	,,	
650	7088 (5)	,, शकुनविचार-संग्रह	मालदेव
651	6168	शिवालिखित मुहूर्त भाषा	
652	6101	संक्रान्ति वार विचारादि	
653	2382 (2)	सईकी	
654	7047 (11)	,,	
655	7008 (13)	साठ संवच्छर फल	
656	6474	सुगम विवाह शोधन क्रिया	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×11.5 13;26	17	पूर्ण	19 वीं श.	
22×9 10;33	29	अपूर्ण	"	सहदेव-भड्डली-संवाद
25×11 21;64	5	पूर्ण	"	
26×11 18;56	1	"	"	
26.5×10.5 8;40	21-26	अपूर्ण	1914	
26×11.5 28;54	1	पूर्ण		
15.5×22 23;17	13-23; 36-39	,	1883;	
17×12.5 10;26	2-15	"	1955	लि. क. पं० इन्द्रचन्द लि. स्था. जैसलमेर
25.5×11.5 14;34	2	"	1893	लि. क. ऋषि खूबचन्द लि स्था. लाडणू
26×15 11;26	34-44	अपूर्ण	19 वीं श.	संवत् 1801 से 1900
11.5×10.5 9;15	15-26	पूर्ण	1805	लि. क सुखहैमगणि
13.5×17.5 27;17	72-82	"	18 वीं श.	संवत् 1734 से 1739
26×11.5 13;38	2	"	1581	लि. स्था. कालाऊन

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 657	2407	सूर्यग्रहण की कर्तयव्ता	
658	7008 (17)	स्त्री-जन्म-कुण्डली-विचार, लग्नविचार, शुक्रोदय-विचार	
659	5849	स्फुट ज्योतिष-संग्रह	
660	7008 (19)	,, ,,	
661	4048 (1)	स्वरज्ञान	
662	5528	स्वरोदय	कबीरदास
663	2985 (1)	,,	
664	3659	,,	
665	7088 (7)	,,	
666	6834	हस्तरेखा व अंग स्फुरण विचार	
गणीत 667	6993 (3)	पट्टी- पहाड़ा	
668	7047 (12)	,,	
669	2448 (1)	,, एवं लेखा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×13 14;25	4	पूर्ण	19 वीं श.	
13;5×17.5 18;20	90–93	,,	,,	
25×12 14;36	3	अपूर्ण	,,	
13.5×17.5 20;19	95–98	पूर्ण	,,	
23.5×10 9 38	2	,,	,,	
29×14.5 16;40	5	,,	,,	
17×12 15;11	5	अपूर्ण	20 वीं श.	महादेव-पार्वती-संवाद
27×13 12;32	5	पूर्ण	1843	,,
15.5×22 21;17	39–42	अपूर्ण	19 वीं श.	
21×11 15;35	2	पूर्ण	20 वीं श.	अन्त में सुभाषित कवि हैं।
14.5×18.5 21;20	6–14	,,	1782	लि. क. पं॰ उदैराज लि. स्था. युदीयाग्राम
11.5×10.5 10;15	26–37	,,	19 वीं श.	
20×16 7; 21	1–27	,,	1898	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
गणित			
670	5299	पट्टी-पहाड़ा एवं लेखा	
671	7007 (1-4)	पहाड़े, वर्णमाला	
672	7029 (7)	"	
673	2414	फुटकर हिसाबों का संग्रह	
674	5297	हिसाब लेखो	
कामशास्त्र			
675	2382 (1)	कोकमञ्जरी	आनन्द कवि
676	3154 (14)	"	"
677	2993 (2)	कोकशास्त्र	
678	6937	"	
679	2729	कोकसार	
680	7078	"	
681	7026 (2)	"	
रत्नशास्त्र			
682	5950	मोहरांरी परीक्षा तथा रत्नों के नाम	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×16 9;18	28	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र अस्त-व्यस्त बोच-बीच में दोहा व मंत्रादि हैं।
18×13 7;14	4-20	पूर्ण	,,	सिद्धोवर्णा तथा चाणक्यनीति के चार अध्याय भी हैं। 27 वें पत्र पर चन्द्रप्रभुजी का चित्र है।
18.5×15.5 7;14	13–26	,,	,,	
19×17 22;36	4	पूर्ण	20 वीं श.	
16×10.5 9;18	20	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×15 11;26	31	,,	1886	पत्राङ्क 1-2 अप्राप्त; पत्राङ्क 31-33 पर स्फुट ज्योतिष एवं औषधोपचार है।
9.5×12 18;18	115-128	पूर्ण	1811	लि. क. अमरचन्द लि. स्था. रेटा
15×12 8;16	17–31	अपूर्ण	19 वीं श.	
21×11 13;28	12	,,	20 वीं श.	
22×10.5 13;34	1	,,	19 वीं श.	
11.5×16.5 16;10	41	,,	,,	
11.5×12.5 16;10	33	पूर्ण	1811	पत्र चिपके हुए; लि. क. पं. सिवचन्द लि. स्था. बहलवास
26×11.5 19;53	2	,,	19 वीं श	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
मं त शा			
683	6376	अर्द्ध जापविधि, पश्चिमाधीश साधन विधि, बन्दोमोक्ष विधि	
684	5874	अर्बुदाचल-कल्प	
685	5612 (15)	अष्टकुली नागरी पोथी	
686	6067	आधा सीसीरो मंत्र	
687	7031 (10)	,, (कथा)	
688	5444 (2)	क्षेत्रपाल वीर साधन विधि	
689	5341 (1)	खोड़िया क्षेत्रपाल एवं हनुमानजीरो मन्त्र	
690	6575	गिरनार-कल्प	
691	7087 (58)	घट भ्रमण, आधा सीसी आदि के मंत्र	
692	6856	चौवीस-तन्त्र	
693	6111	डाकिनी-मन्त्र	
694	2416	तन्त्रावली	
695	6572	तान्त्रिक प्रयोग	

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 19;52	32 वां	पूर्ण	18 वीं श.	
23.5×10.5 20 37	2 रा	अपूर्ण	1864	लि. क. युगता, अभा एवं अखा लि. स्था. बीलपुर
10 5×10 15;14	47–86	पूर्ण	1901	नागों के प्रकार व विष उतारने के मंत्रादि हैं। लि.क हर्षचन्द्र; लि. स्था. रतलाम
25 5×12 13;28	1	,,	1868	
12×10 10;17	58–60	,,	1899	
18×12 16;29	2 रा	,,	20 वीं श	
11×16 12;19	1	,,	,,	
26.5×11 16;48	2	,,	19 वीं श.	
20×12 5 12;26	62 वां	,,	,,	
26×12 15;32	2	,,	,,	
11 5×11.5 11;22	1	,,	20 वीं श.	
22×16.5 17;18	9	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.5 12;28	1	पूर्ण	19 वीं श.	18 प्रयोग हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
मं. तं. शा. 696	5250	नागादि मंत्र	
697	5612 (4)	पनरीया यन्त्र री विधि	
698	6998 (26)	बिच्छू उतारने आदि के यंत्र-मंत्र	
699	4815	भक्तामर मन्त्राक्षर साधना विधि	
700	4412	मन्त्रसंग्रह	
701	5612 (9)	मंत्र	
702	5826	मंत्र एवं इन्द्रजाल	
703	5612 (18)	मंत्र-तन्त्र झाड़ादि संग्रह	
704	5612 (14)	मंत्र, पद्मावती पूजा, झाड़ा, नक्षत्र विचार, श्वेतार्क, कल्पादि संग्रह	
705	5296	मंत्र-यन्त्र औषधादि	
706	5781	मायाबीज-कल्प	
707	5248	मूठ मारण यन्त्र-मन्त्र	
708	5519 (7)	मंत्रौषधि-विचार	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11 18;42	1	पूर्ण	18 वीं श.	
10.5×10 17;13	176–181	;,	19 वीं श.	
15.5×10.5 9;15	27–28	,,	18 वीं श.	
13×8.5 7;13	32	अपूर्ण	1891	प्रथम पत्र अप्राप्त लि. क. गुमान विजय लि. स्था. पंचेडग्राम
26×12.5 9;28	2	पूर्ण	20 वीं श.	
10.5×10 15;13	7–8	,,	19 वीं श.	
25×10 15;50	4	,,	,,	
10.5×10 17;15	102–140	,,	,,	
10.5×10 15;14	26-46	,,	,,	
11×15 26;21	8	;,	;,	
26×11.5 17;52	2	;,	,,	
24:5×11.5 7;25	1	,,	,,	
15.5×12.5 9;21	69–75	;,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
मं. तं. शा. 709	5600	यन्त्र-मन्त्र-संग्रह	
710	5552 (2)	यन्त्र मन्त्रौषधि	
711	5610 (2)	वशीकरण-मंत्रतंत्रादि	
712	7053	विष-ज्वरादि प्रतिकार मंत्र	
713	7018 (6)	सर्वसिद्धि मंत्र एवं लक्ष्मी मंत्र विधिसहित	
714	4776	हनुमानजी रो मंत्र	
715	6178	"	
स्तुतिस्तोत्र 716	3525	अंबाजी की आरती एवं जगन्नाथ की आरतो	शिवानन्द
717	5244 (3)	अंबाजी की स्तुति	
718	2903	अंबिका-छन्द	
719	6905 (2)	अंबिका स्तोत्र	
720	3607	काली-माता की आरती	
721	7016 (12)	काली-स्तुति	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×13 8;18	31	पूर्ण	19 वीं श.	
12×9.5 12;16	25–27; 68–70	अपूर्ण	17 वीं श.	
15.5×11 10;20	32–35	पूर्ण	20 वीं श.	
25×10.5 7;34	16	अपूर्ण	19 वीं श.	
18×12.5 7;16	5–7	पूर्ण	19 वीं श.	
23.5×11.5 9;27	2	,,	20 वीं श.	
26×12 17;22	1	,,	21 वीं श.	
14×9 13;16	3	,,	19 वीं श.	
25.5 ×11.5 7;43	2 रा	,,	18 वीं श.	
18×11 11;21	3	,,	1908	लि. क. खींवचन्द
25×10.5 12;32	3–4	,,	19 वीं श.	
21×10 8;21	3	,,	1932	लि. क. रामाकिशन ब्राह्मण
15.5×22] 22;17	79-80	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुतिस्तोत्र 722	7087 (57)	कृष्णस्तुति	
723	6312	क्षेत्रपालजीरो छन्द	कवि देद
724	6674 (2)	,,	कवि लाल
725	6108	,,	भोजग सुखो
726	3227 (2)	गंगाजी की महिमा (महादेवजीरो छन्द)	प्रह्लाद भाट
727	2375 (2)	गंगालहरी	पद्माकर
728	7016 (7)	गंगा-स्तुति (शिव-स्तुति)	केसव कवि
729	6096 (1)	गणपति-छन्द	हेमरत्न
730	2846	गणेश-वन्दना	रामचन्द्र
731	5348	गणेश-स्तुति, शंकर-स्तुति	
732	3046 (4)	गणेश-स्तोत्र	
733	2721	चंडी-स्तोत्र	
734	7016 (8)	चामुण्डा-स्तुति	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×12.5 13;28	60–61	पूर्ण	19 वीं श.	
21;5×11 12;26	3	,,	1854	
22.5×11.5 13;34	3 रा	,,	19 वीं श.	
25×10.5 23;68	1	,,	1818	ग्रंथ-कर्त्ता फलोधी का निवासी था। लि. क. पं० रूपचन्द
14×13 11;15	8	,,	20 वीं श.	लि. क. गोवर्धनदास
28.5×23 19;16	13–17	अपूर्ण	1905	
15.5×22 50;22	74–75	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 20;48	1	,,	19 वीं श.	
22×10 11;31	1	,,	1923	र. का. 1923 कुचामण लि. क. रामचन्द्र
16×11 7;16	35	,,	20 वीं श.	पट्टी पहाड़े व कातन्त्रसूत्र भी हैं।
14×11 5;10	36–43	,,	19 वीं श.	
21×11 8;26	1	,,	20 वीं श.	
15.5×22 41;22	75–76	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र			
735	6995 (2)	जोगमाया-अष्टक	
736	3745	ज्वाला-स्तुति	
737	6847	त्रिपुरसुन्दरी-छन्द	गुणानन्द
738	6116	देवी-स्तुति	
739	2983	पञ्चात्मक-आरती	गंगाधर
740	3046 (6)	प्रातः ध्यान-स्तुति	
741	6137	ब्रह्म-स्तोत्र	चिदात्माराम
742	7008 (12)	ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र वीसी नाम	
743	3154 (32)	भवानी-छन्द	भवानी ?
744	3185	भवानी-छन्द	
745	7000 (242-243)	भवानीजीरी आरती, चण्डी-स्तुति	
746	6990 (60)	भैरव-स्तुति	देवीदास
747	7001 (40)	भैंरूजीरो छन्द	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14.5×10 14;14	29 वां	पूर्ण	20 वीं श.	
19.5×9 11;32	1	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 13;38	2	,,	19 वीं श.	
26.5×12 10;32	2	,,	1874	लि. क. खुशाल भारती लि. स्था. भागावास
17×12 10;16	2	,,	19 वीं श.	
14×11 5;10	49-51	,,	19 वीं श.	
30×11 9;47	5	,,	18 वीं श.	
13.5×17.5 21;10	72 वां	,,	19 वीं श.	
9.5×12 17;17	197 वां	,,	1811	
16×8 5;17	5	अपूर्ण	19 वीं श.	'जगदम्बा स्तोत्र' संस्कृत में भी है।
12×11.5 11;27	309–311	पूर्ण	19 वीं श.	
24×17.5 8;38	12 वां	,,	20 वीं श.	
15.5×10.5 13;32	24–25	अपूर्ण	19 वीं श	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र			
748	6851	भैरूजीरो छन्द, गणपति-छन्द रगत भैंरू गीत	
749	3046 (5)	महाकाली की स्तुति	
750	3046 (3)	महादेवजी को कवित्त	
751	5697	महिम्नस्तोत्र भाषा टीका	
752	3174	माताजी की आरती	
753	3496	माताजी की आरती	
754	3163 (1)	,,	
755	5793 (2)	माताजी रा कवित्त	नरसिंघ एवं भागचन्द
756	5995	माताजी रो छन्द	हेम
757	4501	,,	धनराज
758	3045 (5)	रामरक्षा-स्तोत्र	रामानन्द
759	3046 (7)	,,	,,
760	3056 (1)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.5×11 9;21	4	पूर्ण	19 वीं श.	
14×11 5;11	43–49	,,	19 वीं श.	
14×10 5;10	34–36	,,	19 वीं श.	
25.5×13 14;32	7	,,	1901	लि. क. गुलाबचन्द जती लि. स्था. सीसवाल
15×9 8;19	2	,,	19 वीं श.	
15×10 7;11	3	,,	19 वीं श.	
14×9 10;16	15	,,	1950	पत्राङ्क 12-15 पर स्फुट मंत्र एवं ज्यौतिष विचार है।
25×10.5 21;35	2 रा	,,	18 वीं श.	लि. क. पं० जालप मुनि
25×11 11;40	1	,,	19 वीं श.	
25×12 15;34	1	,,	19 वीं श.	
15.5×11 14;12	26–28	,,	19 वीं श.	
14×11 5;10	12	,,	19 वीं श.	
17×10 6;12	4	,,	1762	लि. क. रूपदास

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र			
761	3169 (1)	रामरक्षा-स्तोत्र	रामानन्द
762	4048 (2)	,,	,,
763	4679	,,	,,
764	2989	,,	जैमल
765	5082	,,	रामानन्द
766	7087 (56)	विरदाष्टक	
767	4496	शनिश्चरजीरो छन्द	हेम कवि
768	6620	,,	,,
769	6980 (3)	,,	,,
770	7001 (7)	,,	,,
771	4500	,,	,,
772	6284	,,	,,
773	7031 (11-12)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×8 7;17	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
23;5×10 9;38	2–4	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×10 11;21	4	,,	19 वीं श.	
17×11 8;19	3	,,	20 वीं श.	
19.5×9 6;19	6	,,	19 वीं श.	
20×12.5 13;27	59–60	,,	19 वीं श.	
25.5×13 15;30	2	,,	20 वीं श.	अंत में औषधी-संग्रह है।
25.5×10.5 19;50	1	,,	1793	लि. क. शिवचन्द
21.5×9.5 24;40	2–3	,,	18 वीं श.	
15.5×10.5 11;22	5–8	,,	19 वीं श.	लि. क. हस्तिविमल गणि लि. स्था पचभदरा
24.5×12 23;30	1	,,	20 वीं श.	
24.5×11 11;36	1	,,	1817	लि. स्था. महेन्द्रपुर
12×10 10;17	61–63; 64–66	,,	1899	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुतिस्तोत्र 774	4744	शाकम्भरी-स्तुति	जीवराज
775	6080	शारदाष्टक	बनारसी
776	3214	शिवजी एवं दुर्गा की आरती	शिवानन्द
777	3886	शिव-स्तुति (रुद्राष्टक भाषा)	गंगाराम तिवाड़ी
778	6940 (3)	सारद मातारो छन्द	कवि हेम
779	4485	सूरजजीरो छन्द	
780	6998 (76)	सूरजजीरो सिलोको	
781	7016 (6)	सूर्याष्टक	
782	3123	हनुमान-चालीसा	गो. तुलसीदास
783	3169 (2)	"	"
784	2451	हनुमानजी की आरती	"
785	4048 (3)	हनुमान-जैति	
786	3251 (1)	हर-हरि आरती	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14.5×9.5 11;18	3	पूर्ण	1909	लि. क. बालाचरण
17×10 12;25	1	"	1863	लि. क. ऋषभविजय
11×6.5 7;12	6	"	1965	
28×13 14;42	2	"	1846	र. का. 1846
25.5×11.5 18;42	3 रा	"	18 वीं श.	
24.5×11 13;44	1	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×10.5 10;23	71-72	पूर्ण	18 वीं श.	
15.5×22 46;22	73-74	"	19 वीं श.	
13×11 8;12	6	"	1962	
13×8 7;15	6	"	19 वीं श.	
18×15.5 12;20	1	"	20 वीं श.	
23.5×10 9;38	4 था	"	19 वीं श.	
21×11 8;40	1	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र (1) 787	3154 (31)	हिंगुलाष्टक	
जैनागम; द 788	4410	अष्टकर्म-विवरण	
789	5795	अष्टकर्म की 158 प्रकृति भेद-विचार	
790	6303	,, ,,	
791	5037	,, ,,	
792	5901	आगम-सारोद्धार	देवचन्द्रोपाध्याय
793	6193	,,	,,
794	6645	गांगेय मुनि कृत प्रश्नों की नष्टोदिष्ट विधि	
795	7006 (65)	चौदह गुणस्थान-अधिकार	
796	5660	चौदह गुणस्थानक-द्वार	
797	5518 (3)	जीव के 563 भेद	
798	6795	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
9.5×11 18; 18	146-147	पूर्ण	1811	
26 5×14 13; 30	7	,,	1891	लि. क. गुमानविजय लि. स्था. पंचेडग्राम
26×11 15; 41	2	,,	1776	लि. क. कनकरत्न मुनि लि. स्था. विक्रमपुर
26×13 14; 30	6	,,	1906	लि. क. पं० गुलाबचन्द लि. स्था. भीयाएो रोहतक
25.5×11 5 15; 48	6	,,	20 वीं श.	
26.5×13 10;36	86	अपूर्ण	1907	लि. क. केसरीचन्द लि. स्था. लश्कर पत्राङ्क 1-21 अप्राप्त प्रशस्ति में लश्कर में जिन महेन्द्र-सूरि के चातुर्मास तथा चिन्तामणि. पार्श्वनाथ की प्रतिष्ठाका उल्लेख है
24.5×12 11; 26	49	पूर्ण	1903	लि. क. कनककीर्ति लि. स्था. फलोधी
28×26 23; 60	1	,,	1930	लि. क. छत्रसुख लि. स्था. फलवर्द्धि
15×10.5 11; 25	122-135	,,	19 वीं श.	
25×12 14;44	4	,,	1874	लि. क. महिमारत्न लि. स्था. लोद्रवा
15.5×11 15; 20	10 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	
24×10.5 12; 32	2	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1 जैनागम; जैनदर्शन			
799	6191	जीवविचार, नवतत्त्व, दण्डक स्वरूप विचार, तेवीस बोल	
800	6555	जीवविचार-शब्दार्थ	
801	6835 (1)	जीवाजीव-भेद	
802	4389 (1)	नयस्वरूप-विचार	
803	5962 (2)	नवतत्व प्रकरण वार्तिक	
804	5518 (1)	नवतत्व-भेद	
805	6309	"	
806	6673	"	
807	6867	"	
808	6209	"	
809	5405	षट्द्रव्य-विचार (संक्षेप)	
(2) जैनप्रकरण			
810	6991 (278)	आगामी चौवीस तीर्थङ्कर-वर्णन एवं 27 बोल	
811	6256	आत्मनिन्दा	ज्ञानसार

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.5 14;41	68	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11.5 12;35	6	,,	20 वीं श.	
24×10 5 11;12	2	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×10.5 13;36	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.5 17;54	5 वां	,,	18 वीं श.	
15.5×11 15;14	6	पूर्ण	19 वीं श.	
25×10.5 11;28	5	,,	20 वीं श.	
25×11 12;26	2	,,	20 वीं श.	
26×11 13;24	6	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×12 21;52	4	पूर्ण	20 वीं श.	
27×13 15;43	2	,,	20 वीं श.	
15 5×14.5 19;24	106–108	,,	19 वीं श.	
25.5×11 5 18;47	2	,,	1935	लि. क. दलीचन्द लि. स्था. जैसलमेर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2जैनप्रकरण			
812	6551	आत्मस्वरूप-विचार	
813	5421	आषाढ़ी पूनमरो विचार	
814	6776	इक्कीस ठाणारो यन्त्र	
815	6780	इक्कीस बोल विचार	
816	9146	एकसौ अड़तीस प्रश्न, प्रतिमा ऊपर हुँडी 57, 195 बोल	
817	6946 (1)	कर्मविपाक के 100 बोल	
818	5518 (8)	कालचक्र, चक्रवर्ति ऋद्धिविस्तार, 14 रत्न, 23 पदवी, 11 गणधर नाम, पूर्व सागरोपम-मान	
819	6584	चार शरण तथा फुटकर बोल	
720	6554	चौवीस-तीर्थङ्कर आयु-वर्णन	
821	2190	,, ,,	
822	6454	चौवीस-तीर्थङ्कर नाम, लक्षण एवं फुटकर विचार	
823	5354 (2)	,, ,, माता-पिता नाम	
824	6998 (46)	,, ,, स्थान, लक्षण-सूची	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11 5 14;30	2	पूर्ण	20 वीं श.	
20×11 16;22	2	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11;31	5	,,	19 वीं श.	
23.5×11 12;36	3	,,	19 वीं श.	
28×13 15;43	13	अपूर्ण	1859	
21×11.5 10;30	12	पूर्ण	20 वीं श.	
15.5×11 15;19	22–25	,,	19 वीं श.	
24.5×11 14;36	4	,,	20 वीं श.	
24.5×11 14;38	2	,,	1853	लि. क. वखतचन्द लि. स्था. मेवरा
24×11 11;37	3	,,	19 वीं श.	लि. स्था. अर्गलापुर
21×11.5 12;28	61–70	,,	20 वीं श.	
25.5×12.5 14;32	2 रा	,,	19 वीं श.	
15.5×10.5 11;25	47–48	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(2) जैनप्रकरण			
825	6320	चौवीस-तीर्थङ्कर रो लेखो	
826	5518 (4)	,, के देहमान एवं आयुमान	
827	6392 (1)	छुटकर बोल	
828	6335	जिन-प्रतिमाधिकार	
829	6578	ज्ञान चौपड़ा	
830	7025 (1)	तीसद्वार बोल विवरण	
831	5878	तेतीस बोल का थोकड़ा	
832	6950	दश ठाणा-विचार	
833	5518 (2)	दश श्रावक, 14 रत्न. 7 रत्न, अरिहंतादि के गुण एवं 45 आगम-नाम	
834	5518 (7)	देवलोकों के नाम, 5 इन्द्रियों के 23 विषय, 11 प्रतिमा नाम, देवच्यवन लक्षण, कलिकाल के 32 बोल	
835	4423	द्वार एवं बोल-संग्रह	
836	6883 (1)	धर्म-चर्चा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.5 13;32	6	पूर्ण	1887	लि. क. राम
15.5×11 6;20	13–15	,,	19 वीं श.	
21×11.5 12;23	71–83	,,	20 वीं श.	
24.5×11.5 17;51	4	,,	19 वीं श.	
25.5×12.5 16;29	1	,,	20 वीं श.	
20.5×14 11;27	4	,,	1882	लि. क. लक्ष्मणराम
24.5×12 11;26	38	,,	1903	लि. क. आर्या गुमाना लि. स्था. दिल्ली
26.5×11 15;40	11	अपूर्ण	19 वीं श.	लि. क. राजबाई लि. स्था. कड़ी
15.5×11 13;14	7–9	पूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
15.5×11 15;19	19–22	,,	19 वीं श.	
25.5×11 13;32	14	,,	18 वीं श.	
25×12.5 16;36	1	अपूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(2) जैनप्रकरण			
837	6984	धर्मोपदेश (उठमरोश्लोक-बालावबोध)	
838	7018 (19)	पंचपरमेष्ठि के 108 गुण	
839	2182 (2)	पांच ज्ञान-विचार	
840	7006 (22)	पापपुण्य एकत्वीकरण द्वार (समयसार नाटक से)	
841	6961	"पावयणी धम्म कही" आदि पद्यों का बालावबोध	
842	5763 (2)	प्रत्याख्यान के आगारों का अर्थ	
843	4526 (1)	प्रश्नोत्तरमाला	चिदानन्द (कपूरचन्द)
844	4509	बत्तीस असज्झाय	
845	6123	बहोत्तर स्वप्न विचार	
846	6450	बारह भावना	
847	7061	बासठ मार्गण द्वार	
848	7000 (199)	बोल-संग्रह	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×12.5 10;25	5	पूर्ण	1930	पत्र चिपके हुए । लि. क. पं० कृष्णचन्द्र लि. स्था. जैसलमेर
18×12.5 11;15	43–44	,,	19 वीं श.	
26×12 36;58	1	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×10.5 10;17	40–46	पूर्ण	19 वीं श.	
26×11 13;36	3	,,	18 वीं श.	
27×12.5 25;50	2 रा	,,	20 वीं श.	
18×19 14;32	3	,,	20 वीं श.	र. का. 1906
26.5×12 24;40	1	,,	19 वीं श.	
25.5×11 10;32	1	,,	20 वीं श.	
21×11 12;28	98–106	,,	20 वीं श.	
28×12 15;33	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
12×11.5 15;21	263–266	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए ।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(2) जैनप्रकरण			
849	7027 (1)	बोल-संग्रह आदि	
850	5518	भव्याभव्य लब्धि विचार एवं 11 रुद्र, 9 नारद, 8 मद, 7 भय, तथा 8 कुविधान नाम	
851	6571	भावनाविलास	लक्ष्मीवल्लभ
852	6987 (1)	भावषट्त्रिंशिका	ज्ञानसार
853	6987 (2)	मनोरथ, भावना, मंगलाचरण, श्रावक के 21 गुण, आत्मानी ओलखाण	
854	2185 (1)	रूपी-अरूपी रा बोल	
855	6713	विहरमान माता-पिता नाम, पैंतीस वाणी आदि	
856	5518 (9)	विहरमान-यन्त्र	
857	5190	व्याख्यान-पीठिका	
858	6998 (45)	शाश्वत जिन चैत्य प्रतिमा उल्लेख सूची	
859	7006 (64)	शुद्ध चेतन वर्णन, एकान्तवादी वर्णन, ज्ञान लक्षण सवैयादि	बनारसीदास
860	5454	श्रावक की 11 पडिमा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×12.5 7;12	1–10	अपूर्ण	20 वीं श	प्रतिक्रमण सूत्र, चित्रकाव्य, शकुन विचार तथा यंत्रादि हैं।
15.5×11 15;18	16–19	पूर्ण	19 वीं श	
24×12.5 23;40	3	"	19 वीं श.	र. का. 1727
26×12 15;37	12–13	"	19 वीं श.	लि. क. हेमविजय लि. स्था. पादलिप्तनगर
26×12 15;37	13–15	"	19 वीं श.	लि. क. हेमविजय
25×12 6;46	1	"	20 वीं श.	
25.5×11.5 12;24	6	"	19 वीं श	
15 5×11 15;20	26 वां	"	19 वीं श.	
25×11 19;40	1	"	19 वीं श.	लि क ऋषि रायचन्द
15.5×10.5 10;21	45–47	"	18 वीं श.	
15×10.5 11;18	116-121	"	19 वीं श.	
28×14 20;30	1	"	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(2) जैनप्रकरण			
861	5846 (5)	श्रावक की 11 पडिमा एवं साधु-श्रावक ने खावरण की वस्तु-विचार	
862	4519	श्लोक सुणावारी पीठिका	
863	5765	साधु पुरुषों की 30 ओपमा	
864	6222	सामायिक के 32 दोष, पौषध के 18 दोष तथा दान-भेद	
865	6455	सैद्धान्तिक विचार-संग्रह	
866	6718	,, ,,	
867	6941 (3)	स्वर्ग-मृत्यु-पातालस्थ जिन-बिम्ब संख्या	
868	4418	स्वाचार-लक्षण	
(3) जैनाचार			
869	6660 (1)	अष्टप्रकारी पूजा	देवचन्द्र
870	5371	,,	
871	6999 (4)	,,	
872	7000 (171)	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×12 16;38	20-21	पूर्ण	19 वीं श.	
23.5×14 11;24	2	,,	1897	
26×11.5 12;40	2	,,	20 वीं श.	
22×12 12;24	2	,,	19 वीं श.	
25×11 19;44	5	,,	19 वीं श.	
22×10.5 21;42	10	,,	19 वीं श.	
18×9.5 11;28	133 वां	,,	16 वीं श.	
27×13 9;33	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×12 14;36	1-3	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×17 32;19	1	,,	20 वीं श.	
15.5×11 11;20	37-44	,,	19 वीं श.	
12×11.5 13;29	239-244	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए ।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3)ज आ.			
873	7090 (1)	अष्टप्रकारी-पूजा	
874	4739	अष्ट पूजा विधि दोहा	
875	4392	अष्टोत्तरी स्नात्र विधि	
876	5672	,, ,,	
877	6858	,, ,,	
878	6315	आचरणा संवुति	शिवनिधानोपाध्याय शिष्य हर्षसार पाठक
879	5396	आलोयणा पत्र विचार एवं शीलव्रत आचरण-विधि	
880	7009 (38)	आलोयणा-पाठ	
881	5374	आलोयणा-विचार	
882	6704	उपधान-विधि	
883	6568	उपस्थापना-विधि	
884	6435	खरतरगच्छ-समाचारी	
885	5341 (2)	चैत्य द्रव्य सम्बन्धी पत्र	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
9.5×13 18; 11	28–33	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. बालसागर पत्राङ्क 27-28 पर 'नवपद पूजा' का अंतिमांश है।
12.5×9 7; 14	2	,,	19 वीं श	
25×12 15; 45	4	,,	1814	लि. क. आगमसागर लि. स्था. उदयपुर
25×12.5 11; 35	6	,,	19 वीं श.	
26.5×11.5 13; 36	3–4	,,	1793	
25×11.5 17;56	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
28 5×13 17; 32	2	पूर्ण	20 वीं श.	
15×14 11; 15	93–94	,,	20 वीं श.	
25.5×10.5 17; 46	2	,,	18 वीं श.	लि, क. तिलकविजय लि. स्था. लोलाड़ा ग्राम
25×12.5 18;52	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11 10; 40	1	पूर्ण	18 वीं श.	
24.5×11 14; 42	1	अपूर्ण	20 वीं श.	
52. 5×14.5 38;15	1	पूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3) जै. आ. 886	7055	चैत्य प्रतिष्ठा विधि	
887	5643 (1)	चैत्यवन्दन-विधि	
888	7020 (9)	"	
889	5972	चैत्री पूर्णिमा देववन्दन-विधि	
890	5808	" " एवं पंचम्यादि उद्यापन-विधि	
891	7083 (20)	जिनकुशलसूरि अष्टप्रकारी पूजा	जिनचन्द्रसूरि
892	5687	" "	ज्ञानसार शिष्य रत्नराज
893	6317 (4)	" "	जिनचन्द्रसूरि
894	6999 (24)	" "	ज्ञानसार
895	7100 (1)	" "	"
896	7045 (6)	" "	
897	6311	ज्ञानपंचमी चैत्यवंदन-विधि	
898	5353	तपग्रहण-विधि	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11.5 14;37	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
23.5×11 11;36	8	,,	16 वीं श.	बीच-बीच में प्राकृत के सूत्र हैं।
16.5×11 11;18	82-86	पूर्ण	20 वीं श.	अंत में 'जिनस्तुति' है।
25×12 13;32	1	,,	19 वीं श.	
25.5×12 14;47	1	,,	19 वीं श.	
12.5×12 14;17	108-113	,,	19 वीं श.	अंत में दादाजी की आरती' है। र का. 1853 र. स्था. मेवराज नगर
25.5×11 9;38	4	,,	20 वीं श.	
24×11 5 11;27	29-32	,,	1904	लि. क आर्या गुमाना लि. स्था. जिहानाबाद
15.5×11 11;19	54-59	,,	19 वीं श.	
14×9 8; 18	8	अपूर्ण	20 वीं श.	अंत में अमरसिंधूर कृत आरती है। जीर्णप्रति
25×17 16;26	33-36	पूर्ण	19 वीं श.	अंत में जिनलाभसूरि कृत आरती है। लि. क. क्षमाविलास पत्र चिपके हुए।
24×11.5 15;38	1	,,	20 वीं श.	अंत में नमंत-सामंत प्राकृत गाथाओं की टीका है।
26.5×12 1[illegible];48	1	अपूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3) जै. आ. 899	6853	दिवाली देववन्दन-विधि	नयविजय, धीरविमल, ज्ञानविमल
900	5931	देववन्दन-विधि	
901	5397	देवसी प्रतिक्रमण-विधि	
902	6119	,, ,,	
903	4468	,, ,, एवं मुंहपत्ती के बोल	
904	5740	द्वादशव्रत-टिप्पणिका	
905	6725	द्वादशव्रत-विधान; विधि व्रत आचरण	
906	6913 (2)	ध्वज प्रतिष्ठा-विधि	
907	5549 (1)	नवपद-पूजा	यशोविजय, ज्ञानविमल, देवचन्द्र
908	6317 (1)	,,	,,
909	6823	,,	,,
910	6967	,,	,,
911	7039 (16)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×11 10;34	4	पूर्ण	1872	लि. क. ऋद्धिरत्न लि. स्था. राजनगर
25.5×12 17;45	1	;	20 वीं श.	
25.5×11.5 14;38	2	,,	1874	लि. क. प्रमाणरुचि प्रताप मुनि लि स्था. झांवरी
25.5×12 13;46	1	,,	19 वीं श.	
26×12.5 10;30	3	,,	20 वीं श.	
26.5×11 11;43	6	,,	1872	
24.5×11 22;49	4	,,	1953	
26×11.5 9;42	4 था	अपूर्ण	19 वीं श.	
10×10 9;11	32	पूर्ण	1926	
24×11.5 11;29	1–9	,,	20 वीं श.	
25×11 14;36	4	,,	19 वीं श.	
25×12 12;39	7	अपूर्ण	1899	लि. क. उदैचन्द लि स्था. नदीयापुरा
11×8 9;14	40–49	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए; अंत में स्तवन हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3) जै आ. 912	7045 (4)	नवपद-पूजा	यशोविजय ज्ञानविमल, देवचन्द्र
913	7083 (19)	,,	,, ,,
914	7092 (12)	,,	,, ,,
915	7115 (2)	,,	,, ,,
916	5621	,,	,, ,,
917	6999 (2)	,,	,, ,,
918	7000 (172)	,,	,, ,,
919	7020 (7)	,,	,, ,,
920	6826	,,	,, ,,
921	7023 (3)	,,	,, ,,
922	5665 (4)	निर्वाणकाण्ड-भाषा	भैया भगौतीदास
923	6844	पंच कल्याणक टीप	
924	6597	पंचपद खमावारी-विधि	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×17 16;26	26–32	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×12 14; 17	96–108	,,	19 वीं श.	
9 5×8.5 10;11	50-70	अपूर्ण	19 श. वीं	
15×11 9;21	15-34	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×17.5 16;11	55	,,	20 वीं श	जीर्ण; अंत में 84 गच्छ नाम एवं स्तवन-संग्रह है।
15.5×11 11;21	14–28	,,	19 वीं श.	
12×13 13;20	244–255	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए।
16.5×11 10;19	47–66	,,	20 वीं श.	
25.5×12 16;41	5	,,	20 वीं श.	अंत में क्षमाकल्याण कृत नवपद स्तवन है।
12×8.5 7;13	51–86	,,	1901	
25.5×13 13;30	3-4	,,	19 वीं श.	र. का. 1741
25 5×12 14;27	2	,,	1906	लि. क. पं० मनसुरा
26.5×11 17;44	2	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3) जै धा.			
925	5675	पंचमी, चौदस, इग्यारस ग्रहण एवं उद्यापन-विधि	
926	5241 (1)	पाक्षिक प्रतिक्रमणादि-विधि	
927	5863	पौषध-देववन्दन-विधि	
928	5810	,, एवं प्रतिक्रमण-विधि	
929	5934	,, प्रतिक्रमणादि-विधि	
930	6052 (1)	पौषध विधि	
931	6257	,,	
932	6777	प्रतिक्रमण हेतु	क्षमाकल्याणोपाध्याय
933	6889	प्रतिक्रमणादि-विधि	
934	6120	,, एवं नवपद-भेद	
935	5423	प्रतिष्ठा-विधि	
936	5427	,, ,,	
937	7018 (1)	प्रभात प्रतिक्रमण एवं देववन्दन-विधि	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×12 20;64	1	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×12.5 14;36	2	,,	20 वीं श.	
24×10.5 9;32	10	,,	1892	
24×10.5 13;46	2	,,	19 वीं श.	
24×11 13;30	5	,,	1866	लि. क. रत्नसागर लि. स्था. मूरढावास
24.5×12 11;29	28	अपूर्ण	1903	लि. क. विवेकसागर लि. स्था. दिल्ली पत्राङ्क 1-11; 13-16 अप्राप्त
26×13 17;40	1	पूर्ण	1919	लि. क. रंगविजय लि. स्था. सिरोही
24×12 13;40	3	,,	19 वीं श.	
25×11 18;52	4	अपूर्ण	19 वीं श.	
23.5×10 20;40	4	पूर्ण	20 वीं श.	
27.5×13 12;37	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11 17;36	2	पूर्ण	19 वीं श.	
18×12.5 13;32	1-3	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3) जै आ. 938	6319	प्रायश्चित-विधि	क्षमाकल्याणोपाध्याय
939	5385	ब्रह्मचर्य उच्चारण-विधि	
940	4482	मौन एकादशीरो गुणनो	
941	6042	यति-अतिचार	
942	4477	रात्रि प्रतिक्रमण-विधि	
943	5545 (76)	लछमण भणसाली द्वारा मोकली-राखी 51 तरकारी	
944	5851	विंशतिस्थानक-पूजा	जिनहर्षसूरि शिष्य जिनचन्द्रसूरि
945	4927	,,	,,
946	6021	,,	,,
947	6792	,,	,,
948	6999 (31)	,,	,,
949	4517	विंशोपचार-पूजा-विधि	
950	6438	विधिप्रपा	शिवनिधानोपाध्याय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10 5 13;36	7	पूर्ण	20 वीं श.	
26×12 14;39	2	,,	20 वीं श.	
27×13.5 12;25	3	,,	19 वीं श.	
26×11 10;38	7	,	18 वीं श.	
25.5×13 13;28	1	,,	20 वीं श.	
16×9.5 7;14	116–117	,,	1920	
26×12 12;38	16	,.	1898	र. का. 1871 अजीमगंज लि. क. मनरूप लि. स्था उदयपुर
23.5×11.5 15;38	4	अपूर्ण	20 वीं श.	
26.5×13 7;26	36	पूर्ण	1914	लि. क. लूणकरण तिवाड़ी
25.5×12.5 13; 34	6	अपूर्ण	20 वीं श.	
15.5×11 11;19	61–93	पूर्ण	19 वीं श.	
20.5×11 12;40	3	,,	20 वीं श.	
26×11 15;44	18	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3) जै. आ. 951	6749	वीसथानकजीरी ओळी	
952	7045 (1)	वीसथानक-पूजा	जिनहर्षसूरि
953	7083 (21)	"	"
954	7114 (7)	"	"
955	7038 (18)	व्रतग्रहण सूचनिका	
956	6192	श्राद्ध अहोरात्र कृत्यानि	
957	6951	"	
958	6140	श्रावकाचार प्राकृत दोहा भाषा	मू० योगीन्द्राचार्य भा० दौलतराम
959	4413	श्रावकातिचार	
960	5059	"	
961	5613	"	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×11 18;40	2	पूर्ण	19 वीं श.	बाद में नितलाभ कृत नेमिगीत व सूरदास का एक पद है।
25×17 16;29	1–15	,,	19 वीं श.	
12.5×12 14;17	113–141	,,	1894	लि क. रत्नचन्द्र; लि. स्था. पाली
16×11.5 12;19	115–145	,,	19 वीं श.	
13×30.5 22;14	123 वां	पूर्ण	16 वीं श.	संवत् 1578 में साकंभरी में हैमू पांडे द्वारा ग्रहण किए गए व्रतों की सूची; संवत् 1587 में पाटण ग्राम के मुनि सुव्रत चैत्य में मंडलाचार्य धर्मचन्द ने यशकीर्ति को आचार्य-पद दिया, महोत्सव साहिमल्ल अजमेरा द्वारा करने की टीप भी है।
24.5×12 11;30	11	अपूर्ण	20 वीं श.	
25×11 13;44	4	,,	19 वीं श.	
27.5×13 11;34	14	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1813; र. स्था. उदयपुर
24.5×12 8;25	19	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्राङ्क 1 अप्राप्त लि. क. पुण्यसुन्दर
26×12 12;35	6	पूर्ण	19 वीं श.	
25×12.5 12;32	8	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3)जै आ 962	5643	श्रावकातिचार	
963	7000 (200)	,,	
964	5857	,,	
965	5699	,,	
966	5763	संस्तारक-विधि	
967	6347	सतरह भेदी-पूजा	सकलचन्द्र
968	6317 (3)	,,	,,
969	6248	,,	,,
970	6660 (2)	,,	साधुकीर्ति उपाध्याय
971	6999 (1)	,,	,,
972	7020 (1)	,,	,,
973	7073 (18)	,,	,,
974	7090 (2)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×11 11;35	2	अपूर्ण	16 वीं श.	
12×11.5 18;22	267–271	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए।
24×11.5 9;25	14	,,	20 वीं श.	
25×12 13;34	8	,,	1874	लि. क. पं० चक्रपाण लि. स्था. मकसूदाबाद
27×12.5 13;30	2	,,	1917	लि क. वा. सत्यमाणिक्य लि. स्था. वाराणसी
25 5×12 12;39	6	,,	1826	लि क. भूपविजय लि. स्था अकबराबाद
24×11.5 11;28	20–29	,,	20 वीं श	
25.5×12 12;30	10	,,	1898	लि. स्था. लूणावा
25.5×12 14;36	3–8	,,	1880	र. का. 1618 र. स्था. पाटण
15.5×11 11;21	1-14	,,	19 वीं श.	
16.5×11 9;19	1-16	,,	20 वीं श.	
12.5×12 14;17	84–96	,,	19 वीं श.	
9.5×13 18;11	33-46	,,	20 वीं श.	पत्राङ्क 35-45 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3) जै. धा. 975	7094 (55)	सतरह भेदी-पूजा	साधुकीर्ति
976	7108 (73)	"	"
प० 977	6663 (10)	"	माल
978	5452	सम्मेतशिखर आराधना-विधि	
979	6617	साधु अतिचार	
980	5753	सांवत्सरिक प्रतिक्रमण-विधि	
981	7096 (5)	सामायिक ग्रहण विधि आदि	
982	5921	सामायिक ग्रहण-सूतक-विचार	
983	6457	सामायिक प्रतिक्रमण-विधि	
984	7020 (6)	सिद्धिचक्र आराधना-विधि	
985	5650 (1)	सूतक-विचार	
986	5039	स्नात्र-पूजा	देवचन्द्रोपाध्याय
987	5772	"	"

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×12.5 11;17	194-207	पूर्ण	17 वीं श.	गुटका सीकरी फतेपुर के साह साहिकर्ण पठनार्थं; पत्र चिपके हुए ।
13×13 13;13	215-223	,,	1677	जीर्णप्रति
26×11.5 15;44	4-9	,,	19 वीं श.	
26.5×13.5 15;24	1	,,	20 वीं श.	
23.5×10 14;34	3	,,	1767	लि. क. रामसागर
25.5×11.5 23;40	1	,,	20 वीं श.	
13×11 5 12;17	1;2;13;14	,,	19 वीं श.	अंत में तीर्थङ्कर एवं सतियों के नाम हैं ।
25×13 12;32	10	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10 5 15;42	4	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×11 13;20	43-46	,,	20 वीं श.	
25.5×12 14;36	1-2	,,	20 वीं श.	
25.5×11 7;25	11	,,	1916	किनारे नष्ट लि. क. नरेन्द्रविजय गणि
26×12 9;33	6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(3)जै आ. 988	6281	स्नात्र-पूजा	देवचन्द्रोपाध्याय
989	6661	,,	,,
990	7115 (1)	,,	,,
991	6999 (3)	,,	,,
992	5337	,, एवं अष्टप्रकारी पूजा	,,
903	5694	,, ,,	,,
994	6765	,, ,,	,,
995	6317 (2)	,, ,,	,,
996	7023 (2)	,, ,,	,,
997	7045 (2-3)	,, ,,	,,
998	7083 (17)	,, ,,	,,
999	7092 (1)	,, ,,	,,
1000	7097 (46)	,, ,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×12 12;36	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
25 5×12 13;37	5	पूर्ण	1890	
15×11 10;21	15	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1, 5, 7, अप्राप्त
15.5×11 11;19	29–37	पूर्ण	19 वीं श.	
21×13 5 6;18	15	,,	20 वीं श.	लि क. वीरचन्द हरीचन्द
25×11 13;38	7	,,	1872	आरतीयुक्त; लि. स्था. महेसर
25×10.5 9;26	16	अपूर्ण	20 वीं श.	
24×11.5 11;28	9–20	पूर्ण	20 वीं श.	आरतीयुक्त
12×8.5 7;15	19–51	,,	20 वीं श.	
25×17 16;27	15–25	,,	1899	लि. क. मुनि हेमविमल लि स्था. पाटोदी
12.5×12 14;17	69-84	,,	19 वीं श.	
9 5×8 5 9;13	34	,	19 वीं श.	प्रारम्भ के 5 पत्र 'कुसुमांजली' के हैं।
11 5×9.5 9;12	120–152	,,	19 वीं श.	अंत में आरती है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1001	7029 (9)	अंजनासुन्दरी-रास	
1002	7035 (1)	,,	
1003	6928	,,	
1004	7016 (15)	अक्षर-बावनी	केसवदास
1005	5715	अजापुत्र-रास	धर्मदेव मुनि शिष्य सौभाग्यरत्नसूरि
1006	6289	अठारह नातारा चौढालियो	
1007	5519 (8)	,,	
1008	5519 (9)	,,	
1009	5519 (13)	,,	
1010	6804	,,	
1011	6717	अध्यात्म-गीता	देवचन्द्र

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18 5×15.5 20;26	111–116	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 111 पर सरदारमलजी पीतलिया के पुत्र की जन्म कुण्डली; पत्र 115 पर सोहनमलजी द्वारा संवत् 1904 में लीलोतरी खुली रखी उसकी विगत तथा साधु कानमलजी के प्रतिक्रमण के बोल हैं।
17×11.5 8;19	55	,,	1913	प्रथम पत्र अप्राप्त।
26×13 13;32	26	पूर्ण	1903	लि. क. गुलाबचन्द लि. स्था. भीयाणी
15.5×22 28;20	100–101	अपूर्ण	19 वीं श.	
21×11.5 9;23	43	पूर्ण	1739	र.का. 1561; र.स्था. सेणीजिग्राम लि. क. केसरविजय लि. स्था दधिग्राम
25×12 10;25	5	,,	20 वीं श.	
15.5×12.5 8;17	76 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×12 5 8;20	77–86	पूर्ण	1831	
15.5×12 5 8;18	105–106	अपूर्ण	19 वीं श.	कीटविद्ध
25×11 15;36	3	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10 12;34	4	,,	19 वीं श.	लि. क. कमलसागर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च 1012	7056	अध्यात्म-गीता	देवचन्द्र
1013	5801 (3)	अयमत्ता ऋषि चौढ़ालियो	वीरभांण
1014	6991 (63)	अयवंती-सुकुमाल-रास	जिनहर्ष शिष्य क्षांतिहर्ष
1015	6999 (35)	"	"
1016	7000 (248)	"	"
1017	7004 (18)	"	"
1018	7013 (2)	"	"
1019	7095 (8)	"	"
1020	5764	अर्जुनमाली-रास	ऋषि जयमल
1021	7013 (1)	आणंद-संधि	श्रीसार शिष्य रत्नहर्ष
1022	7022 (63)	"	"
1023	7081 (2)	"	"
1024	7095 (20)	"	"

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.5 15;44	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.5 13;41	3-4	पूर्ण	1787	
15.5×14.5 17;22	2-8	,,	19 वीं श.	
15.5×11 12;23	96-105	,,	19 वीं श.	
12×11.5 21;30	325-328	,,	1877	लि. क. बालसागर लि. स्था. माँगरोल
16×14.5 15;20	45-53	,,	18 वीं श.	लि. क. पं० जीवण
22×16 13;18	31-40	,,	1846	लि. क. पं० चैनाराम लि. स्था. भीडाडा
16×10.5 9;22	40-52	,,	19 वीं श.	
21.5×11 13;34	6	,,	19 वीं श.	
22×16 13;20	15-31	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-14 अप्राप्त
11×8 10;19	146-149	,,	18 वीं श.	
15×13.5 15;21	5-24	पूर्ण	1812	
16×10.5 10;20	138-157	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1025	7018 (7)	आणंदसंधि	श्रीसार
प. 1026	6172	आदिनाथ कामदेव युद्ध-संवाद	
1027	7094 (68)	आदिनाथ-विवाहलउ	सेवक
1028	7019 (241)	आर्द्रकुमार-चौढालियो	कनकसोम
1029	5811 (1)	आषाढभूति चौढालियो	,,
1030	6993 (34)	,,	,,
1031	7019 (240)	,,	,,
1032	6990 (1)	,, रास	मानसागर शिष्य जीतसागर
1033	6947 (2)	,, ,,	,,
1034	7095 (25)	,, ,,	भावप्रभसूरि शिष्य महिमाप्रभसूरि
1035	7094 (9)	,, धमाल	
1036	2184 (1)	इलायचीकुमार-षट्ढालियो	मुनि माल शिष्य नाथजी
1037	7094 (65)	इषुकारी-संधि	खेमराज मुनि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18×12.5 11;17	1-28	पूर्ण	19 वीं श	
29×13 10;35	15	"	1732	र. का. 1589 लि. क. रूपसी लि. स्था जोबनेर
11.5×12.5 13;18	311-336	"	1637	जीर्ण; लि. क. रत्नहर्ष
15×20.5 22;19	198-200	"	20 वीं श.	र का. 1644 अमरसर
26× 10.5 15;42	3	"	18 वीं श.	र. का. 1638 लि. क. पं० मानसिंघ
14.5×18.5 21;14	64-48	"	1797	लि. क. पं० लालचन्द
15×20.5 22;19	194-198	"	20 वीं श	
24×17.5 22;40	3	"	19 वीं श.	र. का. 1730; र स्था. भेरुंदा
22.5×12 12;31	6-13	"	20 वीं श.	
16×10.5 9;18	104-109	"	19 वीं श.	
11.5×12.5 13;19	32-39	"	17 वीं श.	र. का. 1638; जीर्ण
26×11.5 17;42	4	"	19 वीं श.	र. का. 1855
11.5×12.5 12;20	300-304	"	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1038	6419	उपदेशसत्तरी एवं जिनमूर्ति-गीत	श्रीसार; जिनलाभसूरि
1039	6902	ऋषिदत्ता-रास	जयवंतसूरि शिष्य विजयमण्डल
1040	6730	कयवन्ना-चौपाई	जयरङ्ग (जैतसी)
1041	6763	,,	,,
1042	6997 (11)	,,	,,
1043	6332	कानड़ कठियारारी-चौपाई	मानसागर शिष्य जीतसागर
1044	6873	,,	,,
1045	6991 (291)	,,	,,
1046	7094 (64)	कामदेव-संधि	खेमराज मुनि
1047	6627 (4)	कुण्डलिया-बावनी	धर्मवर्द्धन
1048	5551	केसव-बावनी	केसवदास शिष्य लावण्यरत्न
1049	5545 (72)	खंधककुमर चौढालियो	
1050	5925 (1)	खंधक मुनि चौढालियो	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11 13;35	3	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11 13;32	31	अपूर्ण	1675	र. का 1600 लि. क. ऋषि कान्हजी लि स्था. गंधार बंदर
25.5×10.5 15;48	5	,,	19 वीं श.	पत्राङ्क 1-2 अप्राप्त पत्र चिपके हुए।
25.5×13 13;28	7	,,	19 वीं श.	
12×19 15;12	73	पूर्ण	1842	लि. क. गुमानचन्द लि. स्था. आंबोरी
25 5×11.5 13;32	9	,,	1902	र. का 1747 ? लि. क. इन्द्रभाण राठौड़ लि. स्था बेनातट
24 5×11 20;48	4	,,	19 वीं श.	र. का. 1747; र. स्था. पद्मावती मरुप्रदेश
15.5×14.5 29;30	143–147	,,	1917	लि. बालेसर
11 5×12.5 12;20	292–300	,,	17 वीं श.	
26×11.5 17;38	7–11	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11.5 13;36	7	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1772
16×9.5 6;17	101-112	,,	20 वीं श.	
24.5×11 19;41	1–3	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च			
1051	5811 (3)	खुल्लकुमार-चौपई	पद्मराजोपाध्याय शिष्य पुण्यसागरोपाध्याय
1052	7108 (35)	गजसुकुमाल-रास	
1053	2181 (9)	गतागतिनी-चौपई	रणछोड़ खत्री शिष्य हीराचन्द पूज्य
1054	6961 (289)	गुणावली-चौपई	जिनहर्ष शिष्य शान्तिहर्ष
1055	4438	गौतम स्वामी-रास	विनयप्रभ उपाध्याय
1056	5049	"	"
1057	5401 (1)	"	"
1058	5786	"	"
1059	5831 (7)	"	"
1060	6697	"	"
1061	6994 (27)	"	"
1062	6998 (128)	"	"
1063	7013 (12)	"	"

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×10.5 15; 42	5–10	पूर्ण	18 वीं श	पत्र चिपके हुए । र. का. 1667; र. स्था. मुलतान
13×13 15;20	139–145	अपूर्ण	17 वीं श.	
25×11.5 18;18	4 था	पूर्ण	1953	लि. क. मूलचन्द ऋषि लि. स्था. घाटवड़ र. का. 1901? नृपदुर्ग
15.5×14.5 27; 29	127–140	,,	1907	जीर्ण; लि. स्था. तिंवरी;
24 5×11 13; 31	5	,,	1854	र. का. 1412 लि. क कपूरविजय लि. स्था. सिरोही
25.5×11 13; 45	4	,,	1849	लि. स्था. मांडवाड़ा
26.5×12 5 12; 41	2	,,	20 वीं श.	
21×11 14;32	4	,,	19 वीं श.	
21×12 9; 27	19–26	,,	20 वीं श.	
25.5×12 11; 30	5	,,	20 वीं श.	
14 5×13 8 13; 26	136–144	,,	1579	र. का. 1412 लि. क. वाचक कल्याणतिलक गणि आदि
15.5×10.5 13;26	128–132	,	18 वीं श.	
22×10 14; 26	(?)	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1064	7019 (86)	गौतम स्वामी-रास	विनयप्रभ उपाध्याय
1065	7022 (64)	”	”
1066	7023 (1)	”	”
1067	7081 (18)	”	”
1068	7094 (10)	”	”
1069	7095 (14)	”	”
1070	7096 (11)	”	”
1071	7099 (2)	”	”
1072	7105 (15)	”	”
1073	7107 (95)	”	”
1074	7109 (7)	”	”
1075	7044	चंद-चौपई	मोहनविजय
1076	6990 (13)	”	”

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.5×15 21;17	(?)	पूर्ण	20 वीं श	
11×8 12;19	150-158	,,	18 वीं श.	लि. क. अमीचन्द पत्र चिपके हुए।
12×8 5 7;15	18	अपूर्ण	1901	पत्राङ्क 1-5 अप्राप्त
15×13.5 17;15	111-119	पूर्ण	1808	
11 5×12.5 13;19	39-45	,,	17 वीं श.	जीर्ण; लि. क. शिवनिधान लि. स्था. फतेपुर
16×10 5 10;21	63-71	,,	19 वीं श.	
13×11.5 13;14	86-94	,,	19 वीं श.	
13×16 18;15	12-16	अपूर्ण	19 वीं श.	
16×12.5 12;18	43-50	पूर्ण	19 वीं श.	
15×14 12;12	62-75	,,	19 वीं श.	
12×12 14;16	37-45	,,	18 वीं श.	
25.5×11.5 15;42	23	अपूर्ण	19 वीं श.	
24×17.5 24;38	61-130	पूर्ण	1904	लि. स्था. सेत्रावा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा च.			
1077	5519 (3)	चंद्रगुप्त 16 सुपन चौपई,	
1078	6990 (66)	चंद्रलेहा-चतुष्पदी	मतिकुशल शिष्य रत्नवल्लभ
1079	7049	चंपक-चरित्र	
1080	5784	चार मंगलरो चौढालियो	"
1081	7000 (147)	चित्र संभूतिरो चौढालिया	
1082	7022 (69)	" संधि	नयप्रमोद शिष्य हीरोदय
1083	7038 (7)	चूनड़ी-रास	विनयचन्द
1084	7106 (5)	चौबोली-चौपई	अभयसोम
1085	7075	"	
1086	6138	जंबूकुमार-रास	ब्रह्मचारी जिनदास
1087	6904 (1)	जंबूचरित्र-चौपई	
1088	6994 (53)	"	बुद्धिसागर
1089	7094 (15)	जंबूस्वामी-रास	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×12.5 8;18	57–63	पूर्ण	1822	24 तीर्थङ्कर आरती तथा यंत्रादि भी हैं।
24×17.5 23;36	38-56	,,	1890	लि. क. पं० विरधा लि. स्था. पचभदरा
15.5×19 5 23;19	7	अपूर्ण	1985	
26×11.5 21;66	3	पूर्ण	1831	लि. क. महासती कुस्याला लि. स्था. जयपुर
12×11 5 13;16	202-206	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए। र. का. 1745
11×8 11:19	166–169	,,	18 वीं श.	र. का. 1719 लि. क अमीचन्द मुनि र स्था. जैसलमेर
13×30.5 33;16	58–60	,,	16 वीं श.	
16×12.5 12;15	35–71	,,	1878	र. का. 1724 लि. क. प० रत्नचन्द
22×11 13;28	17	अपूर्ण	20 वीं श.	
30×12.5 9;33	100	,,	18 वीं श.	जीर्ण; पत्राङ्क 31, 88, 89 अप्राप्त
26×11 13;39	4–12	,,	17 वीं श.	र. का. 1522
14.5×14 13;26	308–322	पूर्ण	1579	कीटविद्ध लि. क. वाचक कल्याणतिलक गणि आदि
11.5×12.5 15;25	61–73	,,	17 वीं श.	जीर्ण; र. का. 1522

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा च. 1090	4391	जिनप्रतिमा अधिकार-रास	जिनहर्ष शिष्य श्रीसाम
1091	6691 (277)	जिनप्रतिमा हुण्डी-रास	जिनहर्ष गणि
1092	5731	जिनरक्षित जिनपालरो चौढालियो	
1093	6794	,,	
1094	7002	जिनलाभसूरि गुण दवावैत	मुनि वस्ता
1095	6963	जिनसुखसूरि-मजलस	
1096	6047 (2)	जीवोत्पत्ति	श्रीसार
1097	6947 (3)	झांझरिया ऋषिरो चौढालियो	भावरत्न शिष्य महिमाप्रभसूरि
1098	6991 (279)	थावच्चा पुत्ररो चौढालियो	क्षमाकल्याण उपाध्याय
1099	6483 (1)	दश पच्चखाणरो चौढालियो	रामचन्द्र
1100	5052	दान-शील-तप भावनारो चौढालियो	समयसुन्दर
1101	5547 (2)	,,	,,

भाप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22.5×13 13;30	4	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1725
15.5×14.5 19;25	103-106	,,	1890	
21×11.5 11;24	6	,,	20 वीं श.	
22.5×11 15;34	3	,,	1858	लि क. चन्द्रभाण ऋषि लि. स्था. रोहिट
12×10.5 11;16	26	,,	1835	लि. स्था. तलवाड़ा
22×11.5 10;24	5	,,	20 वीं श.	
21×11 10;28	3-7	,,	20 वीं श.	
22.5×12 12;32	13-16	,,	20 वीं श.	कर्त्ता-पूर्णिमा गच्छी है।
15.5×14.5 20;22	107-110	,,	19 वीं श.	र. का. 1847; र.स्था महिमापुर
12.5×23 26; 15	4	,,	1828	साथ में समयसुन्दर कृत संतोष छत्तीसी तथा जिनहर्ष की नववाड़ि सज्झाय भी है। लि. क. राजधर्म लि. स्था. सूरत
26 5×12 13;39	4	,,	19 वीं श.	र. का. 1662; र स्था. सांगानेर
11.5×11 12;13	28-40	,,	1897	लि क. लब्धिविजय लि. स्था. रामसेण नगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1102	6350	दान-शील-तप भावनारो चौढालियो	समयसुन्दर
1103	6824	,,	,,
1104	6991 (69)	,,	,,
1105	6993 (33)	,,	,,
1106	7081 (1)	,,	,,
1107	7083 (67)	,,	,,
1108	7101 (2)	,,	,,
1109	7108 (74)	,,	,,
1110	6997 (12)	,,	,,
1111	7013 (31)	,,	,,
1112	7019 (192)	,,	,,
1113	5910	,, रास	मानसागर शिष्य जीतसागर
1114	5803	देवकीरी ढाल	लूणकरण

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 5×10.5 15;36	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
24 5×11 13;37	4	पूर्ण	18 वीं श.	
15.5×14.5 18;20	17–22	,,	19 वीं श.	
4.5×18.5 23;16	58–63	,	1797	लि. क. लालचन्द लि. स्था. चुढिया
15×13.5 15;16	5	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भ अंश अप्राप्त
12.5×12 12;17	119–129	पूर्ण	19 वीं श.	
14.5×10.5 9;17	45–58	,,	1882	लि. क. दयाचंद ऋषि लि. स्था. आणंदपुर
13×13 13;21	223–231	,,	1672	जीर्ण; लि. क. कमलकीर्ति लि. स्था. लाभपुर (लाहोर)
12×19 15;11	74–86	,,	1842	जीर्ण; लि क. अनोपचन्द लि. स्था. आंबोरी
22×16 13;26	92–95	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×20.5 22;18	149–154	पूर्ण	20 वीं श.	
21×11.5 13;26	7	,,	1838	र.का. 1737; र.स्था. भैरूंदा नगर लि. क. केसरीचन्द
25×11 13;34	6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1115	6756	देवराज-वच्छराज-चौपई	विनयलाभ
1116	7094 (16)	धन्य-चौपई	सुमति शेखर शिष्य कक्कसूरि
1117	7094 (18)	धन्ना ऋषि-संधि	कल्याणतिलक उपाध्याय शिष्य जिनसमुद्रसूरि
1118	7108 (46)	,,	,,
1119	6948 (5)	धन्नाजीरो सतढालियो	पूज्य आसकरण शिष्य जयमल
1120	6382	धर्मबावनी	धर्म ।द्ध न
1121	7000 (215)	,,	,,
1122	6990 (68)	धर्मबुद्धि-चौपई	लाभवर्द्धन शिष्य शां.तिहष
1123	5785	धर्मबुद्धि पापबुद्धि-रास	उदयरत्न शिष्य शिवरत्न
1124	5920	ध्यानविचार-रास	भावमुनि
1125	6034 (2)	नवकार-रास	
1126	7019 (238)	नवकार मंत्ररो चौढालियो	धर्ममंदिर शिष्य दयाकुशल वाचक
1127	6831	नेमिनाथ-रास	पुण्यरत्न

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10.5 17;45	8	अपूर्ण	19 वीं श.	
11.5×12 5 15;25	73–95	पूर्ण	17 वीं श.	जीर्ण एवं चिपके हुए पत्र। र. का. 1514
11.5×12.5 15;25	100-105	,,	17 वीं श.	जीर्ण; र. स्था. जैसलमेर
13×13 16;22	165–170	,,	17 वीं श.	लि. क. तिलककीर्ति
22.5×12 12;30	25–30	,,	20 वीं श.	र. का. 1859; र.स्था. वीसलपुर
25×12 30;60	8–9	,,	20 वीं श.	
12×11.5 15;22	278-287	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए। अंत में सुन्दर कृत 3 सवैये हैं। लि. स्था. वालसागर
24×17.5 23;38	70–84	,,	1896	लि. क. विवेकरुचि लि. स्था सेत्रावा
27.5×11.5 11;35	16	,,	1801	र. का. 1768; र स्था पाटण लि. क. देवसुन्दर गणि लि. स्था. अवरंगाबाद
26.5×11.5 11; 33	10	अपूर्ण	19 वीं श.	
24×11 11;30	4-6	पूर्ण	19 वीं श.	
15×20.5 22;19	188–189	,,	20 वीं श.	
25.5×11.5 13;36	3	,,	1788	लि. क. धीर्यसागर गणि

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1128	7022 (83)	नेमिनाथ-रास	पुण्यरत्न
1129	7094 (56)	,,	,,
1130	6993 (32)	,,	,,
1131	6998 (136)	,,	,,
1132	7059	पञ्चाख्यान-चतुष्पदी	शिष्य मेरुसूरि
1133	6430	परदेशी राजारी चौपई	ज्ञानचन्द
1134	6990 (67)	,,	,,
1135	6724	,,	तिलकचन्द शिष्य जयरंग
1136	6482	,,	
1137	6129	परदेशी राजा-रास	
1138	7112 (6)	पार्श्वनाथ दशभव विवाहलो	मंत्रीपेथा
1139	6916 (1)	पुण्यसार-चौपई	
1140	5913	प्रास्ताविक-बावनी	धर्मवर्द्धन

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11×8 11;19	191–197	पूर्ण	18 वीं श	
11.5×12.5 13;18	208-215	"	17 वीं श.	
14.5×18.5 25;17	53–57	"	1797	लि. क. पं० उदराज
15.5×10.5 12;22	136-141	"	18 वीं श.	
25×11 19;58	5	अपूर्ण	18 वीं श.	पुनम गच्छीय
25×9.5 17;42	15	"	19 वीं श.	
24×17.5 23;40	58–70	पूर्ण	1893	पत्र चिपके हुए । लि. पं० विरधा लि क. स्था. सेत्रावा
25×11.5 12;36	10	"	1826	र. का. 1741 जालोर लि. क. पं० रामचन्द्र. लि. स्था. नवावहलवा
21×11 10;25	41–78	"	1933	लि. क. साहबचन्द गोलेछा
25×11.5 14;44	4	अपूर्ण	19 वीं श.	
22.5×13.5 14;28	75–86	पूर्ण	16 वीं श.	
27.5×13 16;42	6	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क द्वितीय अप्राप्त
26.5×10.5 12;25	6	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च 1141	6627 (1)	प्रास्ताविक-बावनी	धर्मवर्द्धन
1142	6669	,,	,,
1143	7094 (57)	फलवर्द्धि-रास	क्षेमराज मुनि
1144	6035 (12)	फूहड़-रासो	
1145	6475	बारहभावना-संधि	जयसोम उपाध्याय शिष्य प्रमोदमाणिक्य
1146	7013 (30)	,,	,,
1147	7019 (190)	,,	,,
1148	6034 (1)	बुद्धि-रास	शालिभद्रसूरि
1149	6994 (54)	,,	,,
1150	6233	बूढा-रास	,,
1151	7057	बुध-रासो	,,
1152	7096 (7)	,,	,
1153	7017 (2)	भरत बाहुबलि-छन्द	लक्ष्मीवल्लभ शिष्य लक्ष्मीकीर्ति

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11.5 17;38	1-5	पूर्ण	19 वीं श.	
23×10 5 12;38	7	,,	1769	अंत में उदयराज कृत दोहे हैं। लि. क. देवचन्द मुनि लि. स्था. नवानगर
11.5×12.5 12;16	215–218	,,	1641	लि. क. जोधा शिष्य क्षमारंग लि. स्था. फतेपुर सीकरो
21.5×12.5 17;37	55 वां	,,	18 वीं श.	पत्र चिपके हुए।
26×11 5 11;29	6	,,	18 वीं श.	र. का. 1646; र. स्था. बीकानेर
22×16 14;14	87–91	,,	19 वीं श.	
15×20 5 22;18	144-147	,,	20 वीं श.	
24×11 12;34	1–4	,,	19 वीं श.	
14 5×14 13;23	322–326	,,	1579	कीटविद्ध
25.5×12 14;46	4	,,	20 वीं श.	र. का. 1836 अंत में आत्म-सज्झाय है।
25×9.5 10;27	8	अपूर्ण	19 वीं श.	
13×11.5 13;16	77–82	,,	19 वीं श.	
17×21 25;23	62–67	पूर्ण	19 वीं श.	क्षेम शाखा; लि. क. देवचन्द लि. स्था वालरवा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1154	7101 (1)	मदनरेखा-रास	
1155	5880	मयणरेहा-रास	
1156	7026 (1)	माधवानल-कामकंदला-चौपई	कुशललाभ
1157	6399	मानतुंग-मानवती-चौपई	अभयसोम शिष्य सोमसुन्दर
1158	5631	,, रास	मोहनविजय
1159	5990 (69)	,, ,,	,,
1160	5922	मुनिपति-रास	
1161	7000 (1)	मृगापुत्र-चौढालियो	जिनहर्ष शिष्य शांतिहर्ष
1162	7094 (19)	मृगापुत्र-संधि	कल्याणतिलक उपाध्याय
1163	7108 (52)	,,	,,
1164	5963	मृगावती-चौपई	समयसुन्दर
1165	7019 (242)	मेघकुमार-चौढालियो	कवि कनक शिष्य जिनमाणिक्यसूरि
1166	7094 (13)	,,	,,

माप से मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14.5×10.5 9; 17	20–44	पूर्ण	1822	लि. क. दयाचन्द लि स्था. आणंदपुर
25×11 14;36	7	,,	19 वीं श.	
11.5×12 5 11 11	87	अपूर्ण	1811	र. का. 1616; र. स्था. जैसलमेर पत्र चिपक कर नष्ट
25.5×11 14; 31	13	पूर्ण	19 वीं श.	
26×10 11; 36	19	अपूर्ण	19 वीं श	
24×17 5 23; 40	84–107	पूर्ण	1896	लि क. रविचन्द
24×10.5 13; 34	31	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्राङ्क 24 वां अप्राप्त
12×11.5 23 ;38	4	पूर्ण	19 वीं श.	
11.5×12.5 15; 25	105–108	,,	17 वीं श.	
13×13 15; 23	180–183	,,	17 वीं श.	
20.5×7.5 11; 40	35	,,	18 वीं श.	प्रशस्ति अपूर्ण
15×20.5 22;19	200–203	,	20 वीं श.	
11.5×12.5 15; 25	49–52	,,	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1167	6897	मोतीकपासिया-संवाद	श्रीसार
1168	6215	यादव-रास	पुण्यरत्न
1169	7013 (3)	"	"
1170	7037 (10)	"	"
1171	6940 (1)	युगप्रधान जिनचन्द्रसूरि निर्वाण-रास	समयप्रमोद
1172	7094 (61)	रात्रि भोजन-रास	धर्मसमुद्र वाचक
1173	5917	"	
प. 1174	7108 (71)	रत्नकेतु व्यापारी-चौपई	सुमतिमेरु शिष्य हेमधर्म
1175	7017 (1)	रुघरासो	
1176	6332	वंकचूल-चौपई	गंगदास शिष्य लब्धिकल्लोल
1177	6901	"	"
1178	6290 (2)	वर्धमानजीरो चौढालियो	
1179	7019 (246)	वस्तुपाल तेजपाल-रास	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10.5 12;33	5	पूर्ण	19 वीं श.	लि. क जसवंतविजय
21×11 5 10; 24	6	;	19 वीं श.	
22×16 13;18	41-46	,,	19 वीं श.	
15.5×14.5 14;17	15-21	,	1806	लि.क. पं० कुशाल लि. स्था. बहिलवा
25 5×11.5 15;42	2	,,	18 वीं श.	
11.5×12.5 12;19	258-280	,,	17 वीं श.	लि.क पं० कपूर; लि.स्था. आगरा
25 5×11 12;36	5	अपूर्ण	18 वीं श.	स्वलिखित पाण्डुलिपि
13×13 12;19	205-212	पूर्ण	1669	र. का. 1668; र. स्था. विहलपुर
17×21 22;22	6-62	,,	1816	पत्र चिपके हुए। लि. क. पं० देवसौभाग्य लि स्था वालरवा
25×11.5 12;35	7	,,	19 वीं श.	र. का. 1671; र. स्था. पाली; पत्र चिपके हुए।
25.5×12.5 13;30	7	,,	19 वीं श.	
24.5×11.5 11;32	4	,,	1903	र. का. 1839
15×20.5 22;19	214-215	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्राङ्क 216 से 219 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च 1180	6433	विक्रमादित्य और नवसौ कल्यानो चौपई	लाभवर्द्धन शिष्य शांतिहर्ष
1181	5334	विक्रमादित्य चौबोली-चौपई	अभयसोम
1182	5980	,,	,,
1183	5924	विक्रमादित्य लीलावती-चौपई	परमसागर
1184	2186	विजयकुमार-चौढालिया	रामचन्द्र शिष्य ऋषि वृद्धिचन्द
1185	7028 (1)	विमलसाहरो सिलोको	विनीतविमल शिष्य शांतिहर्ष
1186	5900	वैदर्भी-चौपई	अभयसोम शिष्य सोमसुन्दर
1187	6611	,,	गुणसागर
1188	5057	शत्रुञ्जय उद्धार-रास	नयसमुद्र शिष्य भानुमेरु गणि
1189	6343 (2)	,,	,,
1190	6932	,,	,,
1191	6626	शत्रुञ्जय-रास	समयसुन्दर
1192	7013 (23)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×12 13; 34	25	पूर्ण	1943	र. का. 1723; र स्था. जैतारण लि. क. साहबचन्द गोलेछा
25×10.5 14;36	12	,,	1766	र. का. 1724 लि. क. रत्नसुन्दर गणि लि. स्था. जावर
24.5×11 5 15;33	12	अपूर्ण	1844	र. का 1724; लि. क. रूपसागर लि. स्था. नुरढावा पत्राङ्क द्वितीय अप्राप्त
24.5×10 5 16; 59	27	,,	18 वीं श.	
21×11 17; 51	2	पूर्ण	1941	र. का. 1910; र. स्था. नागोर लि. क मूलचन्द लि स्था जोधपुर
16.5×12 9:15	87–105	,,	1890	
26×11 17; 56	5	अपूर्ण	1731	र. का. 1711 लि. क रंगसमुद्र लि स्था. स्वर्णगिरी
26×12 14;39	6	पूर्ण	20 वीं श.	
22 5×11 5 9; 29	13	,,	1896	र. का 1638; र. स्था. अहमदाबाद
25.5×12 12; 39	6	,,	1826	लि. क. भूपविजय लि. स्था. अकबराबाद
24.5×11 11; 34	8	,,	19 वीं श.	लि. क. स्था. कोटग्राम
25×11.5 13;34	5	,,	1864	र का. 1682 लि. क. ऋषभविजय लि. स्था. शुद्धदंती (सोजत)
26×16 13; 26	66–73	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च.			
1193	7019 (85)	शत्रुञ्जय-रास	समयसुन्दर
1194	7020 (8)	"	"
1195	7081 (20)	"	"
1196	7083 (28)	"	"
1197	7090 (3)	"	"
1198	7097 (2)	"	"
1199	7099 (1)	"	"
1200	7106 (3)	"	"
1201	4908	शालिभद्र-रास-चौपई	जिनराजसूरि शिष्य जिनसिंहसूरि
1202	5640	शालिभद्र-चौपई	"
1203	6753	"	"
1204	6990 (14)	"	"
1205	6997 (2)	"	"

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×20.5 22;18	66–71	पूर्ण	20 वीं श.	
16.5×11 9;15	67–81	"	20 वीं श.	
15×13.5 15;20	125–133	"	19 वीं श.	
12.5×12 11;12	158–174	"	1897	
9.5×13 18;11	46–57	"	20 वीं श.	
11.5×9 5 8;11	15–42	"	1884	
13×16 16;13	11	"	19 वीं श.	
16×12 5 11;15	16–31	"	19 वीं श	
29×13 5 21;33	16	"	19 वीं श.	
29.5×12 5 12 30	24	अपूर्ण	19 वीं श.	
23.5×10 12;33	8	"	19 वीं श.	
24×17.5 24;38	130–141	पूर्ण	1904	लि. क. विवेकरुचि
12×19 15;12	50	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च. 1206	7004 (17)	शालिभद्र-चौपई	जिनराजसूरि शिष्य जिनसिंहसूरि
1207	7081 (14)	,,	,,
1208	6538	शालिभद्ररो सिलोको	जयसिंह मुनि शिष्य कनकप्रिय
1209	7095 (27)	शील नववाड़ि-रास	जिनहर्ष
1210	6486	शील-रास	ज्ञानचन्द गणि
1211	6261 (1)	,,	विजयदेवसूरि
1212	6994 (43)	श्रावक बारह व्रत-चौपई	
1213	6939	श्रीपाल-रास	जिनहर्ष गणि शिष्य शांतिहर्ष
1214	5707 (1)	श्रीमाल-पच्चीसी (चौरासी न्यात की जयमाल)	विनोदीलाल
1215	5762	सनत्कुमाररो-चौढालियो	ऋषि चोथमल
1216	5991	सम्यक्त्व-छप्पनी	
1217	5758	सार सिखामण-रास	......सुन्दर शिष्य जयसुन्दर
1218	4448	सिंहलसुत प्रियमेलक-चौपई	समयसुन्दर

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×14.5 22;22	21–44	पूर्ण	1764	लि. क. रूपविजय लि. स्था. बीकानेर
15×13 5 14;20	63–109	,,	18 वीं श.	लि. क पं० मोटा
25.5×11 13;41	6	,,	1822	र. का 1781
16×10.5 12;24	123–131	,,	1858	र.का. निधिनयणरस ससि(1639) लि. क. पं० चतुरभुज
24.5×10 15;45	10	अपूर्ण	1819	लि. क. ललितकमल, रत्नधीर लि स्था. आसणी कोट
25×10 16;46	6	पूर्ण	1819	लि. क. रामकिशन लि. स्था. आसणी कोट
14.5×14 13;19	194–196	,,	1579	अपभ्रंश में हैं। लि. क. कल्याणतिलक आदि
23×12.5 18;36	11	अपूर्ण	19 वीं श.	र. का 1742; र स्था. पाटण प्रथम पत्र अप्राप्त
17×11 13;17	4	पूर्ण	19 वीं श.	
26×12 13; 34	3	,,	20 वीं श.	
24.5×12 22;36	2	,,	1923	लि. क. ऋषि कुनणमल
24×12.5 11;22	17	,,	1722	लि. स्था. स्तम्भतीर्थ
25 5×11.5 15;41	8	,,	1815	र. का. 1672; र. स्था. मुलतान लि. क. गोविन्दकुशल

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्यांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4)रा. च. 1219	6643	सिंहासन बत्तीसी-चउपई	हीरा
1220	5737	सीताजीरी आलोयणा	केवलकुशल शिष्य रामसिंह
1221	7094 (62)	सुबाहु-संधि	पुण्यसागर उपाध्याय शिष्य जिनहंससूरि
1222	7109 (18)	"	"
1223	5999	सुभद्रा-चौपई	लालचन्द ऋषि शिष्य दोलतराम
1224	6157	सुरसुन्दरी-चौपई	जिनहर्ष शिष्य शांतिहर्ष
1225	5545 (71)	सोलह सुपनारी ढाल	
1226	7019 (239)	सोलह स्वप्न विचार चौढालियो	अमरसिंधुर शिष्य जयसार वाचक
1227	5547 (1)	स्थूलिभद्र-नवरसो	उदयरत्न
1228	5727	"	"
1229	5749 (1)	"	"
1230	5882	"	"
1231	6418	"	"

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 19;55	5	अपूर्ण	18 वीं श	तृतीय पत्र अप्राप्त ।
25.5×12 13;38	5	पूर्ण	19 वीं श.	
11 5×12.5 12;20	281–289	,,	1638	जीर्ण; र का. 1614;र.स्था. जैसलमेर लि. क. कपूरचन्द लि. स्था. आगरा
12 5×12 12;16	82-96	,,	18 वीं श.	
25.5×11.5 17;36	6	,,	20 वीं श.	र का 1858; र स्था. माधोपुर
26×12 16;41	30	,,	19 वीं श.	र का. 1710
16×9.5 7;18	95–101	,,	20 वीं श.	
15×20 5 22;19	189–194	,,	20 वीं श	र. का. 1875; र. स्था. पाली
11 5×11 10;10	28	,,	19 वीं श.	लि. क. लब्धिविजय
22.5×10 16 48	2	,,	1791	र. का. 1759 लि. क. उदैराज लि. स्था. घुढीया ग्राम
24.5×12 16;37	6	,,	1923	लि. क. कुनणमल
25.5×11.5 12;30	4	,,	20 वीं श.	लि. क. ऋषि प्रागजी
25×11 13;36	9	,,	1936	लि. क. दुर्गाप्रसाद, चोथमल लि. स्था. सेत्रावा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा च. 1232	6784	स्थूलिभद्र-नवरसो	उदयरत्न
1233	6947 (4)	"	"
1234	6990 (63)	"	"
1235	6997 (4)	"	"
1236	7000 (233)	"	"
1237	7019 (243)	"	"
1238	6845	"	ज्ञानसागर
1239	6904 (2)	"	लावण्यसमय
1240	6904 (55)	" रास	
1241	6442	हंसराज-वच्छराज-चौपई	जिनोदयसूरि
1242	5629	"	"
1243	7029 (8)	"	"
1244	7040	"	"

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×10.5 12;35	4	पूर्ण	19 वीं श.	
22.5×12 12;31	17–25	,,	1941	लि. क. साहब्रचन्द गोलेछा
24×17 21;40	34–37	,,	1888	लि. क. पं० विरधा लि. स्था. समदड़ी
12×19 15;11	57–69	,,	1842	लि. क. गुमानचन्द लि. स्था. आंबोरी
12×11.5 13;19	301–306	,,	19 वीं श.	
15×20.5 22;19	203–210	,,	20 वीं श.	
26.5×11.5 15;40	3	,,	19 वीं श.	
25.5×11 13;40	12–15	,,	17 वीं श.	
14 5×14 13;22	326-330	,,	1579	लि क. कल्याणतिलक गणि आदि
25.5×11.5 13;32	40	,,	1890	
26×12 12; 29	6	अपूर्ण	19 वीं श.	
18.5×15.5 11;15	110	पूर्ण	1856	लि क पं० जगरूप
16×21 21;20	40	अपूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(4) रा. च 1245	7094 (14)	हरिकेली-संधि	कनकसोम गणि शिष्य अमरमाणिक्य
1246	7094 (69)	हरिबल-रास	
1247	7035	हरिश्चन्द्र-रास	मुनिप्रेम
(5) कथा-चरित्र	(5)		
1248	5748	अक्षय तृतीया कथा	
1249	6328	अष्टाह्निका व्याख्यान भाषा	
1250	6751	,,	
1251	6894	,,	
1252	5038	आषाढाचार्य-कथा	
1253	6691	उत्तराध्ययनसूत्र (तीसरे अध्ययन की कथाएं)	
1254	5861	कालिकाचार्य-कथा	
1255	5678	गांगातेली-कथा	
1256	6671	चन्दन-मलयागिरीरी वार्त्ता	भद्रसेन
1257	5897 (1)	चातुर्मासिक व्याख्यान-भाषा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×12.5 15;25	53–61	पूर्ण	17 वीं श	र. का. 1640; र स्था. वैराट
11.5×12 5 12;12	337–345	अपूर्ण	17 वीं श.	
17×11.5 9;22	43	पूर्ण	20 वीं श.	र का. 1837; र स्था. कंटाल्या ग्राम
26.5×11 5 13;39	3	,,	1930	लि. क. ज्ञानचन्द
26×11.5 11;30	30	अपूर्ण	1910	प्रथम पत्र अप्राप्त
25×11 11;36	4	,,	20 वीं श.	
18.5×13 14;21	31	पूर्ण	1933	लि. क गुलाबचन्द मथेन लि. स्था. हमीरपुर
26.5×12 15;48	5	,,	19 वीं श.	लि क मानसिंह
25×11 15;37	2	,	19 वीं श.	
24.5×12 13; 27	15	,,	20 वीं श.	
26×12.5 11;38	4	,,	19 वीं श.	
25 5×12 13;38	8	,,	1843	
25×11 12;35	26	,,	1882	लि क. पं० कुशला लि. स्था. समदड़ी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(5)क. च. 1258	6383	चातुर्मासिक व्याख्यान-भाषा	
1259	6912 (2)	जंबूस्वामी-कथा	
1260	7007 (7)	जिनदत्त सेठ री कथा	
1261	5235 (1)	ज्ञानपंचमीकथा-भाषा	मु० कनककुशल
1262	6912 (1)	दीपावलीकल्प-बालावबोध	
1263	7088 (10)	पार्श्वचन्द गच्छीय भाणचन्द्रसूरि को लिखा गया पत्र	
1264	5440	भोजन-विच्छित्ति	
1265	6388	भोजनविधि (दसोटण)	
1266	4420	महावीर-चरित्र	
1267	5879	महावीर 27 भाव कथा	
प. 1268	7110 (2)	मुनिपतिचरित्र-बालावबोध	मेरुसुन्दर उपाध्याय
1269	6944	मृगावती-कथा	
1270	5379	मौनएकादशी कथा	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×10.5 12;34	14	अपूर्ण	19 वीं श.	द्वितीय पत्र अप्राप्त।
26×11 5 13;44	8 वां	,,	19 वीं श.	
18×13 8;15	38–64	पूर्ण	20 वीं श.	पत्राङ्क 62-64 में स्फुट मंत्र, दोहे, सवैयादि हैं।
25.5×12 17;38	5	,,	1796	लि. क. कांतिविजय
26×11.5 13;44	8	,,	1822	लि. क. रत्नधीर लि. स्था. शिणली ग्राम
15.5×22 24;22	57 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	नागोर से सोभाचन्द, शिवचन्द, साहिबचन्द का।
25×11 13;36	2	पूर्ण	19 वीं श.	
25×12.5 15;42	2	,,	20 वीं श.	
26×12.5 12;30	9	अपूर्ण	20 वीं श.	कल्पसूत्रानुसारेण
25×10.5 17;45	3	पूर्ण	19 वीं श.	
16×13 5 15;25	304–348	,,	16 वीं श.	जीर्ण एवं नष्टप्राय।
26×10 5 16;48	2	,,	19 वीं श.	
27×14 17;46	2	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(5) क. च. 1271	6015	मौनएकादशी-कथा	
1272	6286	लक्ष्मीदेवी-वर्णन	
1273	5904	वैरसिंह-कथा	
1274	6510	सीता-कथा	मेरुसुन्दर उपाध्याय
1275	6541	सुभूम चक्रवर्ती-कथा	
1276	3248	होलीपर्व-कथा	
(6) स्तुति स्तवन 1277	4497	अंतरीकपार्श्वनाथ-छन्द	लावण्यसमय
1278	5272	,, ,,	भावविजय
1279	6791	,, स्तवन	विनयराज वाचक शिष्य ललितकीर्ति पाठक
1280	6990 (2)	,, ,,	,,
1281	4476	,, ,,	लावण्यसमय
1282	5184	,, पद	जिनदास
1283	6627 (2)	अक्षर-बत्तीसी	धर्मवर्द्धन

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27.5×12.5 15;32	9	पूर्ण	1870	लि. क. हीरविजय गणि
24.5×10 5 10;31	1	,,	19 वीं श.	लि. क रतनसी ऋषि
25×11 15;44	7	अपूर्ण	20 वीं श.	
26×11 5 13;54	10	पूर्ण	17 वीं श.	"शीलोपदेशमाला-बालावबोध के अन्तर्गत"
25×11 12;33	4	,,	20 वीं श.	
25.5×10.5 15;48	3	,,	1779	लि. क ताराचन्द लि स्था पाटोधी
23.5×13 17;29	3	,,	19 वीं श.	र. का. 1550
25.5×11.5 12;36	4	,,	19 वीं श.	
25×11 13;36	3	,,	19 वीं श.	
24×17.5 22;40	3–4	,,	19 वीं श.	
25×13 16;33	3	,,	19 वीं श.	सिखामणसज्भाय तथा अपूर्ण नवकारस्तवन भी हैं।
25×13.5 10;28	2	,,	19 वीं श.	6 पद हैं।
26×11.5 17;38	5–7	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1284	6576	अजितनाथ-स्तवन	ऋषि रायचन्द
1285	5241 (2)	,, विमलनाथ-स्तवन, पद्मप्रभु-स्तवन	यशोविजय; जिनराजसूरि; देवचन्द्र
1286	5969	अजित-शांतिस्तवन	मेरुनन्दन उपाध्याय
1287	7108 (13)	,,	,,
1288	6994 (38)	,,	,,
1289	5388	अठारह नातारी सज्झाय	ऋद्धिविजय शिष्य दानविजय
1290	6131	,, एवं प्रतिक्रमण सज्झाय	सुमतिकमल
1291	4461	अठारह पापस्थान सज्झाय	
1292	6304	अठावीस लब्धि-स्तवन	धर्मवर्द्धन
1293	5834 (1)	,, ,, ; मौनएकादशी-स्तवन	,, समयसुन्दर
1294	6363 (1-5)	,, ,, ; चौदह गुण स्थान; अढ़ाईद्वीप स्तवन; पार्श्वजिन स्तवन; देवी कोट आदिनाथ स्तवन	धर्मवर्द्धन ,, जिनचन्द्रसूरि जिनहर्षसूरि
1295	6052 (3)	अड़सठ तीर्थ वृहत्स्तवन	सोमहर्ष शिष्य लक्ष्मीकीर्ति उपाध्याय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 13;42	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×12.5 13; 36	3 रा	;	20 वीं श.	
22×10.5 13;30	2	,,	1879	लि. क. पं० सुगनचन्द
13×13 15;20	29–32	,,	17 वीं श.	
14 5×14 13;19	183–186	,,	1579	कीटविद्ध लि.क. कल्याणतिलक गणि आदि
23.5×11.5 13;36	2	,,	1863	लि. क. लक्ष्मीचन्द लि. स्था. वड़नगर
25×11 16;31	2	,,	19 वीं श.	
26.5×11.5 13;33	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
23.5×10 14;44	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 18;48	21 वां	,,	19 वीं श.	
25×11 5 13;32	7	,,	19 वीं श.	र. का. 1834
24×11.5 11;25	5–7	,,	20 वीं श.	र. का 1729; र. स्था. पाली

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1296	6044 (4)	अढाईद्वीप जिनस्तवन	धर्मवर्द्धन शिष्य विजयहर्ष
1297	7052 (2)	अतीत, अनागत, वर्तमान, शाश्वत जिनस्तवन	जिनरत्नसूरि
1298	7006 (19)	अध्यात्म-बत्तीसी	बनारसीदास
1299	6931 (2)		
1300	6054	अनाथी मुनि ढाल एवं सज्झाय	समयसुन्दर
1301	4735 (4)	अभिनन्दन जिनस्तवन	
1302	6508 (1-2)	अमलरी सज्झाय; ग्यारह प्रतिमा-सज्झाय	माणकविजय शिष्य खीमविजय; जिनहर्ष
1303	5231	अमृतध्वनि-वर्णन	जसोविजय
1304	5181 (1-2)	अयमत्तामुनि-सज्झाय; जिनपद	लक्ष्मीरत्न; केसव
1305	7094 (1)	अरनाथ-स्तवन	रत्नसिंह
1306	6127	अरणिक मुनि-सज्झाय	
1307	5355	अष्टमी स्तवन	कांतिविजय
1308	7023 (4-5)	अष्टापद स्तवन तीर्थमालास्तवन	समयसुन्दर

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×11 10;23	29-33	पूर्ण	20 वीं श.	
17×16 18;22	2-4	"	20 वीं श.	र. का. 1743
15×10.5 10;18	31-34	"	19 वीं श.	
25.5×11 13;40	2 रा	अपूर्ण	19 वीं श.	
23.5×10.5 15;54	3	पूर्ण	19 वीं श.	
15×11.5 12;14	4-5	"	19 वीं श.	लि. क. लक्ष्मीचन्द लि. स्था. खाचरोद
25×11 16;52	149 वां	"	19 वीं श.	
24×13 15;30	1	"	19 वीं श.	
27×13 12;40	1	"	19 वीं श.	लि. क. रायचन्द
11.5×12.5 11;14	1-4	"	17 वीं श.	
22×10 20;36	1	"	17 वीं श.	लि. क. आर्या रूपां लि. स्था. लाखेरी
24.5×11.5 10;25	1	अपूर्ण	17 वीं श.	
12×8.5 8;13	87-89	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. किसनचन्द लि. स्था. नागोर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त 1309	5394	अष्टापद-स्तवन	दानविजय शिष्य विजयराजसूरि
1310	5186	,, एवं मनभंवरा गीत	जिनेन्द्रसागर शिष्य जसवंतसागर
1311	5243 (1–3)	,, ; सुमतिनाथ-स्तवन; नेमिनाथ-लावणी	समयसुन्दर; रूपचन्द; जिनदास
1312	6491 (1–5)	असनादिक विचार सज्झाय: हितशिक्षा सज्झाय; नेमिनाथ स्तवन; वेष स्थापन सज्झाय अष्टमीस्तुति	वीरविजय: ऋषिकमल; ऋद्धिहर्ष; हंसभुवनसूरि; धीरविमल
1313	4385	आचार-सज्झाय	लक्ष्मीकल्लोल
1314	6121	आत्म जीव गीत	भुवनकीर्ति
1315	6459 (1–4)	आत्म प्रबोध गीत; वैराग्यगीतत्रय	कान्ह; सयमसुन्दर; भक्तिलाभ विजयदेवसूरि
1316	6375	आत्मबोध-सज्झाय	वरपाल
1317	7038 (14)	आत्मशिक्षा-गीत	पदमनंदि
1318	6280	आत्मशिक्षारा दोहा	पार्श्वचन्द
1319	7063 (2)	आत्मसज्झाय	सहजसुन्दर
1320	7108 (5)	आदिनाथ-गीत	रत्नरंग शिष्य लब्धिविजय

माप से. मी. में. पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 12;30	2	पूर्ण	1886	र. का. 1756 लि. क. केसरविजय लि. स्था. वागरा
23×13 10;22	2	,,	19 वीं श.	
27×13 12;32	1	,,	19 वीं श	
25×11 20;57	2	,,	19 वीं श.	
25×11 16;42	1	,,	19 वीं श.	लि. क हर्षविजय लि. स्था. पंचेड़ ग्राम
23 5×11 11;41	1	,,	20 वीं श.	
25×12 22;36	1	,,	19 वीं श.	(?)
25×12 22;36	1	,,	1850	
13×30.5 21;15	99 वां	,,	16 वीं श.	
25×10.5 20;42	1	,,	18 वीं श.	
18×10 9;28	3 रा	,,	19 वीं श.	
13×13 14;13	15-16	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1321	7094 (46)	आदिनाथ-विज्ञप्ति	विजयतिलक
1322	6267	आदिनाथजीरी विनती	लावण्यसमय
1323	2185 (3)	,, स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय
1324	4471	,, ,,	
1325	6466	,, ,, द्वय	कमलहर्ष; विजयतिलक
1326	7108 (36)	,, ,,	पुण्यसागर
1327	7096 (10)	,, ,,	समुद्रविजय शिष्य शुभविजय
1328	5693 (1–2)	आदिनाथ-स्तवन एवं स्तम्भन पार्श्वनाथ चौसालो	मान; अज्ञात
1329	7096 (9)	आदिनाथ, अजित, संभव, सुमतिनाथ, अभिनंदन, चैत्यवंदन	
1330	4510	आदीसर-विनती	लावण्यसमय
1331	6997 (9)	,,	,,
1332	6381	आनन्दघन चौवीसी	आनन्दघन
1333	7009 (4)	,, बालावबोधसह	,, बा० ज्ञानविमलसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×12.5 17;19	140–143	पूर्ण	17 वीं श	
25×11 13;45	2	,,	19 वीं श.	जीर्ण; र का. 1562
25×12 6;46	1	,,	20 वीं श.	
21 5×13 11;27	2	,,	1895	
23×11.5 17;29	4	,,	19 वीं श.	लि. स्था. कुण्डलग्राम
13×13 13;18	146–150	,	17 वीं श.	लि. क. पद्मराज गणि लि. स्था. स्तंभनगर
13×11.5 17;14	85 वां	,,	1759	
25×11 1228	2	,,	20 वीं श.	
13×11.5 12;13	84–85	,,	19 वीं श.	
24×12 20;48	1	,;	19 वीं श.	र. का. 1562
12×19 15;13	76–82	,;	1850	लि. क. ऋषि अनोपचन्द
25×12 21;40	7	,,	1922	लि. क. ऋषि कुनणमल
15×14 15;19	1–54	,,	1907	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त 1334	6781 (2)	आबूयात्रा-स्तवन	रूपचन्द (रामविजय)
1335	5177 (1-2)	आयुष्यरी सज्झाय; पर्यु षण पर्वरी सज्झाय	ऋषि चोथमल हंसमुनि
1336	5365	आरती	
1337	5043	आलोयणा-छत्तीसी	समयसुन्दर
1338	5187	,,	,,
1339	5398	,,	,,
1340	5447	,,	,,
1341	5751	,,	,,
1342	5822	,,	,,
1343	6100	,,	,,
1344	6680	,,	,,
1345	6512	आलोयणा-स्तवन	धर्मवर्द्धन
1346	6876 (1-2)	,, ; शत्रुञ्जय-स्तवन	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.5 11; 36	3-4	पूर्ण	20 वीं श	र. का. 1821
25.5×12.5 14;35	1	,,	20 वीं श.	
12.5×21 19;17	1	,,	20 वीं श.	लि. [illegible] लि.
23×11 9; 23	3	,,	19 वीं श.	
28×13.5 15; 38	1	,,	19 वीं श.	
24.5×11 11; 33	2	,,	19 वीं श.	लि क. डूंगरविजय
26×11 13; 36	2	,,	19 वीं श.	
26×11 13;36	2	,,	19 वीं श.	
26×11.5 10; 35	4	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए।
25×11.5 14; 44	1	,,	1864	लि क. ऋषि खूबचन्द
24×11.5 11; 28	2	,,	19 वीं श.	
25×11 14;44	2 रा	अपूर्ण	19 वीं श.	र का. 1754; र. स्था. फलोदी
26×11 16; 44	2	पूर्ण	19 वीं श.	'शत्रुञ्जय-स्तवन' अपूर्ण है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त			
1347	5690 (1)	आलोयरणा-स्तवन; चौवीस दंडक विचार गर्मित स्तवन	धर्मवर्द्धन
1348	6072	आहार दोष-छत्तीसी ग पर्व[illegible]	जिनहर्ष
1349	6904 (4)	इरियाव[illegible]त	
1350	4428 (2)	„ सज्झाय	विनयविजय उपाध्याय
1351	6052 (7)	„ स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ गरिण
1352	6582	„ „ और भेद	प्रीतिविमल
1353	6424	इलापुत्र सज्झाय	लब्धिविजय
1354	7029 (6)	„ „	„
1355	5709	उत्तराध्ययन-स्वाध्याय	उदयविजय वाचक
1356	4428 (3)	उत्पत्तिरी-सज्झाय	
1357	5746	उपदेशरा कड़ा	ऋषि रायचन्द शिष्य जैमल
1358	5062	ऋषभजिन स्तवन	मान
1359	5824	ऋषभजिन स्तवन	लालचन्द

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11 15;38	1–4	पूर्ण	18 वीं श.	र. का 1754;1729 लि. क शांतिहोम
25×11 15;47	1	,,	1786	र. का. 1727 लि. क. पं० माणिक्यवल्लभ लि. स्था. जैसलमेर
26×11 18;38	15–16	,,	17 वीं श	
25 5×11.5 15;38	41 वां	,,	19 वीं श.	र का. 1734
24×11.5 11;25	17–18	,,	20 वीं श.	
25.5×11 17;48	1	,,	19 वीं श.	
21 5×12 12;27	2	,,	20 वीं श.	
18.5×15.5 11;18	12 वां	,,	19 वीं श.	
22×11 9;29	29	,,	20 वीं श.	
25 5×11 29;40	42–43	,,	19 वीं श.	
21×11 13;32	4	,,	1938	र. का 1821; र. स्था. तिंवरी लि क. भींवराज लि. स्था. भावी
16×11 14;22	1	,,	19 वीं श.	
16×10 11:20	2	,,	1926	र. का. 1839; र. स्था. बीकानेर लि. क. गंगाराम लि. स्था. कामठी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1360	4453	ऋषभ-जिनस्तवन	सौभाग्यरत्नसूरि शिष्य कीर्तिरत्नसूरि
1361	5408 (2-3)	,, ; चौवीस तीर्थङ्कर-स्तवन	जसविजय
1362	6252 (1-2)	,, ; संभवनाथस्तवन	देवचन्द्र उपाध्याय
1363	7106 (8-10)	,, ; अजित जिन-स्तवन	जिनराजसूरि
1364	5416 (1-2)	,, ; शांतिनाथ-स्तवन	राजेन्द्रविजय
1365	6130 (1-4)	ऋषभदेव-छंद; कुशलगुरु-छन्द; जिनचन्दसूरि गीत; गीत साणोर	अमरलाभ कविराज
1366	6243	ऋषभदेवजीरी लावणी	अमरसिंधुर
1367	6864 (1)	,,	कविरोड़
1368	5244	ऋषभदेव-बाललीला सुखड़ी	
1369	4498 (1-6)	,, ,, ; गौतमस्तवन; स्थूलिभद्र-सज्झाय; सिखामण-सज्झाय; गणधर-स्तवन; सीमंधर-स्तवन	उदयरत्न; वृद्धिविजय; भक्तिलाभ
1370	6598 (2)	ऋषभदेव-स्तवन	कृष्णमुनि शिष्य सिंधराज गणि

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 13;36	2	पूर्ण	18 वीं श.	र. का. 1723 विधिपक्ष-(अंचलगच्छ)
24×11 16;38	2 रा	,	19 वीं श.	
26.5×12 12;34	1	,,	20 वीं श.	
16×12.5 11;17	86–87	,,	19 वीं श.	
20 5×11 10;25	2	,,	1890	ग्रन्थकार की स्वलिखितप्रति लि. स्था. रामसैन्यनगर
23×11 11;22	3	,,	19 वीं श.	
11.5×23.5 36;15	1	,,	20 वीं श.	
25×11 9;32	2	,,	20 वीं श.	र का. 1860; र. स्था. सलूंबर
25.5×11.5 16;48	1–2	,,	18 वीं श.	
25.5×12 5 13;40	5	,,	19 वीं श.	अन्तिम दोनों कृतियां अपूर्ण
24×10.5 13;35	1–2	,,	20 वीं श.	लोंकागच्छीय

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1371	2185 (4)	ऋषभदेव-स्तवन	पूज्य सबलदास
1372	6775	,,	विनीतविमल
1373	7114 (10)	,,	जिनहर्षसूरि
1374	6230	,,	सदानन्द
1375	7035 (3)	,,	यशोविजय वाचक
1376	5367	,,	
1377	6300 (2-3)	,, (द्वय)	जिनभक्तिसूरि; रामविजय
1378	5834 (2)	,, वृद्धस्तवन	विजयतिलक
1379	5244 (2)	ऋषभदेवाष्टक	गुणसूरि
1380	5207	ऋषभ-स्तवन	रामविजय शिष्य सुमतिविजय
1381	6618 (1-3)	,, अजित एवं संभवनाथ-स्तवन	आनन्दघन
1382	5368 (1-4)	,, ; विमलनाथ-स्तवन; नेमिराजमती-स्तवन; पंद्रहतिथि-स्तवन	हर्षचन्द; ज्ञानविमलसूरि रंगविजय
1383	5944 (1-3)	,, ; पंचमी स्तुति; शीतलनाथ स्तुति	जिनहर्षसूरि; जिनचन्द्रसूरि जिनलाभसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×12 10; 54	1	पूर्ण	20 वीं श.	
26×11 14;47	2	,,	1835	
16×11.5 12;18	148-149	,,	1873	लि. क पं० राजसागर लि. स्था. अजीमगंज
22.5×11 23; 34	1	,,	1876	लि. क. नागरमल्ल लि. स्था. अकबराबाद
17×11.5 8; 19	56–57	,,	20 वीं श.	
25.5×11.5 13; 29	1	अपूर्ण	19 वीं श.	
20×7 10; 36	2 रा	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 30;55	22 वां	,,	19 वीं श.	
25×11.5 17; 48	2 रा	,,	18 वीं श.	
26×13 11; 25	1	,,	20 वीं श.	लि. स्था. लाईपुर
24.5×10 18; 48	1	,,	19 वीं श.	
12×41.5 78;18	1	,,	20 वीं श.	खरड़ा
24×11 26; 42	1	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1384	6560	ऋषि रायचन्दजीरी गहुंली	ऋषि आसकरन
1385	5703 (2)	औपदेशिक कूट पद	मेरुविजय शिष्य विजयसेन सूरि
1386	2181 (10)	औपदेशिक ढाल	
1387	5174	औपदेशिक लावणी	अखैमल
1388	2185 (9-10)	,, (द्वय)	जिनदास
1389	6434	,, सज्झाय	रत्न
1390	6589	,, ,,	
1391	4430 (1–4)	,, ,, ; पंचेन्द्रिय सज्झाय; अनन्तकाय सज्झाय; कलियुग सज्झाय	लावण्यसमय; जिनहर्ष लक्ष्मीरत्नसूरि; प्रेमविजय
1392	7000 (229–232)	,, ,, ; नवपदस्तवन; बुढापा सज्झाय; पद	; लालचन्द; कविभान; बखतराम
1393	2185 (7)	औपदेशिक-सवैया	आसकरन
1394	2185 (11)	,, स्तवन	कुशल ऋषि
1395	6579	कमलावती-सज्झाय	ऋषि जयमल

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×11 14;26	2	पूर्ण	20 वीं श.	र का. 1832
26×12 8;50	2 रा	,,	1842	
25×11.5 8;49	4 था	,,	1953	लि. क. मूलचन्द लि. स्था. घाटवड़
25.5×12.5 10;35	1	,,	20 वीं श.	
25×12 18;46	1	,,	1936	लि. क. मूलचन्द
25×12 10;34	1	,,	20 वीं श.	
27.5×10.5 12;36	2	,	19 वीं श.	लि. क. सरदारमल लि. स्था. अकबराबाद
22×11.5 15;28	3	,,	19 वीं श.	
12×11.5 10;36	296–300	,,	19 वीं श.	
25×11 4;44	1	,,	1899	लि. क. बुधमल्ल लि. स्था. पीपाड़
24.5×11 11;36	1	,,	20 वीं श.	
24.5×10.5 11;42	2	,,	19 वीं श.	लि. स्था. पीपड़दा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1396	6920 (3)	कर्म-छत्तीसी	राजसमुद्र (जिनराजसूरि)
1397	6473	,, ; दशविध पचखाण स्तवन	समयसुन्दर
1398	7006 (18)	,,	
1399	5938	कर्म सज्झाय	ऋद्धिहर्ष
1400	6505 (1-2)	,, ; आयुस्वरी-सज्झाय	,, ; चोथमल
1401	6232	कर्म-हिंडोलना-सज्झाय	हर्षकीर्ति
1402	5212	कलंकी दृष्टान्त सज्झाय	
1403	6929 (2)	कलंकी-सज्झाय	जिनहंस
1404	5213	कलिकुण्ड पार्श्वनाथ-स्तवन	हर्षसागर
1405	6783	कलियुग-सज्झाय	गुणविजय
1406	5175	,, ,, ; अंबिका देवी तथा आगीया नो मंत्र	प्रीतिविमल
1407	5417 (1)	कल्याणमंदिर-स्तोत्र भाषा	बनारसीदास
1408	6670	,, ,,	,,

नाप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र. अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×10 5 14;43	3–4	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1669
26.5×10 5 14;43	2 रा	अपूर्ण	18 वीं श.	
15×10 5 10;18	27–30	पूर्ण	19 वीं श	
25×12 13;34	1	,,	20 वीं श.	
21×11 10;26	9–10	,,	20 वीं श.	
25.5×11 11;36	1	,,	19 वीं श.	लि. क. मुनिराघव
23 5×12.5 12;34	1	,,	20 वीं श.	लि क. गुमानविजय लि. स्था. बोलाईपुर
21×11.5 10;26	2–3	,,	20 वीं श.	
26.5×14 13;36	1	,,	1887	लि. क लक्ष्मीविजय लि. स्था. रतलाम
24×12.5 14;38	2	,,	19 वीं श.	र. का. 1767
25.5×12.5 13;36	1	,,	19 वीं श.	
24.5×11 18;52	2	,,	19 वीं श.	
21×12 9:21	6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त.			
1409	7108 (30)	कशाय परिहार गीत	समयप्रमोद
1410	6183	कापरड़ा पार्श्वनाथरो सिलोको	जयचन्द उपाध्याय
1411	6649	काया कुटम्ब गीत-सस्तबक	मुनिदयाशील
1412	6402	काया-सज्झाय एवं ढंढण ऋषि-सज्झाय	वनमाली शिष्य पद्मतिलक; जिनहर्ष
1413	6997 (6–8)	,, ; पापस्थान-सज्झाय; पार्श्वनाथ-स्तवन	
1414	6092	कीर्तिरत्नसूरि-छन्द	चन्द्रकीर्ति गणि
1415	5797 (1)	कुगुरु-पच्चीसी	
1416	6221	कुमति निवारण-स्तवन	लाधोसाह
1417	2181 (14)	कुमति-सुमतिरी लावणी	जिनदास
1418	6279	कृष्ण शुक्ल पक्ष सज्झाय	हर्षकीर्तिसूरि
1419	5685	केशरिया नाथजोरो-छन्द	सदाकीर्ति
1420	7000 (226–228)	क्रोध सज्झाय; नेमिनाथ पद; महावीर पद	उदयरत्न
1421	6829	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×13 17;18	129–130	पूर्ण	17 वीं श.	
25×10.5 12;32	1	,,	19 वीं श.	
24.5×11 10;32	2	,,	19 वीं श.	
24×11 13;31	1	,,	1867	लि. क. भोपतसागर
12×19 14;10	72-75	,,	1849	
23.5×10.5 15;38	1	,,	19 वीं श	12 गाथाएं हैं।
25×11 19;44	1	,,	20 वीं श.	
25×12.5 15;31	2	,,	20 वीं श.	
25×11.5 10;19	5 वां	,,	1953	लि क. मूलचन्द ऋषि लि. स्था. घाटवड़
26×11.5 14;42	1	,,	19 वीं श.	
25.5×11 11;31	2	,,	19 वीं श.	
12×11.5 10;16	294–295	,,	19 वीं श.	
25×10 5 13;32	2	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1422	6920 (2)	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर
1423	7019 (106)	"	"
1424	6291 (1-3)	" ; शीलबत्तीसी; चेलणा-सज्झाय	" ; जिनराजसूरि; समयसुन्दर
1425	5180 (2)	" ; धर्मसज्झाय; नवकार-रास	" ; पदमकुमार
1426	6998 (47)	"	हर्षकुशल
1427	4639	क्षेत्रपाल मणिभद्र-स्तवन	
1428	5381	खीमाणसी पार्श्वनाथ-स्तवन	मुहको श्रावक
1429	7094 (12)	गजसुकुमाल-गीत	नन्नसूरि शिष्य भावदेवसूरि
1430	2184 (2)	गजसुकुमाल-लावणी	ऋषि चोथमल
1431	6265	" सज्झाय	
1432	6488 (1-5)	गढपति सज्झाय; अविनासी-सज्झाय; महावीर स्तवन; संभवनाथ स्तवन; ध्रुपद	भूधर; रूपचन्द; भावप्रभसूरि; रूपचन्द
1433	6070 (1-3)	गणधर संख्या सज्झाय: कीर्तिरत्नसूरि गीत; नाकोड़ा पार्श्वनाथ स्तवन	वृद्धिविजय; ललितकीर्ति पाठक; समयसुन्दर

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×10 5 14;43	1–3	अपूर्ण	19 वीं श	
15×20.5 22;17	99–101	पूर्ण	20 वीं श.	
23×12.5 11;26	6	,,	20 वीं श.	
22.5×10 11;34	4	,,	19 वीं श.	'नवकार-रास' अपूर्ण है।
15.5×10.5 12;25	48-50	,,	18 वीं श.	र. का. 1687
13.5×6 6;18	6	,,	20 वीं श.	
19×10.5 9;20	2	,,	1858	लि. क. वल्लभ सौभाग्य लि. स्था. कासोली
11.5×12.5 15;25	47–49	,,	17 वीं श.	र. का. 1591; र. स्था. खंभात जीर्ण; कोरंटगच्छ
25×11.5 15;50	4 था	,,	19 वीं श.	र. का. 1858; र. स्था. जोधपुर
25 5×11 10; 25	2	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 11;39	1	,,	19 वीं श.	
24.5×11 27;42	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1434	6229	गुणमाला जिन-स्तवन	लालविनोद
1435	7062 (2)	गुरु गहूँली (द्वय)	
1436	5958	गुरुवंदन बत्तीस दोष-सज्झाय	क्षमाकल्याण
1437	6122	गुरुसेवा-सज्झाय	विशुद्धविजय
1438	5654 (1-3)	गुरु-सज्झाय पद; गुरु माहात्म्य ढाल	भूधर हिम्मतराय
1439	6174	गौड़ी पार्श्वनाथ-छन्द	उदयरत्न
1440	4483	,,	कान्तिविजय
1441	5866	,,	कुशललाभ
1442	6060	,,	,,
1443	5869	,,	धर्मसी (धर्मवर्द्धन)
1444	5814 (1-2)	,, ; गौतम-स्तवन	प्रीतिविजय शिष्य हर्षविनय
1445	6653 (1-2)	,, (द्वय)	धर्मवर्द्धन; उदयरत्न

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×11.5 21;33	1	पूर्ण	20 वीं श.	
26.5×11.5 11;28	1	,,	19 वीं श.	दूसरी रचना अपूर्ण है।
24.5×11 11;38	1	,,	19 वीं श.	
25×11 11;48	2	,,	19 वीं श.	अंतिम अपूर्ण है।
26×11.5 10;35	2	,,	20 वीं श.	
26×12.5 16;17	1	,,	20 वीं श.	
26.5×14 16;32	2	,	1881	
25.5×11 17 44	1	,,	18 वीं श.	
24×10.5 15;52	1	,,	19 वीं श.	
25.5×12 15;30	1–2	,,	20 वीं श.	
25.5×12 15;37	3	,,	1853	लि. क. विनयविजय लि. स्था. गनवानगर
18×11 10;18	5	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त. 1446	6405 (1–5)	गौड़ी पार्श्वनाथ-छन्द (द्वय) पार्श्वनाथ-पद; खेत्रपालजीरो छन्द; अष्टभय-निवारण पार्श्वनाथ-छन्द	बालचन्द शिष्य देवहर्ष; अभयसोम गांगो कवि; धर्मवर्द्धन
1447	5234 (1)	गौड़ी पार्श्वनाथ बृहत्-स्तवन	नेमिविजय
1448	6423	,,	अनोपचन्द शिष्य क्षमाप्रमोद पाठक
1449	5726 (2)	,, एवं पद संग्रह	रामविजय शिष्य दयासिंघ
1450	6073	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन	दीपविजय शिष्य दर्शनविजय
1451	6605	,,	प्रीतिविजय
1452	5234 (2)	,,	लक्ष्मीवल्लभ गणि
1453	6076	,,	लब्धिसागर
1454	7106 (7)	,,	समयरंग
1455	5939	,,	समयरंग शिष्य गुणशेखर
1456	6109	,,	,,
1457	7029 (5)	,,	जिनचन्द्रसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×12 10;29	9	पूर्ण	1918	लि. क. हाला
25 5×12 17;43	5	,,	1826	र. का. 1817 लि. क युक्तिविजय लि. स्था. कोरटा
20×10 5 13;31	7	,,	20 वीं श.	र. का. 1805
24.5×11 15;44	4 था	,,	19 वीं श.	
24×11 11;28	1	,,	1798	लि. क. दानविजय लि. स्था. बालो
25×10.5 13;29	3	,,	1814	लि. क. बालचन्द लि. स्था वाघावास
25.5×12 17;34	5 वां	,,	19 वीं श.	
25 5×10.5 15;44	1	,,	19 वीं श.	
16×12.5 9;17	82–85	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 10;30	2	,,	19 वीं श.	
25×10.5 10 29	2	,,	19 वीं श.	
18.5×15.5 11:18	11 वां	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तुस्त 1458	4735 (6)	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन	
1459	6754 (1–2)	,,	हर्षनिन्द; जिनराजसूरि
1460	6460 (1–3)	,, (द्वय) पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि मुनि वस्ता
1461	6994 (56–58)	,, ; ,, ; शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1462	6871 (1–6)	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन; आदिनाथ-स्तवन; पार्श्वनाथ-स्तवन; महावीर-स्तवन; जिनकुशलसूरि-गीत; मृगापुत्र-सज्झाय	अमृतजय शिष्य सत्यविनय ,, ,, ,, ,,
1463	5182 (1–3)	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन; सुविधिनाथ-स्तवन; वीर-स्तवन	नयविजय; कवियण; उदयवाचक
1464	5959 (1–3)	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन; वीर-स्तवन; सीमंधर-स्तवन	समयरंग; समयसुन्दर; भक्तिलाभ
1465	6771 (1–3)	गौड़ी पार्श्वनाथ स्तवन; धन्नाऋषि-सज्झाय; स्थूलभद्र-सज्झाय	विनयभक्ति लालचन्द
1466	4658	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तुति	मुक्तिसागर शिष्य राजसागर
1467	5401 (2)	गौतम स्वामी-अष्टक; गौतम स्वामी-स्तवन	समयसुन्दर वीरविजय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×11.5 10;14	6 ठा	अपूर्ण	19 वीं श.	
18 5×9 5 9;27	2	पूर्ण	20 वीं श.	र. का. 1682
25.5×12 19;42	1	„	19 वीं श.	
14.5×14 14;20	3	„	19 वीं श.	जीर्ण; लि. क. पुण्यसमुद्र
25.5×11 12;37	3	„	19 वीं श	
15×11 14;38	1	„	1798	लि. क. अमृतविजय लि. स्था घाणपुर
22.5×11.5 19;42	2	„	19 वीं श.	लि क. जयचन्द लि. स्था. अजीमगंज
25.5×11 13; 30	11–12	„	19 वीं श.	
15×11 16;24	1	„	1812	लि. स्था. सिवगढ़ नगर
26.5×12.5 12;41	2 रा	„	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1468	2185 (2)	गौतम स्वामी-स्तवन	ऋषि रायचन्द
1469	6007	,,	जयसागर
1470	6990 (55)	,,	पद्मराज
1471	6594	,,	
1472	5224	,, ; जिनपद	वीरविजय; जिनदास
1473	4504	,,	
1474	6514	,, सज्झाय एवं कवित्त	ऋषि उदयचन्द; नेमिदास
1475	5757 (2)	ग्यारह अंग-सज्झाय	विनयचन्द शिष्य ज्ञानतिलक
1476	2181 (5)	ग्यारह गणधर-स्तवन	भांनीराम
1477	6330	घीनी-सज्झाय	लालविजय शिष्य शुभविजय
1478	6373	चंद्रप्रभ-स्तवन	रतनविमल गणि शिष्य उत्तमविमल
1479	6990 (64)	चंद्रोदय-सज्झाय	मानविजय शिष्य रिद्धिविजय
1480	7108 (39)	चउरंगो-गीत	पुण्यसागर उपाध्याय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×12 12;46	1	पूर्ण	20 वीं श.	र. का 1827; र. स्था. जोधपुर
24×10.5 9;28	1	,,	19 वीं श.	
24×17.5 11;38	21 वां	,,	20 वीं श.	11 गाथाएं हैं।
19.5×11 12;27	1	,,	20 वीं श.	
21.5×13 15;25	1	,,	1876	लि. क. मोहनविमल लि. स्था. पंचेड़ग्राम
23.5×11 20;36	1	,,	19 वीं श.	अंत में ग्रह-स्तुति' है।
11×11 10;24	13–15	,	20 वीं श.	
26×12 13;44	4	,,	20 वीं श.	पत्राङ्क 1–2 अप्राप्त
25×11.5 10;49	3 रा	,,	1953	र. का. 1933; र. स्था. जालोर लि. क. मूलचन्द ऋषि लि. स्था. घाटवड़
22.5×10.5 19;46	1	,,	19 वीं श.	
26.5×12 9;31	1	,,	19 वीं श.	
24×17.5 21;40	37–38	,,	19 वीं श.	
13 13 14;18	153–154	,,	1650	लि. क. पद्मराज गणि लि. स्था. मेदतट नगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु स्त 1481	4379	चतुर्विंशति जिन चैत्यवंदन	
1482	6549 (1)	,, गीत	ललितकीर्ति
1483	4625	,, दण्डक गत्यागति-गर्भित जिन-स्तवन	पार्श्वचन्द्रसूरि
1484	5725 (3)	,, दण्डक-स्तवन	ज्ञानसार शिष्य रत्नराज
1485	7108 (77)	चम्पकमाला-गीत	मुनि मेरु
1486	6994 (62-63)	चिंतामणि पार्श्वनाथ-स्तवन; गौड़ी ,,	केशवमुनि कुशलसागर
1487	6786 (2-3)	चिंतामणि पार्श्वनाथ-स्तवन; ,, ,,	हरखचन्द ,,
1488	2183	चेतन उपदेश-लावणी	विनयचन्द
1489	5188	चेतन-सज्झाय	मान
1490	5705	चैत्री पूर्णिमा स्तवन	साधुकीर्ति शिष्य अमरमाणिक्य
1391	6585	,,	,,
1492	6052 (6)	चौदह गुण स्थानक-स्तवन; अठावीस लब्धि-स्तवन	धर्मवर्द्धन
1493	6588	चौदह बोलरी ढाल	ऋषि रायचन्द

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×11.5 11;30	4	पूर्ण	1855	लि. क. दौलतविजय
10×17.5 24;20	1	,,	18 वीं श.	
24×10 9;33	2	,,	18 वीं श.	
25.8×11.5 12;35	6–8	,,	1811	पत्र चिपके हुए।
13×13 16;23	237–238	,,	17 वीं श.	
14.5×14 14;20	2	,,	18 वीं श.	र. का. 1726 कीटविद्ध
26.5×13 15;41	2 रा	,,	20 वीं श	
25×11.5 16;38	2	,,	19 वीं श.	
24.5×14 16;29	1	,,	20 वीं श.	
24×11.5 24;47	1	,,	19 वीं श.	
24×11 12;44	1	,,	20 वीं श.	
15×11 11;25	10–16	,,	20 वीं श	(1) र.का. 1729; र.स्था. बाड़मेर; (2) र. स्था. 1726; र. स्था. लूणकरणसर
25.5×12 12;40	1	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तुस्त 1494	5356	चौदह सुपन-सज्भाय	
1495	6716	चौदह स्वप्न विचार-पद	हीरधर्म
1496	5173 (2)	चौपइरी-सज्भाय	रतनसागर
1497	6990 (65)	,,	,,
1498	6059	चौरासी ग्रासातना-स्तवन	धर्मवर्द्धन
1499	2185 (19)	चौवीस जिन ग्रायु-परिमाण-स्तवन	श्रीदेव
1500	6228	चौवीस जिन चैत्य-वंदन	शुभविजय शिष्य क्षमाविजय
1501	5757 (1)	चौवीस जिन-नमस्कार	क्षमाकल्याण
1502	6047 (1)	,, स्तवन	ग्राणंदविजय शिष्य कमलविजय
1503	2181 (13)	,, ,,	चंदुजी महासती
1504	6574	,, ,,	
1505	5726 (1)	चौवीस तोर्थंकर पद-संग्रह	लक्ष्मीवल्लभ उपाध्याय
1506	6997 (1)	,, स्तवन	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11 10;32	1	पूर्ण	20 वीं श.	
27.5×12 5 14;27	4	,,	20 वीं श.	लि. क. पं० ज्ञानचन्द मुनि लि. स्था. दिल्ली
24 5×11.5 12;37	3 रा	,,	19 वीं श.	लि. क. नरेन्द्रविजय
24×17 5 10;38	38 वां	,,	19 वीं श	
16.5×40 44;23	1	,,	20 वीं श.	
23×10 7;64	1	,,	20 वीं श.	
25.5×12 16;37	3	,,	19 वीं श.	लि. क. ऋषि श्रीचन्द
26×12 13;42	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
21×11 10;28	3	पूर्ण	20 वीं श	र. का 1651
25×11 9;49	5 वां	,,	1953	र. का. 1856; र स्था जंतारण
23 5×11 20;34	1	,,	20 वीं श.	
24 5×11 15;44	4	,,	19 वीं श	रागबद्ध
12×19 15:12	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त 1507	6220	चौवीस दण्डक गत्यागति विचार-स्तवन	कवि पाल
1508	6825	„ गर्भित शांतिनाथ-स्तवन	धर्मसागर शिष्य कुशलधीर
1509	5688	„ गर्भित पार्श्वनाथ-स्तवन	धर्मवर्द्धन
1510	5988	„ „ „	„
1511	6852 (1–4)	„ „ ; चौदह गुण स्थानक-स्तवन; पंचमी बृहत्स्तवन; सोमंधर-स्तवन	„ ; „ ; समयसुन्दर; भक्तिलाभ
1512	6953 (1–3)	चौवीस दण्डक गर्भित पार्श्वनाथ; चौदहगुणस्थानक-स्तवन एवं वीर स्तवन	धर्मवर्द्धन; समयसुन्दर
1513	6809	चौवीसी	आनन्दवर्द्धन
1514	5047	„	कमलविजय वाचक
1515	7019 (78)	„	जिनराजसूरि
1516	7091 (7)	„	„
1517	5914 (1)	„	जिनसुखसूरि
1518	6125	„	यशोविजय उपाध्याय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, ग्रक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10 16;36	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;38	3	,,	18 वीं श.	
19 5×11 14;28	3	,,	1816	र. का. 1729 लि क. वल्लभविनय
23×12 14;30	2	,,	19 वीं श.	
26×11 15;42	1-5	,,	18 वीं श.	
15×11 15;37	4	,,	19 वीं श.	
25 5×11 12;33	6	,,	19 वीं श.	
24×10.5 11;36	3	,,	19 वीं श.	1, 5, 7, 11, 14, 17, ग्रोर 22 वें तीर्थङ्करों के स्तवन हैं।
15×20.5 22;18	53-60	,,	20 वीं श.	
11 5×8.5 12;17	12-27	,,	1822	
25×11.5 17;41	4	,,	18 वीं श.	र. का. 1764; खंभात लि. क. मेघराज गणि
26×12 13;44	6	अपूर्ण	1794	लि. स्था राजद्रंग प्रथम पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तुस्त 1519	5777	चौवीसी रागबद्ध	हरखचन्द
1520	6739 (6)	,,	,,
1521	5328	,, एवं सूरतमंडण पार्श्वनाथ-स्तवन	यशोविजय
1522	5845 (1–4)	,, एवं शंखेश्वर, अजितनाथ, शांतिनाथ-स्तवन	मोहनविजय
1523	4428 (2)	छत्तीस असज्झायनी-सज्झाय	
1524	6044 (1)	छन्नु जिन-स्तवन	जिनरत्नसूरि
1525	5227	छव्वीस सती स्वाध्याय	भानो
1526	6170	छह ढालें-उपदेशी	
1527	6298 (1–5)	जंबूकुमार-गीत, गयसुकुमाल-गीत, थावच्चा गीत; शील-गीत; जम्बूगीत	पुण्यपाल
1528	6448	जयतिहुण स्तोत्र भाषा पद्य	क्षमाकल्याण उपाध्याय
1529	7108 (7)	जिनकुशलसूरि-गीत	गुणवंत (गुणविनय) ?
1530	6990 (49)	,,	जयसागर उपाध्याय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10 5 13;48	4	पूर्ण	19 वीं श	
24.5×11 18;42	1–4	,,	19 वीं श.	17 वें कुंथुनाथ तक
25 5×11.5 13;39	7	,,	19 वीं श.	लि. क. कस्तूरविजय
25.5×12.5 11;31	1–10	,,	19 वीं श.	चौवोसी में– 1. 2, 5, 10, 14 से 23 वें तीर्थङ्करों के स्तवन हैं।
25.5×11.5 27;48	42 वां	,,	19 वीं श.	
21×11 10;23	20-22	,	20 वीं श.	र. का 1743
22 5×11.5 12;32	2	,,	19 वीं श.	
23×10 14;40	1	,,	19 वीं श.	लि. क. रूपा प्रार्या लि. स्था. लाखेरी
26×11 13 38	3	,,	17 वीं श.	अंतिम गीत अपूर्ण है।
25 5×11.5 15;36	2-4	,,	19 वीं श.	र. स्था. महिमापुर लि. क. पं० नयनन्दन अन्त में 'जिनलाभसूरि-सवैया' है।
13×13 12;18	16 वां	,,	18 वीं श.	
24×17.5 21;38	19 वां	अपूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त.			
1531	7094 (11)	जिनकुशलसूरि-गीत	शिवनिधान उपाध्याय
1532	7108 (6)	"	समयसुन्दर
1533	6990 (50)	"	साधुकीर्ति पाठक
1534	5714	जिनकुशलसूरि-छन्द	अभयसोम शिष्य सोमसुन्दर
1535	5793 (1)	"	"
1536	5867 (2)	"	"
1537	6678	"	"
1538	6253 (1-4)	" " : स्तवन; जिनचन्द्रसूरि-गीत; जिनकुशलसूरि गीत	जयसागर; धर्मसी; रत्ननिधान साधुकीर्ति
1539	6134 (1-2)	" छन्द; जिनदत्तसूरि-स्तवन	साधुकीर्ति भुवनकीर्ति
1540	5836 (1)	जिनकुशलसूरि स्तवन	जिनलाभसूरि
1541	6411	जिनचन्दसूरि-गीत (द्वय)	धर्मवर्द्धन
1542	6562	"	जिनभक्तिसूरि
1543	6079	जिन चैत्य-वन्दन	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×12.5 12;24	46 वां	पूर्ण	17 वीं श	कर्त्ता की स्वलिखित प्रति
13×13 8;13	16 वां	,,	18 वीं श.	
24×17.5 18;38	19-20	,,	20 वीं श.	
22×10.5 9; 24	3	,,	19 वीं श.	
25×10.5 15;36	2	,,	18 वीं श.	
25.5×12 15;30	2-4	,,	20 वीं श.	
22.5×10.5 10; 30	2	,,	19 वीं श	
23×11.5 11; 28	4	,,	1924	लि. क. सागरचन्द
25×11 26;45	1	,,	19 वीं श.	
19.5×11 10; 22	1	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 12; 32	1	,,	1756	लि. क. हर्षचन्द गणि
24 5×11 10;32	1	,,	20 वीं श	तीसरा गीत अपूर्ण है।
24.5×11 11; 30	1	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1544	6990 (51)	जिनदत्तसूरि-गीत	
1545	5701 (1)	,, -स्तोत्र	जग्रचन्द
1546	5183	जिनपद	जिनदास
1547	7000 (222-225)	जिनपूजा स्तवन; चार मंगल; पार्श्वनाथ-स्तवन; नेमिनाथ-स्तवन	ऋषभदास; उदयरत्न; धर्मसो; मानविजय
1548	6181 (3)	जिनभक्तिसूरि-गीत	कुशलविनय वाचक
1549	6185	, भास (द्वय)	रंगविनय उपाध्याय; अज्ञात
प 1550	6552	जिनमुक्तिसूरि-भास	सुमतिसुख शिष्य विनयविमल
1551	6165	जिनरंगसूरि-गीत	ज्ञानसमुद्र
1552	7108 (8)	जिनरत्नसूरि-गीत	रत्नरंग
प 1553	6041	जिनलाभसूरि-भास	श्याम'बाई
1554	6550	जिनलाभसूरि-भासत्रय	राजसिंह; रणछोड़
1555	6823 (3-8)	जिनवाणी-गीत: साधुगुण छप्पय-कवित्त; फलरो कवित्त; लकड़ी रा नवगुण-कवित्त: छप्पय (द्वय); चेटक पुत्री नाम सवैया	रुघपति पाठक

माप से मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 5×17 10;38	20 वां	पूर्ण	20 वीं श.	
24×10.5 16;35	1	,,	20 वीं श.	
27 5×13 11;26	1	,,	19 वीं श.	चार पद हैं।
12×11 5 15;18	(291-294)	,,	19 वीं श	
23.5×11.5 18;35	1	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 23;45	1	,,	19 वीं श.	
20 5×10 5 10;23	4	,,	1921	र. का. 1921; र.स्था. अजमेर
25.5×11.5 11;26	1	,,	19 वीं श.	पत्र के दूसरी ओर 'भक्तामर स्तोत्र' के चार श्लोक हैं।
13×13 15;15	16–17	,,	18 वीं श	
26×11 17;49	1	,,	1850	लि. क मनरूप कर्त्री सूरत निशासी
25 5×11 17;44	11 वां	,,	19 वीं श	लि. क. गौड़ीदास
26×12 15;48	4 था	,,	1832	लि. क. लब्धिकमल मुनि लि स्था. उदवासद

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त.			
1556	7035 (2)	जिनवाणी-स्तवन	पद्मविजय
1557	5792	जिन सहस्रनाम-भाषा	बनारसीदास
1558	6520 (2)	जिन-स्तवन; सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभसूरि
1559	4386	जिन-स्तवन-फाग	
1560	5953	जिन स्तुति-संग्रह	
1561	4381	,, ,,	पुण्यरुचि, कांतिविजय, पद्मविजयादि
1562	4735 (3)	जीरावला पार्श्वनाथ-स्तुति	
1563	6180	जीव ऊपर-सज्झाय	कांतिविजय
1564	6529	जीव दया-छन्द	
1565	4488	जीव विचार-स्तवन	वृद्धिविजय
1566	5912	,,	,, शिष्य सत्यविजय
1567	5725 (1)	,,	ज्ञानसार शिष्य रत्नराज
1568	6000 (1-3)	जीव सज्झाय; सज्झाय-गीत; मन भँवरा-गीत	कीर्तिमुनि; विजयदेवसूरि ; महम्मद

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×11 5 8;19	55–56	पूर्ण	20 वीं श.	
24.5×11 17;47	4	,	18 वीं श	र. का. 1690 'बनारसी विलास" से
24.5×11 19;38	5 वां	,	19 वीं श.	
22×9 5 8;27	1	,	20 वीं श.	
25×10 5 11;36	2	,,	20 वीं श.	
24.5×11 13;48	7	,,	20 वीं श.	
15×11.5 13;14	3 रा	,	19 वीं श	
11.5×10 5 16;17	1	,,	19 वीं श.	अंत में 'नरमोही राजा रा दूहा' है।
27×12 13;36	2	अपूर्ण	20 वीं श	
27×13.5 11;38	5	पूर्ण	19 वीं श.	
26×11.5 15;41	4	अपूर्ण	1794	र. का. 1712; र. स्था दीवबंदर
26×11.5 12;35	3	पूर्ण	19 वीं श.	र. का, 1871
26×11 15;56	1	,	1742	लि. स्था सोझित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तुस्त 1569	5235 (2)	जूवटारी सज्झाय	आणंद
1570	6409	जैसलमेर पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर
1571	6395	,, ,,	खेमराज
1572	6946 (2)	जैन-लावणी	जिनदास
1573	5820	ज्ञाताधर्म कथाङ्ग-स्तवन	मयाचन्द
1574	6396	ज्ञान-पच्चीसी	बनारसी
1575	7108 (78)	ज्ञानपञ्चमी-स्तवन	खेमराज मुनि
1576	6543	,,	समयसुन्दर
1577	5242	,,	
1578	6709	,, बृहत् एवं लघु	,,
1579	5060 (1–2)	,, एवं मौनएकादशी-स्तवन	,, ; कांतिविजय
1580	4451 (1–3)	,, ; सोलह सती-सज्झाय; महावीर-स्तुति	दयाकुशल उदयरत्न
1581	5260	ज्ञान-सज्झाय	दयासिंह

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×12 15;40	5 वां	पूर्ण	18 वीं श.	
24.5×10.5 15;40	2	,,	18 वीं श.	17 रागों में निबद्ध।
24.5×10.5 10;38	2	,,	17 वीं श.	21 ढालों से युक्त।
21×11 10; 30	12 वां	,,	20 वीं श.	
20×11.5 11;26	2	,,	1930	लि. क. मयाचन्द लि. स्था समदड़ी
25×11 10;24	2	,,	19 वीं श.	लि. क. अमीचन्द
13×13 16; 23	238-239	,,	17 वीं श.	र स्था. जैसलमेर
24.5×11.5 10; 25	1	,,	20 वीं श.	
25.5×12.5 14;36	1	अपूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11.5 11; 34	2	पूर्ण	19 वीं श.	
21×11.5 11; 32	5	,,	19 वीं श.	
24 5×10.5 14;47	2	,,	19 वीं श.	
25.5×11 16; 46	1	,,	18 वीं श.	र. का. 1751; अंत में औषधी, मंत्र एवं सुभाषित पद्य हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1582	5387	ज्ञान-हरियाली (फूलड़ा सज्झाय सस्तबक)	वीरविजय
1583	2612 (2)	झांझरिया मुनिरी ढाल	
1584	4503 (1–3)	ढंढण ऋषि-सज्झाय; शांतिनाथ-स्तवन; जिनपद	जिनहर्ष; ज्ञानविमल; जिनरंग
1585	9069 (1–3)	तभाखू-गीत; वैराग्य-सज्झाय; जिन-गीत	समयसुन्दर
1586	7108 (43)	तिमरी पार्श्वनाथ-स्तवन	चारित्र्योदय वाचक
1587	6305	तीन चौवीसी नाम गर्भित जिन-स्तवन	विनयचन्द
1588	6930 (1–3)	तीर्थमाला-स्तवन: नवकार-स्तवन; गजसुकुमाल-सज्झाय	समयसुन्दर; रतनचन्द
1589	6052 (8)	तेसठ शलाका पुरुष-स्तवन	मुनि वसता
1590	7050 (4)	,, ,,	,,
1591	5942 (1-2)	,, ,, ; बाहुजिन-स्तवन	जिनराजसूरि
1592	6664 (1–2)	,, ,, ; तेवीस पदवी-स्तवन	मुनि वसता; जिनोदयसूरि (वेगड़ गच्छीय)
1593	4526 (2)	क्षमा-छत्तीसो	कपूरचन्द्र

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×11.5 15;28	2	पूर्ण	1890	लि. क. राजेन्द्रविजय गरिण
25×11 13;44	2–3	,,	19 वीं श.	
27×13 24;33	1	,,	19 वीं श.	
25.5×10 24;56	1	,,	19 वीं श.	
13×13 18;20	14 वां	,,	17 वीं श.	
25×11 14;36	1	,,	1889	र. का. 1864; र. स्था. लावपुर लि. स्था. शाहजिहांनाबाद
21×11.5 10;25	4-6	,,	1933	लि. क. साहबराय गुलोछा लि. स्था. राजनाद गांव
24×11.5 11;25	19–20	,,	20 वीं श.	
17×16 18;22	4–6	,,	20 वीं श.	
25.5×12 13;24	2	,,	19 वीं श.	
24.5×11 13;37	2	,,	19 वीं श.	
18×11 14;32	3–7	,,	20 वीं श.	लि. क. चैनविजय

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1594	6601	दलाली की सज्भाय	
1595	6025	दशविध यतिधर्म-सज्भाय	ज्ञानविमलसूरि
1596	5729	दशवैकालिक-दशअध्ययन-गीत	वाचक कमलहर्ष शिष्य मानविजय
1597	6295	,, ,,	,,
1598	5543 (2)	,, ,,	जयरंग (जैतसी) शिष्य पुण्यकलश
1599	5967	,, ,,	,,
1600	6261 (2)	,, ,,	,,
1601	6837 (1)	,, ,,	,,
1602	6947 (1)	,, ,,	,,
1603	6808	दशार्णभद्र-वधामणा	हीरानन्दसूरि
1604	6169 (1)	दादा-गीत	जिनभक्तिसूरि
1605	5543 (4)	दादाजी को आरती	जिनलाभसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10 5 16;41	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25 5×11 11;37	10	,,	1815	लि. स्था. सूरत
26×11 5 12;31	9	अपूर्ण	1917	र.का. 1733; र.स्था. सोभित नगर लि. क. शिवराज ऋषि पत्राङ्क 2, 3, अप्राप्त
25 5×11 14;28	9	,,	1786	
16.5×11.5 7;20	12–21; 43–48	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11 13;35	5	,,	1949	लि. स्था. लोहावट
25×10 16;46	6-9	,,	1819	लि. स्था. आसणी कोट
25×10.5 14;36	5–8	,,	19 वीं श.	
22.5×12 12;30	1–6	,,	20 वीं श.	
26.5×11 15;34	2	,,	18 वीं श.	लि क. सकलहंस मुनि लि. स्था. नंदरबाद नगर
24.5×11 14;46	1	,,	19 वीं श.	तीन गीत हैं।
16.5×11.5 15;17	29–30	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1606	6869 (1–6)	दान-सज्झाय अरहन्नक-सज्झाय; पंचेन्द्रिय-विषय; निवारण-सज्झाय; चेलणा-सज्झाय; नंदिषेण-सज्झाय; धन्ना-सज्झाय	लावण्यसमय: समयसुन्दर; जिनहर्ष; समयसुन्दर; जिनराजसूरि; तिलोकसी
1607	6592	दीपावली-सज्झाय	
1608	6456 (1–2)	,, ,, ; सीमंधर-स्तवन	समयसुन्दर
1609	6275	दीपावली-स्तवन	
1610	7101	,, ,,	
1611	5185 (4)	देव-स्तुति	
1612	5407	द्वितिया एवं पंचमी तिथि-स्तवन	गणेशरुचि शिष्य हरिरुचि
1613	5208	धन्ना अणगार-स्वाध्याय	श्रीदेव
1614	5780	धन्ना ऋषि गुण-सज्झाय	विनयचन्द शिष्य अनोपचंद
1615	2181 (7)	धन्नाजीरी-सज्झाय	रतनचन्द
1616	7047 (9)	,, ,,	समयसुन्दर ?
1617	6527 (1–2)	,, ,; गौड़ी पार्श्वनाथ स्तवन	तिलोकसी जिनलाभसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.5 16;32	4–7	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11.5 13;30	2	"	20 वीं श.	
22.5×11.5 15;32	1	"	20 वीं श.	
25×11 17;42	1	"	19 वीं श.	
14 5×10.5 8;14	64–67	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×11.5 7;14	15–16	पूर्ण	19 वीं श.	
27.5×13 16;48	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
26×11.5 17;32	1	पूर्ण	19 वीं श.	
26.5×12.5 15:33	2	"	19 वीं श.	
25×11.5 9;48	3 रा	"	20 वीं श.	
11 5×10 5 13;15	15–17	"	19 वीं श.	ल. स्था. अकब्रराबाद
25.5×11.5 14;36	1	"	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त.			
1618	5259	धन्ना शालिभद्र सज्झाय	सहजसुन्दर
1619	6870 (1–3)	,, ,, ; इलाची पुत्र सज्झाय; अनाथी-सज्झाय	समयसुन्दर ,,
1620	6943 (3)	धर्मनाथ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय
1621	4506	धर्मनाथ-स्तवन; महावीर-स्तवन	मोहनविजय; इन्द्रसौभाग्य
1622	6313	धर्मरुचि-सज्झाय	रतनचन्द
1623	5342 (1–3)	धर्म-सज्झाय; काया-सज्झाय; काया-जीव-चेतन-सज्झाय; श्रुत-सज्झाय	जतसो महमद क्षमाकल्याण
1624	6874 (1–3)	,, ; सती-सज्झाय; सिखामण सज्झाय	चारुदत्त वाचक; साजनमल; विजयभद्र
1625	6263	धुलेवा ऋषभदेवजी रो छन्द; नेमिनाथ राजमती-स्तवन	कविराज रतन
1626	4735 (5)	धुलेवा केशरियानाथजीरी लावणी	मलूकचन्द शिष्य नयाराम
1627	4486	,, ,, एवं चक्रेश्वरी-गीत	दीपविजय
1628	5533 (2)	धुलेवा पद, अष्टापद, सिद्धाचल, जिनपद-संग्रह	जोरावरमल
1629	6931 (1)	ध्यान-बत्तीसी	बनारसीदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 12;41	1	पूर्ण	19 वीं श.	
24×10.5 10; 32	2	,,	19 वीं श.	
22.5×11.5 16;33	22 वां	,,	19 वीं श.	
24.5×12 13;32	1	,,	19 वीं श.	
24×11 10;32	1	,,	20 वीं श.	र. का. 1865; र. स्था. जोधपुर
25.5×12.5 14;36	2	,,	20 वीं श.	
24.5×11 19;43	2	,,	19 वीं श.	
24.5×12 13;36	2	,,	19 वीं श.	
15×11.5 13;36	5–6	,,	1869	लि. क. लिखमीचन्द लि. स्था. खाचरोद
23.5×12 14;32	4	,,	1875	लि. क. गुमानविजय लि. स्था. रतनावती
20.5×13 10;18	30–33	,,	20 वीं श.	
25.5×11 13;40	1–2	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1630	7006 (20)	ध्यान-बत्तीसी	बनारसीदास
1631	6365	नंदीश्वर-स्तवन	मुनिमेरु
1632	5228 (4)	नगरी-स्वाध्याय	रतनचन्द
1633	6665	नयगर्भित वीर जिन-स्तवन	लक्ष्मीसूरि शिष्य सौभाग्यसूरि
1634	7050 (3)	नवकार वाली-सज्झाय	लब्धि
1635	5372	नवकार-छन्द	कुशललाभ वाचक
1636	6083	,,	,,
1637	6098	,,	,,
1638	6515	,,	
1639	7035 (7)	,,	,,
1640	5383 (1-3)	,, ,, वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन स्तंभन ,, ,,	,, ,, जिनहर्ष
1641	7067 (1)	नवकार-रास	
1642	5681	नवकार-स्तवन	जिनवल्लभसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×10 5 10;17	34–38	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11 11;34	3	„	19 वीं श.	
20×11 9;23	4-5	„	1934	लि. क. फतहउदय लि. स्था. डीसा
25×11.5 15;35	4	„	19 वीं श.	
17×16 18;22	4 था	„	20 वीं श.	
23.5×11 11;29	2	„	1884	लि. क. विनातविजय लि. स्था. पोसालिया
25×11 12;40	1	„	19 वीं श.	
25×10 14;40	1	„	1867	
21×11 10;26	7–8	„	20 वीं श.	
17×11.5 8;19	49–50	अपूर्ण	1913	पत्राङ्क 48 वां अप्राप्त
25×11 13;44	2	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 14;42	2	„	19 वीं श.	
25.5×10.5 12;46	2	„	1680	लि. क. सुगणकीर्ति

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त			
1643	5975	नवकार-स्तवन	जिनवल्लभसूरि
1644	7067 (2)	,,	पद्मराज गणि
1645	7029 (3)	,,	ऋषि रायचन्द
1646	6587	,, एवं नवकार वाली हीयाली	,,
1647	4499 (1-2)	,, ; धूलेवा ऋषभदेव-स्तवन	पद्मराज; बाघसिंह
1648	6504 (1)	,, ; शालिभद्रजोरो सिलोको: समस्या रा दूहा	पद्मराज
1649	5725 (2)	नवतत्त्व-स्तवन	ज्ञानसार शिष्य रत्नराज
1650	5766	नवतत्त्व-स्तुति	मानविजय
1651	5806	नवपद; चैत्यवंदन; स्तवनादि	हीरधर्म एवं जिनपद्मसूरि
1652	5329	नवपद, चैत्यवंदनादिं	
1653	5702	नवपद-स्तवन	जिनलाभसूरि
1654	5392 (2)	,,	जैनेन्द्रसागर
1655	5392 (1)	,,	कांतिसागर; उत्तमसागर

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11 33;51	1	पूर्ण	1745	लि. क वा० समयहर्ष गणि लि. स्था अणहिलपुर पत्तन
25×11 12:42	2 ख	,,	19 वीं श.	
18.5×15 5 11;18	7–8	,,	1856	र. स्था बीकानेर
26 5×11 12;37	1	,,	19 वीं श.	
27×12.5 14;28	1	,,	20 वीं श.	
21×11 10;22	34–38	,,	20 वीं श.	
26×11.5 12;35	3-6	,,	1871	र. का. 1867 पत्र चिपके हुए।
26×10 5 14;28	1	,,	1917	लि. क. मीठालाल मुनि लि. स्था. पालीताणा
26×12 14;43	4	,,	20 वीं श.	
22.5×12 12:31	5	,,	20 वीं श.	
26×11 19;40	1	,,	20 वीं श.	
25×11 5 16;37	1–2	,,	19 वीं श.	लि. क. तीर्थसागर लि. स्था. सांणोद चार पद हैं।
25×11.5 16;37	1	,,	19 वीं श	तीन पद हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु. स्त. 1656	6497 (1–2)	नवपद; महावीर-स्तवन	जसविजय वाचक
1657	7108 (75)	नववाड़ी-गीत	पुण्यमुनि
1658	6241	नववाड़ी-सज्झाय	अमरमुनि
1659	5865	,,	जिनहर्ष
1660	6714 (1)	,,	,,
1661	6836	,,	,,
1662	5739	,,	
1663	6444	,,	उदयरत्न
1664	5055	,, ,, ; शीतलनाथ-स्तवन	,,
1665	5801 (2)	नाकोड़ा पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर
1666	6278	,	,,
1677	6930	,, ,, ; पार्श्वनाथ घग्घर-नीसाणी	,, ;–
1668	4434	नारकी विचारक वीर जिन-स्तवन	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.5×11 5 22;25	2	पूर्ण	20 वीं श.	
13×13 14;20	232 235	,,	17 वीं श.	
13×13 10;41	1	,,	19 वीं श.	र. का. 1871; र. स्था. फतेपुर
25.5×11.5 10;32	6	,,	19 वीं श.	
24×10.5 19;46	3	,,	19 वीं श.	
25×10 5 14;36	4	,,	1880	लि क. अमरसिंघुर लि. स्था, मुंबई
25.5×11 5 12;44	2	,,	20 वीं श	
23×10.5 14;40	2	,,	19 वीं श.	
26×11.5 11;35	4	,,	19 वीं श.	र. का 1763
25.5×10.5 9;41	2–3	,,	1787	
25.5×11 9;36	1	,,	19 वीं श.	
21×11.5 10;25	6–7	,,	20 वीं श	
21×11.5 8;22	5	,,	1939	र. स्था. अहिपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1669	5757 (4)	निन्यानवे वोले ग्रल्प बहुत्व-स्तवन	धर्मसी
1670	5395	नेमिनाथ-गहुँली	विजयलक्ष्मीसूरि
1671	7047 (6)	नेमिनाथ-फाग	राजहर्ष
1672	7108 (12)	नेमिनाथ-बतीसी	विनयप्रभ
1673	6337 (4)	नेमिनाथ-राजमतीरा सवैया	
1674	5704	नेमिनाथ-राजमती री चिट्ठी	जिनहर्ष
1675	6115	नेमिनाथ-राजुल-गीत	लक्ष्मीवल्लभ
1676	6239	,, ,, ; मधुबिन्दु-सज्झाय	बुद्धिविजय; चरणप्रमोद ?
1677	6095	नेमि-राजुल बारहमासो	कविगण
1678	7101 (3)	,,	जिनहर्ष
1679	5769	,,	विनोदीलाल
1680	6807	,,	,,
1681	7108 (6)	,,	समयकलश मुनि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 13;42	5–6	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×12 10;29	2	,,	19 वीं श.	
11 5×10.5 18;16	24–26	,,	19 वीं श.	
13×13 15;20	25-29	,,	17 वीं श.	
22.5×10.5 29;24	9–10	,,	20 वीं श.	छह सवैये हैं।
22.5×11 12;27	2	,,	1843	
23×10 19;39	1	,,	18 वीं श	
25×11 13;42	1	,,	19 वीं श.	
25×11 21;36	1	,,	19 वीं श.	
14.5×10.5 8;14	59–61	,,	19 वीं श.	
25.5×12 12;35	3	,,	1885	लि. क. मोहनराम मिश्र
22×11 15;37	2	,,	19 वीं श.	
13×13 19;27	200–201	,,	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1682	6904 (3)	नेमि-राजुल-बारहमासो	
1683	7106 (11)	" "	
1684	6208	नेमिनाथ-लावणी;	जिनदास;
		उपदेशरी लावणी;	अखैचन्द;
		गजसुकुमालरी लावणी;	
		पद;	गोमदराम
		नारी-सज्झाय;	
		सुभाषित दोहे	
1685	2181 (1)	नेमिराजुल-सज्झाय	
1686	2612 (1)	" "	चोथमल
1687	7038 (19)	नेमिनाथ-वसन्तु	वील्ह शिष्य पद्मनंदि
1688	4513	नेमिनाथ-संवाद चौवीस-चौक	अमृतविजय शिष्य विवेकविजय
1689	5245	"	"
1690	5692	"	"
1691	6290 (1)	"	"
1692	6839	"	"
1693	2181 (3–4)	नेमिनाथ-शिलोको " लावणी	गुमानचन्द

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11 16;39	15 वां	पूर्ण	17 वीं श.	
16×12.5 9;15	88–90	अपूर्ण	19 वीं श.	
21×11 10;25	6	पूर्ण	1953	लि. क. साहबराम गुलेछा लि. स्था. नांद गांव (रायपुर)
25×11 5 21;48	1	,,	20 वीं श.	
25×11 12; 44	1–2	अपूर्ण	19 वीं श.	
30.5×13 49;19	128–129	पूर्ण	16 वीं श.	
26×12.5 16;36	5	,,	19 वीं श.	
26×11.5 12;38	5	,,	1854	र. का. 1839 ई० लि क. पद्मविजय लि. स्था. कालंद्री
25.5×11 15;42	4	,,	19 वीं श.	
24 5×11.5 11 ;32	7	,,	1903	
24×11 13;30	6	,,	1880	लि. क. अमरचन्द गणि लि. स्था. मुंबई
25×11.5 18;49	2 रा	,,	1953	र का. 1866 लि. क. ऋषि मूलचन्द लि. स्था. घाटवड़

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त. 1694	6662	नेमिनाथरो सिलोको	विनोदीलाल
1695	7108 (45)	,, स्तवन	कनकतिलक गणि शिष्य खेमराज
1696	2181 (11)	,, ,,	पन्नालाल
1697	2185 (5)	,, ,,	पूज्य रायचन्द
1698	6149	,, (द्वय)	; कवियण
1699	5434	,, ,, ; धर्मनाथ-स्तवन	ऋषि खेमा; रुचिरविमल; ज्ञानविमल
1700	4478 (1–2)	,, ; ऋषभ जिन-स्तवन	आनन्दघन
1701	6045 (1–2)	,, ; नेमिनाथ-पद	साहबचन्द; चैनविजय
1702	5370	,,	
1703	6491 (2)	पच्चखाण-सज्झाय चतुर्दशी-सज्झाय; द्वितीया-सज्झाय; एकादशी-स्तुति; अजाहरा-पार्श्वस्तवन; नेमजीरो बारहमासो; चौवीस तीर्थङ्कर परिवार-सज्झाय	प्रीतिविमल; नयविमल; लब्धिविजय; गुणहर्ष; लींबो; करमसी
1704	6044	पच्चखाण-स्तवन	रामचन्द गणि शिष्य पद्मरंग

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10.5 9;32	5	पूर्ण	1898	लि. क. गुलाबचन्द लि. स्था. जहांनाबाद
13×13 17;23	164–165	,,	17 वीं श.	लि. क. लक्ष्मीदास मुनि लि. स्था श्रीपाल मठ
25×11 5 7;49	5 वां	,,	1953	लि. क. ऋषि मूलचन्द लि. स्था. घाटवड़
25×11 17;44	1	,,	1899	र. का. 1855; र. स्था. मेड़ता लि. क. बुधमल लि. स्था. पीपाड़
11 5×23.5 42;14	1	,,	20 वीं श.	
23×10.5 13;32	2	,,	19 वीं श.	
23×12 11;26	1	,,	20 वीं श.	
21×11 9;22	1	,,	20 वीं श.	
10×23.5 22;16	1	,,	20 वीं श.	
25×11 20;57	2–3	,,	19 वीं श.	
21×11 10;23	22–25	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1705	7108 (31)	पञ्चखाण-स्तवन	पुण्यसागर उपाध्याय
1706	6006	पञ्चतीर्थी-स्तवन	लावण्यसमय
1707	5412 (1)	"	रूपविजय
1708	7114 (6)	पञ्चतीर्थी-स्तवन सिद्धचक्र, पद्मनाथ; सीमंधर, समेतशिखर; चैत्यवंदन-संग्रह	क्षमाकल्याण उपाध्याय
1709	6750	पञ्च प्रतिक्रमण-गर्भित सुमतिनाथ वृहत्-स्तवन	विमलकीर्ति शिष्य साधुसुन्दर
1710	4390	पञ्चमहाव्रतरी सज्झाय	कांतिविजय शिष्य कीर्तिविजय
1711	5384	" "; रात्रि भोजन-सज्झाय	कांतिविजय
1712	6318	पञ्चमी वृहत् तप स्तवन	समयसुन्दर
1713	6994 (61)	"	"
1714	7033 (19)	"	"
1715	5773	पञ्चमी तप स्तवन लघु	"
1716	6355	"	"

नाप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×13 16;19	130–133	पूर्ण	17 वीं श.	
25×11 12:30	1	,,	1852	लि. क. दलीचन्द लि. स्था सोभत
20×11 11;28	1	,,	20 वीं श	
16×11.5 13;20	113–115	,,	1871	लि. क. पं० नथसागर लि. स्था. अजीमगंज
26×11.5 14;41	3	,,	1894	र. का. 1690; र. स्था मुलतांन लि क सागरचन्द
28×14.5 12;27	3	,,	19 वीं श.	
25×11 14;44	2	,,	18 वीं श.	
26×12 12;34	2	,,	19 वीं श.	लि. क. मेघविजय
14 5×14 17:19	3	,,	19 वीं श.	कीटविद्ध
13×9.5 12; 19	123-126	,,	1816	
26×12 10;29	1	,,	1908	लि. स्था. कलकत्ता
26×12 7;22	1	,,	1908	लि स्था. कलकत्ता

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1717	6420	पञ्चमी तप स्तवन लघु	समयसुन्दर
1718	4475	पद-संग्रह	हरखचन्द
1719	5392 (3)	,, (त्रय)	; श्री समुद्र; आनन्दघन
1720	5453	,, (त्रय) एवं शांतिनाथ आरती	गुलाबकीर्ति; कनककीर्ति; फतेहचन्द
1721	5749 (2)	,, (त्रय)	रूपचन्दः आनन्दघनः महमद
1722	5839	पद-संग्रह	जिनरंगः आनन्दघन; रत्नसुन्दर आदि
1723	6502	,,	जिनदास; हंस
1724	6739 (7-11)	,,	उदयरत्न; बखतराम; कांति
1725	6458	,,	आनन्दघन; बनारसी; पुण्योदय; रूपचन्द; जिनचन्द्रसूरि
1726	4472	,, एवं सातवारोपरि नेमि-स्तवन	मूलचन्द
1727	5066	,,	ज्ञानविमल; आनन्दघन; यशोविद्याकुशल; कबीर आदि
1728	5757 (5)	पद्मनाभ-नमस्कार; पञ्चतीर्थी नमस्कार	क्षमाकल्याण
1729	5363	पद्मनाभ-स्तवन	देवचन्द्र

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 10;23	1	पूर्ण	20 वीं श.	
25×13 12:37	1	,,	19 वीं श.	
25×11.5 16;30	2 रा	,,	19 वीं श.	
26 5×13 15;32	1	,,	20 वीं श.	
24.5×12 20;37	6 ठा	,,	1923	लि. क. ऋषि कुनणमल
15.5×38 5 44;22	1	,,	1874	बारह पद हैं। लि. स्था. सूरत
21×11 10;26	2	,,	20 वीं श.	3 पद हैं।
24.5×11 19;42	4 था	,,	19 वीं श.	5 पद हैं।
25.5×11 13;42	1	,,	19 वीं श.	लि. स्था. पाली
27×13 11:32	1	,,	20 वीं श.	लि. क. गुमानविजय
24×11.5 13;31	5	,,	19 वीं श.	
26×12 10;43	7 वां	,,	20 वीं श.	
12.5×21 24;16	1	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त			
1730	7096 (8)	पद्मप्रभ-स्तवन	विमलविजय शिष्य मानविजय
1731	4520 (2)	पद्मावती-अष्टक	हर्षसागर
1732	6356	पद्मावती-आलोयणा	समयसुन्दर
1733	6710 (2)	,,	,,
1734	6818	,,	,,
1735	6911	,,	,,
1736	7035 (6)	,,	,,
1737	7071	,,	,,
1738	7080 (2)	,,	,,
1739	2185 (15)	परनारी-सज्झाय	प्रेम
1740	6071	पर्युषण-सज्झाय	महीहंस
1741	5952 (2)	,, ; जीवप्रतिबोध-सज्झाय विजय सेठ-विजया-सेठाणी-सज्झाय	हंसमुनि; हर्षकीर्तिसूरि
1742	5952	पर्युषण-स्तुति	ऋषभदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×11.5 11;16	82–83	पूर्ण	19 वीं श.	
26×13 12;29	2	,,	1928	लि. क. गंभीरचन्द्र
21×13.5 7;19	5	,,	20 वीं श.	
28×13 15;44	5 वां	,,	1964	
23.5×10 5 10;36	2	,,	1900	लि. क. पं० मोतीचन्द
24.5×12 9;24	3	,,	20 वीं श.	लि. क. गबरु मुनि
17×11.5 10;22	44–47	,,	20 वीं श.	
26.5×13 15;34	2	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रक्षिप्तांश बहुत है।
14×13.5 11;17	9–12	पूर्ण	19 वीं श.	
23×10 4;64	1	,,	20 वीं श.	
24×11.5 11;28	1	,,	19 वीं श.	
24.5×11 19;41	3–6	,,	20 वीं श.	
26×11 11;32	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1743	5228 (5)	पर्युषण-स्तुति (द्वय)	अमरविजय; वीरविजय
1744	5897 (2)	,, ,, ; नवकार-स्तवन(द्वय) पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि; पद्मराज गणि; लब्धि; समयसुन्दर
1745	6001	पांचबोल-स्तवन	विनयविजय
1746	7047 (5)	पार्श्वनाथ-गीत	खेम
1747	6994 (59-60)	,, ; नेमिनाथ-गीत	मतिकुशल; रत्नशेखर
1748	7033 (8)	पार्श्वनाथ घग्घर निसांणी	जिनहर्ष
1749	5770	,, ,,	,,
1750	5812 (2)	,, ,,	,,
1751	6052 (2)	,, ,,	,,
1752	6503	,, ,,	,,
1753	6565	,, ,,	,,
1754	6703	,, ,,	,,
1755	6785 (1)	,, ,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×11 9;22	5-7	पूर्ण	1934	
25×11 15;36	26-27	,,	19 वीं श	
23.5×11 17;42	2	,	20 वीं श.	
11.5×10 5 13;13	23-24	,,	19 वीं श.	
14.5×14 16;23	2	,,	19 वीं श.	कीटविद्ध
13×9.5 9;18	69-76	,;	1811	लि. क. किसोरचन्द लि. स्था. वागां
26×11 13;41	3	,;	1854	
24.5×10.5 16;42	3-4	,;	1778	लि. क. लालचन्द मुनि लि. स्था युढिया
24×11.5 11;25	1-5	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्राङ्क 3-4 अप्राप्त
21×11 10;27	11	,;	20 वीं श.	पत्राङ्क 1--7 अप्राप्त
25.5×11.5 10; 32	4	पूर्ण	1901	
20.5×11.5 15;37	2	,;	19 वीं श	
26×13 13;39	1-3	,,	1917	लि. क. शिवराज

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त.			
1756	6994 (3)	पार्श्वनाथ-चोसालो	
1757	6013	पार्श्वनाथ दशभव स्तवन	मतिविशाल
1758	4447	पार्श्वनाथ देसंतरी-छन्द	लक्ष्मीवल्लभ उपाध्याय
1759	5812 (1)	,,	,,
1760	5848	,,	,,
1761	6682	,,	,,
1762	6863 (1)	,, पंच कल्याणक-छन्द	रुघपति पाठक
1763	5369	पार्श्वनाथ पद; फलवर्द्धि पार्श्वपद; जिनपद	लाभवर्द्धन; लक्ष्मीराय हरखचन्द
1764	4419	पार्श्वनाथ रो पालणो	उत्तमविजय
1765	6465	,, -लघुस्तवन; गौड़ी पार्श्वनाथ बृद्ध-स्तवन	विनयप्रभ कुशललाभ
1766	6864 (2-3)	पार्श्वनाथ री लावणी; धूलेवा-गीत	तेजा; ऋषभदास
1767	6282	पार्श्वनाथ री विनती	द्यानत कवि
1768	2181 (15)	,, -स्तवन	रतनचन्द

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14 5×14 21;25	2 रा	पूर्ण	17 वीं श.	
25.5×11.5 10;26	1	,,	19 वीं श.	
25×10 5 11;36	4	,,	1800	लि क. पं० अखेराज
24.5×10.5 16;42	1–3	,,	1778	लि क. लालचन्द मुनि लि. स्था. युढिया
25×10.5 18;42	2	,,	19 वीं श.	
2×411 9;32	5	,,	19 वीं श.	
26×12 15;48	1–3	,,	1832	लि. क. लब्धिकमल लि स्था. उदरासर
12×28 64;18	1	,,	20 वीं श.	
24×12.5 10;25	3	,,	20 वीं श.	
26×11.5 13;35	3	,,	19 वीं श.	
26×11.5 9;32	3–5	,,	20 वीं श.	
26 5×11.5 1438	1	,,	1857	लि. क. महताब ऋषि
25×11.5 9;49	6 ठा	,,	1953	र. का. 1881; र. स्था. नागोर लि. क. मूलचन्द लि. स्था. घाटवड़

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1769	2185 (16)	पार्श्वनाथ-स्तवन	सौभाग्य
1770	4092	,,	लाल
1771	5836 (2)	,,	जिनचन्द्रसूरि
1772	7033 (1)	,,	जिनलाभसूरि
1773	7108 (50)	,,	दशरथ शिष्य दयाकमल
1774	5979	,,	धर्मवर्द्धन शिष्य विजयहर्ष
1775	6598	,,	विजयरंग
1776	6990 (23)	,,	नयरंग
1777	7108 (3)	,,	लब्धिविजय
1778	5653	,,	
1779	6990 (48)	,,	
1780	6169 (2)	पार्श्वनाथ-स्तवन; गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन; पार्श्वनाथ-स्तवन	जैतसी नयप्रमोद जिनभक्तिसूरि
1781	6600	,, ; दशसुख-सज्झाय	ऋषि रायचन्द शिष्य जयमल

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10 4;64	1	पूर्ण	20 वीं श.	
20×10 17;24	1	,,	19 वीं श.	
19.5×11 12;22	1	,,	19 वीं श.	र. का. 1834; र. स्था. नाकोड़ा,
13×9.5 16;21	2	,,	19 वीं श	किनारे कीटविद्ध
13×13 14;18	174 वां	,,	1666	लि क. शिवनन्दन मुनि लि. स्था. सेत्रावा
27.5×14 12;38	2	,,	20 वीं श.	लि. क. पं० रामचन्द्र
24×10.5 18;35	2 रा	,,	20 वींश.	
24×17.5 21;38	8 वां	,,	20 वीं श.	12 गाथाएं हैं।
13×13 14;13	14–15	,,	18 वीं श.	
25×11 8;34	1	,,	19 वीं श.	
24×17 12;36	18–19	,,	20 वीं श.	
24.5×11 28;42	1	,,	19 वीं श.	
24 5×11.5 11;36	2	,,	20 वीं श.	(1) र. का. 1842; (2) 1833; र. स्था मेड़ता

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त			
1782	6852 (9–12)	पार्श्वनाथ-स्तवन; फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन; गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन; पार्श्वनाथ लघु-स्तवन	समयसुन्दरः जिनरत्नसूरि; जिनराजसूरि: अमरसी शिष्य उदयतिलक
1783	6531	,, ; राजमती सती-गीत	ज्ञानसागर शिष्य क्षमालाभ पाठक
1784	6739 (1–5)	,, ; विमलाचल-स्तवन; पदत्रय	रत्नविमल; ऋषभदास; हरखचन्द
1785	6664 (6–9)	पार्श्वनाथ-स्तवन; स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तवन; दसबोल सज्झाय; छह संवर-सज्झाय	भुवनकीर्ति; कुशललाभ; सिद्धान्तरत्न
1786	6811 (1–2)	,, ; शीतलनाथ-स्तवन	कवियण; समयसुन्दर
1787	5665 (1)	,,	द्यानत
1788	5690 (2)	पुण्डरीक-गिरिगुण-संस्तवन	साधुकीर्ति शिष्य अमर माणिक्य
1789	6522	,, ,,	,,
1790	6920 (4)	पुण्य-छत्तीसो	समयसुन्दर
1791	5754 (1–3)	पुण्य; कर्म; पाप-छत्तीसी	,,
1792	4436	पुण्य प्रकाश-स्तवन	विनयविजय शिष्य कीर्तिविजय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11 15;42	9–10	पूर्ण	18 वीं श.	
26×10.5 10;43	1	,,	18 वीं श.	
24.5×11 18;44	1	,,	19 वीं श.	
26×13 12;31	6–12	,,	20 वीं श.	
21×11 8;22	4	,,	1748	लि. क. पं० मेघराज
26×13 18;28	1	,,	20 वीं श.	
25.5×11 25;47	4 था	,,	18 वीं श.	
26×11 11;26	2	,,	19 वीं श.	
26×10.5 14;43	4–5	,,	1817	लि. क. लालचन्द लि. स्था. बारगा 'सिन्ध नदी तटे'
23×11 18;40	3	,,	20 वीं श.	
26×12 13;34	5	,,	1834	र. का. 1729; र. स्था. रांनेर लि. क ऋषि धनजी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त. 1793	5756	पुण्य प्रकाश-स्तवन	विनयविजय शिष्य कीर्तिविजय
1794	6314	"	"
1795	6672	"	"
1796	2185 (20)	पूज्य रजबलदास-गीत	चेनराम
1797	6785 (2)	पुनाषर मातारी-नीसांणी	कवियण
1798	7080 (1)	पौषध विधि-स्तवन	समयसुन्दर
1799	2185 (8)	प्रतिक्रमण-सज्झाय	मयाचन्द
1800	5768	प्रतिष्ठा कल्प-स्तवन (शंखेश्वर पार्श्वनाथ पञ्च कल्याणक गर्भित)	रंगविजय शिष्य अमृतविजय
1801	6322 (1–2)	प्रभंजना सती-सज्झाय; धन्ना सज्झाय	देवचन्द्र उपाध्याय
1802	2185 (6)	प्रभाती-स्तवन	ऋषि रायचन्द
1803	6065 (1–4)	प्रमाद परिहार-गीत; काया-गीत; पदत्रय; पार्श्वनाथ-स्तवन	कनकनिधान; राजसमुद्र; श्रीघर; घर्मसीह; बनारसी; जिनसुखसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×12 13;39	4	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. ऋषि कृष्णचन्द्र
26 5×12.5 13:40	4	,,	20 वीं श.	
26 5×12.5 11;38	5	,,	1909	लि. क. चांदमल मुनि लि. स्था. लखनऊ
23×10 5;64	1	,,	20 वीं श.	
26×13 13;39	3–4	,,	1917	लि क. शिवराज
14×13.5 11;17	9	अपूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1667; र. स्था. मरोट पत्राङ्क 1–3 अप्राप्त
25×12 12;46	1	पूर्ण	1936	लि. क. मूलचन्द लि. स्था. जोधपुर
26×12 16;43	10	,,	1850	र का. 1847 लि. क पं० राजेन्द्रसागर 'स्वयं ग्रन्थकार की प्रति से लिपिकृत"
25×10.5 14:40	3	,,	20 वीं श.	'धन्ना-सज्झाय' अपूर्ण है।
25×11 8;44	1	,;	1899	लि. क. बुधमल्ल लि. स्था. पीपाड़
25×11 16;43	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1804	6998 (93)	प्रीत छत्तीसी रा दूहा	केसवदास मुनि
प. 1805	7108 (38)	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	पद्मराज गणि
1806	6859	बंभणवाड़ महावीर-स्तवन	कमलकलश सूरि
1807	6863 (2)	बहुत्तर भेद मिथ्यात्व विवरण-स्तवन	रूपवल्लभ गणि
1808	7096	बारह-भावना	आलूसाह
1809	5358	बारहमासो	जिनहर्ष
1810	6916 (2)	बाहुबली स्वाध्याय	रामविजय शिष्य विमलविजय
1811	6533	बीजरो स्तवन	फतेन्द्रसागर शिष्य धीरसागर
1812	2181 (6)	बूढापे रो स्तवन	रतनचन्द
1813	6966	बूढे रो स्तवन	
1814	5872 (1)	भक्तामरस्तोत्र-भाषा	हेमराज
1815	6920 (1)	भक्तामर; कल्याण मंदिर स्तोत्र-भाषा	,,
1816	7096 (13)	भक्तामरस्तोत्र-भाषा टीका	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×10.5 12;25	91–94	पूर्ण	18 वीं श.	40 दोहे हैं।
13×13 14;18	152 वां	,,	17 वीं श.	ग्रन्थ कर्त्ता द्वारा स्वलिखित प्रति
25.5×11 11;36	2	,,	1694	लि. क. राजवर्द्धन मुनि लि. स्था. बहेड़ा नगर
16×12 15;48	3 रा	,,	1832	र. स्था. खीचन लि. क. लब्धिकमल लि. स्था. उदैरासर
13×11 5 14;17	119–124	,,	19 वीं श.	
25×13 10;32	1	,,	20 वीं श.	
27.5×13 17;42	8 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1771; किनारे त्रुटित
25.5×11 9;30	4 था	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11.5 7;48	3 रा	,,	20 वीं श.	
25.5×11 13;36	3	,,	1848	लि. क मुनि उदेरंग लि. स्था. सुहाई
25 5×11.5 16;40	3	,,	19 वीं श.	
26.5×10.5 15;46	8 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	
13×11.5 18;20	105–115	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तुस्त			
1817	5757 (3)	भगवती सूत्र-सज्झाय	विनयविजय उपाध्याय
1818	6255	,,	,,
1819	6998 (92)	भमर बत्तीसीरा दूहा	केसवदास मुनि
1820	7108 (69)	भमरा-गीत	मुनि माल
1821	7038 (15)	भोलारो गीत	खेम
1822	4735 (2)	मगसी पार्श्वनाथजीरी लावणी	
1823	5271	मणिभद्र-छन्द	उदयकुशल शिष्य सुखकुशल
1824	5698	,,	राजरतन
1825	5206	'मत परणो नार' सज्झाय	हेतजुगत
1826	7108 (53)	मन रक्षण-गीत	कल्याणतिलक शिष्य जिनसमुद्रसूरि
1827	5230	मरुदेवी सज्झाय	ऋषि रायचन्द
1828	4206 (1–3)	मरुदेवी सज्झाय; कर्म-सज्झाय; नेमिनाथ-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष; कवियण
1829	6781 (1)	मल्लिनाथ-स्तवन	कुशललाभ

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 20;42	4-5	पूर्ण	20 वीं श.	
26×12 11;40	2	;	1850	लि. स्था. राजनगर
16×10.5 13;36	89-91	,,	18 वीं श.	48 दोहे हैं।
13×13 13;18	202-203	,,	17 वीं श.	
13×30.5 32 17	99 वां	,,	16 वीं श.	
15×11.5 11;13	2-3	,,	19 वीं श.	
25×10.5 14;40	1	,,	1845	
25×11.5 11;34	2	,;	1913	लि. क फतेविजय गणि लि. स्था. जैललमेर
23×13 10;35	1	,,	20 वीं श.	
13×13 14;22	183-184	,,	17 वीं श.	लि. क तिलककीर्ति
26.5×11.5 10;30	1	,,	19 वीं श.	र. का 1837; र स्था मेड़ता
25.5×11 13;41	2	,,	19 वीं श.	लि क. पूनमचन्द
24×11.5 11;36	1-3	;,	20 वीं श.	र. का. 1756; र. स्था. जैसलमेर

क्रमांक एवं विषय,	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु स्त. 1830	7035 (4)	मल्लिनाथ-स्तवन	रूपचन्द
1831	7108 (70)	महावीर, पार्श्वनाथ आदि के छप्पय	माईदास; जिनदास; दुजमल; जयसोम
1832	6609	महावीर-स्तवन	केसरचन्द शिष्य ऋषि लालचन्द
1833	5683	"	पद्मराज गरिण शिष्य पुण्यसागर
1834	7033 (17)	"	पुण्यसागर
1835	7108 (37)	"	"
1836	6619	"	महिमराज गरिण
1837	5050	"	रामविजय शिष्य विमलविजय
1838	5413	"	विमलविजय शिष्य कीर्तिविजय
1839	6009	"	समयसुन्दर
1840	6788	"	"
1841	6827	"	"
1842	7108 (62)	"	"

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र. अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×11.5 8;19	57 वां	पूर्ण	20 वीं श.	
13×13 15;20	203–204	"	17 वीं श.	
27×12.5 17;40	1	"	1924	र. का. 1862; र. स्था. सामपुर
25.5×10.5 10;38	1	"	17 वीं श.	'विम्मल केत्रल लच्छिवरो' कुल 14 पद्य हैं ।
13×9 5 12;19	118–121	"	1816	
13×13 14;18	150–152	"	17 वीं श.	लि. क. पद्मराज गणि
25×10.5 13;36	1	;	18 वीं श.	लि. क. भक्तिविशाल
26.5×11.5 13;44	3	"	18 वीं श.	र. का. 1773; र. स्था सूरत
23.5×11 17;46	2.	"	19 वीं श.	
22×11 14;31	1	"	19 वीं श.	
25×10.5 22;42	2 रा	"	1784	लि. स्था. पिच्याक ग्राम
25.5×13 10;32	2	"	20 वीं श.	
13×13 15;25	194–195	"	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तुति स्तवन			
1843	4508	महावीर-स्तवन	
1844	6377	,,	
1845	6692 (1–4)	,, ; वरकारणा पार्श्वनाथ; सीतमूंदड़ी; पार्श्वनाथ-स्तवन	पुण्यसागर; मतिविशाल; करण; श्रीसार
1846	6852 (8–8)	महावीर-स्तवन; शीतलनाथ-स्तवन; तीन चौवीसी तथा विहरमान-स्तवन; अजित शांति-स्तवन	समयसुन्दर ,, जिनरत्नसूरि मेरुनन्दन
1847	5877 (1–2)	,, ; सीता विवाह; उपदेश-स्तवन साधु-लक्षण; स्तवनादि संग्रह	चोथमल; सोहनलाल; नंदलाल; खूबचन्द; मिर्जाहसन: हुसैनबेग आदि
1848	5932	महावीर स्वामी रो पारणो	मुनिलाल
1849	6266	,,	,,
1850	7020 (2)	,,	
1851	4507	महावीर स्वाध्याय; चौवीस जिन-स्तवन	गुणविजय; रत्नसोम
1852	4108 (48)	महिमपुर अजितनाथ-स्तवन	दयाकमल शिष्य चरित्रमेरु

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 5 14;33	1	पूर्ण	19 वीं श.	
23×10 10;33	1	,	19 वीं श.	
22×10.5 15;48	2	,	18 वीं श.	
26×11 15;42	5–9	,,	18 वीं श.	
26×12 21;48	10	,,	1972	लि. क. चोथमल लि. स्था थांभला
23 5×10.5 13;29	2	,,	19 वीं श.	
23×11 9;23	3	,,	19 वीं श.	द्वितीय पत्र अप्राप्त
16.5×11 9;19	16-19	,,	1908	
25.5×11 20; 44	1	,,	19 वीं श	
13×13 14;19	171–173	,,	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1853	5226	मान-सज्झाय	
1854	6093	मुंहपत्ति पडिलेहण बोल-स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ उपाध्याय
1855	5930	,, ,, सज्झाय	
1856	6674 (1)	मुगतागिरी की निसांणी	लाल कवि
1857	2181 (17)	मुनिगुण-सज्झाय	ऋषि रायचन्द
1858	7080 (3)	मुनिमालिका	चारित्रसिंह
1859	6251	,, ; महावीरजीरो पारणो	,, मुनिमाल
1860	7029 (4)	मृगापुत्र सज्झाय	खेतसी
1861	5811 (2)	मेघकुमार-गीत	कवि कनक शिष्य जिनमाणिक
1862	4491	,, -सज्झाय	
1863	5228 (1)	,, ,,	
1864	6306	मोक्षनगर-सज्झाय	
1865	5176	मौन एकादशी-स्तवन	जिनविजय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.5 11;33	1	पूर्ण	19 वीं श.	
24 5×11 22:32	1	,,	19 वीं श.	
25 5×12 18;33	1	,,	20 वीं श.	
22.5×11.5 14;34	1-3	,,	19 वीं श.	
25×11.5 8;49	6 ठा	,,	1953	
14×13.5 11;17	13-19	,,	19 वीं श.	
26×12 14;36	4	पूर्ण	20 वीं श.	
18.5×15.5 11;18	9-10	,,	19 वीं श.	ग्रन्थ कर्त्ता नागोरी गच्छ का है।
26×10.5 15;42	3-5	,,	1744	
22.5×11.5 10:25	2	,,	19 वीं श.	
20×11 9;22	3	,,	20 वीं श.	लि. क. फतहउदय लि. स्था. रतलाम
21×11 10;26	11-12	,,	20 वीं श.	
25.5×12.5 14;34	1	,,	20 वीं श.	र. का. 1795; र. स्था. राजनगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तुस्त 1866	5659	मौन-एकादशी-स्तवन	समयसुन्दर
1867	5892	,,	,,
1868	6945 (2)	,,	,,
1869	5686	,,	साधुकीर्ति
1870	4462 (1-2)	,, ; अष्टमी-स्तवन	कांतिविजय
1871	5228 (2)	,,	लालविजय
1872	6940 (2)	युगप्रधान जिनचन्द्रसूरि-आलीजा-भास	समयसुन्दर
1873	7108 (63)	,, ,, गीत	भावदत्त मुनि
1874	7094 (67)	युगप्रधान जिनचन्द्रसूरि गीत	महिमराज
1875	7108 (25)	,,	साधुकीर्ति
1876	7108 (68)	,,	सुखनिधान
1877	2181 (2)	युगमन्धर-स्तवन	
1878	5750	योग दृष्टि स्वाध्याय	यशोविजय वाचक

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र. अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 5×11.5 17;32	1	पूर्ण	19 वीं श.	
22×11.5 17;30	1	,,	1926	लि. स्था. जयपुर
25.5×11 19;24	2 रा	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 14;48	1	,,	17 वीं श.	र. का. 1624; र. स्था अलवर (?) 'सुमति कर सुकृत भरी' 17 गाथा हैं।
25 5×11 5 10;27	7	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 1, 3, 4 अप्राप्त
20×11 9;22	1–2	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11.5 13;40	3 रा	,	18 वीं श.	लि. क. क्षेममाणिक्य लि स्था. पाटण
13×13 12;22	195 वां	,,	17 वीं श	
11.5×12.5 7;17	310 वां	,,	17 वीं श.	सवत् 1810 में उपाध्याय जीवणदास द्वारा रोहट में उपासरा कराने की भी विगत है।
13×13 14;18	125 वां	,,	17 वीं श.	
13×13 18;27	201 वां	,,	17 वीं श.	
25×11.5 15;48	1	,,	20 वीं श.	र. का. 1825; र. स्था. मेड़ता
27.5×12.5 11;32	6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1879	5801 (4)	रहनेमि-राजमती-सज्झाय	लक्ष्मीवल्लभ
1880	5178	राजमती-सज्झाय	ऋषि चोथमल
1881	5228 (3)	,,	,,
1882	5845 (2)	राजुल-रहनेमि-सज्झाय	दानविजय उपाध्याय
1883	6494 (1-2)	राजुल सज्झाय; वीस विहरमान नाम	हेतविजय
1884	5443	राडपुर मंडप वोर-स्तवन	देवीदास द्विज
1885	6300 (1)	राणपुर आदिनाथ-स्तवन	शिवसुन्दर शिष्य देवसुन्दर
1886	5209	रात्रि भोजन-सज्झाय	
1887	5252 (1-3)	,, ; मेघकुमार; मुनिलावण्य सज्झाय; चेलणा-सज्झाय	समयसुन्दर
1888	5665 (2)	रावला पार्श्वनाथ-स्तवन	
1889	7108 (76)	रूपकमाला गीत	पुण्यनन्द शिष्य वीरविजय
1890	5738	रोहिणी तप-स्तवन	दीपविजय शिष्य प्रेमरत्न
1891	4439	,,	श्रोरुार

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 20;42	4 था	पूर्ण	1787	लि. क. पं० सुन्दर लि. स्था. कोटड़ा नगर
25 5×12.5 14:36	1	,,	20 वीं श.	र. का 1852; र. स्था. पीपाड़
20×11 9;24	2–4	,,	20 वीं श.	
25.5×12.5 11;34	10–11	,,	19 वीं श.	
23×10.5 10;32	1	,,	19 वीं श.	
25×12 17;37	2	,,	19 वीं श	र. का 1611 लि. क. उम्मेदरुचि
20×7 9;36	1	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1517; सांडेरा गच्छीय
24×10.5 9;29	2	,,	1813	लि. क. हेमविजय
25.5×12.5 14;35	2	,,	20 वीं श.	
25.5×13 17:30	1–2	,,	20 वीं श.	
13×13 16;23	235–237	,,	18 वीं श.	
26×12 15;37	2	,,	19 वीं श.	
27×11.5 10;38	3	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त 1892	5778	रोहिणी तप-स्तवन	श्रीसार
1893	5767	,, ; शत्रुञ्जय स्तवन; चैत्री पूनम-स्तवन	,, राजसमुद्र साधुकीर्ति
1894	5035	रोहिणी सज्झाय	भक्ति शिष्य शुभनय वाचक
1895	6999 (36)	लावणी	जिनदास
1896	6258 (1–7)	लावणी; कलियुग-सज्झाय; कवित्त; आत्मबोध-गीत देवरिया मुनि-सज्झाय तखतसिंहजीरी असवारी रो गीत; स्फुट दोहे	जिनदास; प्रीतिविमल; नरसिंहदास; हरिराम
1897	6994 (1)	लोद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	भुवनसोम
1898	6052 (4)	,,	क्षमासुन्दर शिष्य सत्यसागर
1899	6250	,,	थिरकुशल
1900	2612 (5-6)	वचनोपरि ढाल; उपदेशी ढाल	
1901	6154 (1–2)	वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन; गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि
1902	6246	वर्द्धमान गीत (द्वय)	हरखचन्द्र

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11 5 14;43	2	पूर्ण	1862	
25×10 18;49	2	"	18 वीं श.	लि. क. भुवनलाभ गणि
24.5×12 12;35	3	"	19 वीं श.	र. का. 1824; र. स्था. पालणपुर
15.5×11 12;23	105–106	"	19 वीं श.	
21×11 17;36	2	"	20 वीं श.	
24.5×14 24;17	1	"	17 वीं श.	जीर्ण
24×11.5 11;25	7–8	"	20 वीं श.	
24.5×10 11;40	1	"	19 वीं श.	
25×11 13; 44	4–6	"	19 वीं श	दूसरो ढाल अपूर्ण; छठा पत्र वृत्तरत्नाकर' का है।
21×11 14;23	1	"	19 वीं श.	लि. क. रामचन्द्र
22.5×10.5 13;32	1	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1903	7108 (26)	वाड़ीपुर पार्श्वनाथ-स्तवन	नयरंग
1904	5978	'वाणी ब्रह्मा' स्तवन	प्रीतिविमल
1905	7108 (40)	वासुपूज्य-स्तवन	पद्मराज गणि
1906	6731	विजय सेठ-विजया सेठानी सज्झाय	ऋषि लालचन्द
1907	6106	,, ,,	हर्षकीर्ति सूरि
1908	6379	,, ,,	,,
1909	5380 (1–5)	विनय-सज्झाय; एलक-सज्झाय; नमिराजर्षि-सज्झाय; गौतम-सज्झाय; द्वितियातिथि-सज्झाय	उदयविजह शिष्य विजयसिंहसूरि ,, ,, ,, ,,
1910	6629	विशेष-छत्तीसी	धर्मवर्द्धन
1911	5518 (12)	विषापहार स्तोत्र-भाषा	अचलकीर्ति
1912	5707 (2)	,,	,,
1913	6840 (2)	,,	,,
1914	6334	,, ; भरतजीरी-संज्झाय	,, ;

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×13 14;17	125–126	पूर्ण	17 वीं श.	
25×11 15;37	2	,,	19 वीं श.	
13×13 14;18	154–155	,,	1650	लि. क. पद्मराज गणि लि. स्था. मेदतट नगर (मेड़ता)
25×12.5 15;40	2	,,	1939	र. का. 1861; र. स्था. कोटा
24.5×10 26;51	1	,,	1762	
25.5×11 15;52	1	,,	18 वीं श	
25.5×13.5 16;32	2	,,	19 वीं श.	अंतिम सज्झाय अपूर्ण।
26×10.5 16;45	3	,,	19 वीं श.	अंत में बनारसीदास कृत पार्श्वनाथ स्तुति' है।
15.5×11 13;18	32–35	,,	19 वीं श.	
17×10.5 11;16	4–8	,,	19 वीं श	
26×11 21;48	1–2	,,	1922	लि. क. मीठालाल मुनि लि. स्था. रतलाम
23.5×11 11;32	4	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त. 1915	5543 (1)	विहरमान-वीसी	जिनराजसूरि
1916	5870	,,	,,
1917	6688	,,	,,
1918	6797 (1)	,,	,,
1919	7019 (111)	,,	,,
1920	7095 (23)	,,	,,
1921	2181 (8)	,, -स्तवन	ऋषि सुखलाल शिष्य चन्द्रभाण
1922	5721 (1–2)	,, ; लौद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	शांतिविजय; ,,
1923	5757 (6)	विहरमान-स्तवन; चौबीस जिन-स्तवन; सिद्धचक्र-स्तवन; सीमंधर-स्तवन	क्षमाकल्याण उपाध्याय
1924	7108 (4)	,,	
1925	6778 (1–2)	वीरपारणक-स्तवन; वीर-स्तवन	मुनिमाल; समयसुन्दर
1926	5070	वीस स्थानक-स्तवन	कांतिविजय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×11.5 7;22	2–11; 49–54	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
24×11 5 10;26	3	,,	20 वीं श.	
25.5×11 13;35	5	,,	18 वीं श.	20 वां स्तवन अपूर्ण।
24×12 11;29	10	,,	20 वीं श	पत्राङ्क 1–3 व 10 वां अप्राप्त
15×20.5 22;18	108–113	पूर्ण	20 वीं श.	
16×10.5 9;21	85-97	,,	1853	लि. क. रत्नकल्याण लि. स्था जैसलमेर
25×11.5 12;48	3 रा	,,	1953	लि क ऋषि मूलचन्द लि. स्था. घाटवड
26×11.5 11;32	3	,,	19 वीं श.	र. का 1828; र. स्था. जैसलमेर
26×12 13;42	7–8	,,	20 वीं श.	
13×13 12;13	15 वां	,,	18 वीं श	
25×11.5 18;40	2	,,	19 वीं श	
25 5×11 18;32	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त.			
1927	5799	वीस-स्थानक-स्तवन	भानुविजय 'भाण' शिष्य प्रेमविजय
1928	5990	"	जिनमहेन्द्र सूरि
1929	6026 (1)	"	भगतिरंग
1930	6909	"	मुनि वस्ता
1931	7114 (9)	"	"
1932	6164	"	
1933	5745	वीसी	ज्ञानसार
1934	6821	"	यशोविजय वाचक
1935	5410	वैराग्य-सज्झाय	विजयदेव सूरि
1936	5700	"	
1937	6182	"	रत्नसमुद्र
1938	6595	"	चन्द्रभाण

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×12 15;38	4	पूर्ण	19 वीं श.	
25×10 11;38	1	,,	20 वीं श.	र. का 1899
26 5×12 11;42	1	,,	20 वीं श.	
20×11.5 11;19	3	,,	20 वीं श.	र स्था. रतनपुर लि. क. पं० मूलचन्द
16×11 5 12;18	146–148	,,	19 वीं श.	
25×11 18;39	1	,,	19 वीं श.	
22×10 5 9;36	9	,,	19 वीं श.	
25×11 12;42	7	,,	19 वीं श.	
21×11 9;29	2	,,	20 वीं श.	
25.5×12 15;28	1	,,	20 वीं श	
24 5×10.5 11;28	1	,,	18 वीं श.	जीर्ण
25×11 9;38	1	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त. 1939	6310	वैराग्य-सज्झाय; जिनाज्ञा-सज्झाय; समेतशिखर-स्तवन (द्वय); पावापुरी महावीर-स्तवन; सम्मेतशिखर-स्तवन	क्षमाकल्याण; ,, जिनचन्द्रसूरि ,, ,,
1940	6461	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	केसर
1941	6773 (2)	,,	जिनचन्द्रसूरि
1942	6181 (2)	,,	मोहनविजय
1943	5036 (1)	,,	लब्धिरुचि
1944	7108 (29)	,,	समयप्रमोद
1945	6207 (3–7)	,, ; जिनकुशलसूरि-स्तवन(द्वय); निद्रापरिहार-गीत; अरणिक मुनि-सज्झाय	जिनचन्द्रसूरि; जिनरंगसूरि; लालचन्द; कनकनिधान; समयसुन्दर
1946	7062 (1)	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-छन्द	शिष्य कुंवरविजय
1947	6517	शत्रुञ्जय आदिनाथ-स्तवन	प्रेमविजय शिष्य विमलविजय
1948	6052 (5)	,,	समयसुन्दर
1949	4431	,, तीर्थ-स्तवन	प्रेमविजय शिष्य विमलहर्ष

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 5×11.5 15;38	3	पूर्ण	19 वीं श.	
23×11 9;28	1	,,	19 वीं श.	लि. स्था. वटपद्र नगर
25.5×11 7;52	2 रा	,,	19 वीं श.	
23 5×11.5 7;35	1	,,	19 वीं श.	
26×11.5 14;39	1–2	,,	19 वीं श.	
13×13 13;21	129 वां	,	17 वीं श.	
12.5×10.5 8;13	6	,,	1946	
27.5×12.5 13;35	1	,,	19 वीं श.	
23.5×11.5 9;27	3	,,	20 वीं श.	
24×11.5 11;25	8–10	,,	20 वीं श.	
22×9 5 9;30	2–4	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. 1950	4516	शत्रुञ्जय तीर्थ-स्तवन	प्रेमविजय शिष्य विमलहर्ष
1951	7108 (28)	,,	मेघ
1952	7112 (7)	,,	साधुहंस
1953	6828 (1–3)	,, ; जिनहुण्डी-स्तवन; इलापुत्र-सज्झाय	जिनभक्ति सूरि; जिनहर्ष गणि; समयसुन्दर
1954	5862 (2)	शत्रुञ्जय तीर्थ-स्तवन; पावापुरी-स्तवन	जिनचन्द्र सूरि
1955	6370 (1–4)	शत्रुञ्जय-स्तुति; पर्युषण स्तुति (द्वय); सिद्धाचल-स्तवन	ऋषभदास; पद्मविजय; मानविजय; क्षमाविनय
1956	6525	शांतिनाथ-स्तवन	उदयरत्न
1957	6687 (2)	,,	ऋषि सुखलाल
1958	2185 (12)	,,	गुणसागर सूरि
1959	4502	,,	,,
1960	6249	,,	,,
1961	7020 (4)	,,	,,

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.5 11;40	2	पूर्ण	1829	
13×13 17:24	127-129	"	17 वीं श.	लि. क. समयप्रमोद
12.5×13 5 14;28	86-88	"	16 वीं श.	
25.5×11.5 14;36	4	"	20 वीं श.	
26.5×12 19;32	6 ठा	"	20 वीं श.	
24×12.5 12;32	3	"	1969	
26×11.5 10;29	1	"	1780	लि. क मुनि दीपचन्द लि. स्था. पत्तन नगर
24×10.5 20;34	2 रा	"	20 वीं श.	
24×11 17:46	1	"	20 वीं श.	
27×13 14; 33	1	"	19 वीं श.	
26.5×12 14;36	1	"	19 वीं श.	
16.5×11 9;16	24-27	"	20 वीं श.	लि. क. पं० फरसराम

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1962	4520 (1)	शांतिनाथ-स्तवन	दयासागर सूरि
1963	6561	,,	मोहनविजय
1964	7108 (2)	,,	रत्नरंग शिष्य लब्धिविजय
1965	7094 (45)	,,	हर्षधर्म शिष्य कीर्तिरत्नसूरि
1966	7033 (18)	,,	हर्षविशाल शिष्य कीर्तिरत्नसूरि
1967	7108 (51)	,,	
1968	7108 (72)	,,	
1969	7114 (2)	,,	
1970	6675 (1-2)	,, ; सोलह सती-सज्भाय	गुणसागर उदयरत्न
1971	8948 (1–4)	शांतिनाथ-नेमिनाथ सवैया; नेमिराजुल-बारहमासा; पार्श्वनाथ आदिनाथ सवैया; नेमिनाथ-सवैया	केसवदास; ,, ; धर्मकीर्ति; दानविनय
1972	6948 (5–9)	शांतिनाथ. पार्श्वनाथ, नेमिनाथ, कुशलसूरि-सवैया; नेमिराजुल बारह-मासा; अष्ट तीर्थङ्कर-छप्पय: सुभाषित-कवित्त	धर्मवर्द्धन; राज; राज; केशवदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×13 12;29	2	पूर्ण	1928	लि. क. गंभीरचन्द्र
21×11 12:24	1	,,	20 वीं श.	
13×13 14;13	13–14	,,	17 वीं श.	र. का. 1713
11.5×12.5 17;19	138–140	,,	17 वीं श.	
13×9.5 12;19	121–123	,,	1816	
13×13 14;18	175-178	अपूर्ण	17 वीं श.	पत्राङ्क 177–179 अप्राप्त
13×13 15;21	212-214	,,	17 वीं श.	पत्राङ्क 214 के बाद 6 पत्र अप्राप्त
16×11.5 13;20	108–110	पूर्ण	19 वीं श.	
26×12 12:27	3	,,	20 वीं श.	
25×10.5 13;43	2–3	,,	19 वीं श.	
25×10.5 13;43	3–6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 1973	7118	शालिभद्र-सज्झाय	
1974	5179 (1–3)	शालिभद्र-सज्झाय; कर्मविपाक-सज्झाय; प्रबोध-सज्झाय	समयसुन्दर; ऋद्धिहर्ष; पद्मविजय
1975	6993 (45)	शालिभद्ररो सिलोको	
1976	5919	शाश्वत चैत्य प्रतिमा-स्तवन	
1977	6224	शाश्वत जिन प्रसाद प्रतिमा-स्तवन; प्रभु विनती; सिद्धाचल-स्तवन (द्वय); इरियावही-स्तवन सीमंधर-स्तुति	
1978	5359	शीतलनाथ-स्तवन	समयसुन्दर
1979	5364 (1–2)	शीतलनाथ-स्तवन; नवकार-सज्झाय	,, लब्धि
1980	6014	,,	समयसुन्दर
1981	7108 (33–34)	शीलगीता-छन्द (द्वय)	विद्या
1982	6687 (1)	शील-पच्चीसी	नेतसी पुत्र किशन
1983	5981	शील-बत्तीसी	राजसमुद्र

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12 5×8 8;16	4	पूर्ण	20 वीं श.	पत्राङ्क 4 पर ही जिन रक्षित जिनपाल स्तोत्र अपूर्ण है।
25 5×12.5 14;35	2	,	20 वीं श.	
14.5×18.5 21;17	86–89	अपूर्ण	18 वीं श.	
26×11 24;43	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×12 16;42	4	,,	1900	लि क. पं० सागरचन्द लि स्था. नीमच
25×13 12;32	1	,,	20 वीं श.	
12.5×54 5 82;14	1 (खरड़ा)	,,	20 वीं श.	
25×10.5 12;32	1	,,	19 वीं श.	
13×13 17; 23	137–138	,	17 वीं श.	लि. क. अमरगिरि
23.5×10.5 13;33	2	,,	20 वीं श	
24×11 5 15;31	2	..	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त.			
1984	2181 (16)	शील मुंदड़ी-सज्झाय	
1985	2612 (3)	शील-सज्झाय (विजय सेठ-विजया सेठाणी-सज्झाय)	रतनचन्द
1986	6063 (1–3)	शील-सज्झाय; जिन-स्तवन; जिनपद	राजअमर; रूपचन्द
1987	5335	श्रावकरी करणीरी-सज्झाय	जिनहर्ष
1988	3549	श्रावकैकविंशति गुण मिश्रित-स्वाध्याय	मुनि नेत
1989	5417 (2)	षट्दर्शनाष्टक; तेरह काढिया रा दोहा; जिनपूजाष्टक एवं पद	बनारसीदास
1990	5800	षट्स्तुति-संग्रह	जिनलाभसूरि
1991	5063 (2)	सम्भवनाथ-स्तवन	विमलसागर श्रीपूज्य
1992	6591	सज्झाय संग्रह	देव; कुशल
1993	5801 (1)	सतरह द्वयर्थराग गर्भित जैसलमेर मंडन पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर
1994	6316	सतरह प्रकारी पूजा गर्भित शांतिनाथ स्तवन	श्रीसार उपाध्याय

माप सें. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.5 8;49	6 ठा	पूर्ण	1953	
25×11 10;44	3–4	,	19 वीं श.	
25×9.5 12;44	1	,,	19 वीं श.	प्रथम कृति अपूर्ण ।
25 5×13 15;35	1	,,	19 वीं श.	लि. क. दानविजय
24×10 16;58	1	,,	18 वीं श.	
24.5×11 18;52	2 रा	,,	19 वीं श.	
23.5×11.5 13;36	2	,,	20 वीं श.	
25×11 12;33	1	,,	18 वीं श	र. स्था. गोपाचल नगर लि. क. ऋषि चांपा
25×11 13;44	1	,,	20 वीं श.	
26×10 5 13;42	1–2	,,	1787	
25×11.5 11;32	3	,,	20 वीं श.	लि. क. इन्द्रचन्द लि. स्था. जैसलमेर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त.			
1995	6792 (2)	सतरह प्रकारी पूजा गर्भित शांतिनाथ-स्तवन	श्रीसार उपाध्याय
1996	5960	सतरह राग गर्भित पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर
1997	6400 (1–2)	सदगुरु-गीत एवं आनथी मुनि-सज्भाय	भूधर समयसुन्दर
1998	5210	सनत्कुमार-सज्भाय	मुनि खेम
1999	6227 (13–)	समकित 67 बोल सज्भाय; सामायिक दोष निवारण सज्भाय अनन्तकाय-गाथा	यशोविजय गुणरंग
2000	6604 (1–2)	समकित-स्तवन; चैत्यवंदन (द्वय)	पद्मविजय; नयविजय
2001	6623	समवसरण गर्भित पार्श्व-जिन स्तवन	धर्मवर्द्धन पाठक
2002	6425 (1–5)	,, ,, ; चौदह गुण स्थान-स्तवन अरणिक-सज्भाय; सर्वजिन-स्तवन; पार्श्वनाथ लघु-स्तवन;	,, ,, समयसुन्दर ज्ञानविमल; जिनलाभसूरि
2003	6201	सम्मेतशिखर-तीर्थमाला (पूर्व देश तीर्थमाला)	सहजसागर गणि शिष्य विद्यासागर
2004	6124 (1-2)	सम्मेतशिखर-स्तवन; पंचसंवर सज्भाय	जिनचन्द्रसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×12 11;29	10–13	अपूर्ण	20 वीं श.	र. का. 1682 पत्राङ्क 10 वां अप्राप्त।
25.×10.5 19; 54	1	पूर्ण	1738	लि. स्था. अकबराबाद कर्णपुर
26.5×11.5 12;40	1	,,	19 वीं श.	
24.5×11 19;40	1	,,	19 वीं श	र. का. 1746
25.5×12 12;36	6	,,	19 वीं श	
25 5×12.5 9;32	2	,,	20 वीं श.	
23.5×11 18;40	1	,,	19 वीं श.	
25×10 5 16;48	3	,,	19 वीं श.	
25×11 11;28	11	,,	17 वीं श.	लि क. विद्या सौभाग्य
21×10 5 12;38	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त			
2005	6128 (1-16)	सम्मेतशिखर-स्तवन; वासुपूज्य-स्तवन; तीर्थावली; सम्मेत शिखर स्तवन; पदसंग्रह (11) ; सम्मेतशिखर स्तवन;	 ग्रमृतसुन्दर; जिनभक्तिसूरि; जिनलाभसूरि; जिनरत्नसूरि; जिनचन्द्रसूरि; जिनलाभसूरि; जिनभक्तिसूरि; गुणविलास; कमलसुन्दर जिनचन्द्रसूरि
2006	4474	सरस्वती अभारी माता रो छन्द	शांतिकुशल शिष्य विनयकुशल
2007	5048	,, ,,	,,
2008	5408	सरस्वती-छन्द	सहजसुन्दर
2009	5745 (4)	,,	,,
2010	5834	,,	हेम
2011	5225	सलुणांरी सज्झाय	
2012	6211	सहस्रकूट जिन विवरण स्तवन	रामविजय (रूपचन्द पाठक)
2013	5663 (1-7)	सातव्यसन सज्झाय; पुण्यसज्झाय; रजनीव्रत-सज्झाय; अरणिक मुनि-सज्भाय; दंढण ऋषि-सज्झाय; जीव प्ररूप-सज्झाय; वैराग्य-गीत	जैतसी लावण्यसमय समयसुन्दर जिनहर्ष मुनिकीर्ति राजसमुद्र

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 11;27	7	पूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 6 ठा अप्राप्त ।
23×10.5 12;43	2	,,	1833	लि. स्था. भींडर नगर
23×11 9;28	4	,,	1884	
24×11 11;38	2	,,	19 वीं श	
21×12 14;34	11 वां	,,	1949	
25×11 15;52	22 वां	,,	19 वीं श.	
25.5×12.5 14;35	2	,,	1886	
24×11 22;34	1	,,	19 वीं श.	
25 5×11 12;32	5	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त.			
2014	6287	साधु-वंदना	ऋषि जयमल
2015	6393	,,	,,
2016	6923	,,	देवमुसर शिष्य ग्यानचन्द
2017	7094 (58)	,,	पार्श्वचन्द्र
2018	6464	,,	बनारसी
2019	6114	,	पुण्यसागर
2020	5719	,,	समयसुन्दर
2021	2181 (18)	साधु-सज्झाय	सबलदास
2022	6044 (3)	सामायिक 32 दोष-सज्झाय	जिनलब्धिसूरि
2023	6612 (1-2)	सामायिक-सज्झाय; सीमंधर-स्तवन	ऋषि लालचन्द; ऋषि चन्द्रभाण
2024	7000 216-221	सिखाभण-सज्झाय; पार्श्वनाथ-पद; जिन-स्तवन; पार्श्वनाथ पद (द्वय); धुलेवा की लावणी	कनककीर्ति; जिनचन्द्रसूरि ऋषभदास

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11 11;32	6	पूर्ण	1904	
21×11 11;28	54–60	"	20 वीं श.	
23×12 13;34	10	"	20 वीं श.	
11.5×12.5 17;20	219–226	"	17 वीं श.	
25.5×12 16;44	1	"	19 वीं श.	
25.5×10.5 13;49	4	"	17 वीं श.	
26.5×11.5 16;35	21	अपूर्ण	1820	र. का. 1697 र.स्था. अहमदाबाद लि. क. रत्नधीर लि स्था. कोटड़ा पत्राङ्क 3 रा अप्राप्त ।
25×11 11;49	6 ठा	पूर्ण	1953	र. का. 1856 र. स्था वीसलपुर लि. क. ऋषि मूलचन्द लि. स्था. घाटवेड़
21×11 10; 23	25–29	"	20 वीं श.	
26×10.5 14;46	1	"	20 वीं श.	
12×11.5 15; 20	287–290	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त. 2025	7045 (5)	सिद्धचक्र-स्तवन	क्षमाकल्याण
2026	5375	,,	दानविजय
2027	5940	,,	न्यायोदय
2028	5391	सिद्धचक्र-स्तुति	ज्ञानविमल
2029	6557	,, (द्वय)	मुनि भीमराज; जिनलाभसूरि
2030	6075	,, सयंत्र	
2031	7101 (4)	सिद्ध-स्तवन	
2032	6570	सिद्धाचल आदिनाथजी रो छन्द	कविराज
2033	7033 (2)	सिद्धाचल मंडण आदिनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि
2034	7108 (61)	,, ,,	समयसुन्दर
2035	5804	,, स्तवन	क्षमाविजय
2036	5411 (2)	,,	जसविजय
2037	5543 (6-7)	,, ; गिरिनार-स्तवन	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×17 16;26	33 वां	पूर्ण	1899	लि. क. हेमविमल लि. क. स्था. पाटोदी
20.5×10.5 11;30	2	,	1854	लि. क. किसनचन्द लि. स्था. सीरोही
26×11.5 16;34	1	,,	20 वीं श.	
23 5×10 9;18	2	,,	19 वीं श.	
26×12 12;31	1	,,	20 वीं श.	
26×10.5 14;20	1	,,	19 वीं श.	
14.5×10.5 8;14	62–64	,,	19 वीं श.	
26×11 12;31	2	,,	19 वीं श.	र का. 1852
13×9.5 13;21	2 रा	,,	19 वीं श.	कीटविद्ध
13×13 15;20	192–194	,,	17 वीं श.	
25×12 5 12;28	2	,,	19 वीं श.	
21×11 10;26	2 रा	,,	19 वीं श.	
16 5×11.5 8;23	53–55	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त प. 2038	6608	सिरोही चैत्यप्रवाडि-स्तवन	अभयसोम शिष्य सोमसुन्दर
प. 2039	6152	सरोही मंडन आदिनाथ-स्तवन (चैत्य प्रवाडि)	खीम
2040	5360 (1–2)	सीता शील-पच्चीसो; सीता-सज्झाय	
2041	4433 (1–3)	सीता सज्झाय-(द्वय) ; वीर-स्तवन; सम्मेतशिखर तीर्थ-स्तवन	लक्ष्मीचन्द; जिनहर्ष; विनयशील: भानुउदय
2042	5411 (1)	सीमंधर चैत्यवंदन; स्तवन-संग्रह	विनयविजय; जसविजय
2043	5412 (2)	" ; नवपद-चैत्यवंदन	हर्षविजय; मोहनविजय
2044	6593	सीमंधर-स्तवन	ऋषि जयमल
2045	5357	"	"
2046	2185 (18)	"	नथमल
2047	7108 (24)	"	पद्मराजगणि
2048	7033 (20)	"	भक्तिलाभ
2049	7106 (4)	"	"
2050	5036 (2)	"	यशोविजय शिष्य नयविजय

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 19;56	1	पूर्ण	1732	र. का. 1723
25×11 13:42	2	,,	16 वीं श.	र. का 1515
21×11 16;29	2	,,	19 वीं श.	
25×11 10;32	4	,,	19 वीं श.	
21×11 10;24	2	,,	19 वीं श	
20×11 11;28	2	,,	20 वीं श.	
22×11 12;29	1	,,	20 वीं श.	
25.5×12.5 13;36	1	,,	19 वीं श.	र. का 1830
23×10 13:64	1	,,	20 वीं श.	
13×13 13;16	122-124	,,	17 वीं श.	ग्रन्थकार द्वारा स्वलिखित प्रति।
13×9.5 12;19	126-128	,,	1816	लि. क. रूपचन्द लि. स्था. बनूं (सिंध)
16×12.5 11;15	31-34	,,	19 वीं श.	
26×11.5 14;39	2-7	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त			
2051	7095 (26)	सीमंधर-स्तवन	यशोविजय शिष्य नयविजय
2052	2612 (4)	"	रतनचन्द
2053	4451	"	रत्नमुनि
2054	6422	" (द्वय)	ज्ञानसार; जिनचन्द्रसूरि
2055	7096 (14)	"	
2056	6524 (1–2)	" ; जिनविनती	भूधर
2057	5943 (1–2)	" ; ज्ञानपंचमी वृहत्-स्तवन	भक्तिलाभ; समयसुन्दर
2058	6451 (1–4)	" ; नंदकंवर महराज रा गुणग्राम; उपदेश पद; ग्यारह गणधर-स्तवन	अगरचन्द; खींवराज; आसकरण
2059	6664 (1-5)	" ; शीतलनाथ-स्तवन अभिनन्दन-स्तवन अठावीस लब्धि स्तवन अष्टापद तीर्थ-स्तवन	भक्तिलाभ; समयसुन्दर जयविमल; धर्मवर्द्धन; पद्मराज;
2060	6068	सीमंधरादि आठ-विहरमानों के गीत	जिनराजसूरि

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×10.5 9;20	104–123	पूर्ण	1853	लि. क. पं० रुघनाथ
25×11 10:44	4 था	,,	19 वीं श.	
27×13.5 15;34	1	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 13;39	1	,,	19 वीं श.	
13×11 5 11;16	116–118	,,	19 वीं श.	
25×11.5 15;32	1	,,	1857	लि. क. रतनचन्द
26×11.5 13; 32	4	,,	20 वीं श.	
21×11.5 12;28	5	,,	20 वीं श.	
26×13 12;21	1–6	,,	20 वीं श.	
25.5×10 17;50	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त.			
2061	7063 (1)	सुकोशल मुनि-सज्झाय;	सूदचन्द
2062	6998 (86)	सुगुरु-छत्तीसी	हर्षकुशल
2063	5797 (2)	सुगुरु-पच्चीसी	जिनहर्ष
2064	5925 (3)	,,	,
2065	6676 (2)	सुमतिनाथ-स्तवन	सुविधिसागर
2066	6991 (290)	सूखम-छत्तीसी	खेमाजी ऋषि
2067	4492	सूतक नी सज्झाय	
2068	6764	सोलह सती-सज्झाय	उदयरत्न
2069	6526	,,	,,
2070	6615	,,	,,
2071	6596	,,	,,
2072	3509	सोलह सुपनांरी सज्झाय	ऋषि जयमल
2073	7108 (79)	स्तम्भन पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18×10 12;30	3	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×10.5 12;25	83–85	,,	18 वीं श.	
25×11 24;44	1–2	,,	20 वीं श.	
24.5×11.5 31;38	6 ठा	,,	20 वीं श.	
24×10.5 11;28	3 रा	,,	19 वीं श.	
15.5×14.5 23;28	141–143	,,	20 वीं श.	र. का. 1841; र.स्था. नारंगाबाद
29×12 5 11;56	2	,,	20 वीं श.	र. का. 1976
25×11.5 12;32	1	,,	20 वीं श.	र. का. 1777; र. स्था. मेड़ता
25.5×11.5 10;42	1	,,	20 वीं श.	
26.5×12 11;33	1	,,	20 वीं श.	
24×11 7;32	1	,,	19 वीं श.	
21×11 10;28	16–19	,,	20 वीं श.	
13×13 16;23	239–242	अपूर्ण	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त 2074	3512 (1)	स्तवनादि-संग्रह	नवला; साहिब; भूधर; जगतराय; चंद; अजराज
2075	7089	,,	
2076	7096 (12)	,,	
प. 2077	5279	,,	
प. 2078	5361	,,	
प. 2079	5362	,,	समयसुन्दर; रूपचन्द, बनारसी, जिनचन्द
प. 2080	5542	,,	
प. 2081	5545	,,	
प. 2082	5549	,,	
प. 2083	5668	,,	
प. 2084	5802	,,	
प. 2085	6189	,,	
प. 2086	6429	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×10 9;19	1-10; 17-33	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. सवाईराय
9 5×13 10;13	34	,,	20 वीं श.	मुड़ियालिपि
13×11.5 10;14	94-105; 124-131	,,	19 वीं श.	
18×11 14;26	31	,,	19 वीं श.	कृपया 'प' चिह्नित ग्रन्थों का पूर्ण विवरण परिशिष्ट (2) में देखें ।
12.5×41.5 122;17	1 (खरड़ा)	,,	20 वीं श.	
12×28 33;15	1	,,	20 वीं श.	
20×16 16;19	25	,,	1998	लि. क. जयसागर लि. स्था. जोधपुर
16×9.5 6;17	1-95; 112-115	,,	20 वीं श	
10×10 11;12	15	,,	20 वीं श.	
24.5×8.5 12;42	14	,,	19 वीं श.	
26×12 16;42	2-16	,,	19 वीं श.	
26×12 17;40	1-16	,,	19 वीं श.	
24.5×11 18;46	1-6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6)स्तु.स्त. प. 2087	6441	स्तवनादि-संग्रह	
प. 2088	6363	,,	
प. 2089	6965	,,	
प. 2090	6991	,,	
प. 2091	6993	,,	
प. 2092	6998	,,	
प. 2093	6999	,,	
प. 2094	7000	,,	
प. 2095	7001	,,	
प. 2096	7004	,,	
प. 2097	7006	,,	
प. 2098	7009	,,	
प. 2099	7012	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×11 12;24	1–2	पूर्ण	20 वीं श.	
26×11.5 15;42	3	,,	19 वीं श.	
25×14 10;28	1–9	,,	1936	
15×14.5 20;22	130	,,	19 वीं श.	
14.5×18.5 21;18	42	,,	18 वीं श.	
15.5×10.5 13;24	104	,,	1764	
15.5×11 11;20	15	,,	19 वीं श.	
12×11.5 16;24	248	,,	19 वीं श.	पत्र-जीर्ण एवं चिपके हुए ।
15.5×10.5 10;22	18	,,	19 वीं श.	
16×14.5 12;27	28	,,	19 वीं श.	
15×10.5 13;21	123	,,	19 वीं श.	
15×14 11;17	41	,,	20 वीं श.	
22×16 14;26	12	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु स्त प. 2100	7013	स्तवनादि-संग्रह	
प. 2101	7018	,,	
प. 2102	7019	,,	
प. 2103	7021	,,	
प. 2104	7022	,,	
प. 2105	7024	,,	
प. 2106	7025	,,	
प. 2107	7028	,,	
प. 2108	7030	,,	
प. 2109	7034	,,	
प. 2110	7036	,,	
प. 2111	7037	,,	
प. 2112	7039		

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×16 13;18	30	पूर्ण	19 वीं श	
18×12.5 13;32	21	,,	19 वीं श	
15×20.5 24;25	260	,,	20 वीं श.	
12×8.5 10;18	59	,,	19 वीं श.	
11×8 10;18	327	,,	1766	लि. क. ताराचन्द लि. स्था सिणधरी
9×6.5 6;12	46	,,	1938	लि. क. भीमराज लि. स्था भावी
20.5×14 11;27	11	,,	1882	
16.5×12 9;16	40	,,	1890	लि. क. प्रमाणविजय लि स्था. धिनावास
10.5×9 8;12	36	,,	1893	लि क भीमराज लि स्था. पालीताणा
11×9 9;12	50	,,	1925	लि क चुन्नीलाल
12.5×12 13;18	28	,,	19 वीं श	
15.5×14.5 14;16	23	,,	19 वीं श.	
11×8 8;13	52	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त प. 2113	7046	स्तवनादि-संग्रह	
प. 2114	7069	,,	
प. 2115	7073	,,	
प. 2116	7081	,,	
प. 2117	7083	,,	
प. 2118	7084	,,	
प. 2119	7087	,,	
प. 2120	7090	,,	
प. 2121	7091	,,	
प. 2122	7092	,,	
प. 2123	7095	,,	
प. 2124	7097	,,	
प. 2125	7100	,,	

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×11 12;19	3–22	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11.5 17;40	3	„	19 वीं श.	जीर्ण
24.5×11.5 16;42	13	अपूर्ण	1830	लि. क. हेमविनय लि. स्था. जूनागढ "जिनलाभसूरि के सानिध्य में लिखा गया।"
15×13.5 14;18	167	„	गु. 1805-1812	
12.5×15 12;17	276	पूर्ण	19 वीं श.	
14.5×11 13;22	82	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 9–77 अप्राप्त
20×12.5 12;24	92	पूर्ण	19 वीं श.	
9.5×13 16;11	10	„	20 वीं श.	
11.5×8.5 12;16	12	„	19 वीं श.	
9.5×8.5 9;12	75	„	19 वीं श.	पत्रांक 16-41; 59-60 चिपक कर नष्ट।
16×10.5 9;20	157	„	1853	
11.5×9.5 8;12	43-120	„	19 वीं श.	
14×9 8;18	8–19	„	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त. प. 2126	7105	स्तवनादि-संग्रह	
प. 2127	7107	,,	
प. 2128	7109	,,	
प. 2129	7115	,,	
प. 2130	7116	,,	
प. 2131	7117	,,	
2132	5687 (2)	स्तवनावली	जिनलाभसूरि
2133	4489	स्तुति-संग्रह	लब्धिविजय; पुण्यरुचि; गुणहर्ष
2134	6668	,,	जिनसुखसूरि; जिनलाभसूरि आदि
2135	7094 (17)	स्थूलिभद्र-इकवीसउ	लावण्यसमय
2136	6012 (1-2)	स्थूलिभद्र-बारहमासो; शांतिनाथ-स्तवन	लाभोदय; सुमतिरत्न शिष्य
2137	6463	स्थूलिभद्र-सज्झाय	सिद्धिविजय
2138	4473 (1-2)	,, ; काया-मायानी-सज्झाय	ऋषभ; नग

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×12.5 12;19	20–110	पूर्ण	19 वीं श.	
15×14 12:12	9–116	,,	19 वीं श.	
12.5×12 14;16	161	,,	18 वीं श.	
15×11 9;21	22	,,	19 वीं श.	
16×11 16.12; 24,17	62	,,	19 वीं श.	
12.5×9 7;13	39	,,	1952	
25.5×11 9;38	4–5	,,	20 वीं श.	5 स्तवन हैं।
22.5×10.5 15;32	5	,,	19 वीं श.	
24×12 12:37	5	,,	19 वीं श.	
11.5×12.5 15;25	96–100	,,	17 वीं श.	जीर्ण
24.5×11 14;43	1	,,	19 वीं श.	
25×11 12;40	1	,,	19 वीं श.	
28×13 14;37	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(6) स्तु.स्त			
2139	6476 (1–2)	स्थूलिभद्र-सज्झाय; नेमिराजुल-सज्झाय	लालचन्द ,,
2140	6166	स्वयंप्रभ-स्तवन	शांतिविजय
2141	6686	स्वार्थ-पच्चीसी	ऋषि लालचन्द
2142	7009 (28)	हितशिक्षा-द्वात्रिंशिका	क्षमाकल्याण उपाध्याय
2143	5422 (1–2)	हेतसिखामण-सज्झाय; पजूसण-सज्झाय	आसो; कवियण
2144	5518 (11)	होली-पद	ज्ञानविमल
2145	5970	,,	जिनचन्द्रसूरि; जिनलाभसूरि; ऋद्धिहर्ष
23. विविध			
2146	5029	अवधूत गीता	
2147	5548 (9)	गोपीचन्द-आख्यान	
2148	4108	चिन्तामणि-शकुनावली	
2149	4118	चिदादित्यप्रकाश; दीपरत्नाकर	रामानन्द
2150	3526	चौपद पंछी जिनावर परोक्षादि	
2151	5548 (4)	त्र्यम्बकेश्वर-आरती	गोसाविनंदन ?

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.5×10 11;19	5	पूर्ण	1759	ग्रन्थकार द्वारा स्वलिखित प्रति लि. स्था. विक्रमपुर
21×9.5 13;28	1	,,	19 वीं श.	
25×11.5 13;30	2	,,	19 वीं श.	र. का. 1858; र. स्था. भानपुर
15×14 11;17	75–79	,,	1909	लि. क खुश्यालचन्द लि स्था. मुंबई
21×12 10;26	2	,,	20 वीं श.	
15.5×11 14;20	31 वां	,,	19 वीं श.	2 पद
25×11.5 13;36	1	,,	19 वीं श.	4 पद लि. क. अमीचन्द लि. स्था. अजीमगंज
16×11.5 7;18	18	,,	20 वीं श.	मराठी भाषा
13×13 8;14	53–67	,,	20 वीं श.	,,
14×10 6;18	3	अपूर्ण	20 वीं श	,,
24×12 11;28	18	पूर्ण	19 वीं श.	,, चतुर्थ अध्याय
24×36 15;20	1	,,	20 वीं श	
13×13 9;17	14–15	,,	20 वीं श.	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
23. विविध			
2152	5008	पंचरत्न-आरती	
2153	3823	पञ्चीकरण महावाक्यबोध	शंकराचार्य
2154	3500	प्रार्थनाशतक	देवदास
2155	6734	भोले रो अर्थ	
2156	5013	मन्त्र रामचरित्र	
2157	5548 (1)	यमगीता	
2158	5521	रुक्मिणी-स्वयंवर	जनार्दन
2159	5548 (8)	वामनएकादशी-कथार्थ	
2160	5020	शिव-आरती	
2161	3826	शिव-लीला मृत	
2162	5548 (5)	शिव-स्तुति	
2163	5548 (2)	सकु-चरित्र	मध्वनाथ

माप से. मी. में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×11 9;20	2	पूर्ण	19 वीं श.	मराठी भाषा; जीर्ण
20×10 9;28	12	अपूर्ण	19 वीं श.	"
16×10.5 12;17	10	"	1893	पत्राङ्क 9 अप्राप्त
25×11 14;34	4	पूर्ण	20 वीं श.	
15.5×53 71;17	खरड़ा	"	19 वीं श.	मराठी भाषा
13×13 9;14	4	"	20 वीं श.	"
16×9.5 9;23	161	"	1865	लि. क. कृष्णराम ब्राह्मण लि. स्था. जावद
13×13 9;14	28–52	"	20 वीं श.	मराठी भाषा
17×10 9;17	2	"	20 वीं श.	"
12×13 9;20	9	अपूर्ण	19 वीं श.	"
13×13 10;14	17–19	पूर्ण	20 वीं श.	
13×13 7;13	5–12	"	20 वीं श.	

परिशिष्ट - १

कतिपय विशिष्ट 'प' चिह्नित ग्रन्थों के उद्धरण

62/3035 भगवद्गीता—हिन्दी पद्यानुवाद

प्रारम्भ (पत्राङ्क 2 अ)

..........सतगुर की निज सरन सिधाओ।
सेवा कै गुरदेव रिझावो,
पारब्रह्म निरगुन तब पाओ।
परसो निज सतगुर के पाई,
जातैं अंधकार मिट जाई।
बिन सतगुर कछु समझ न आवै,
सतगुर मिलैं तो भेद लखावै।
सतगुर ब्रह्म रूप जग मांही.
यामैं रंचक संसो नांहीं।
निरगुन ब्रह्म गोप के जानों,
सतगुर ब्रह्म प्रगट पहचानों ।।१।।

कुलवंश बरनन ।। चौपई ।।

(पत्राङ्क 5 ब)

अब बरनूं निज कुल की कथा,
सोतो जक्त रीत के साथा।
कृष्णचंद मम आजा जानों,
घासीराम के सुत जानौं।
जात उनाए कायथ मानों,
जिन प्रभु सों हित चित बहु ठानों।
पूरब देस सुधर्म निधानां,
जहां कालपी राज अस्थानां।
बासदेव तहां जन्म वखानों,
ह्वांके वासी चित मैं आनों।

x x x

(पत्राङ्क 6 ब) कृष्णचन्द सुत पिता हमारे,
बिहारीलाल जक्त उजियारे ।
दिल्ली आय बसेरो कियो,
निज पुरखन को मारग लियो ।
राज-सेव सों दरव उपावै,
स्वारथ परमारथ मग लावै ।

x x x

।। दोहा ।।

(पत्राङ्क 7 ब) अपनी आतम जानि कै, सुत सनेह अधिकार ।
हुलासराम मो दीन को, नांव धरो चित धार ।।४।।

x x x

(पत्राङ्क 9 अ) सहंसकृत बानी अति गूढ,
समझै कोविध ज्ञांन अरूढ ।
जामुनि भाषा मैं जो पढ़ै,
वामै कछू प्रेम नहि बढै ।
वृजभाषा बानी मन भाई
ता मैं वृजपति हेत बनाई ।

x x x

स्यामां नगरी अति सुखदाई,
जहां स्याम ली निज ठकुराई ।
मन्नूंलाल मीत हैं जहां,
भयो ग्रंथ संपूरन तहां ।
कोविध कव मम विनती सुनौं,
लेहु बनाय चूक जो भनौं ।।

।। दोहा ।।

रचना काल संबत अठारह सै बरष, गए दुवादस वीत ।
असू तीज पछ कृष्ण मंहि, रचो ग्रंथ करि प्रीत ।।२।।

x x x

श्री गीता है मुक्ति-दुवारो,
प्रभू-वचन निश्चै उर धारो ।
ज्ञान जन संग याकों बांचो,
मन अपनें मैं प्रभु सों राचो ।

।। चौपई ।।

अंतिमांश (पत्राङ्क 29)

यातैं अधिक कौंन दुख होई, जो रण मैं बप त्याग न होई ।
स्वर्ग होय अस्थान तुम्हारो, निश्चै मानों बचन हमारो ।
जीत होय जु रण मैं जु तुम्हारी राज करोगे सब संसारी ।
तातैं अबही जुद्ध जु ठानों सुख दुख हांन लाभ सम जानो ।
विजै अजै सब इक सम गिनों, जुद्ध करो दु..............

71/3574 भीष्मपंचक-भाषा पद्यानुवाद

प्रारम्भ

श्रीगणेशाय नमः । श्री सरस्वत्यै नमः । श्री गुरुभ्योनमः ।
अथ **भीष्म पंचक भाषा** लिखिते ।

।। मंगलाचरन–दोहा ।।

सुख करता हरता सकल त्रीय ताप दुख मूल ।
पद पराग वंदन करूं, हरि हैं संस्रत सूल ।।१।।
वानी वरन जु सरन सब, सुकवि कुकवि गति पार ।
वर दाता दातार मनि, प्रेम युक्ति मन धार ।।२।

।। दोहा ।।

अन्त

वेद रसा मुनि चंद पुन, संवत यह सुधारि ।
मेख मास सुकला नमी, गांव विसाहु कारि ।।५०।।

।। सोरठा ।।

सब संतन सिर मोर, श्रीजुत बदरीदास जू ।
तिन दासन कर दास, मुकंद वरनन करी ।।५१।।

पुष्पिका

इति श्री पद्मपुराणे उत्तरखण्डे कार्तिक महात्म्ये शौनकादि नारद संवादे पंच **भीष्म पचक भाषा** व्रत कथनं नाम पंचमोध्याय ।। शुमं भवतु कल्याणमस्तु ।।

84/6207(8) शनिश्चरजी री कथा

प्रारम्भ — अथ शनिश्चरजी री कथा लिख्यते ।

श्री गुरु गणपत गवर, सदा सिव सुरभि चारण ।
दिनकर अरु रवि नंद सो, भवते पार उतारण ।।१।।

वार वार परणाम मे, जपू ते सनीसर
होय बरदाई मुझ, बुध मेरी निरमल कर ।।२।।

x x x

अंत — केतेक सुण या वात सन की सेवा धारी ।
केतेक सुण या वात सन के भये पुजारी ।।

केते ही कविराज सुजस सनि को गायो ।
जाकुं पढ के नवो ग्रन्थ वणायो ।।

रचि कथा रवि नंद की, मुसदी माहाराज रे ।
कायथ माथुर झामरचा, नैणचन्द गुलराज रे ।।

।। दुहा ।।

मारवाड़ के मांहने, जोधपुर जुगराज ।
जसवंत सुत तगतेस रो, सब भूपन सिरताज ।।

साजम सुत बभूतसी, सांम धरम सतवान ।
जस वाको सब जगत मे, जिको परम परधांन ।।

मुख मुत्सीय बिजेराज, दीवांण हे ।
बगसी समरथ संघवी जान हे ।।

ओर घणा उमराव, मुसायप साथरा ।
हाजर रहे हजूर, दिवस अरु रातरा ।।

।। दुहा ।।

मे मतहंदी मत मुजब, सुजस कीयो सनि को ।
अबै अरज कहुं. कवि जन को ।।

हीण मास पद हुवै ओर छंद होय असुद्ध ।
कृपा दृष्टि सुं देखकर, सब कर लेजो सुद्ध ।।

कैसी सुणसी सनी-कथा, पढसी या को पाठ ।
जी को रेसी जगत मै, सुख संपत अब साथ ।।

फैटी पायांणी खगा , इंदु समत वखांन ।
माग मास एकादशी, वार सनिसर जांण ।।

पुष्पिका इति सनि-कथा संपूरणम् ।।

संवत १९५० स मै सावण मास है कृष्ण, तिथ नवमी रविवार है। लिखी जती भीमराज । अटवडा मध्ये लिखीत्वा । श्री । श्री । श्री ।

107/6952 पताजी दूदाजी रा ग्राम सिणधरी व जसोल री विगत

प्रारम्भ

श्रीगणेशाय नमः । संवत १८९१ रा वैषाख सुद ३ गांम उतारियां री नुंध उतारी छै । पताजी दूदाजी रा गांम सिणधरी जसोल रा तिणरी नुंध छै ।

गुरां हुकमा हस्ते मंडाया आगै संवत १६८६ रा वरस रा है ।

(१) नगर वीरमपुर मै १०००) उपत । रावल वीदेजी वसायो । भाखर सहरावाद, महाजन, रजपुत वसै । रावला घर वडी ठोड । कोहर २ तलाव १ वार मास पाणी रहै । भाखर रो गांम । रावल भारमल जगमालोत दुदावत, रावल महेशदासजी पतावत । जोधपुर थी कोस ३४ । संवत् १७११[1] आ ठोड वसी । पहला वीजा राज करता ।

(२) सिणली मोटो गांम । नदी उपर, नदी उरै । जैसां री सीम मै गोहुं हुवै । पलीवाल वसै । रजपुत वसै । उपत २०००) नगर थी कोस ३ पीसम (पश्चिम) नुं गांम रावत भारमल म्हेसदासजी नुं सीरोली ।

115/6993 (44) अमरसिंह राठौड़ रो सिलोको

प्रारम्भ

सरसत सांमण तुभ पाएजी लागूं ।
जांणू घणेरी हूं बुध मांगूं ।।
हंसा वाहण कर वीणी आलपै ।
तूठी कब हंसा दालिद कापै ।।

---

1 मारवाड़ रा परगना री विगत की ही नकल है पृ. ३५३ भा. १ छपी प्रति में संवत् १७११ के स्थान पर १५११ है ।

प्रतिष्ठान से छपी विगत से काफी अन्तर है तथा अनेक स्थल विस्तृत एव नवीन ज्ञातव्यपूर्ण हैं । खरड़े के पीछे रामसिंहजी की जन्मपत्री दी गई है ।

प्रह उगीरा प्रणाम कीजै ।
देवी दया कर मुज्झ मत दीजै ॥
अमरै राठौड़ रा गुण गाउं ।
सखरे साभगि आखर पाउं ॥
भलां गजसींघ रै तूं पुत्र जायौ ।
भलां माता रै तूं पेट आयौ ॥
धन धन सोनगरीस पूत जायौ ।
अमरै रावां सूं हूओ सवायौ ॥

x x x

अंत

रांण्या कहै रावजी कांई नही वेला ।
रावजी नूं कहीजै जीमसां भेला ॥
वेगा हुवै नै मांम वधारो ।
पछै भूंजाई वैगा पधारो ॥
फौजां विदा की हवै हुलकारइ ।
उसरे आवे नै डेरै हाथ दीना ॥
हींदू हठीलै हलकार कीधी ।
इसडा हींदू आगै लग हूआ
नेजे पतसारै जाए घाव दीआ ॥
नगर जाळंधर गाम सीरांणो ।
सिरलोको कहीयौ सारदा वरणौ ॥
सारदा तूठी आखर आवै ।
तूठी कमधज दालद कार्टं ॥
साह नेतसी नै हुकम हूयौ ।
सरलोको कहीयौ आणंद हूयौ ॥

138/3118 द्रोपदी का बारहमासा

प्रारम्भ

अथ द्रोपदी की बारामासी

परतग्या राखो जादुपति गरुडासन चढ ध्याइये ॥टेर॥
सारद मात चैत चित ध्याऊं, पूरण ब्रह्म मुरारी ।
अजामेल गज गणका त्यारी, गौतम ऋषि की नारी ॥
हात जोड के करू वीनती, राखा लाज हमारी ।

x x x

अंत

मास तेरव काली माता, मोय भरोसो थारो ।
कुंजलाल ब्रजलाल लडावो, सीखो सुणोजी विचारो ।
ऊदो जोसी प्रेम मगन कहै, सुणीयू वचन हमारो ।

॥ दोहा ॥

कलकत्ता के वीच मै, तेरा मास वणाय ।
भुंतो जोसी प्रेम मगन सै, कहता भाव वताय ॥
स्याम मोय कारज सारो, जदुपति..........

पुष्पिका

इति द्रोपदी को वारामास्यो समाप्ता । लिखतं मघदत्तोदीच्य रूप नगरे। स. १९६३ मिती वेसाख सुद ४ । शुभम् ।

176/7087 (55) राम सुमिरन

प्रारम्भ

अथ श्री राम सुमरिन लिख्यते ।

॥ सवैया ३१ ॥

सोभा के सागर गुन रतन वेंरागर से,
सिमा के समेरु धारा धारी धरणिंद से ।
धरम की धुरा निरवाहन धुरंधर से,
खल तरु तोरवे को गढ़े जू गयंद से ।
वेंरी-दल वारन विदारबें कों सिंधु जैसे,
राज भार दाता मानुं पावस के इंद से ।
कुल के कलस काम पुरन कलप-वृछि,
व्है न कोउ व्है हैं जु नरिंद रामचंद से ॥१॥

x x x

अंत

भाग वडै धन वे नर नारि, सुजें हरि-भक्ति रचें दिन रातें ।
चित रु वित्त रहें हरि हेत, सु इछित भोजन देत सु पातें ।
श्री हर श्रान प्रमान करें, रुचि राग धरें विधि वेद कथातें ।
हों भू अमार कहासी, रज्यों गजराज सिरें रज डारत यांते ॥७६॥

॥ दोहरा ॥

मुह पसार उच्चर तरा, निकरि जाति अघ थाट ।
फुनि रोकें फिर आवतें, ममा जटित कपाट ॥७७॥

पुष्पिका

इति श्रीमन्मान कवी [विर] चितायां श्री राम सुमिरन संपूर्ण ।

182/6143 आसिक–पच्चीसी

॥ श्री ॥

प्रारम्भ

आस्यक मोह्यो तुझ रूप देखी । चंद प्रते जेम चकोर पेखी ॥
ते दीन थी तुं घट मा वसी छै । दीदार दीठां तन उलसै छै ॥१॥
तुझ सरीखी सुंदरी कोन दीठी । लागै घणु साकर थीज मीठी ॥
वीज्ञप्त कीजै मन ईस आगे । भली भली तुं मुझ पूरब भागै ॥२॥

x x x

अंत

घणी कांम-क्रीडा करी चित तोख्या । वली एकठा भोजने गात्र पोख्या ॥
लवंगादिकं सुं तंबोल खाई हेजे । रमे रातडी रंग सुं नित्य सेजे ॥२४॥
श्री जितचंदे जती इम प्रमोदे । प्रोक्ता पचीसी मन में वीनोदे ॥
कांमीजना जे श्रवणें सुंणे सो । ते तो तुम सुख घंणु लहेसो ॥२५॥

पुष्पिका

इति श्री आसक पचीसी संपूर्णम् ।

186/4481 कक्का–बत्तीसी

प्रारम्भ

अथ कका बतीसी लिख्यते ।

कका करमनी बात, करी कमाई भागवै ।
सुभ असुभ होइ दोय, भोगव्यां विण छूटै नहीं ॥१॥
खखा खिण आयु जाय, चितव्यो होइ ते चेतज्यो ।
बाज झपंतो आय, जे मेल्युं ते तिहां रह्यो ॥२॥
गगा गुरु वचन मन ल्याय, गुरु विन ज्ञांन न पांमीइं ।
गुरु सुं उत्तरसो पार, सदगुरु वचन हीयै धरो ॥३॥
घघा घर मां कुटंब परिवार, स्वारथ नुं सह को सगो ।
ताहरो न दीसै कोय, भोगविस प्रांणी एकलो ॥४॥
ङङा ङकरि सनेह, पर नारी पर द्रव्य सुं ।
मनु तु राखे ठांम, पर निंद्या नें परिहरे ॥५॥

x x x

अंत

जैर अमृत घट मांहि समझी ले तुं आतमा ।
ससा सात व्यसन निवार, व्यसनथी वाला वेगला ॥३१॥

व्यसनें जीव नी हांण, परीया पांणी उत्तरै ।
हा हा हरख न माय, हरखै क का जोडीया ।।३२।।

ज्यो लाहो नर अवतार, क्षमा सहेली सुं रमो ।
कल्याणवर्द्धन सीस, **जीवोऋद्धि** इम वीनवै ।।३२।।

पुष्पिका

इति श्री **कका बतीसी** संपूर्णम् ।।

।। दुहा ।।

गिगन धरण विच मेर गिर, धरै सेस सिर भार ।
जुग च्यारे चीरंजीव, जे पोथी वंचन हार ।।१।।

संवत् १६०७ रा आसोज सुदि ५ दिनै वाचक श्री सवाईरांमजी गणि तत्सिष्य पं० कसतुरचंद लिखतं । श्री रस्तु कल्याणमस्तु सुभं भवतुः ।

प्रारम्भ

268/6176 सोभाचंद भण्डारी का प्रशंसात्मक कमलबंध चित्रकाव्य

मंडारी कुल-भान, श्री निधि नृप-सम रंजन ।
सोभाचंद सुजान, भान धर अरि-दल भंजन ।।
चंद विसद गुन सदन, दहन कर दुःख निकंदन ।
जीत अंग दुति मदन, चित्तजसु जिनवर वंदन ।।
रंजित सुनीति जग सकल जन, जीव चिरंधृति सुमति धन ।
वर मिमल कीर्ति धवलित भुवन, तुहित भानु अम्रित वयन ।।१।।*

प्रारम्भ

302/5553 (19) गोपीचंद की वैराग्य लीला

अथ ग्रंथ **गोपीचंदजी की बैराग लीला** लिख्यते ।

।। चोपई ।।

अबिचल न्मो अलेख गुसांई । जल थल पूरिक जित तिथ थाई ।।
सरग-सी ताल महि पर होई । परम पुरिष कौं गावैं सोई ।।१।।

गावन हारे कौं जस कहिये । भगति मुकति निरभै पद लहिए ।।
गुर रतब सब भेद बतांया । परम कल्यांन तहां कछु पाया ।।२।।

संत अनंत ब्रह्म-ल्यौ लागे । उनकी कृपा भरम सब भागे ।।
अब सहाइ कीयें उचरही । सिध कथा तब बरनन करहीं ।।३।।

*इसका कमलबन्ध-चित्र स्थानाभाव के कारण नहीं दिया गया है ।

गोपीचन्द जोग ज्यूं लीनौं । त्यूं कछू बचन ग्रालोकन कीनूं ।।
भूल चूक घटि बधि ग्रावै । ताकौ दोष रखे को लावै ।।४।।
देखी नहीं सुनी त्यूं भाखी । साध बेद - मत हिर्दै राखूं ।
ग्रादू कथा ग्रबहि कहि ग्राई । गुर रजब भये सहाई ।।५।।

x x x

अंत

गोपीचंद मैंनावती, बिछुरै मोह नवागे ।
कहि कल्याण बेहद पद, पायौ तत बिचारि ।।३१९।।
ग्रबिचल गोपीचंद सिध, ग्रजर ग्रमर निज थांन ।
गुर रजब परताप तैं, भाखी दास कल्यांण ।।३२०।।

माता धिन मैंनावती, हेतम सेख फरीद ।
सुत उपदेसे तीनि नैं, साहब कीया खरीद ।३२१।।
जोई कछु दीये वचन, प्रभु सोई बोले बैंन ।
भूल चूक को बगसियौ, ग्ररज करत हौं ऐंन । ३२२।।

x x x

कोटि जिग जप तप करै दांन पुंनि दिज मांन ।
गोपीचंद गुन गावतां, फर ह्वै हतो कल्यांन ।।३२५।।

पुष्पिका

इति श्री गोपीचंद की बैराग लीला संपूरण ।

520/3319 ग्रङ्क शकुन बत्तीसी

1	32	31	30	29	28	27	26	25	24	23	22	21	20
2	।। श्री गणेशाय नमः ।। ग्रथ ग्रंक सुकनावली बत्तीसी लिख्यते । जिहि कोठा पैं गेहु रखै सोई वांचै ।												19
3													18
4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17

प्रारम्भ

श्री रामानुजाय नमः ॐ लं लं लं लक्ष्मणायस्वाहा वार ७ ।।

करुना कर करुना करी, कारज सिद्ध सुभाय ।
भलो करैंगे रामजी, मनचिंतित फल पाय ।।१।।

खबर भली वांछा फली, जसउ वृद्धि चित चाय ।
भलो काम इंछत भयो, चित की चिंता जाय ।।२।।

x x x

अंत

हरिजी किरपा जो करै, सबही सुधरै काज ।
सुख संपति आनद लेहै, जव तुठै महाराज ।।३३।।

रचना-काल

संवत् सिद्धि ग्रह वसु शशि (१८९८), कुमार वदि तिथि नोमि ।
वार शनिश्चर मुकंद कृति, महा सकुन की भोमि ।।३४।।

पुष्पिका

इति श्री शकुन वतीसी केवली संपूर्णं ।
।। सुभं ।।

725/6108 क्षेत्रपालजी रो छन्द

प्रारम्भ

।।६०।। सुंडालौ नित समरीयै, सजर देव सरसत्त ।
करै महिर गोरल किसन, तो पांमीजै तत्त ।।१।।

।। गाहा ।।

सोहै सीस सिंदूरं । नेजा धूप दीप बहु नूरं ।।
सेवक करै सैऊ गै सूरं । पांमै मौज सदा भरपूरं ।।२।

आज उमंग आणंद इधक । अछडां करण अछाह ।।
संत तारण मारण सत्तां । लियण सल भालाह ।।३।।

चौहगट गोहगट चूरमा । सखरा भोजन साग ।।
सैल करण पोखण संतां । वीर पधारै वाग ।।४।।

x x x

।। कलस ।।

अंत

चामुड राचि रताल, सहर जोधाण संपूरण ।
लांगा लालटीयाल, चित करण चिंतां चूरण ।।
सुरणायां रणसींग नाद करणाल नफेरी ।
झालर ढोल मृदंग, फर फर नाचत दै फेरी ।।
मांणीयौ वाग मंडोवरां, ख्याग त्याग भोगी खरा ।
कर जोडि एम सुखौ कहै, मोटा खांमंद माहरा ।।२२।।

पुष्पिका इति श्री क्षेत्रपालजी रो छंद। भोजग सुखै फलोधीयै रो कह्यौ संपूर्णम्। लिखत पं० रूपचिन्द। संवत् १८१८। श्री श्री श्री।

729/6096 (1) गणपति-छन्द

प्रारम्भ अथ गणपति छंद लिख्यते।

गणपति गुण विस्तार करि, वंदै बोल सुछंद।
उमया सुत अम्ह, आपीयौ उगमनै आणंद ॥१॥
आणंद ऊगम नें उकति, जावी जोडि जो जुगत्त।
तो प्रणमंतां पांमीयै, गुण सगला गुणपति ॥२॥

॥ आर्या ॥

जय जय गणपति गुण गंभीरं, जय जय विघन विडारण वीरं।
जय जय घू जिम अविचल धीरं, जय जय नरां रहावण नीरं ॥३॥
जय जय गज मुख गवरी नंदन, जय जय पातिक कंद निकंदन।
जय जय चरिचित चोवा चंदन, जय जय जंगम जुगदा-नंदन ॥४॥
सिर सेव्रंती माल सिंदूरं, निरमल निज घट दीपै नीरं।
परघल दीसै पास पडूरं, भोजन भगति सदा भर-पूरं ॥५॥

x x x

अंत सदा दीप नें घूप नैवेद्य साचा। जप्पै ध्यांन जे आगलि बैइसि जाचा॥
समाप्पै सीयै आसक सुख्व सेसं, गुणे गावतां वेग तूसइ गणेशं ॥१८॥

कलश - कवित्त

तूसै गणपति तुरत्त, सदा सेवका सवारे।
तूसै गणपति तुरत्त, दुनीयां सहु नमै दुवारे॥
तूसै गणपति तुरत्त, घूप दीप दीयंते।
तूसै गणपति तुरत्त, महि मोदके मचंते॥
गीत नाद गुण गावतां, विधि सुं पालै जे वरत्त।
कहे हेम तसु हुकम थी, त्यां तूसै गणपति तुरत्त ॥१६॥
सिद्ध बुद्ध संपत्ति, रिध अर वृद्ध रमंति।
मुकलै मंदिर मांहि, मिलै नव निद्धि मिलंति॥

दांन मांन दोलत्त, सदा घरि हुवै सवाई ।
हय मय हसम हसम हजार, कदे कुमणा नही काई ।।
पुत्र रमण परिवार सु, रमे सदा ते रंग रस ।
कहै हेमरत्न बहु हरख सु जे गावैं गणपति जस ।।२०।।

पुष्पिका

इति श्री **गणपति छंद** सम्पूर्णम् । लिखतमस्ति पं० हेमराजेन ।

737/6847 त्रिपुरसुन्दरी-छन्द

प्रारम्भ

।।६०।। अथ त्रीपुरसुंदरी छन्द ।

।। दूहा ।।

प्रणमी पार्श्व जिन पद, श्री सदगुरु धरी ध्यांन ।
बाला त्रिपुरा वेनवु, माता दीयै बहू मांन ।।१।।
विविध छंद कुसुमे रचो सुध भाव मकरंद ।
तुझ गुण सोभीत अति सरस, फुल माल सम छंद ।।२।।
दुष्ट दुरिस दल-भंजणी, साधती वांछित काम ।
जोती रूप जगदीश्वरी, बाला त्रिपुरा नांम ।।३।।

x x x

अंत

जाप होम पूजा मही तेहवी, मननी द्रढ तापण नही तेहवी ।
आसन नाशसन मुद्रा ध्यांन, करू न समझूं छूं अज्ञांन ।।३४।।
तो पण श्रीगुरु ने प्रभावे, त्रिपुरा त्रिपुरा ए मुख आवें ।
लघू वय थी पांमु तुझ नांम, ते पुरा मनवंछीत कांम ।।३५।।
तु जयलछी होवें अधकी देवी, सेवक नी प्रतीसार करेवी ।
सघली वाते मात सुधारे, माता जयलछी वीस्तारे ।।३६।।

।। छपय ।।

जय लछी विस्तार, मात तुझ सूषइ आवै ।
मणि माणिक भंडार, पुत्र पौत्रादिक पावइ ।।
कांम धेनु कल्प ध्रुव, देवमणी लहे सुभगंजन ।
जे सेवे बहू भगते, माता त्रिपुराइ दिन दिन ।।

नित्य लहे मांन सन्मान जस, शवा चरण यूग सेवता ।
गुणानन्द गुरु सीशु कहै जय त्रीपुरा देवता ।।

पुष्पिका इति श्री **त्रीपुर सुंदरी छंद** संपूर्णम् । श्री रस्तु ।

755/5793 (2) माताजी रो छन्द

प्रारम्भ ।। कवित्त ।।

नरसंघ कहै नाराइणी, आइसादे आवीयै ।
आइसादे आव, महिर कीजै महमाई ।
चोसठ योगिण आव, आऊ खेतल वरदाई ।
छपन कोड चावंड, कोड नव काइ थी यांणी।
कोड अठारै कहु, वेग आवो ब्रह्माणी ।
सुख दीयण सदा लग सेवकां ध्यान करै मन ध्याईयै ।
नरसंघ कहै नारायणी, आईसादे आवीयै ।।१।।

आव जती गोरख, आव सिद्ध बाल गुदाई ।
घोडाचोली आव आव कंथड वरदाई ।।
सिद्ध कणेरी आव, आव मछेन्द्र जलंधरी ।
आवो अउघड नाथ, करे वस पंचेइंद्री ।।
धुंधलमल नै भरथरी, गोपीचन्द नव तत ग्रहण ।
नव नाथ आवो सिद्धां सहित, थांन मुझ रिख्या करण ।।२।।

आव पीर मलीनाथ, आव रुपादे रांणी ।
आवो जेसल पीर आव तोलिल कठीयांणी ।।
हरभू गोगा हाल, प्रसिध पाबू पाव धारो ।
आव पीर रामदे सदा सेवगां सधारो ।।
करि जोड एम **नरसंघ** कहै, विघन बुराई वारीयै ।
हींदवा पीर हुइ एकठा, पात्रां मदत पधारीयै ।।३।।

आव मलिक रा वाल, आव खाजा अवतारी ।
आव सीहपतला, आव मीठा मदारी ।।
आव लाल सह बाज, आव गुदड वरदाई ।
आव खान खवास, आव संकरगंज सवाई ।।

सहि पीर आव कांनु सहित, ध्यांन करे मन धारीयै ।
नरसिंघ कहे नव निध दीयण पीरे पीर पधारीयै ।।४।।

अकल पंथ हुं आव, आव सिधां सुर-राया ।
आव देव डुंगरेच, राज मंडव गिर-राया ।।
उयसनगर हुं आव, आव देवी झर देवी ।
आवो मात पडीयाल, साह कवि भागचंद सेवी ।।
लुंकडो भैरव साथ ले, सगला काम सधारीयै ।
माहरइ ऊपर करण महमाइजी, पडे आप पधारीयै ।।५।।

आवडसादे आव, आव देवल भल आई ।
खडे रथ खुडीयाल, वेग आवो वरदाई ।।
मैंणा संभल साद, आव करणी मेहाई ।
हाल आव हो लाव, अविक मां जेसाई ।।
विरोल आवि खुटत वरं, सेवक जन साधारणी ।
भागचंद समरी चतुरभुजी, चाड पधारो चारणी ।।६।।

पुष्पिका इति माताजी रा कवित्त । लि० पं० जालप मुनि ।

774/4744 शाकम्भरी-स्तुति

प्रारम्भ श्रीगणेशाय नमः अथ शक्रादय स्तुति

नमो मात साकंभरी जोग माया
सदा चित्स्वरूपा निराकार राजै ।
अचिंत्या अरूपा महाशक्ति छाजै ।।
उपाया जबै ही धरै दीर्घ काया ।
नमो मात साकंभरी जोग माया ।।१।।

अजन्मा अरूपा तुही आदि गाई
किया तत्व तैहीज लोकै रचाया
सबै जीव जगमैज तैही उपाया
नमो मात साकंभरी जोगमाया ।।२।।

x x x

अन्त

तुही अंबिका शंभु कै सीस गंगा ।
सदा मुक्ति दाता करै पाप भंगा ।।
भई आई भागीरथी नाम पाया ।
नमो मात साकंभरी जोग माया ।।२२।।

कहुं हींगला रूप तुही बिराजै ।
साकंभरी नाम कहुं शक्ति साजै ।।
सवै विश्व पृथ्वीज तुमै समाया ।
नमो मात साकंभरी जोग माया ।।२३।।

जपै जीवजु राजै द्वि जन्मा सदाया ।
सदा नाम थाको तिहु लोक पाया ।।
रहो श्री भवानी सदा ही सहाया ।
नमो मात साकंभरी जोग माया ।।२४।।

पुष्पिका

इति **श्री साकंभरीजी की स्तुति समाप्ता** । शुभं भवतु । कल्याणं । संवत् १९०९ शाके १७७३ पौसे मासे शुभ शुक्ले पक्षे तिथौ ८ अष्टम्यां चन्द्रवासरे । लिखतं वाला चरण पठनार्थं श्री खुस्यालिराम ब्राह्मण बंगाली । यादसी पुस्तकं द्रष्ट्वा तादृसि लिखितं मया, यदि शुद्धं विशुद्ध वा मुन दोषो न दीयते ।। छ छ श्री श्री श्री श्री श्री ।

777/3886 शिवस्तुति (रुद्राष्टक भाषा)

प्रारम्भ

।।६०।। श्रीगणेशाय नमः

'ईशान ईशं अहं नमामि' देवतनि के ईश शिवजी कूं हम नमस्कार करत हैं । कैसे हैं शिवजी ? 'निर्वान रूपं' निर्वाण कहिये मोक्ष तिनके रूप हैं । पुनः कैसे हैं ? 'विभुं' कहतां समर्थ हैं । पुनः 'व्यापकं' समस्त जगत में व्याप रहे हैं । पुनः 'ब्रह्मवेदस्वरूपं' ब्रह्म के अरु वेद के स्वरूप हैं । पुनः 'निजं' निज स्वरूप हैं । पुनः 'निर्गुणं' तीनू गुणानि रहित हैं । पुनः 'निर्विकल्पं' संकल्प विकल्प करि कैं रहित हैं ।

x x x

अन्त

कथं भूतं अहं ? हूं कैसो हूं । 'जराजन्म दुःखोघतातप्यमानं' जरा कहिए बुढापो, जन्म दुखां को ओघ कहिए समूह त्यांह करि कैं

तपायमान जो हूं हे प्रभो ! हे ईश ! हे शंभो ! 'आपन्नं मां पाहि' सरनि आयो जो हूं मेरी रक्ष्या करौ । 'इदं रुद्राष्टकं विप्रेन हरतोषयेतू प्रोक्तं' इह रुद्राष्टक है सो ब्राह्मण हैं तिणे शिवजी कौ प्रसन्न करण कैं तांई कह्यौ है । ये नराःभवत्या पठंति तेषां शंभु प्रसीदति' जे मनुष्य भक्ति करिकैं पढ़ै तिनकै ऊपरि शिवजी प्रसन्न होत हैं ।

पुष्पिका इति श्री रुद्राष्टक शिवस्तुति संपूर्ण । शुभं भवतु कल्याणमस्तुः संवत् १८४६ का वर्षे मिति मार्गसीर्ष में शुक्ल पक्ष मैं टीका भई है सप्त कांडनि के श्लोकनि की अरु रुद्राष्टक की, तिवाडी गंगाराम गांडर कीयतां । वैष्णव वद्रीदासजी लिख्यतां . शुभं भवतु: ।

843/4526(1) प्रश्नोत्तरमाला

प्रारम्भ ।।६०।। अथ प्रश्नमाला लीखंते ।

।। दूहा ।।

परम ज्योति परमातमा, परमानंद अनूप ।
नमो सिध सुख कर सदा, कपातित चिद्रूप ।।१।।

पंच महाव्रत आदरत, पालत पंचा–चार ।
समता रस सायर सदा, सत्याविस गुण धार ।।२।।

पंच सुमति गुप्ति धरा, चरण करण गुण धार ।
चिदानंद जिनके हिये, करुणा भाव अपार ।।३।।

सुर गिर हरि सायर जिसे, धीर वीर गंभीर ।
अप्रमत्त विहार थी, मानु अपर समीर ।।४।।

इत्यादिक गुण युक्त जे, जंगम तीरथ जांण ।
तै मुनीवर प्रणमु सदा, अधिक प्रेम मन आंण ।।५।।

लांख वात की वात इक, प्रश्न प्रश्न में जांण ।
इकसो-चवदे प्रश्न को, उत्तर कहूं वखांण ।।६।।

प्रश्नमाल ए कंठ में, जे धारत नर नार ।
तास हिये अति उपजें, सार विवेक विचार ।।७।।

अन्त

प्रश्नोत्तर इम कहे विचारि । अति संखेप बुद्धि अनुसारी ।।
अति विस्तार अर्थ इए केरा । सुनत मिटै मिथ्यात अंधेरा ।।३८।।

।। कलश ।।

रस पूर्ण नंद सु चंद, मास कार्तिक जांणीये ।
पक्ष उजल तिथ त्रयोदसी, वार अचल वखांनीये ।।
आदि सु पास पसाय, पांमी भाव-नग्र रही करी ।
चिदानंद जिनंद वांणी कही, भव सायर तरी ।।३९।।

पुष्पिका

इती प्रश्नोत्तरमाला संपुरण ।। माल ग्रामे ।।

958/6140 श्रावकाचार प्राकृत दोहा भाषा

प्रारम्भ

।। ॐ नमः सिद्धेभ्य । अथ श्री जोगिन्द्राचार्य कृत श्रावकाचार प्राकृत दोहां अनुसार भाषा दोहा लिख्यते ।

प्रणमि परम गुर पंच जे, दलैं सकल अघ कर्म ।
प्रगटाक्षर संक्षेप ही, भाखौ श्रावक धर्म ।।१।।

सुखी होहु जग में कुजन, जा करि सुजन प्रकाश ।
तम करि दिन विष करि सुधा, काच करी मणि भास ।।२।।

अंधकार खल काच विष, जौ न हुते जग मांहि ।
तौ दिन सुजन सुमणि सुधा, कीरति लहते नांहि ।।३।।

पूरव दिशि सागर विषे, कीली परी जु कोइ ।
पश्चिम दिसि के समुद मै, जूरा परियो होइ ।।४।।

छिद्र दुलभ ताकी महा, ता कीली को जानि ।
त्यौ भव जल मैं जीव कौं, मिनख देह परवांनि ।।५।।

मिनख देह मैं सार सुख, सो सुख धरमाधीन ।
धर्म करौ अरहंत कौ, भाख्यो परम प्रवीन ।।६।।

x x x

अन्त

दरसन ज्ञान चरित्र तप, रिष गुर जिनवर देव ।
सरण समाधि सुबोधि निज, भव भव ह्वैज्यो एव ।।२५६।।

श्री जोगिंद्र मुनिंद्र नें, कहे दोयसै वीस ।
दोहा प्राकृत सवद मैं, पढचां मिटै रति रीस ।।२५७।।

काम धेनु दोह्यां थकां, मन वंछित सहु देय ।
त्यौं ए धारचां उर विषै, शिव सुख निश्चे लेय ।।२५८।।

बहुत रम्य धिष्टांत अति, प्राकृत रस गंभीर ।
साध रमिनि मिलि यों कही, भाषा करीयो वीर ।।२५९।।

जिनदासनि की देसनां, उर धरि दौलतिरांम ।
भाषा कीनी भाव सौं, उदयापुर विश्रांम ।।२६०।।

मांस मांगिसर चौथि तिथि, सुकल पक्ष बुधवार ।
सै अठारतिडोतरैं, भई भाषा अविकार ।।२६१।।

शुभं भवतु । कल्यांणं भवतु । श्री श्री श्री

977/6663(10) सतरहभेदी–पूजा

प्रारम्भ

।। श्री जिनाय नमः ।। राग वेलाउल ।।

।। दोहा ।।

श्री अरहंत अनंत गुण वारिधि रतन अपार ।
तउ पणि कहिस्यउ तुच्छमति, पूजा सतर प्रकार ।।१।।

तिहु न्यानइ हूता सहित जनम्या जिनवर जोइ ।
स्नात्र करंता इंद्र सुर, पणि न निवारचउ कोइ ।।२।।

x x x

अन्त

उलूक हुं रवि जोति अंधियारी,
अउर सवनकऊ सा उजियारी ।
कुमती कउ देखत दुख भारी,
सुमती कहुं पूजत सुखकारी । पूज०
आद्रकुमार सज्यंभव गुरु कउं
जिन मूरति हूई उपगारी,
द्रव्य पूज करइ अणुव्रतधारी ।।

भाव पूज माल अधिकारी,
पूजा करइ अइसें सतर प्रकारी ।।८७।।

इय भविक निज हित धार, पूज विचार सतर प्रकार ए ।
जिन वचनि कीजइ पुण्य लीजै, सफल नर अवतार ए ।।
इम कहइ **माल** रसाल, भवियण लहइ सम्भकित सार ए ।

पुष्पिका इति **सतर प्रकार जिन पूजा** रास बंध स्तवनं समाप्ताम् । [संमत १८७४ वर्षे मिति जेठ वदि १४ दिने लिखतं राजरूप नगर अंबाला मध्ये स्व वाचनार्थं]

1026/6172 आदिनाथ–कामदेव युद्ध संवाद

प्रारम्भ **अथ श्री आदिनाथ का कामदेव जुद्ध संवाद** लिखतै ।

जो सव्वट्ठ विभाण हुंति चइ.................ण चित्तंतरे,
उप्पन्नो मरूदेविकूखिरयणो इख्याककुलमंडणो ।
भूत्तं भोग सरज्जदेसविमलो पाली पवज्जा पुणो,
संपत्तो णिव्वाणि देउ रिसहो काऊण तुव मंगलं ।।१।।

।। गाथा ।।

जिण अरह बाग वाणी, पणमउ सुभमंति देहि जयजणणी ।
वण्णेस मयणजुद्धं, किं जीतिव श्री रिसहेसो ।।२।।

।। साटक–छंद ।।

रिसह जिणवर पढम तित्थयर ।
जिण धर्म्म उद्धरण जुयल धम्म सव्वइ निवारण ।
नाभिराइ कुलतिलउ, श्री सर्वज्ञ संसार तारण ।
जो सुर इंदां वंदीये, सदाचरण सिरधारि ।
किउं किउं रतिपति जीतियउ, ते गुण कहौं विचारि ।।३।।

x x x

अन्त जह न जरान न मरण जह न पुण व्याधि न वेइण,
जह न देह न न देह जोति मइ तैंठे चेयण ।

जैठै सुख अनंत ज्ञान दंसरण अवलोवइ,
का''' वि हं उइ सयल साधि करि साधिज खोवइ ।
जहि चंदन घन रस परस, सवद''' नहि कहि''''''' ।
बूचराज कहै श्री रिसह जिरा, सुथिर होइ तैठै रहिउ ।।१५४।।

राइ विक्कम तरणौं संवत नियासिय पंदरा सइ,सरद रुति आसुव वखाणं।
तिथि पडिवा सुकल पखि, क्रूर नक्षत्र सनिवारत जांरा ।
तित दिनि वल्हि सु संठियउ, मयरण जुद्ध सवसेस ।
कहत पढत जे सुरगत नर, जय स्वांमी रिसहेस ।।१५५।।

पुष्पिका — इति श्री आदिनाथजी का मयरण जूझ समाप्त । संवत् १७३२ का आसोज वदी ३ सुकरवार ली रूपसी भावसा जौवणैरी मधे ।

1046/7094(64) कामदेव-संधि

प्रारम्भ — सिरि तिसला नंदरण मरण अणंदरण वद्धमारण जिरणवर नमिय ।
पभरिण सुहउ चंगह सत्तम अंगह कामदेव सावय चरिय ।।१।।

x x x

अन्त — ईय खेमिहि भासिय धम्म कामदेव सावय चरिय ।
जे नियमनि आरगइ ते सुहमारगइ सोम वयरिग सिव सिरिवरीय ।।८१।।

इति **कामदेव संधि** समाप्ता । छ । छ ।

1088/6994 (53) जंबू चरित्र चौपाई

प्रारम्भ — ।।६०।। गोयम गरगहर पयनमी आराहि अरिहंत ।
हृदयि कमलि अहिनसि वसइं भव भंजरग भगवंत ।।१।।

भव भंजरग भगवंत तुझ, आरग अखंड वहेस ।
सील सिरोमरिग गुरग निलु, जंबु कुमर वन्नेसु ।।२।।

मुगध देस राजगृह समोसरिय जगनाह ।
सुर वर इंद्र मिली, रचइं समो सररिग''''''।।३।।

x x x

अन्त

संवत पनर बावीस रचिउं आसोई पूनिमइ ए ।
उपगार कारइं बुद्धि सारइं रचिउं देपइं खप करी ।।

जे भावि भाणिसि अनइ गुणसि रहस जाणी एहनां ।
जिन आण धरिसि खिमा करिसि काज सरिसि तेहनां ।।७२।।
जंबू चरिउं समाप्तं । सिवा पठनार्थं ।

पुष्पिका: गुटके के प्रारम्भ में प्रथम पत्र पर

संवत १५७६ वर्षे श्री खरतरगच्छे श्री जिनसमुद्रसूरि पट्ट पूर्वाचल सहस्रकरावतार श्री जिनहंससूरि विजय राज्ये श्री ऊकेश वंशे श्रेष्टि गोत्रे श्रे० सहस्र किरण पुत्र श्रे० अद्दा भार्या अरघाई पुत्र सा० अमीपाल भार्या कुंयरि तत्पुत्र सा० कमलसी सा० विमलसी कीका प्रमुखैः स्व-वाचनार्थं पुस्तिकेयं । कारिता । लेखिता च वा० कल्याणतिलक गणिभिः वा० साधुविजय गणि पं० सुमतिसारगणि पं० धनराज सहितैः ।

1118/7108(46) धन्ना-ऋषि-संधि

प्रारम्भ

।।६०।। श्रीगुरुभ्यो नमः ।।

समरिय समरस तणउ निहाण । वीर जिणेसर तिहुयण भाण ।।
वीर कह्यउं जे नवमइ अंगि । धन्ना संधि कहिसु मन-रंगि ।।१।।

अच्छि काकंदी नामइ नयरी । जित शत्रु राज करइ जित वयरी ।।
तिहां वसइ सारथवाही भद्दा । अल्हादित्ता सील ससद्दा ।।२।।

कला बहुत्तरि बहु गुण पन्नउ । सारथवाही सुत छइ धन्नउ ।।
पंच विध धावि माय प्रति-पालइ । सोहग निधि हूउ यौवन कालइ ।।३।।

x x x

अन्त

श्री जेसलमेरु मंडण पास । पूजतां पूरइ मन आस ।।
तासु प्रभावि करी संधि बंधइ । श्री जिन समुद्रसूरि सांनिध्यइ ।।६४।।

एह संबंध अमीय मय वाणी । बोलइ वीर जिणेसर नाणी ।।
अनुत्तरवाई नवमइ अंगइ । उवज्झाय कल्याणतिलक कहइ रंगइ ।।६५।।

इति श्री धन्ना अणगार संधि संपूर्ण । श्री धनराज महोपाध्यायानां तत् विनय पं० पुण्यमंदिर गुरूणां शिष्य तिलककीर्ति मुनिना लेखि स्व-

पुण्याय । गो० सा० हेमसी तत्पुत्ररत्न श्रीपाल सदारंग साजण सोनपालादि पठनार्थं ॥

x x x

पत्राङ्क 164 की पुष्पिका

इति श्री वृहच्छांतिः समाप्ता ॥ संवत १६६० वर्षे काती वदि १ दिने सेत्रावा नगरे । पं० वीरकलशगणि शिष्य प० पद्मवल्लभगणि शिष्य कल्याण सहितेन लिखितेयं शांतिः । गोलवच्छा गोत्रे साह गुण भार्या गउरादे पुत्र साह हरा भार्या कउतिगदे पुत्र साह हेमसी तत् भार्या पदमदे पुत्र साह श्रीपाल भ्रातृ सदारंग भ्रातृ साजणादि पठनार्थं लिखिता पुण्याय श्रीः ।

1138/7112 (6)पार्श्वनाथ दशभव विवाहलो

प्रारम्भ

॥६०॥ आर्द्रकुमार-वीवाहला ॥

॥ ढाल ॥

सरसति सामिणि करउं पसाउ,
मुझ मनि एक ऊमाहु लउए ।
धवल-बधि बहु लागउ ढउ,
गायसो जिणह जीराउग्रलउ ए ॥१॥

मूल चरित्र प्रभ केरउ पास,
भाविहि भवीयण साभलउ ए ।
सांभलतां हुइ पुण्य-प्रकाश,
देशउ भवंतर तेवनाउ ए ॥२॥

अन्त

॥ ढाल ऊलाला ॥

जीभ सहस मुखि होइ । कोडि वरस कवि होइ ॥१॥
लवलेस न जांणइ । मूरख किसिउं वखाणइ ॥२॥
मंत्रि पेथ इम बोलइ । अवर न कोई तम्हि तोलइ ॥३॥
तू माया तू तात । कहूं किसो परि वात ॥४॥
हू तोई पूरि प्रवाहिउ । तूम्मं सरणागति साहउ ॥५॥
करि देव पाराउ । जगि जीराउलि राउ ॥६॥
राखि राखि मइ सामी । तू परसाध पामी ॥७॥
कीधउ कवि(त्त) [वि]शाल । रुयउ नइ [र]सालो ॥८॥
पढतां गंणतां सिहि । आवि अवचल रिद्धि ॥९॥

पुष्पिका इति श्री पार्श्वनाथ दशभव वीवाहलु समाप्तू ।। ग्रंथा ग्रंथ २६५ ।।

1153/7017(2) भरत बाहुबलि-छंद

प्रारम्भ ।।६०।। श्री गुरुम्योनम: गाहा जाति चौसरां

संपति करण सदा सरसती सरग पयाल सुहवि सरसती ।
सुर रांणीं वांणीं सरसती, समरु साय सदा सरसती ।।१।।

।। दूहा ।।

साई सरसति समरु, सदा, आंणे ऊजम अंग ।
भरथ बाहूबलि बेवि भड, जुडचा सु भाखि सुजंग ।।२।।

अभंग आदि जिण आदि नृप चूरण अरीयण थाट ।
नगर अजोध्या तखत नित, प्रभु पालै निज पाट ।।३।।

भरत बाहूबलि आदि भणि शत इक पुत्र सकज्ज ।
आदि नृपति रै ऊपना, प्रतिपालक निज अज्ज ।।४।।

भाग वडे सुत भरथ नु रंगि दीधौ निज राज ।
भला सदा सुख भोगवै, साझै सगला साज ।।५।।

x x x

अन्त ।। कवित्त ।।

बाहूबलि बलवंत, साधु मोटो साचो सिद्ध ।
भल गुणल बुध भंडार, ध्यांन दरसण चारित निद्धि ।।
जगि अरि-दल जीति, इला अखीयात उबारी ।
संजमि क्रम सहरे, नवल परणीं सिद्धि नारी ।।
सुद्ध खेम साख पाठक प्रगट, लखिमी कीरति जस लयण ।
तसु सीस राज कर जोडतु, अचित्त सुद्धि चरणति प्रणम ।।१०३ ।

पुष्पिका इति श्री भरथ बाहूबल छंद समाप्तं । लिखतं पं० देवचंद बालरवाग्रांमे । श्रीरस्तू: कल्याणमस्तू । श्री श्री श्री ।

1162/7094(19) मृगापुत्र-संधि

प्रारम्भ

॥६०॥ पणमवि वीर जिणेसर पाया । जसु सेवइ सुर नर वर राया ॥
मियापुत्त हुं कहिसि चरित्त । संध बंधि सिमरस सु पवित्त ॥१॥

नयर सुग्रीव नाम सुप्रसिद्धउ । वाडी वन धन कणय समिद्धउ ॥
तच्छ सवल बलभद्द सुजांणं । राजा राज करइ वर आण ॥२॥

मिया नाम छइ तसु पटरांणी । वर रूपइं राय रंभ समाणी ॥
तास पुत्त गुण गण भंडारो । मियापुत्त इण नामि कुमारो ॥३॥

x x x

अन्त

देवा सुर किंनर नर ऋद्धि । पामइं ते नर सयल समृद्धि ॥
मियापुत्त मुनिवरह प्रवंध । भणइं गुणइं जे समरसु सिध ॥४४॥

इम करइ जे नर पंडिय जाग । संग छडवि ताग्इ अप्पाण ॥
परम मुनीसर जिम मियापुत्त । उगुणीसमय अज्झयणइं वुत्त ॥४५॥

ए प्रवंध उपसम रस भरीयु । [उ]रज्झयण हूंती उधरियु ॥
श्री जिनसमुद्रसूरीसर सीसइं । श्री **कल्याणतिलक** सु जगीसइं॥४६॥

पुष्पिका

इति **मियापुत्त रिसि संधि** समाप्तः । श्री शुभं भवतु ।
॥छ॥छ॥छ । लेखक पाठकयो शुभं भूयात् ॥छ॥

गुटके की पुष्पिका पत्राङ्क 289 पर

इति श्री सुवाहूरिषि संधि समाप्तं । संवत् १६३८ वर्षे माघ मासे कृष्ण पक्षे त्रितिया दिने, शुक्रवासरे । ली आगरा नगरे । ली अक्कबर जलालदीन राजे । श्री वृहत् खरतर गच्छे । श्री जिनचंद्रसूरि विद्यमान राजे । मंत्रीश्वर महिका पुस्तिका लिखापितं । आत्म हेतु । पंडित कपूरचंद लिखतं । श्री अर्गलापुरे ॥ श्रीः ॥

1174/7108(71) रत्नकेतु व्यापारी चौपई

प्रारम्भ

॥६०॥ श्री तीर्थ कृते नमः ॥

महावीर जिणवर नमुं प्रणमुं गणधर पाय ।
मन विंछित नामइ फलइ. दुरिय दूरियु लाइ ॥१॥

वलि प्रणमुं सदगुरु तणी, प्रणमुं सरसति माय ।
दान तणा फल गाइस्युं, मुझ नइ करऊ पसाय ॥२॥

दानइ महियल जस हवइ, दानइ नव निधि जोय ।
दान प्रभाव तणी इ कुरी, त्रिभुवन जे वसि होय ॥३॥

दान तणइ सुपसाउ लइ, पाम्या सुक्ख अनंत ।
रत्नकेत व्यापारी तणऊ तेह सुणऊ दृष्टांत ॥४॥

x x x

अन्त

सोलह सइ अडसठि समइ जाणीयइ, विहलपुरी मझार ।
संभवनाथ तणइ सुपसाउ लइ जोडचउ प्रबंध अपार ॥५६॥

वेशास सुदि पडिवा दिन सुभ तिथइ, कीयऊ प्रवंध रसाल ।
युग प्रधान जिनचंदसूरीसरू, नामइ सुख विशाल ॥६०॥

जिन संघ सूरि मुणीसर चिर जयऊ खरतर गछ सिणगार ।
वाचनाचारिज राजसार गणि, तास सीस अपार ॥६१॥

हेमधर्म्म सुगुरु सुपसाउ लइ, आणी हर्ष अपार ।
सुमतिमेरु मुनिए रिष गाईऊ, सुणतां सवि सुखकार ॥६२॥

पुष्पिका

इति श्री **रत्नकेत व्यापारी** दान उपरि चउपई समाप्ता । संवत् १६६९ वरषे फागुण सुदि एकमि दिने शुभव रे । वृहत् खरतर गछे युग प्रधान श्री जिनचन्द सूरि विजय राज्ये । वाचनाचार्य्य श्री राजसार गणि तत् शिष्य प्रवर हेमधर्म्म गणि तत् शिष्य प० सुमतिमेरु मुनि लीपी कृतं । श्री लाहोर नगरे गोलवच्छा गोत्रे सा० हेमसी तत् पुत्र रत्न सा० श्रीपाल पठनार्थं । श्री कल्याणमस्तु । शुभं भूयात् । ॥श्री॥छ॥ श्री॥

1208/6538 शालिभद्र रो सिलोको

प्रारम्भ

अथ **शालभद्र रो सिलोको** लिख्यतै ।

सरसति सांमण सामरूं सुखदाई । व्रधमांन सामी प्रणमुं वरदाई ॥
कुंवर सालभद्र रो सिलोको । कविजन नै कहितां सपजै सहुं थोको ॥१॥

राजग्रही नगरी जिन-धर्मं राजा । श्रैणक नांमै मोटो माहाराजा ।।
चेलणा रांणी चोखी पटरांणी । सीयल सनाहै साची सचीयांणी ।।२।।

मंत्रीस्वर कहियै अभैकुमारो । सगली सभा मै तेहिज सिरदारो ।।
सेठ गोभद्र नगरी मैं सोहै । भद्रा सेठाणी ते मन मोहै ।।३।।

सुख सेती रहतां कितरेके दिवसै । सुत शालभद्र जनम्यो सुभ दिवसै ।।
बहिन सुभद्रा वीरो रमावै, मनवारे कोडै माता हुलरावै ।।४।।

x x x

अन्त करमां री गांठ कटै रै भाई । करीयारी कमणा राखै नही काई ।।
अणसण कर ने आउखो पावै । सर्वाथं सिध वासा सुख पावै ।।१४२।।

माहाविदेहै मांनव भव लेसी । करणी कर आठै करम मैख देसी ।।
सुपसायै दांन सहु कारज सरसी । सालो बेनोई दोनु सिव वरसी ।।१४३।।

सालभद्र धनो साधु कहाया । प्रह समे उठे प्रणमु ते पाया ।।
गुण तिणां रो भवि जिन गाया । मन सुध समरयां मुगत द्यै माया ।।१४४।।

मुता माहजन मोटा मत धारी । देवीझर दीपै गांव गुणकारी ।।
मोटो मैहमाइ थांन विराजै । छाया तिणरी सुंछवि अधकी छाजै ।।१४५।।

संवत् १७८१सी वरसै । चौमास कीधो चित चुप हर्षे ।।
खेमकीरत रो साख सवइ । तिणरा संतानिक वाचक वरदाई ।।१४६।।

सौमहर्ष नामै श्रमण कहीजै । लक्ष्मीसमुद्र पाटै तस लहीजै ।।
गण कनकप्रिय गुर सुपसाया । गुण तिणरा **जेसिहा मुनि** गाया ।।१४७।।

पुष्पिका इति श्री **सालभद्रजीरो सिलोको** संपूर्ण । संवतू १८२२ ८ वैसाख सुद शनिवासरे । श्री श्री ।

1220/5737 सीताजीरी आलोयणा

प्रारम्भ **अथ सीताजी की आलोयणा** लिख्यते ।

।। दोहा ।।

सती न सीता सारिखी, रति न राम समान ।
जती न जंबू सारिखो, गती न मुगति सुथांन ।।१।।

सीताजी कूं रामजी, जब दीन्हौ वनवास ।
तब पूरब कृत करम कूं, याद करै अरदास ।।२।।

ढाल : अजित सयाने सजनी अजित सयाने तथा
विनय करीजै बाइ विनय करीजै एहनी देशी

सीताजी इम पाप आलोवे । अपणा अवगुण परगुण जोवै ।।
कबहुं धीरज कबहूं रोवै । कबहुं समता सनमुख होवै ।।१।।

* * *

अन्त

भव भव भमता पाप कमाया । त्रिविध २ कर सरब खमाया ।।
केवल राम सुग्यांनी साखै । भाव भलै अपणै मुख भाषै ।।११।।

नागोरी गच्छ नायक नीको । श्री रामसिंघजी सदगुरुजी को ।।
सीस कहावै कुशल सुग्यांनी । तिण आलोयण करीय सूध्यानी ।।१२ ।

।। दोहा ।।

पोत ढेर बड बीज कूं, कब लग गिणीयै ग्यांन ।।
पाप अडंता भव कीया, सो जांणै जग भांन ।।१।।

बहु विस्तार न मै कीयौ, अल्प मति मतिवांन ।
जुम कहिज्यौ विस्तारिकै बहू सुरति बुधवांन ।।२।।

जनम मरण को दूख माहा, चवदै लाख निगोद ।
नरक मांहि माहा वेदनां, सुर गति मांहि विनोद ।।३।।

नहि विवेक तिरजंच में, मनुख मांहि सहु वात ।
मुगति माहि सुख सासता, केवलकुशल कहात ।।४।।

पुष्पिका

इति श्री सीताजी की आलोयण । सर्व गाथा ९३

1245/7094 (14) हरिकेसी संधि

प्रारम्भ

।।६० । श्रीशांतिनाथाय नमः

पणमिय पासनाह चिंतामणि । मनि समरिय पउमावइ सामिणि ।।
हंरिकेसी रिसि चरित वखाणिसु । सगुरु पसाय बचेस आणिसु ।।१।।

समता रस नव रस संसार । रसिक विचारइ सु रस विचार ।।
जिण रस हंस परम रस पावइ । सो रस कहि किसु किसु न सुहावइ ।।२।।

x x x

अन्त

जय खरतर गछि जिनभद्र साखइं पद्ममेरु मुणिंद ।
तत्पट्टि मतिवर्द्धन गुरु मेरुतिलक, हुहो दया कलस गयंद ।।१४।।

श्री अमरमाणिक वाचकह जसु सिष्य बहु परिवार ।जय०
वर कनकसोम गणि ए रचिउ **वइराटह** ए वर नयर मझार ।।१५।।जय०

संवत सोल्ह चाल वरसइ सिद्ध कत्तीय मास ।
जिनचंद सूरि पसाउ लहि, हरिकेसी हो संबंध उल्लासि ।।१७।।जय०

जे भणहिं गुणहिं वखाणि वांचइ ए चरित रसाल ।
कहि **कनक मुनि** धन धन्नते फलइ अंगणि हो तिह सुख रसाल ।।१८।।

पुष्पिका

इति श्री **हरिकेसी चरित्रं** नव रसात्मकः संधिरिति ।। ।।छ।। श्रीरस्तु ।। कल्याणमस्तु ।। लेखक पाठकयोः शुभं भूयात् ।।छ।।श्री।।

1268/7110(2) मुनिपति चरित्र बालावबोध

प्रारम्भ

नमिऊण महाविरं चउव्विहाइसय संजुअं धीरं ।
मुणिवइ चरिअं वुच्छं सुसाहु गुणरयण पउहत्थं ।।१।।

x x x

एह भरत क्षेत्र हे मणिपतिका नगरी । तीणइ नगरी मनिपति राजा राज करइं । प्रजापालक । पृथ्वी भार्या । तेहनउ वेटउ मुणिवइ कुमार एकदा वली देखीनइ वैराग्य ऊपनउ । पुत्र राज्य स्थापी राजा दीक्षा लीधी । श्री धर्मघोषसूरि कन्हइ ग्रहण शिक्षा आसेवना शिक्षा लीधी ।

अन्त

ए श्री मणिपति चरित्र महाविस्तरि छइं पुण संक्षेपइ कहवराणउ । आपणी बुद्धिइ जाण करी कांई अधिकउ कांइ ओछउ बोलणउ हुइं, आपणा गरव लगइ बोलाणउ हइ ते खमज्यो ।।छ।।

यादृशं पुस्तके दृष्ट तादृशं लिखितं मया ।
यदि शुद्धमसुद्धं वा मम दोषो न दीयते ।

पुष्पिका — इति मुणिपति चरित्र समाप्तम् ।

पुष्पिका
पत्राङ्क 303 — ।।संवत् १५९४ वर्षे वैशाख वदि २ वार बुधे लिखितम् । शिवमस्तु । श्रीजिनमाणिक्यसूरिभिः राज्ये श्रीआचार्य श्रीकीर्त्तिरत्नसूरीश्वर श्री गुणरत्नसूरीश्वर शिष्य श्रीधर्मरंग्लसूरीश्वर श्रीलावनशील उपाध्याय श्रीकिल्याणचन्द्रोपाध्याय । वाचनाचार्य श्रीहर्षविशाल गणि तत्शिष्य वा. हर्षधर्मगणि शिष्य पुण्यमाणिक्य श्री संखवाल गोत्रे कोचर सन्ताने संघवी आपमल देपा । देपा पुत्र सा केल्हउ पुत्र सा. धन्ना पुत्र सा. निग्संघ पुत्र सा कुंरा पुत्र सा. नवा पुत्र चोला सुरताण नेता प्रमुख परिवार वाचनार्थम् ।

टिप्पणि : इस प्राचीन गुटके में समस्त कृतियाँ मेरुसुन्दरोपाध्याय की हैं । लेखन समय भी उनकी मृत्यु के लगभग ५० वर्ष के आस-पास होने से गुटके का महत्त्व और भी बढ जाता है ।

1295/6052(3) अड़सठ तीर्थ बृहत्स्तवन

प्रारम्भ — श्री सरस्वती नमः ।

पाली तिरथ परगडो, जिहां जिनवर बिंब अपार रे लाल ।
जुंनों तीरथ जांणीयै सिव सुख दायक श्रीकार रे लाल ।।
शांति जिणेसर सेवीयै ।।१।।

शांति जिणेसर सेवीयै, जिहां मूलनायक मन रंग रे लाल ।
पूजंता पुण्य ऊपजै, अवचल सुख थाय अभंग रे लाल ।।
शांति जिणेसर सेवीयै ।।२।।

भव सायर तरवा भणी अछै एहज भलो उपाय रे लाल ।
जिण बिंब दरसण जांणियै, नदी निर तरण जिम भावरे लाल ।।
शांति जिणेसर सेवीयै ।।३।।

जिन भुमै जिनवर तणी, प्रगट थया पंच कल्याण रे लाल ।
ते सिगला तीर्थ सहू पंडत नर करे प्रमांण रे लाल ।।
शांति जिणेसर सेवीयै ।।४।।

x x x

अन्त

स्वर्ग मृत्यु पाताल मै, जिणवरना बिबजि केवोरे ।
सासती ने असासती, वंदु हूं ते सवेवोरे ।।
शांति जिणेसर सेवीयै ।।२३।।

जव जितगी पिण जिण तणी, मुरत जे त्रिभुवण मांहरे ।
पण माटी वली धात मै, त्री करण प्रणमुं हूं तांहैरै ।
शांति जिणेसर सेवीयै ।।२४।।

।। कलश ।।

संवत वेद सु नैण मुनि ससि, पोस दसमी प्रमणीयो ।
अडसठ तीरथ जैण ईण विघ, लाभ मै अधिको लीयो ।।
उवझाय लखमी कीरत, अवचल सोमहरख सु सीसए ।
संथुण्यो पाली शांति जिणवर, जगत गुर जगदीस ए ।।२५।।

पुष्पिका

इति श्री अडसठ तीरथ बृद्ध स्तवन ।

1312/6491(4) वेष स्थापन सज्झाय

प्रारम्भ

श्री जिनवर रे देश नाटों सोहामणी ।
भवियण नेंरे भव सायर ऊतारणी ।।
ते जिनवर रे वें नय भाषे हिय घरी ।
निश्चय नयरे विवहार नय अधिको करी ।।१।।

।। त्रूटक ।।

. . . .

विवहार नय ते अधिक जाणी, हिई आणी मति वली ।
गृही वेषहूं तो कोन वंदें, जो थयो हुई केवली ।।
विवहार अधिको वीर भाखें, धर्म दाखें जीवनें ।
अन्याय करतां अवनि नेता, वारें दुर्जय लोकनें ।।२।।

x x x

अन्त

निंदें नहीं ऋषि वेष देखी, मुनि विना शासन नथी ।
एक सहस वरस सीम चाल्यो, बकुश धर्म कुशील थी ।।

सिद्धांत ना ए भाव दोहिला केवली विण कुण कहें ।
हंसभुवन सूरीश बोलें वीत-राग इणि परि कहें ॥१६॥

इति वेषस्थापन स्वाध्याय ।

1365/6130(1) ऋषभदेव-छन्द

प्रारम्भ श्रीगुरुभ्यो नमः ।

सकल रिद्ध संपत करण, गरूत्रो कुशल गणेश ।
वरदाइक वर दीजीयै, सारद देव सुरेस ॥१॥

गिर तरवर झंगर गैहर, खलक प्रघल जल खाल ।
कोइल मोर भींगोर कर, चातक सबद रसाल ॥२॥

वागड मध पन विराजीऊ, वडां पहाडां वीच ।
रिषभ देव महाराज रै, केसर हंदा कीच ॥३॥

सिद्ध साधक जोगी जती, आवै जात्र खलक ।
आदनाथ अपरमपरम, अद्भुत रूप अलख ॥४॥

x x x

अन्त ॥ कलस-कवित्त ॥

आदिनाथ जगदीस अजर अविगत अविनासी ।
सकल जोत संसार, भविक जन मन प्रतभासी ॥
पूजै नित प्रत पाय, उभै सेवक प्रभू आगै ।
चकेसरी सुरराय, जख गोमुख जग जागै ॥
देवाधि देव वंछित दीयण कलपवृछ चढती कला ।
राजरै दरस कविराज कहै, अमरलाभ वंछिम इला ॥

इति छंद सम्पूर्णम् । गोवर्द्धन हेतंवै ।

x x x

परिशिष्ट - २

'प' चिह्नित ग्रन्थों (गुटकों में) की संलग्नता में उपलब्ध लघु कृतियाँ

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	चन्दनबाला-सज्झाय	नयविजय शिष्य	1 ला
2	चन्दप्रभ-स्तवन	विजयरत्नसूरि	1 ला
3	शत्रुञ्जय-स्तवन	ज्ञानविमल	2 रा
4	मल्लिनाथ-स्तवन	—	,,
5	नेमि-राजमती-स्तवन	कविराय	,,
6-7	नेमि-राजुल स्तवन (द्वय)	जिनहर्ष; हंस	3 रा
8	हरिआली-सज्झाय	मेघचन्द	3-5
9	नेमिनाथ-स्तवन		,,
10	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	रूपविजय	,,
11	नमिराजर्षि-सज्झाय	समयसुन्दर	5वां
12	प्रसन्नचन्द सज्झाय	ऋद्धिहर्ष	,,
13	नेमिनाथ-स्तवन	कांतिविजय	5-7
14	धर्मनाथ-स्तवन	आनन्दघन	,,
15	पार्श्वनाथ-स्तवन	ज्ञानविमल	,,
16	दशार्णभद्र-सज्झाय	लालविजय	7वां
17	रात्रि भोजन-सज्झाय	कांतिविजय	8वां
18	ऋषभ-स्तवन	मोहनविजय	8वां
19	अजितनाथ-स्तवन	कांतिविजय	9वां
20	रहनेमि-राजमती-सज्झाय	हितविजय	,,
21	वासुपूज्य-स्तवन	यशोविजय	,,
22-23	ऋषभदेव लावणी एवं स्फुट सवैये	ऋषभदास	10वां
24	पार्श्वनाथ हुंडी-स्तवन	बुधविजय शिष्य हीरविजयसूरि	11-14
25	अष्टादश पापस्थान-सज्झाय	यशोविजय शिष्य नयविजय	14-25
26	दशवैकालिक सज्झाय (एक से नो अध्ययन)	वृद्धिविजय शिष्य लाभविजय	25-31

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)

2078/536 (1–7)

1-3	स्तवन पद संग्रह	आनन्दघन, समयसुन्दर, रूपचन्द; अज्ञात	खरड़ा
4	शत्रुंजय-स्तवन	नयविमल	,,
5	सिद्धिचक्र-स्तवन	ज्ञानविनोद	,,
6	शत्रुञ्जय-स्तवन	ज्ञानविमल	,,
7	चन्द्रप्रभ-स्तवन	जैत	,,

2079/5362 (1–5)

1	जिन पद	समयसुन्दर	,,
2	संभवनाथ-स्तवन	रूपचन्द	,,
3	चिंतामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	बनारसी	,,
4-5	सिद्धाचल-स्तवन (द्वय)	अज्ञात; जिनचन्द	,,

2082/5549 (3–15)

3-4	ऋषभनाथ-स्तवन (द्वय)	जसविजय; आनन्दघन	54-68
5	पंचमी लघुस्तवन	समयसुन्दर	
6	नवपद-स्तवन	अज्ञात	
7	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	
8	जीव प्रतिबोध-सज्झाय	सहजसुन्दर	59-64
9	पार्श्वनाथ-स्तवन	अज्ञात	
10	शत्रुंजय-स्तवन	वीरविजय	
11	सीमंधर-स्तवन	केशरविजय	64-68
12	समकित-सज्झाय	लब्धिविजय	
13	इलापुत्र-सज्झाय	,,	
14	पद	—	

2080/5542 (1–44)

1-5	प्रथमा, द्वितीया, पंचमी, अष्टमी, ऐकादशी-स्तवन	ऋषभदास, लब्धिविजय, ऋषभदास, नयविमल, हर्षगणि	1–2

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
6	द्वितीया-स्तवन	फतेन्द्रसागर शिष्य धीरसागर	2 रा
7	सज्झाय	लब्धिविजय	3 रा
8	पंचमी-स्तवन	लक्ष्मीविजय	3-4
9	सज्झाय	मानविजय शिष्य रूपविजय	
10	अष्टमीरी सज्झाय	सुमतिविजय	4-5
11	पर्युषण-स्तुति	मानविजय	
12	ऐकादशी-सज्झाय	उदयरत्न वाचक	
13-17	करकण्डू, रुक्मिणी. अरणिक, ऐलाकुंवर, दुमुह सज्झाय	समय सुन्दर, राजविजय रूपविजय, लब्धिविजय, समयसुन्दर	5-7
18-23	सामायिक, पर्युषण, क्रोध, माया, लोभ; प्रसन्नचन्द्र-सज्झाय	विद्यासागर, हंसमुनि भावसागर; ऋद्धि हर्ष	7-9 10-11
24	प्राणातिपात-सज्झाय	क्षमाकल्याण	10-11
25	नवपद चैत्यवन्दन	उदयरत्न, समयसुन्दर	
26-27	मान एवं जिनधर्म सज्झाय	साधुकीर्ति	12-13
28	ऋषभ-स्तवन		
29	चेतन-सज्झाय		
30	शांतिनाथ-स्तवन	रूपविजय	
31	महावीर चैत्य वंदन	पद्मविजय	
32	महावीर स्वामीरो पालणो	दीपविजय	13-14
33	चौवीस तीर्थङ्कर-स्तवन	आनन्द विजय	14-15 (र.का. 1551)
34	अष्टमी-स्तवन	कांतिविजय	15-17
35	सिद्धाचल चैत्यवंदन	फतेन्द्रसागर	
36	मेतार्य मुनि-सज्झाय	रूपविजय	
37	मौन एकादशी-स्तवन	कांतिविजय	17-20
38	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	प्रीतिविमल	20-22
39-42	ऋषभदेव, महावीर; ऋषभदेव, कुंथुनाथ स्तवन	पद्मविजय, यशोविजय; आनन्दघन	23-24 24-25
43-44	ऋषभदेव, अजितनाथ स्तवन		

2081/5545 (1-75)

1-5	वीर, ऋषभ चन्द्रप्रभ, गौड़ी पार्श्वनाथ, चिंतामणिपार्श्व-स्तवन	समयसुन्दर, आनन्दघन, जैत जिनचन्द्रसुरि, कनकमूर्ति	1-10

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
6–10	जेसलमेर पार्श्वनाथ, चिंतामणि-पार्श्वनाथ, शत्रुंजय, शांतिनाथ स्तवन; चिंतामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	सुखलाभ, धर्ममंदिर नयविमल, समयसुंदर जिनमहेन्द्र सूरि	11-19
11–16	मगसी पार्श्वस्तवन नेमिस्तवन, आदिनाथस्त०, नवलखा पार्श्वस्त०, मगसीपार्श्वस्त०, वीरस्तवन	जिनमहेन्द्र सूरि, चंद ऋषभदास, श्रीचंद दान, ज्ञानानंद	19-23
17	महावीर-स्तवन	रत्न सुंदर	23–27
18	सुमतिनाथ-लावणी	—	
19	नवपद स्तवन	क्षमाकल्याण	
20	चिंतामणि पार्श्वस्तवन	अभयचन्द	
21	दानादि पद	समयसुन्दर	
22	पार्श्वनाथ-स्तवन	—	28–33
23	लावणी	ऋषभदास	
24	ऋषभस्तवन	रत्नविजय	
25	मगसी पार्श्व स्तवन	लालचन्द	
26	विमलगिरि-स्तवन	जिनचन्दसूरि	
27–28	वीर स्तवन, श्रावकरी करनी सज्झा०;	भुवनकीर्ति, जिनहर्ष	33–40
29–30	शांतिस्तवन, नवपदस्तवन	समयसुन्दर, लालचन्द,	
31	पद	आनन्दघन	
32-34	नेमिस्त०, जिनस्त०, वीरस्तवन	अज्ञात, रूपचन्द, जिनचंद्रसूरि	40-46
35 36	पार्श्वस्तवन, तीर्थमाला-स्तवन	जिनलाभसूरि, समयसुंदर	
37-38	पार्श्वनाथ लावणी, पार्श्वनाथ पद	अज्ञात आनन्दघन	46-53
39–41	पद पार्श्वनाथ-स्तवन, लावणी	चेनविजय, समयसुंदर, जिनदास	
42–43	शंखेश्वर पार्श्व स्त०, अंतरीक पार्श्वस्तवन	जिनहर्ष, जिनमहेन्द्रसूरि	54–61
44-45	सिद्धाचल स्त० शांतिस्तवन	जिनचन्द्रसूरि, जिनमहेन्दसूरि	
46	बंबई चिन्तामणिपार्श्वस्तवन	,,	
47-49	केशरियाजी स्त०, पद, नेमिपद	मनरूप, गंगासरण, हरखचन्द	61–68
50-51	गौतमस्तवन, नवकारस्तवन	समयसुन्दर, जिनगुणसून्दर	
52	नवकार-स्तवन	पदमराज	
53	जेसलमेर चैत्य परिपाटी	जिनसुख सूरि	68–73
4-56	पद, वीरस्तवन, सिद्धाचल-स्तवन	रामदास, जिनचन्द्रसूरि, जिनमहेन्द्र	73-80

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
57-59	नेमिस्त०, नेमिपद, नेमिस्तवन	लालचन्द, अज्ञात, जिनदास	
60-61	शांतिनाथस्त०, मगसी पार्श्वलावणी	गुणसूरि, अज्ञात	80-89
62-64	लावणी, होरी पद, आदिनाथ-पद	जिनदास, अज्ञात, रूपचन्द	
65-66	मगसी पार्श्वस्त०, पार्श्वनाथ लावणी	अज्ञात जिनमहेन्द्रसूरि	89-95
67-68	,, ,, जिनप्रतिमा-स्तवन	जिनमहेन्द्रसूरि, ,,	
69-70	जिनपद	जिनचन्द्रसूरि, रूपचन्द	
73-75	पद, सोरठ की होली, पद	चतुर, खूबकुशल, चतुर	112-115

2083/5668 (1-25)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं०
1-2	जीवकायाप्रवोध-सज्झाय, सप्तव्यसन	धर्मसी, जैतसी,	1-4
3-4	आत्मप्रवोध स०, कर्म-सज्झाय	विजयदेव सूरि रिद्धिहर्ष	
5	आत्मानुशासन-गीत	लावण्यकीर्ति	
6-7	वैराग्य-सज्झाय काया गीत	राजसमुद्र रा. स.	4-7
8-9	ढ़ढणऋषि-सज्झाय चोपड स०	जिनहर्ष रत्नसागर	
10-11	अनाथी स० बाहुबलि-सज्झाय	समयसुन्दर, समयसुन्दर	
12-13	धन्ना स०, तम्वाकू स०,	श्रीदेव, श्रीसार	7-9
14-15	मेतार्य स०, पांचइन्द्रिय स०,	जिनहर्ष, जिनहर्ष	
16	सनत्कुमार-सज्झाय	जिनराजसूरि	
17-18	चार शरणा गीत, आत्मप्रवोध स०,	समयसुन्दर, विजयदेवसूरि	9-11
19-20	नंदिषेण स०, चेलणा स०	जिनराजसूरि, समयसुन्दर,	
21	अरणिक-सज्झाय	समयसुन्दर	
22	कृष्णपक्ष, शुक्लपक्ष-सज्झाय	हर्षकीर्तिसूरि	11-14
23	आत्महित-सज्झाय	समयसुन्दर	
24	सीता-सज्झाय	जिनहर्ष	
25	पापछत्तीसी	समयसुन्दर	

2084/5802 (1-2)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं०
1	वीस विहरमान जिन-स्तवन	धर्मवर्द्धन शिष्य विजयहर्ष	1-2 (र.का. 1720)
2	सेत्रावा मण्डन युगादिदेव-स्तवन	सूरचंद्र शिष्य वीर कलशगणि	2 (र.का. 1659)
3	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ स्तव गर्भित स्तम्भनक पार्श्वनाथ स्तोत्र	,,	2-3

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
4	नेमीनाथ-स्तवन	निलयसुन्दर शिष्य पदमहेम	3रा
5	सेत्रावा मंडन आदिनाथ एवं महावीर-स्तवन	पद्मराज शिष्य पुण्यसागर	3–4
6	सीमधरस्वामी-स्तवन	,,	4था
7	सेत्रावामंडन आदिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	5वां
8	शीतलनाथ-स्तवन	जयसोम	,,
9	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	सुमतिसिंधूर शिष्य मतिकीर्ति	5-6
10	अष्टोत्तरशत स्थाननाम पार्श्वनाथ-स्तवन	,	6-7 (र.का. 1713)
11	जेसलगिरि अष्ट जिणहर-स्तवन	कनककुमार शिष्य सुमतिसिंधूर	7 8 (र.का. 1716)
12	गणधर संख्या गर्भित चौवीस जिन-स्तवन	जयसोमोपाध्याय	8-9 (र.का. 1657)
13	आदिनाथ-स्तवन (द्वय)	,,	9-10 (र का 1657)
14	ऋषभदेव-स्तवन	महिमरंग	10 11 (र का. 1657)
15	वासुपूज्य-स्तवन	,	17वां (र.स्था बीकानेर)
16	पार्श्वनाथ-लघुस्तवन	धनराज पाठक	11-12
17	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	पद्मराज	12वां
18	शेरगढ ,, ,,	ज्ञानप्रमोद	,,
19-20	,, ,, ,,	लखमीचन्द, लक्ष्मीकीर्ति	,,
21	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन गर्भित-स्तम्भ पार्श्वनाथ लघु-स्तवन	सूरचन्द	,,
22	सेत्रावा मंडन आदिनाथ-स्तवन	लक्ष्मीचन्द	13वां
23	पार्श्वनाथ-स्तवन	लब्धिरत्न शिष्य धर्मसुन्दर	,,
24	,,	शिवसुन्दर	14वां
25	तिमरी एवं सेत्रावा पार्श्वनाथ-स्तवन	ज्ञानविशाल गणि गुणरंग शिष्य वाचक	,,
26	महावीरस्वामी-स्तवन	जयरंग शिष्य पुण्यकलश	15-16
27-29	तिमरी पार्श्व, पार्श्व-स्तवन (द्वय)	पदमसी, रत्ननिधान, रूपचन्द	
30-32	पार्श्व-स्तवन, फलवर्द्धि शांतिनाथ-स्तवन, फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	शिवसुन्दर, लावण्यसागर जिनचन्दसूरि	16वां ,,

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)

2085/6189 (1–24)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1-6	कुंथुनाथ स्तवन, आदिनाथ-स्तवन (द्वय)	साधुकीर्ति पुण्यसागर	1.5
	कुंथुनाथ स्तवन-सीमंधर-स्तवन	लब्धिरत्न शिष्य धर्मसुन्दर	
	मुलतांण मंडण पार्श्वनाथ-स्तवन	ज्ञान प्रमोद	
7-12	सेत्रावा मंडण आदिनाथ, पार्श्वनाथ-स्तवन, चैत्य प्रवाडि-स्तवन आदिनाथ स्तवन, महावीर-स्तवन जिन प्रतिमा-स्तवन	लब्धिकुंजर, शिवसुंदर, गुणरङ्ग, श्रीसार, चारित्र्यसिंह समयराज	5-9
13-18	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन, आगम जिन-स्तवन बूँदीपुर वर्द्धमान-स्तवन समेतशिखर-स्तवन	गुणरङ्ग (13-15) धर्मरत्न	10-13
	नाकोड़ा पार्श्वनाथ स्तवन महावीर-स्तवन	गुणकुशल, साधुकीर्ति	
19-24	अठावीसलब्धि स्तवन शत्रुंजय स्त० सहस्रकूट-स्तवन श्रेयांसजिन-स्तवन, ऋषभदेव स्तवन, अर्बुदाचल बिंबसंख्या-स्तवन	धर्मवर्द्धन जिनसुखसूरि रामविजयोपाध्याय जिनलाभसूरि जिनलाभ सूरि, रामविजय	13-16

2086/6429 (1–26)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1.12	पार्श्वनाथ घग्घरनिसाणी, प्रभाती-स्तवन, आठ पद, आदीश्वर-स्तवन; विमलाचल-स्तवन	जिनहर्ष, समयसुंदर, ज्ञानविमल, रूपचन्द, आनन्द	1-3
	नवकार-स्तवन, पार्श्वनाथ-स्तवन	देवचन्द्र, चेनविजय, खुशालचन्द, शांतिविजय,	
13.32	पद, नवकार गुण-स्तवन, महावीर-स्तवन. पद चार, पार्श्वनाथ-स्तवन चिंतामणि ,, ,,	पद्मराज, समयसुन्दर जिनसमुद्रसूरि, लब्धि, जिनचंद्र सूरि जिनमहेन्द्रसूरि, समयसुन्दर, जिनराजसूरि, जिनरंगसूरि, आनन्दघन	3-4
23.26	गौतम स्वामी-स्तवन, पंचतीर्थ-स्तवन, प्रभाती-स्तवन, साधुवंदना	समयसुन्दर, लावण्यसमय जिनचंदसूरि	5-6

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
	2087/6441 (1-17)		
1-10	जिनकुशलसूरि-भास. जिनदत्त-सूरि-गीत, कुशलसूरि-गीत (छह) जिनदत्तसूरि-गीत (दो)	जयसागर, लाभोदय, जिनरंगसूरि, पुण्यशील, गूजर, जिनचंदसूरि, सुमतिरंग, जिनोदयसूरि, जयचंद	1-7
11-17	नेमिनाथ-गीत (दो), पार्श्वस्तवन (तीन), कक्कावत्तीसी, ज्ञानपच्चीसी	जिनभक्तिसूरि, पद्मराज, रत्नसागर, जिनभक्तिसूरि, जिनलाभसूरि, अज्ञात, अज्ञात,	7-12
	2088/6663 (1–48)		
1-6	द्रोपदी-सज्झाय, धर्मसज्झाय ढूंढक-कवित्त धन्नासज्झाय गौतमाष्टक, नंदिषेण-सज्झाय	लावण्यसमय, लालविजय	1-3
7-9	सनत्कुमार-सज्झाय, नंदिषेण-सज्झाय, ढूंढ़क-कवित	मुनिखेम	3-4
12-23	जिनपद-संग्रह	पदम, नवल, लालचन्द कमलनयन, दोलत, आनन्दराम, सेवाराम, हरखचन्द, रामदास, एकचन्द, आनन्दविजय	9-10
24-28	,, ,,	करमसिंह, रूपचन्द, किसनगुलाब, रूपचन्द, रतन	10वां
29-35	ऋषभस्तवन (द्वय), अजित-स्तवन, लोद्रवा पार्श्व-स्तवन, महावीर-स्तवन पार्श्व-स्तवन	सुविधिविजय, यशोविजय, पद्मविजय	11-13
36-41	शांतिनाथ-स्तवन, चन्द्रप्रभ-स्तवन, भांडासर सुमतिनाथ-स्तवन, ऋषभ-स्तवन	मोहनविजय, आनन्दघन सुविधिविजय, विनीतसागर,	13-14

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
	पार्श्व-स्तवन, सिद्धाचल-स्तवन,	पद्मविजय	
42·48	सुमतिनाथ·स्त०, ऋषभ-स्त०, मगसी-पार्श्व-स्त०, महावीर·स्त०, राणकपुर-स्त० वरकाणा पार्श्व स्त०, चन्द्रप्रभ-स्तवन	हरखचन्द, जिनजन्द्रसूरि, ज्ञानचंद संडेरागच्छ, जिनभक्तिसूरि	14-16

2089/6965 (1-13)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1-9	पंचमअंग·सज्झाय, जिनपद, नंदीसूत्र-सज्झाय, महावीर-स्तवन, वीर देशना-स्तवन, गहूंली (तीन)	शिवचन्द पाठक विद्यारंग, पाठक शिवचन्द	1-7
10-12	देशना-स्तवन, जिनमुक्तिसूरि·भास	शिवचन्द पाठक	7-9
13	गौतम-स्तवन	रत्नविजय	९वां

2090/6991 (1-283)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1-5	नेमिनाथ पद, सिद्धाचल-स्तवन, शत्रुञ्जय-स्त०, केशरियानाथ-स्त०; लोद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	चैनविजय, जिनचन्द्रसूरि उदयरत्न, रामचन्द्र जिनचन्द्रसूरि	1-2
6-10	सूव्रत मुनि-स्तवन, गौडी पार्श्व-स्त०, ऋषभदेवजीरी लावणी, धर्मस्वाध्याय पार्श्व-स्तवन	लाल शिष्य महिमचन्द रोडुगुरु, चारुदत्त वाचक, जगरूप	2-5
11-15	शत्रुञ्जय·स्तवन, धन्नाशालिभद्र-सज्झाय, काकंदी धन्ना-सज्झाय, पार्श्वनाथ-पद आदीश्वर बाललीला-स्तवन,	समयसुन्दर, जिनलाभ सूरि, रतन स्वामी	5-7
16 20	पंचमीतप स्तवन, वृहत् एवं लघु, सीता-सज्झाय, नवकारगुण-स्तवन, गौतम स्वामी-स्तवन	समयसुन्दर जिनहर्ष, लावण्यसमय	7-10
21-25	महावीर स्त०, अठाईस लब्धि-स्त०, सिद्धाचल-स्त०, नवपद-स्त०, ,, ,,	समयसुन्दर, धर्मवर्द्धन जिनचन्द्रसूरि, धर्मसी	10-12

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
26-30	सिद्धाचल स्तवन, विमलाचल-स्तवन	जयशेखर, जिनमहेन्द्रसूरि	12-14
	गौड़ी पार्श्व-स्त०, गिरनार नेमिनाथ-स्तवन,	कीर्तिसागर, ,,	(र.का. 1893)
	,,	बालचन्द	
31-35	समेतशिखर-स्त०, चौबीसदण्डक-स्त०,	जिनमहेन्द्रसूरि, धर्मवर्द्धन	14-20
	आदिनाथ-स्तवन, चौदहगुणस्थानक-स्तवन,	विजयतिलक, ,,	(र.का. 1899)
	उपधान-स्तवन	समयसुन्दर	
36-40	अरणिकमुनि-सज्झाय, मौनेकादशी-स्तवन,	,,	20-23
	चौरासी आशातना-स्त०, गौडीपार्श्व-स्तवन,	धर्मवर्द्धन, समयरङ्ग,	
	सीमंधर-स्तवन	भक्तिलाभ	
41-45	राणकपुर-स्तवन, लौद्रवापार्श्वनाथ-स्तवन,	समयसुन्दर, जिनलाभसूरि	23-25
	गौडी पार्श्वनाथ-स्त०, निन्दा-सज्झाय,	जिनभक्तिसूरि, समयसुन्दर	(र.का.1870)
	मनभमरा-सज्झाय	महम्मद	
46-50	आरतीमंगल, सोलहसती-छन्द,	उदयरत्न	25-28
	शील-सज्झाय, गौतमस्वामी-स्तवन,	लावण्यसमय	
	समवसरण-स्तवन	धर्मवर्द्धन	
51-55	मुंहपत्ति पडिलेहण स्तवन, वीर-विहरमान स्तवन,	लक्ष्मीवल्लभ, धर्मवर्द्धन,	28-32
	जीव समझावण-सज्झाय, सात व्य-सन सज्झाय, कर्म सज्झाय	जयरंग, ऋद्धिहर्ष	
56-59	पंचेन्द्री-सज्झाय, ढ़ंढण ऋषि-सज्झाय,	जिनहर्ष	32-35
	आदिनाथ वृहत् स्तवन, महावीर-तपस्या निर्णय-स्तवन,	कमलहर्ष	
60-62	जिनपद, शत्रुञ्जय गिरनार-स्तवन,	क्षमाकल्याण, ज्ञानविमल	1ला
	भैरव गीत	माणक भोजक	
64	चौबीस जिन-स्तवन	जयसागरोपाध्याय	8-9
65	गौतमपृच्छा-स्तवन	जयरङ्ग	10-13
66	षट् आरामान-स्तवन	देवीदास द्विज	13-16

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
67-68	पार्श्वजिन-स्तवन, आत्मप्रबोध-सज्झाय	मुनि वस्ता, पद्मतिलक	16-17
70-74	मोह वैराग्य-स्तवन, सीमंधर-स्तवन, पार्श्वजिन-स्तवन, शील सज्भाय, आदिनाथ-विनती,	मनोहरविजय, जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभसूरि, राजसिंह उत्तमचन्द शिष्य कक्कसूरि, धर्मसी	22-27
75-79	ऋषभदेवजीरी लावणी, बाहुबलि सज्झाय, तेसठ शलाका पुरुष स्तवन, वैराग्य सज्झाय; पंचासरा पार्श्व स्तवन,	मूलचन्द, समयसुन्दर मुनि वस्ता, राजसमुद्र, पद्मविजय	27-30
80-85	राजुलगीत, पार्श्वपद, जिनपद, पार्श्वपद, पार्श्व-स्तवन, धुलेवा-ऋषभ पद.	ज्ञानविमल, कल्याण, भूधर, रूपचन्द, जिनचन्द्रसूरि, ऋषभदास	30-31
86-91	अवंती पार्श्वपद, जिनपद. (द्वय), नेमीनाथ-स्तवन, पद, नेमिराजुल-गीत	नवल, मोहनविजय राज कांतिविजय	31-32
92-96	जिनपद, पावापुरी-स्तवन, पार्श्वपद, जिनपद, चेतनपद	रूपचन्द, नवल, रंग, रूपचन्द, रूपचन्द	32-33
97-100	उपदेशपद, पार्श्वपद, जिनपद, जिनपद	रूपचन्द, शिवचन्द, राजसिंह	33वां
101-105	जिनपद, ऋषभदेवपद, समेतशिखर-स्तवन, नेमिनाथ-पद (द्वय)	कनकमूर्ति, हर्षचन्द्र, रूपचन्द	33-34
106-110	पद (द्वय), राजुलगीत, जिनपद (द्वय)	गोरख	34-35
111-115	समेतशिखर-स्तवन, होरी-पद, नेमिनाथ पद, (द्वय),	क्षमाकल्याण चंद	35-36
116-120	ऋषभपद, अभिनन्दन पद, पार्श्वपद, जिनपद, वीरपद	जिनचन्द्रसूरि, उदयरत्न, आनन्दघन, रतन	36वां
121-125	जिनपद (त्रय), चेतनपद, नेमिराजुल-गीत	आनन्दघन, कुशलराय प्रेमचन्द	37वां
126-130	समेतशिखर-स्तवन, उपदेश पद, पार्श्वछन्द, नेमिराजुल-गीत शंखेश्वर पार्श्व-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि, प्रेमचन्द, खुशालचन्द, रूपचन्द, मोहनविजय	37-39

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
131·135	नेमिराजुल-पद, कृष्णपद (त्रय), गौड़ी पार्श्वनाथ स्तवन,	ज्ञानसागर, सूरदास क्षमाकल्याण	39वां
136·140	,, ,, ऋषभदेवछन्द, जिनचन्द्रसूरि गहुंली (द्वय) महावीर·स्तवन	जिनचन्द्रसूरि, कविराज कविराज जिनलाभसूरि	39-42 (र.का. 1852)
141·145	आदिनाथ स्तवन, लौद्रवा-पार्श्वनाथ-स्तवन, पार्श्वनाथ-स्तवन (त्रय)	जिनचन्द्रसूरि वसता मुनि	42-44
146-150	शांतिनाथ स्त. पार्श्व स्त. (द्वय) श्रावक ग्यारह प्रतिमा-स्तवन गौडी पार्श्व स्तवन	जिनचन्द्रसूरि, मुनि वसता जिनहर्ष	44-46
151-155	महावीर-स्तवन, शील सज्झाय, अयमत्ता-सज्झाय, शीतलनाथ-स्तवन, जीरण सेठ-सज्झाय	राज. उदयरत्न, लक्ष्मीरत्न, समयसुन्दर	46-50
156-160	नेमिनाथ-स्तवन, जिनकुशलसूरि गीत, शत्रुञ्जय-स्त०, पार्श्वनाथ-स्त०, चिंतामणि पार्श्व-स्तवन,	प्रणामसागर, राज जैतसी हीरविजय, रंगविजय शिष्य उदयसौभाग्य	50 51
161-165	युगमंधर-स्तवन, जिनलाभसूरि-भास (द्वय) जिनलाभसूरि-वधावो, नवकार गुण पच्चीसी	जीतविजय, राजकरण, नैणीपाठक राज आनन्दनिधान	51 54 (र.का. 1730)
166-169	सामायिक फल-स्त०, चैत्यवंदन·फल-स्तवन, शीलसज्झाय, जिनपद	विद्यासागर, मान कवि करण, कवि रोड	54-55
170 175	प्रभाती·स्तवन, सुविधनाथ-पद जिनपद (द्वय) शांतिपद, जिनपद	जिनचन्द्रसूरि, रूपचन्द, रूपचन्द, जिनलाभसूरि, दीपचन्द	56वां
176-180	चिंतामणि पार्श्वनाथ पद, ऋषभदेवपद (द्वय), उपदेशपद	समयसुन्दर टोडर, जिनसमुद्रसूरि, जिनचन्द्रसूरि	56-57
181·185	ऋषभदेव पद, पार्श्वनाथ पद, ऋषभदेवगीत, आदिनाथ पद, शांतिनाथ पद,	जिनराजसूरि, आनन्दघन साधुकीर्ति, समयसुन्दर	57-58

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
186-190	पार्श्वनाथ-पद ऋषभदेव पद, उपदेशपद (द्वय) वीर-स्तवन,	चन्द, मतिधीर, जिनराजसूरि, बनारसी, जिनचन्द	58वां
191-195	बधाईपद, ऋषभदेवगीत, प्रभाती-स्तवन	नंदलाल समयसुन्दर	59-60
	तीर्थावली-स्तवन, गौतमाष्टक	समयसुन्दर, ,,	
196-200	विमलाचल स्त०, अष्टापद-स्त०, चौवीस जिन नवपद स्त०, गोड़ी-पार्श्व-पद,	कांतिविजय, समयसुन्दर, अयुतधर्म, जिनचन्द्रसूरि,	60-61
	उपदेशपद	समयसुन्दर	
201 205	ऋषभदेवपद, आदिनाथ-पद, वीसथानक स्त०, आगमसंख्या गर्भित वीर-स्तवन, शास्वती	जिनहर्षसूरि, मुनि वसता, धर्मसी,	61-65
	जिन प्रतिमा-स्तवन	समयसुन्दर	
206-210	ऋषभदेव-स्त०, नारी सज्झाय, सोलह स्वप्न स्तवन, जेसलमेर-अष्टप्रसाद जिन प्रतिमा-स्त०, लोद्रवा पार्श्व-स्तवन.	लालचन्द, उदयरत्न. (र का. 1771) जिनसुखसूरि, जिनलाभसूरि (र.का.1817)	65-71
211	एकादशाङ्ग-सज्झाय	विनयचन्द्र शिष्य ज्ञानतिलक	72-77
212	सीमन्धर स्वामीजी की फरदी (पत्र)	गुमास्ता जीवा	77-81
213-217	नवपद-स्तवन, नवपदभास,	केसरीचन्द	81-84
	जिनमहेन्द्रसूरि वधावो,	,, (र का 1895)	
	,, देशनाभास,	,,	
	भगवतीसूत्र-सज्झाय	क्षमाकल्याण	
218	सामायिक बत्तीस दोष निवारण सज्झाय,	गुणरङ्ग शिष्य प्रमोदमाणिक्य	84-85
219-220	पार्श्वनाथ-स्तवन नेमि-राजमती स्तवन,	चरणप्रमोद शिष्य	86वां
221-225	दादाजी-स्तवनादि,	जिनलाभसूरि, जिनराजसूरि, जिनभक्तिसूरि, गुणविनय, जिनरंगसूरि	87वां
226-230	जिनकुशलसूरि-स्तवनादि	गूजर, लालचंद, कनककीर्ति महिमराज, हीरराज	87-88

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
231-235	जिनकुशलसूरि-स्तवनादि	चारित्रसुन्दर, चंद जिनभक्तिसूरि समयसुन्दर, जिनलाभसूरि	88-89
236-240	,, ,,	जिनभक्तिसूरि, उदयहर्ष, मुनि वसता, चंद वाचक	89-90
241-245	,, ,,	समयसुन्दर, राजसमुद्र, जिनचन्द्रसूरि, समयसुदंर, चारित्र्यसुदंर	90-91
246-250	,, ,,	जिनचन्द्रसूरि, जिनभक्तिसूरि, राजसमुद्र तत्त्वसुन्दर (र.का. 1769)	91-92
253	,, छन्द	विजयसिंह शिष्य सोमसुन्दर	93-95
254-255	,, ,, एवं गीत	धर्मसी, वाचक पुण्यशील	95वां
256-259	जिनदत्तसूरि-गीत एवं सवैया	राजहर्ष, भुवनकीर्ति, पुण्यप्राणंद, धर्मसी	95-96
260-262	जिनकुशलसूरि गीत, जिनदत्त-सूरि सवैया, ,, ,,	धर्मसी, जयरंग, जयसागर	96-97
263	युगप्रधान जिनचंदसूरि-गीत	रत्ननिधान	97-98
264 267	जिनकुशलसूरि-गीत	राज, कविराजिद, पुण्यनिधान जिनचंद्रसूरि,	98वां
268	,, छंद	कविराज	98-100
269	,,	कुम्भ शिष्य आनंद हंसवाचक	100वां
270	,, पाड़गतिछंद	हर्षहंस	101वां
271-276	,, गीत एवं सवैया	सुखवर्द्धन, गुणविजय, जयरत्न, भावसागर, राज, धर्मसी	101-102
282	पार्श्वनाथ दशभव स्तवन	आणंदोदय शिष्य जिनतिलकसूरि	118-119
283	सामायिक-सज्झाय, साधु सतावीस गुण सज्झाय	कमलविजय शिष्य, जगवल्लभ	119 120

2091/6993 (5-43)

5-8	अजित शांति-स्तवन, सीमंधर स्तवन पंचमी बृहत्-स्तवन, शीतलनाथ-स्त०	मेरुनन्दन, भक्तिलाभ समयसुन्दर	27-32

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्रांङ्क)
9-13	आलोयणा-स्तवन, वीर स्तवन, चिंतामणि पार्श्व-स्तवन, पार्श्वस्तवन (द्वय)	समयसुन्दर, जिनचन्द्रसूरि, राजहर्ष, जैतसी	33-37
14-17	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन, नाकोड़ा-पार्श्व स्तवन, स्तम्भन पार्श्व चौसालो, गोडीपार्श्व-स्त.	रंगविजय, समयसुन्दर, जिनराजसूरि	37-39
18	स्तुति सग्रह (५)		40.41
19-24	पार्श्वनाथ-स्तवन (द्वय) चौवीस तीर्थङ्कर सोलह सती नाम, गोडी पार्श्व-स्त०, (द्वय) पार्श्व-स्त०,	यशोवर्द्धन, धर्मसी, सिद्धिविजय शिष्य महिमराज कानजीशिष्य, जिनसुखसूरि	42.44
25-28	चन्द्रप्रभ स्त०, गोडी पार्श्व स्त०, जिनदत्तसूरि-गीत	जीवण, जिनहर्ष, भुवनकीर्ति, राजहर्ष	45-47
29-31	शांतिनाथ-स्त०, राणकपुर-स्तवन, स्तम्भन पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर कुशललाभ	47-53
35	सीता-सज्झाय	जिनहर्ष	69वां
36	वीसी	जिनराजसुरि	69-72
37-40	अनाथी-सज्झाय, श्रावकगुण-सज्झाय स्थूलिभद्र-सज्झाय, कृष्ण-बलभद्र-सज्झाय	रामविजय, समयसुन्दर लालचन्द सारंगधर	73-79
41.43	धन्ना सज्झाय, जिनकुशलसूरि-छन्द, पार्श्वनाथ-छन्द	साधुकीर्ति, धर्मसी	79 85

2092/6998 (1–137)

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्रांङ्क)
1-4	जैतारण विमलनाथ-स्त०, फलवद्धि पार्श्व-स्त०, थंभण पार्श्वनाथ चोसालो, मौन एकादशी स्त०,	हर्षकुशल, जिनहर्षसुरि, जिनलब्धिसूरि	1-7
5-8	नेमि राजुल बारहमासा, गीत, वीर-स्तवन, शृंगारिक सवैया	लाभोदय, आणंदनिधान गणि समयसुन्दर	7.10 (र का. 1689)
9 13	जंबसज्झाय, सनत्कुमारगीत, नेमि-राजमती गीत, सीमधर-स्तवन, अमीझरा पार्श्व स्तवन,	हर्षकुशल गणि, अमरसी उपाध्याय, भक्तिलाभ सिद्धिविजय	11-14

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
14-18	शंखेश्वर पार्श्व स्तवन, वरकाणा पार्श्व-स्तवन, बाहुबलि-सज्झाय, सामायिक-स्तवन	जिनहर्षसूरि, जिनहर्षसूरि जिनलब्धिसूरि, समयसुन्दर ,,	15-20
19-24	आदिनाथ-स्तवन, तिंवरी पार्श्व-स्तवन, सीमंधर स्त०, जैतारण दादाजी-गीत, उपदेशी-गीत, पारसी शायरी आदि	ऋद्धिहर्ष, ज्ञानकुशल हर्षकुशल, जिनहर्षसूरि	21-25
27	जिनकुशलसूरि-गीत	लक्ष्मीरत्न	29वां
29-32	अजमेर जिनदत्तसूरि-गीत महावीर-स्तवन, पार्श्व-गीत, नेमिनाथ-गीत	सोहगसुन्दर, लक्ष्मीरत्न,	33-34
33-37	गौतमस्वामी-स्तवन, जिनकुशल-सूरि गीत, पार्श्वनाथ-स्तवन, सुभाषित पद्य दूहा, जिनकुशलसूरि-गीत	जयसागरोपाध्याय पाठक पुण्यविजय, हर्षकुशल	35-39
38-42	सोजत पार्श्वनाथ-स्तवन, जिनकुशलसूरि-स्तवन, मंडोर पार्श्व-स्तवन, तिमरी पार्श्व-स्तवन, परनारी त्याग सज्झाय	शांतिकुशल, साधुकीर्ति, पुण्यविजय, ज्ञानोदय, खेतसी	40-42
43-44	स्वयम्भू पार्श्व-स्तवन, धन्ना-सज्झाय	हर्षकुशल, श्रीदेव	43-44
48-50	गवड़ी पार्श्व-स्त०, धर्म-सज्झाय कापरड़ा पार्श्व-स्तवन	जसहर्ष, समयसुन्दर लक्ष्मीरत्न पाठक	51-52
51-54	अजित शांति-स्तवन, नेमि-राजुल बारहमासो, वैराग्यगीत, पार्श्वनाथ पद	मेरुनन्दनोपाध्याय, जिनहर्ष, राजसमुद्र जगरूप	52-56
55-59	कापरड़ा पार्श्वनाथ वृद्ध-स्तवन नेमि-राजमती-गीत, चामुण्डादेवी-गीत,	लक्ष्मीरत्न पाठक यशकुशल,	57-60
60-62	पार्श्वनाथ स्तवन, लोकगीत	सुमतिहंस	60-62

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
	नेमि-राजुल-बारहमासो	जिनहर्ष,	
	पार्श्वनाथ-स्तवन, चतुर्विंशति जिन-स्तवन	जगरूप, आनन्दनिधान	
65-66	स्थूलिभद्र-लूअर-गीत	जिनलब्धिसूरि,	64·65
	नेमि-राजमती-सज्झाय	आनन्दनिधान	
68·72	पार्श्वनाथ-स्त०, नवकार मंत्र गीत	हर्षकुशल,	66-69
	श्रीपूज्य-गीत, नेमिनाथ-गीत (द्वय)	कीर्तिवर्द्धन, भैरव, हर्षकुशल	
73	वींजड़साह-गीत		69वां
74-75	शत्रुञ्जय-स्तवन, कायागीत	कीर्तिवर्द्धन, रंग	69·70
77-81	नेमिनाथ-चोमासो,	मनसुन्दर,	72·76
	नेमि-राजुल-बारहमासो,	जिनहर्ष,	
	नेमि-राजमती गीत,	रुचिरविमल,	
	शंखेश्वर पार्श्व-स्तवन,	शांतिविजय,	
	मनभंवरा-सज्झाय	महम्मद	
83-85	पार्श्वनाथ-स्तवन,	यशोवर्द्धन,	81·82
	पार्श्वनाथ-स्तुति (द्वय)	जिनहर्षसूरि	
87	शत्रुञ्जय-स्तवन	नयविमल	85वां
90·91	शांतिनाथ-स्तवन, प्रेमदूहा	गुणसागरसूरि	86·88
95·96	पार्श्वनाथ-स्तवन,	जिनहर्षसूरि	95·98
	जिनकुशलसूरि-गीत	,, [पत्राङ्क 96-98 पर सुभाषित दूहा, श्लोक, गोरखनाथ संध्या है]	
97-100	श्रावक इकवीस गुण सज्झाय,	समयसुन्दर,	98-102
	शालिभद्र-सज्झाय,	हर्षकुशल,	
	करकंडू-सज्झाय, गौतम-स्तवन	समयसुन्दर, लावण्यसमय	
101-104	राणकपुर-स्तवन, जिनकुशल-सूरि गीत	समयसुन्दर, जिनलब्धिसूरि,	103-105
	कापरड़ा पार्श्व-स्तवन, जीवों के भेद एवं 84 लाख विमानों की विगत	हर्षकुशल	
105-108	ढंढण ऋषि-सज्झाय, गोड़ी-पार्श्वनाथ-स्तवन, सुभाषित श्लोकादि,	जिनहर्ष, हर्षकुशल,	105-108

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
	वीरसेन-गीत	विनयचन्द्र कवि	
112-116	इलापुत्र-सज्झाय, स्थूलिभद्रगीत, पार्श्वनाथ-स्तवन, चिंतामणि-पार्श्व-स्तवन,	लब्धिविजय, समयसुन्दर सिद्धीविजय, समयसुन्दर	110-113
	वामणवाड वीर-स्तवन, नंदीश्वर-स्तवन	कमलकलशसूरि शिष्य	
118-119	उपदेशपद, अंतरीक पार्श्व स्त०	भैरवदास, कनकसिंह	118वां
120-125	चौवीस जिन स्त०, बदनोरमंडन आदिनाथ-स्तवन, गौड़ीपार्श्व-स्तवन,	समयसुन्दर, सुमतिहंस गणि यशोवर्द्धन, रत्नवल्लभ,	123-125
	ऋषभ-स्तवन, शंखेश्वर-पार्श्व-स्तवन,	मान, जिनहर्ष	
	पार्श्वनाथ गीत,	जयवाजक	
126-127	पार्श्वनाथ-स्तवन, फलवर्द्धि-पार्श्व-स्तवन	यशोवर्द्धन, जिनलब्धिसूरि	126-127
130-135	वैराग्यपद, पार्श्वनाथ-स्तवन, चन्दप्रभ-गीत	हर्षकुशल,	134-136
	शील-सज्झाय, पार्श्वनाथ-गीत	जिनहर्ष,	
	नेमि-राजमती-गीत,	रत्नसागरसूरि	
137	जिनदत्तसूरि, जिनकुशल-सूरि गीत	आनन्दनिधान	142वां

2093/6999 (5-34)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
5-10	पद-संग्रह	रामदास, समयसुन्दर; ज्ञानसार, जिनहर्षसूरि; रत्नसुन्दर पाठक	44-47
12-17	पार्श्वनाथ-पद (द्वय), नेमिनाथ-पद,	अनोप, आनन्द सुमति	48-50
	चिंतामणि पार्श्वनाथ-स्तवन, पार्श्व-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि, रूपचन्द,	
	ऋषभदेव-स्तवन	जिनहर्षसूरि	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
18-23	सहसफणा पार्श्व-स्तवन, पार्श्वपद, समेतशिखर पार्श्व स्त०, एवं पद, नेमिनाथ-पद, नवपद-स्तवन	कीर्तिसागर, सुगुणकुशल, जिनमहेन्द्रसूरि, नवल, कीर्तिसागर	50-53
26-30	पद (द्वय), पार्श्वपद, पद, नेमिनाथ पद	वृद्धिकुशल, लाल, कुशलचंद	59-60
32-34	जिनप्रतिमा-स्तवन, तीउमंत्र, समेतशिखर-स्तवन	लाधो ऋद्धिहर्ष	93-95

2094/7000 (4-250)

4	दशार्णभद्र-स्वाध्याय	लालविजय शिष्य शुभविजय	8-9
5	आदिनाथ-स्तवन	विनयविजय शिष्य कीर्तिविजय	10-11
6	अन्तरीक पार्श्वनाथ-स्तवन (अपूर्ण)		12-14 पत्रांक 15वां अप्राप्त
8-12	आदिनाथ-स्त०, पार्श्वनाथ-स्त०, जुवटा-सज्झाय, नवकार-स्तवन पद	उत्तमसागर, जसवर्द्धन, आणंद ज्ञानविमलसूरि	26-31
13-18	पद (छह)	रूपचन्द	32-33
19-24	ऋषभपद, पार्श्वपद, केशरिया-नाथपद, पार्श्वपद, नेमिपद	लाभसागर, आनन्द वर्द्धन, आणंदविजय, ऋषभविजय, चन्द्रविजय	33-34
25-30	गौड़ीपार्श्वपद, पद, पार्श्वपद, नेमिनाथपद, पद, नेमिनाथपद	माणिकसागर, नयबिमल, गुणविजय, शिवरत्न, रूपचन्द, जैराम	35-36
31-35	परस्त्री-सज्झाय, पार्श्व-स्तवन, आदिनाथपद, ऋषभपद,	उदयरत्न, अगरचन्द, ऋषभदास राजसिंह.	36-38
36-40	,, (द्वय) आदिनाथ अष्टक, युगमंधर-स्तवन	राजसिंह, कविराज	38-42
42	अजितनाथ-स्तवन	मनोहर	53वां
43	नेमिनाथ-वारहमासो	कवि कांनो	53-54
44	ऋषि-बत्तीसी	जिनहर्ष	54-55
45-47	नेमिनाथ-बारहमासो,	जिनहर्ष	56-59

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
	राजीमती-गीत, राजीमती रह नेमि-सज्झाय	जिनरंगसूरि, समयसुन्दर	
48-52	औषध दान-सज्झाय,		60-64
	दाहुबली-सज्झाय,	विमलकीर्ति	
	रोहिणी-स्तवन,	श्रीसार	
	शालिभद्र सज्झाय,	सहजसुन्दर	
	वीसस्थानक-स्तवन		
53-57	विजयसेठ-विजयासेठाणी-सज्झाय,	हर्षकीर्तिसूरि	64-66
	निन्दा-सज्झाय, व्रत-सज्झाय, जिनस्तुति, सोलह स्वप्न-सज्झाय	समयसुन्दर, तिलकविजय,	
59 61	ढ़ंढ़ण ऋषि सज्झाय, पंचतीर्थी-स्तवन,	जिनहर्ष	67-77
	पंचवाड़-सज्झाय,	केशरकुशल शिष्य सौभाग्यकुशल (पत्र चिपके हुए एवं जीर्ण)	
62-68	पंचमी-स्तुति, रोहिणी-स्तुति, चतुर्थी-तृतीया-स्तुति, शांतिनाथ-स्तुति,	मानविजय, लब्धिरुचि देवकुशल,	78-79
	आदिनाथ स्तुति (द्वय)	देवकुशल, ऋषभदास	
69-73	मान सज्झाय, ऋषभ-स्तुति, नेमिनाथ-स्तुति, इग्यारस स्तुति, महावीर-स्तुति,	उदयरत्न, भावसागर सिद्धविनय लालविनय	80-81
75-76	सिद्धचक्र स्तुति, ऋषभ स्तवन	विनयचन्द, ऋषभदास	82वां
77-85	ऋषभपद, वीरपद, जिनपद, पार्श्वपद, मल्लिनाथपद, पद (द्वय)	राजसिंह, आनंदघन, कुशल राय, आनन्दघन, रूपचन्द, आनन्दघन, रूपचन्द	83-85
84-90	वीरपद, पार्श्वपद, ध्रुपद, शांति पद ;	नवल, हीर, पद्मविजय	85-86
	ध्रुपद, पद (द्वय),	ज्ञानवर्द्धन, रूपचन्द, नवल, आनन्दघन	
91-96	जिनपद, पार्श्वपद, पार्श्वपद, ऋषभपद, चन्द्रप्रभपद, सुविधिनाथ पद	रामचन्द्र, रंग, ऋषभदास, जैत	86-87

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
97-100	पद (द्वय), नेमिनाथपद, पार्श्वनाथपद,	रूपचन्द	87-88
101-106	शांतिनाथपद, नेमिनाथपद, युगमंधरपद, पार्श्वनाथपद (द्वय),	जिनरंगसूरि, राजरत्न, जिनविजय, रत्नसागर,	88-90
	धर्मनाथपद,	क्षमाकल्याण	
107-112	जिनपद, नेमिनाथपद, ऋषभ-पद,	क्षमाकल्याण,	91-92
	जिनपद, पार्श्वपद, जिनपद	आनन्दघन, रंग, दान	
113-117	गौड़ी पार्श्वपद, नेमिनाथपद, आदिनाथपद	रूपचन्द-नयविमल,	92 95
	महावीर-स्तवन, पार्श्वनाथ-स्त.	मनोहर, जिनेन्द्रसागर	
118	चौवीसी	यशोविजय वाचक	96-120
119	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	120वां
120	वीसी	जिनराजसूरि	121-134
121-125	शंखेश्वर पार्श्व-स्त०, अष्टापद-स्तवन,	मोहनविजय, उदयरत्न,	135-138
	पद्मप्रभ-स्तवन, चन्द्रप्रभ-स्तवन, नववाड-सज्झाय	कवियण, आनन्दघन, उदयविजय	
126-130	मौन एकादशी-स्त०, पंचमी स्त०, चन्द्रप्रभ-स्त०, अष्टमी स्तवन, पार्श्व-स्तवन	कांतिविजय, मानसागर मोहनविजय, कांतिविजय ,,	138-151
131	संवरद्वार-गीत		151-152
132	नववाड-सज्झाय	जिनहर्ष	153-161
133	गौड़ी पार्श्व-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	161-162 (र.का. 1722)
136-137	शत्रुञ्जय-स्तवन, शंखेश्वर-पार्श्वनाथ-स्तवन	ज्ञानविमल, कमलविजय	166-167
138	चौवीसी	मोहनविजय	168-191
139-144	आदिनाथ-स्त०, ऋषभ-स्तवन, तेरह काठिया सज्झाय, नंदिशेण-सज्झाय, पूजाफल-स्तवन, संभवजिन-स्तवन	सुमतिविजय, रामचन्द्र हेमविमलसूरि शिष्य, मेरुविजय, मानविजय, मोहनविजय	191-197

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
146	चार प्रत्येक बुद्ध-सज्झाय	समयसुन्दर	199-202
148	समुद्रपाल अध्ययन सज्झाय,	उदयविजय	206-209
	शत्रुञ्जय स्त०, विमलाचल-स्त०,	कांतिविजय	
	पार्श्व ध्रुपद	आनन्दघन	
152-155	अष्टापद-स्त०, समेतशिखर-स्त०,	जिनेन्द्रसागर, ऋद्धिहर्ष	209-214
	सिद्धाचल-स्त०, गज सुकुमाल-सज्झाय	मतिविमल, सुखसौभाग्य	(र.का. 1722)
156-160	मेघकुमार-सज्झाय, हितशिक्षा-सज्झाय	श्रीसार; विजयदेवसूरि	214-219
	हितोपदेश-सज्झाय, शत्रुञ्जय-स्तवन	धर्मसी, साधुकीर्ति	
	ऋषभ-स्तवन		
161	आदिजिन-स्तवन	वाचकदान	219वां
162	नेमिनाथ-राजुल-बारहमासो	उदयरत्न	220-230
163-166	पद्मप्रभ-स्तवन, अजित स्तवन,	मोहनविजय, मानविजय,	231-234
	अभिनन्दन-स्तवन, पद	मानविजय, लावण्यसमय	
167-170	नववाड-सज्झाय, महावीर-स्तवन,	उदयरत्न, दयासागर	234-239
	महावीर-पद, शंखेश्वर-पार्श्वनाथ पद	रंगविजय, वीरविजय	
173-177	पार्श्वपद, ऋषभपद, चन्दप्रभ-पद	सदारंग, आनन्दवर्द्धन	256-257
	नेमिपद, सहसफणा-पार्श्वपद	न्यायसागर, क्षमाकल्याण	
178-183	सुविध जिनपद, जिनपद,	रूपचन्द, देवचन्द	257-258
	अनंतनाथ-पद, वासुपूज्यपद,	जिनहर्ष, रूपचन्द,	(इसके बाद के पत्रों के
	पद (द्वय)	जिनभक्तिसूरि	अक्षर नष्ट हो गए हैं)
184-188	पद, विमलगिरिपद (द्वय.)	मालदास, जिनराजसूरि,	258-259
	गौड़ीपार्श्वनाथ पद, पार्श्वपद	जिनलाभसूरि, धर्मसी	
189-193	पार्श्वपद पद पार्श्वपद	लाभवर्द्धन, जिनराजसूरि,	259-260
	चिंतामणि पार्श्वनाथ-पद (द्वय)	खुशालराम, जिनचन्द्रसूरि	
194-198	पार्श्वनाथ स्तवन, मनक ऋषि-सज्झाय,	लब्धि शांतिकुशल	261-263 (र.का. 1827)
	पर्युषण स्तुति, चैत्यवदन स्तुति	विनयविजय, ऋषभदास	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
201-205	श्रावक इकवीस गुण सज्झाय, नेमिनाथ-स्तवन, धन्नाऋषि-सज्झाय,	समयसुन्दर, आनन्दघन	271-274
	स्तुति, अमल सज्झाय	माणिकविजय	
206-211	सचित्त-अचित्त सज्झाय,	लालविजय,	275-276
	शत्रुञ्जय-स्तवन, पर्युषणा-स्तुति,	मानविजय,	
	चैत्यवन्दन (द्वय)	रूपविजय, क्षमाकल्याण	
213-214	सीमंधर-स्तवन, महावीर-स्तवन	रूपचन्द	277वां
236-240	पार्श्वनाथ-पद, पार्श्वपद,	क्षमाकल्याण, मनोहर	307-308
	जिनपद, पार्श्वनाथपद (द्वय)	मनोहर, रूपचन्द	
241	उपदेश-पद	आसो	308-309
249-250	पद, नेमिनाथ-पद	कवि रोड़	329वां

2095/7001 (1-39)

1-5	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्त०, शांतिनाथ-पद,	देवचन्द, समयसुन्दर,	1.2
	गौड़ीपार्श्वपद, धर्मपद, स्फुट सोरठे	जिनचन्द्रसूरि, समयसुन्दर	
8-11	कुशलसूरि-गीत, पद, शांतिनाथ-पद,	समयसुन्दर, जिनराजसूरि,	9-12
	रात्रि-भोजन-सज्झाय	समयसुन्दर	
12-16	पार्श्वनाथ-पद, गणधर-स्तवन,	आनन्दघन,	
	प्रभाती-स्तवन, सुविधिनाथ-पद, जिनपद,	जिनचन्द्रसूरि, रूपचन्द, रूपचन्द	13 16
17-21	जिनपद, शांतिनाथ पद, जिनपद,	रूपचन्द, जिनलाभसूरि,	17-18
	पार्श्वनाथपद, ऋषभपद	रूपचन्द, समयसुन्दर	
22-26	ऋषभपद, उपदेशपद (द्वय),	जिनसमुद्रसूरि	18-20
	प्रभातीपद, तीर्थमाला	समयसुन्दर, समयसुन्दर	
27-31	गौतमाष्टक, आदिनाथगीत,	समयसुन्दर, जिनराजसूरि,	20-22

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
	पार्श्व-स्तवन, ऋषभदेव-गीत, आदिनाथ-पद	आनन्दघन, साधुकीर्ति,	
32-36	शांतिनाथ-पद, अजितनाथ-पद, पार्श्वनाथ-पद, ऋषभ-पद, उपदेश-पद	समयसुन्दर, चंद, मतिधीर, जिनराजसूरि,	22-23
37-39	उपदेशपद, महावीरपद (द्वय),	बनारसीदास, जिनचन्द्रसूरि नंदलाल	23-24

2096/7004 (1-27)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1-4	सोलहसती-सज्झाय, दानादि-गीत	चारित्रकीर्ति, समयसुन्दर	1-5
	पार्श्वनाथ-स्त०, स्थूलिभद्र-सज्झाय	जैतसी, लालचन्द मुनि	
5-7	आदिनाथ स्त०, धन्ना ऋषि-सज्झाय,	विनयचन्द	5-7
	उपदेश-गीत	समयसुन्दर	
9-12	चन्द्रप्रभ-स्त०, उपदेश-सज्झाय जीवप्रतिबोध सज्झाय, आत्मप्रबोध-सज्झाय	जीवण, समयसुन्दर	11-17
13-16	गोड़ीपार्श्वनाथ धमाल गुण-स्तवन,	चारित्रकीर्ति,	18-20
	" " स्तवन, पद्मप्रभगीत, आत्मबोध-गीत	जिनचन्द्रसूरि, जिनरत्नसूरि राजसमुद्र	
19-23	गवड़ी पार्श्व स्तवन तिमरी पार्श्व-स्तवन	चारित्रकीर्ति, चारित्रकीर्ति	53-58
	" " लवेरा मंडन चन्द्रप्रभ-स्तवन	चारित्रकीर्ति,	
	सेत्रावा मंडन आदिनाथ-स्तवन		
24 27	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन,	जिनहर्ष,	58-60
	चिंतामणि पार्श्व-स्तवन,	चारित्रकीर्ति	
	गोड़ी पार्श्व-स्त० समकितदृष्टि श्रावक सवैया	चारित्रकीर्ति	

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)

2097/7006 (1-72)

1-5	उपदेशपद, ज्ञानपचीसी, औपदेशिक सवैया, चेतन सुमतिगीत, अध्यात्म-फाग	बनारसीदास	4 15 (पत्रांक 1-3 अप्राप्त)
6-17	मोक्ष-पेडी (सुपार्श्व, चन्द्रप्रभ, विमल, अनन्त, धर्म, शांति, कुन्थु, अर, मल्लि, मुनि सुव्रत गीत-संग्रह)	बनारसीदास, राजचन्द्र	16-26
	समयसार नाटक के सवैये वीस	बनारसीदास	
21	भवसिन्धु चतुर्दशी		38-40
23-27	पद, विमलनाथ-गीत, पद (द्वय) सवैये चार	आनन्दघन, जिनहर्ष ,,	46-48
28-33	पद तीन, नेकी के दोहे चौदह पद तीन, औदयिक भाव के सवैये	आनन्दघन, कबीर, आनन्दघन	49-54
34-39	पद त्रय, निसांणी, दोहे, पद	आनन्दघन, कबीर	55 59
40	कल्याणमंदिरस्तोत्र-भाषा	बनारसीदास	59-65
41-44	नवकार-स्तवन, सवैये, दोहे, पद	जिनगुणप्रभसूरि, आनन्दघन, कबीर	66 72
45	लोद्रवा चिंतामणि पार्श्वनाथ-स्तवन तथा दोहा-संग्रह	समयसुन्दर	72-82 (र का 1681)
46-50	पद, पार्श्व-स्तवन, महावीर-स्तवन दोहा, सवैया, द्रव्यनिक्षेपविचार (अपूर्ण)	आनन्दघन	83-89
51	चौवीसी	जिनराजसूरि	89-105
57-62	संभवनाथ, सुपार्श्वनाथ-गीत, पद, पार्श्व-स्तवन, पद	ज्ञानचन्द, राजविमल, सुखसागर, बनारसी, जिनराजसूरि,	112-114

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
66	जिनप्रतिमा-महिमा-कथनादि सवैया		135-137
67-68	पद, अष्टपदी	आनन्दघन, बनारसीदास	137-138
69	चौवीसी (नेमिनाथ पर्यन्त)		139-152
70-72	पद (दस)	कुंवरपाल, आनन्दघन, भद्रसेन	153-155

2098/7009 (5-43)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
5-8	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन, महावीर-स्तवन, नेमिनाथ-पद, सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि, यशोविजय, हरखचन्द क्षमारत्न	55-57
9-12	बंबई चिंतामणि पार्श्व-स्तवन, जिनप्रतिमा जिन-स्तवन, पार्श्वनाथ-स्तवन, पावापुरी महावीर-पद	जिनमहेन्द्रसूरि, (र.का. 1893) जिनचन्द्रसूरि, चन्द्रसूरि, जिनचन्द्रसूरि	57-61
13-16	गौड़ीपार्श्व स्त०, सीमंधर-स्तवन, ऋषभदेव-स्त०, जिनकुशलसूरि-कवित्त (द्वय)	जिनचन्द्रसूरि, (र.का. 1722) ,, लालचन्द्र (र.का. 1839)	61-67
17-18	नाकोड़ा पार्श्वनाथ-स्तवन, पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर, उदयरत्न	67-68
21-25	धुलेवा केशरियानाथ-पद, पार्श्वनाथ-पद, उपदेश-पद नेमिनाथ-पद	जिनहर्षसूरि, जिनचन्द्रसूरि, गजानन्द, हरखचन्द	72-74
26 27	जिनपद, जिनपद लावणी	गुणविलास, क्षमाकल्याण	74-75
29-32	ऋषभदेव-स्तवन, बाहुबली-सज्झाय, इलापुत्र-सज्झाय, वीजेधर-विहरमान-स्तवन	देवचन्द्र, समयसुन्दर, समयसुन्दर, देवचन्द्र	80 84
33-36	सिद्धाचल-स्त०, राणकपुर-स्त०, एकादशी-सज्झाय, सीमंधर-गीत	जिनहर्षसूरि, समयसुन्दर, उदयरत्न, जिनराजसूरि	84-88

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
37	नवकार-स्तवन	जिनवल्लभसूरि	88-92
39-42	अरणिक मुनि-सज्झाय,	समयसुन्दर,	94-97
	दानादि-पद,	आनन्दरत्न	
	जिनपद, चेलणा-सज्झाय,	,,	
43	ढ़ंढ़णा ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	97-99

2099/7012 (1–12)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1-2	आलोयणा-स्त०, पंचमीतप-स्त०	समयसुन्दर	1-4
3-4	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्त०, श्रावक री करनी-सज्झाय	जिनचन्द्रसूरि, जिनहर्ष	4-6
5-8	तीर्थमाला-स्तवन, शांतिनाथ-स्तवन,	समयसुन्दर, गुणसागरसूरि,	6-9
		,,	
	गौतमाष्टक नवकार-स्तवन	,, पद्मराज	
9-12	नाकोड़ा पार्श्व-स्तवन (अपूर्ण)	,,	10-12
	पंचतीर्थी-स्तवन,		
	षट्व्रतोपरि-स्तवन, जिनकुशल-सूरि-स्तवन	लावण्यसमय,	

2100/7013 (4–29)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
4-7	पार्श्वनाथ-स्तवन, वीरजिन तप संख्या-स्तवन,	जिनसुखसूरि	47-49
	गौतम-स्तवन (अपूर्ण),	समयसुन्दर	
	जिनप्रतिमा स्तवन,		
8	चौदह गुणस्थानक-स्तवन	धर्मवर्द्धन शिष्य विजयहर्ष	50-52
9	चौवीस दण्डक-स्तवन	,,	52-55 (र का. 1729)
10	वैराग्य-सज्झाय	विजयदेवसूरि	55वां
11	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	56-58 (र.का. 1736)
13-16	दानादि-गीत, अंतरीक पार्श्व-नाथ-स्तवन	समयसुन्दर, आनन्द	63वां
	आदिनाथ-स्त०, शांतिनाथ गीत	जिनराजसूरि, समयसुन्दर	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
17-19	चौवीस जिन-गीत, वीस विहर-मान-गीत,	समयसुन्दर,	64वां
	महावीर-गीत	भुवनकीर्ति	
20-22	आत्मगुण अष्टपदी, पार्श्वनाथ-स्तवन,	बनारसीदास, लाभवर्द्धन,	65-66
	जिनकुशलसूरि-गीत,	साधुकीर्ति	
24-27	,, ,, ; इलापुत्र-सज्झाय,	जिनरंगसूरि, लब्धिविजय	73-75
	उत्तराध्ययनसूत्र-सज्झाय,	उदयविजय,	
	राजुल रथ नेमि-सज्झाय,	दीपविजय	
29	अजितशांतिजिन-स्तवन	मेरुनन्दन उपाध्याय	84-86

2101/7018 (2-28)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
2-5	सीमंधर-स्तवन		3-4
	गौतमस्वामी-सज्झाय,	जिनराजसूरि	
	सीमंधर-स्तुति	लावण्यसमय	
	सोलहसतीनाम		
8-9	अष्टमी-स्तवन,	कांतिविजय	28-37
	एकादशी-स्तवन,	,,	
10-13	महावीर-स्तवन,	यशोविजय	37-40
	ऋषभस्तुति	,,	
	सीमंधरस्तुति	शांतिकुशल	
	अष्टमीस्तुति	नयविजय	
14-18	ऋषभ जिन-स्तवन,	सुबुद्धिविजय (र.का. 1767)	40-43
	संभव ,,	यशोविजय	
	चैत्री पूर्णिमा-स्तुति	सौभाग्यसूरि	
	ऋषभ-स्तवन	आनन्दघन	
	सकलकुशल वल्ली चैत्यवंदन		
20-23	सिद्धचक्रस्तुति, महावीर स्तवन	यशोविजय, विनयविजय	
	ध्रुपद, सिद्धाचल-स्तवन	यश, पुण्यविजय	
26-28	सिद्धचक्र-स्तुति,	कांतिविजय	100-103
	पार्श्वनाथ-स्तुति,		
	शत्रुञ्जय स्तुति,	ऋषभदास	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)

2102/7019 (1·32)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1-4	अठारह नातारी·सज्झाय,		1·4
	नेमिनाथ-स्तवन,	भीमराज	
	पार्श्वनाथ-स्तवन,	कवियण	
	शिक्षा-पद	उदयरत्न	
5	अठारह नातारी·सज्झाय		1
6·9	सीमंधर-स्तवन	भक्तिलाभ	1-4
	पंचमी तप वृहत् एवं लघु स्त०,	समयसुन्दर	
	गौडीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	
10·13	मौनेकादशी-स्तवन	समयसुन्दर	4·7
	गौड़ीपार्श्वनाथ·स्तवन	जिनभक्तिसूरि	
	महावीर·स्तवन	समयसुन्दर	
	राणकपुर-स्तवन	,,	
14 17	नवकार-स्तवन,	पद्मराज	
	जिनप्रतिमा-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभसूरि	7-9
	शत्रुञ्जय-स्तवन	जि॰ भक्तिसूरि	
	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	मुनि वस्ता	
18-21	शत्रुञ्जय·स्तवन	जिनहर्षसूरि	9–11
	सिद्धाचल-स्तवन	राजसमुद्र	
	तीर्थमाला	समयसुन्दर	
	सिद्धाचल·स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभसूरि	
22·23	,, ,,	जिनहर्षसूरि	11-13
	गौड़ीपार्श्वनाथ·स्तवन	समयरग शिष्य गुणशेखर	
22	मुनिमालिका	चारित्रसिंह शिष्य मतिभद्र	13.16
25-28	सीमंधर-स्तवन (द्वय)	जिनहर्ष	16-19
	तैसठ शलाका पुरुष-स्तवन	मुनि वस्ता	
	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	(र.का. 1873)
29-32	इरियावही-स्तवन	लक्ष्मीवल्लभोपाध्याय	19-24
	रोहिणी·स्तवन	श्रीसार	
	मुनिसुव्रत पखवाड़ा·स्तवन	समयसुन्दर	
	चैत्यवंदन·स्तवन	प्रेमचन्द शिष्य पाठक कनकचन्द	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
33-35	सीमंधर-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि	24-28
	लौद्रवापुर पार्श्वनाथ स्तवन,	,,	
	अजित शांति-स्तवन	मेरुनन्दन	
36-39	बारहमासी-स्तवन	विजयविमल	(र.का 1902) 28-31
	छमासीतप-स्तवन		
	आगम-स्तवन	लालचन्द वाचक	
	मुंहपत्ती-स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ	
40-43	सोलियारो-स्तवन,		31-34
	नंदीश्वर-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि	
	पंचक्खाण-स्तवन,	रामचन्द्र शिष्य पद्मरंग	
	चौवीस जिन स्तवन	अमृतधर्म	
44 47	सहस्रकूटजिन विवरण-स्तवन	रामविजय	34-39
	चैत्री पूनम-स्तवन	साधुकीर्ति	
	पचकल्याणक-स्तवन	पुण्यसागर	
	तिलक तप-स्तवन	विजयविमल	
48-51	वीर-स्तवन	देवचन्द्र	39-43
	साधु री करणी-सज्झाय	आनन्दविमल	
	दशश्रावक-सज्झाय	श्रीसार	
	सीमंधर-गीत	जिनहर्ष	
52-55	सिद्धाचल-स्तवन	विद्याविशाल	43-45
	पार्श्वनाथ-स्तवन	अनोपचन्द	
	ऋषभजिन-स्तवन	लालचन्द	
	सामायिक 32 दोष सज्झाय	कमलविजय शिष्य	
56-58	नारी-सज्झाय		45-48
	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्षसूरि	
	बावीस अभक्ष्य वर्णन स्वरूप-स्तवन	लक्ष्मीरत्नसूरि	
59-63	जिनकुशलसूरि-स्तवन-संग्रह	राजेश, राज, राजरत्न,	48-49
64-70	,, ,,	जिनरंगसूरि राजसिंह राजिंद राज, जिनभक्तिसूरि, जिनरंगसूरि, कनककीर्ति	
71-74	जिनकुशलसूरि-स्तवन,	राज,	50-51
	दादाजी-स्तवन,	पुण्यनिधान	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन,	दीपचन्द	
	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	
75-77	जेसलमेर पार्श्वनाथ-स्तवन,	,,	52वां
	ऋषभदेव स्तवन,	मोहनविजय	
	पार्श्वनाथ-स्तवन,		
79-82	महावीर-स्तवन,	रूपचन्द,	60-64
	शीतलनाथ-स्तवन,	समयसुन्दर,	
	छन्नु जिन-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनरत्नसूरि	
	श्रावक री करणी-सज्झाय	जिनहर्ष	
83-84	ऋषभजिन-स्तवन,	देवचन्द्र	65-66
	शांतिनाथ-स्तवन,	गुणसागरसूरि	
87	महावीरजी रो पारणो	मुनिमाल	76-77
88-91	वज्रधर-गीत	देवचन्द्र	77-82
	गौतमस्वामी-स्तवन	लावण्यसमय	
	नाकोड़ा पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	
	स्तंभन पार्श्वनाथ वृहत्स्तवन	कुशललाभ	
92	आलोयणा-स्तवन	समयसुन्दर	82-83
94-96	लोद्रवापार्श्वनाथ-स्तवन (द्वय)	वाचकगुणनंद.हंसहर्ष (र.का. 1686)	84-86
	स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तवन		
97	शांतिनाथ-स्तवन	हर्षविशाल शिष्य कीर्तिरत्नसूरि	86-87
98	अजितनाथ-स्तवन	पुण्यसागरोपाध्याय	87 88
99	पार्श्वनाथ-स्तवन	समयमूर्ति शिष्य गुणनन्द	88-90
100	आदिनाथ स्तवन	वा. सुगुणनंदन शिष्य ज्ञानप्रमोद (र.का. 1693)	90-91
101	चौवीसतीर्थङ्कर-स्तवन		91-93
102	विमलनाथ-स्तवन	समयमूर्ति	93-95
103	साधुगुण-स्तवन	खीमो	95-96
104	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	वा. रत्नधीर	96-97
105	अमरसर शीतलनाथ-स्तवन	वा. ज्ञानप्रमोद शिष्य रत्नधीर (र.का. 1672)	97-99
107-109	अठावीस लब्धि स्तवन, चौदह गुण स्थान-स्तवन, समवसरण-स्तवन,	धर्मवर्द्धन	101-107

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
110	पार्श्वनाथ-स्तवन	राजसमुद्र	107-108
113	नेमिनाथ के चौवीस चोक	अमृतविजय शिष्य विवेकविजय	116-122
114-118	शांतिनाथ-गीत,	जिनलाभसूरि	122-123
	पार्श्वनाथ-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि	(र. का. 1839)
	आदिनाथ-लावणी,	जिनदास	
	नेमिनाथ-लावणी,	,,	
	उपदेशपद	खुशाल	
119-122	नेमिनाथपद,	भक्तराय	124वां
	जिनकुशलसूरि-गीत	क्षेमरत्न	
	जिनदत्तसूरि-गीत (द्वय)	जिनहर्षसूरि	
123-126	महावीरपद,	बाल,	124-125
	जिनदत्तसूरि-गीत,	जिनहर्षसूरि	
	प्रभुपूजा-पद	जिनचन्द्रसूरि	
	महावीर-पद	जिनलाभसूरि	
127-131	ऋषभ-पद,		125वां
	सोलह सती-स्तवन	रंगवल्लभ	
	जिनकुशलसूरि-गीत	लक्ष्मीवल्लभ	
	शिक्षा-पद	राजसमुद्र	
	नेमिनाथ-पद	आनन्द	
132-135	गौड़ीपार्श्व-पद	मोहनविजय	126-127
	केसवपुर सुविधिनाथ-लावणी	देवचन्द	
	नवपद-स्तवन	अबीरचन्द	
	उपदेश-पद		
136	सुमति-कुमति-लावणी	जिनदास	127वां
137	अजीमगंज नंदीश्वर जिन-स्त०	भाग्यकीर्ति (र. का. 1926)	127-128
138-142	सीमंधर-स्तवन,	लालचन्दगणि	128-129
	चौवीसजिन-पद		
	पार्श्व-पद	हर्षचन्द्र	
	नेमि-पद	रत्नसुन्दर	
	उपदेश-पद	क्षमाकल्याण	
143-146	सुविधिजिन-पद	हरखचन्द	129वां
	महावीर-पद		
	आदिनाथ-पद	खुशालचन्द	
	सुविधिजिन-पद	रूपचन्द	

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
147-151	शत्रुञ्जय-स्तवन,	ज्ञानविमल	130वां
	होरी-पद,		
	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	
	होरी-पद	रत्नज्ञान	
	शांतिनाथ-पद	हरखचन्द	
152-156	जिनकुशलसूरि-पद	जिनभक्तिसूरि	130-132
	उपदेश-पद	नवल	
	नेमिनाथ-बारहमासो	कवियण	
	नेमिनाथ-पद	बाल	
	उपदेश-पद	आनन्दघन	
157-160	चेतन-पद	राजाराम	132-133
	नेमिनाथ-पद, जिनपद, उपदेश-पद	श्रीराम, मोती विजय	
161-162	आदिनाथ-स्तवन,	बालचन्द पाठक	133-134
	स्यादवादमत-सज्झाय	श्रीसार	
165-168	आदिनाथ-पद, जिनकुशलसूरि-गीत	आनन्दघन, सत्यरत्न, क्षमाकल्याण,	136-137
	जिनदत्तसूरि-गीत, दादाजी-गीत	हर्षविशाल	
169-172	,, ,, जिनकुशलसूरि-गीत, मणिधारी जिनचन्द्रसूरि-गीत	हर्षविशाल, रत्नसुन्दर राजसागर, जिनाक्षयसूरि	137-138
173-176	जिनकुशलसूरि-गीत-संग्रह	शिवचन्द, सत्यरत्न, बाल, आनन्द	138-139
177	पार्श्वनाथ-पद	बाल	139वां
179	विमलगिरि-पद	गणपत	140
181-184	रुक्मिणी-सज्झाय, उपदेश-पद	राजविजय, जिनदास	140-141
	ऋषभ-पद, उपदेश-लावणी	रूपचन्द,	(र. का. 1923)
185-188	उपदेश-लावणी, नेमिनाथ-लावणी,	जिनदास	141-142
	आदिनाथपद, जिनपद	,,	
191	शत्रुञ्जय आदिनाथ-स्तवन	रत्नचन्द्रमुनि	147-149
193-194	आबू-स्तवन, वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन,	रूपचन्द, जिनलाभसूरि	154-155 (र. का 1821)
195	वाडीपुर पार्श्वनाथ स्तवन	जिनहर्ष	155-157

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
196-198	शत्रुञ्जय-स्तवन,	जिनसुखसूरि (र.का. 1765)	157-159
	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनरत्न	
	पार्श्वनाथ-स्तवन	शिवचन्द पाठक	
201	भगवती-सज्झाय	शिवचन्द्रोपाध्याय	160वां
202-203	चक्रेश्वरी-स्तुति	ज्ञानविशाल	160-161
	आदिनाथ-स्तुति		
204-208	पार्श्वनाथ-स्तवन,	शिवचन्द्रोपाध्याय	161-163
	सीमधर-स्तवन,	,,	
	वीर-स्तुति, ज्ञान-स्तुति,	,,	
	सिद्धचक्र-स्तवन	,,	
209	,, ,,	,,	164वां
210	शांतिनाथ-पद	हीरधर्म	164वा
211	नेमिनाथ-बारहमासो	अमरविशाल	164-165
212-214	नेमि-राजीमती-सज्झाय,	माणिक्यरंग	165-167
	महावीर-स्तवन,	रत्न	
	वीर-स्तवन		
215-218	जिनपद (त्रय)	गंगाशरण, नवल	167वां
	उपदेश पद	लालचन्द	
219-221	महावीर, समेतशिखर,	चन्द्रकीर्ति उदयभक्ति,	168वां
	आदिनाथ-पद	जिनसौभाग्यसूरि	
230	नवपद-स्तुति		175-176
237	वीस स्थानक स्तवन,	केशरीचन्द मुनि (खरतर ग०) (र. का. 1898)	187-188
244	बयालीस दोष विवरण-स्तवन	रुघनाथमुनि (,,)	210-212
245	वियोत्तर भेद मिथ्यात्वविवरण-स्तवन,	रूपवल्लभगणि	213-214
247-251	शत्रुञ्जय-स्तवन (अपूर्ण)	जिनचन्द्रसूरि	220-221
	पार्श्वनाथ-स्तवन (द्वय)	मुनिवस्ता जिनचन्द्रसूरि	
	जिनप्रतिमा-स्तवन,	समयसुन्दर	
	सिद्धाचल-स्तवन	राजसमुद्र	
252-255	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन,	जिनहर्ष	222-223
	पार्श्वनाथ-स्तवन,	जैतसी	
	,, पद	जिनचन्द्रसूरि	
	सिद्धाचल-स्तवन	धर्मसी	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
256-259	शीतलनाथ-स्तवन	कल्याण शिष्य जिनलाभसूरि	223-224
	गौडीपार्श्वनाथ-पद	क्षमाकल्याण	
	,, [illegible]-स्तवन		
260-264	जिनपद	मलदास	225-227
	ढ़ंढण ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	
	नंदिषेण-सज्झाय	जिनराजसूरि	
	अरणिकमुनि-सज्झाय	समयसुन्दर	
	धन्ना-सज्झाय		
	इलापुत्र-सज्झाय	लब्धिविजय	
265	दशवैकालिक-गीत-संग्रह	जैतसी शिष्य पुण्यकलश	228-233
266-269	आत्म-सज्झाय	राजसमुद्र	233 234
	चेलणा-सज्झाय	समयसुन्दर	
	काया-जीव-सज्झाय	राजसमुद्र	
	उपदेश-सज्झाय		
270-274	औपदेशिक-सज्झाय	नग	234-236
	बाहुवली-सज्झाय	महमद	
	नमिराजर्षि-सज्झाय	समयसुन्दर	
	काया-जीव संवाद-सज्झाय	,,	
275-278	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	रुघपति	237-238
	उपदेश-पद	क्षमाकल्याण	
	पार्श्वनाथ-पद	,,	(र. का. 1847)
	संभवनाथ-स्तवन	अमृतधर्म गणि	(र. का. 1844)
279-281	आदिनाथ-स्तवन	जसराज	238-239
	पार्श्वनाथ-स्तवन	अमरविमलोपाध्याय	
	नवपद-स्तवन	क्षमाकल्याण	
282	नवपद, चैत्यवंदनादि	हीरधर्म	239-244
283-287	नेमिनाथ-स्तवन	क्षमाकल्याण	245-247
	चौवीस-जिन-स्तवन	महिमामेरु	
	शत्रुंजय-स्तवन	रत्नसुन्दर पाठक	(र. का. 1866)
	नाकोड़ापार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	(र. का. 1834)
	अंतरीक पार्श्वनाथ स्तवन	रंगहीर	(र. का. 1855)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
288-291	उपदेश-लावणी	जिनदास	247-248
	नेमिनाथ-लावणी	ग्यांनमल	
	लावणी	जिनदास	
	नेमिनाथ-लावणी	,,	
292-295	नेमिनाथ लावणी (त्रय)	,,	249-250
	लावणी	,,	
296-301	महावीर-स्तवन	,,	250-253
	उपदेश-पद, जिनपद,	,,	[पृ० 254-257 पर गुटके की
	नेमिनाथ-पद, जिनपद	,,	कृतियों की सूची है]
302-303	षट्संवर-पद,		
	संभवनाथ-पद,		
	मृगापुत्र-सज्झाय	भाग्यकीर्ति	258-260

2103/7021 (1-56)

1	सोजत मण्डन वीर जिन-स्तुति	साह वधा (र. का. 1724)	1-4
2-3	जिनपद, वैराग्य-गीत	रूपचन्द, काजी महम्मद	5-6
4 6	जिनकुशलसूरि-गीत	तत्त्वसुन्दर,	6-8
	दादाजी-गीत	रंगविजय;	
	जिनकुशलसूरि-गीत	जिनचन्द्रसूरि	
7-10	उपदेश-पद,	समयसुन्दर	9-11
	गौतम-पद	,,	
	दादाजी के गीत (द्वय)	धर्मसी	
11-13	आदिनाथ-पद,	महिमराज	12-14
	शत्रुंजय-पद,	नयविमल	
	जिनपद,	समयसुन्दर	
16-20	अंतरीक पार्श्वनाथ-स्तवन	न्यायसागर	15-19
	पद, सुविधिनाथ-पद (द्वय)	आनन्दघन, रूपचन्द,	
	सीमंधर-स्तवन	दौलतहंस	
21-25	पार्श्वनाथ स्तवन,		20-24
	महावीर-स्तवन,		
	पर्युषणा-स्तुति	जिनलाभसूरि	
	महावीर स्तवन		
	पार्श्वनाथ स्तवन	जिनसुखसूरि	

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
26-30	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन,	मुनि वस्ता,	24-30
	,, ,,	क्षमाकल्याण,	
	गौतमस्वामी-गीत	समयसुन्दर	
	जिनपद, उपदेश-पद	रूपचन्द	
31-34	नवपद-सज्झाय,	ब्रह्ममुनि	30-36
	रुक्मिणी-सज्झाय,		
	मनाथ-स्तवन	कांतिसागर शिष्य उत्तमसागर	
	प्रसन्नचन्द्र राजर्षि-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष	
35-39	पार्श्वनाथ-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि,	37-42
	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	
	पार्श्वनाथ-पद, लोद्रवा-पार्श्वनाथ-स्तवन.	धर्मसी,	
	,, स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	
40-46	अभिनन्दन आदि पद-संग्रह	साधुकीर्ति, आनंदघन, चंद	42-45
47-50	महावीर-स्तवन,	जिनचन्द्रसूरि,	46-50
	जिनपद, संवर-सज्झाय	रूपचन्द, कमलकलशसूरि	
51-54	पार्श्वनाथ स्तवन	मुनि वस्ता	51-57
	चिंतामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर.	
	छन्नु जिन-स्तवन, पद	जिनचन्द्रसूरि,	
55-56	चन्द्रप्रभ-स्तवन,	जैत,	57; 59 वां
	जिनपद	शिवचन्द	

2104/7022 (1-97)

1	मुनिमालिका	चारित्रसिंह शिष्य मतिभद्र	1-5 (अपूर्ण)
2	नन्दिषेण-सज्झाय	जिनराजसूरि	5 वां
3	सनत्कुमार गीत	समयसुन्दर	6 ठा
4	तमाखु-सज्झाय	आणंदमुनि	6-8
5	बाहुबली-सज्झाय	विमलकीर्ति	8-9
6	मनभमरा-गीत	महम्मद	9-10
7	नमिराजर्षि-सज्झाय	समयसुन्दर	11 वां
8	पद्मावती-आलोयणा	,,	11-15

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता		पत्र सं० (पत्राङ्क)
9	औपदेशिक सवैया कवित्त (10)			16-18
10	जम्बूस्वामी-सज्झाय	हर्षकुशल		18 वां
11	शीतलनाथ-स्तवन	समयसुन्दर		19 वां
12	सनत्कुमार-स्वाध्याय	धर्मसी		19 21
13	अजितशान्ति-स्तवन	मेरुनन्दन उपाध्याय		21-24
14	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि		24 वां
15	इलापुत्र-सज्झाय	लब्धिविजय		25 वां
16	पद्मावती-आलोयणा	समयसुन्दर		25-26
17	ब्रह्मचर्य नववाड़ी-गीत	पुण्यसागर		27-28
18	पद			29
19	पद	कबीर		29-30
20	पद			30-31
21	नेमिनाथ-फाग	राजहर्ष		31-33
22	जीवकायोपरि-गीत	राजसमुद्र		33 वां
23	तिमरीपुर पार्श्वनाथ-स्तवन	मेघ	(र. सं. 1783)	34-34
24	भीनमाल पार्श्वनाथ-स्तवन	महिमा कल्याण शिष्य कनकचन्द्र गणि		34-35
			(र.सं. 1749)	36-38 चिपके
26	ऋषभदेव-स्तवन			44-45 चिपके
27-28	वैराग्य-गीत (द्वय)	समयसुन्दर		45 46 ,,
29	जयतपुर संभवनाथ-स्तवन	दादाजी	(र. सं. 1700)	46-48
30	प्रास्ताविक सवैया	केसवदास		49
31	महावीर-स्तवन		(र. सं. 1707)	49-51
32	यु० जिनचन्द्रसूरि पंचनदीसाधन-गीत			51-54
33	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन			54-56
34	प्रास्ताविक दूहा 12×5, कवित्त 1	1–12 जसराज, महमदशाह, कवि गद		56-58
35	पार्श्वनाथ-स्तवन	हर्षविजय		58-59
36	जिनकुशलसूरि-गीत	जिनराजसूरि		59
37	लोभ पर पद			59
39	महावीर स्तवन	ज्ञानतिलक गणि		62-63
40	गुरुवर्णन सवैया दूहा आदि			64
45	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	जीवराज शिष्य हीररतन		72-73
47	पार्श्वनाथ-स्तवन			74-75

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
48	पार्श्वनाथ-स्तवन	हीररतन	75-86
49	पार्श्वनाथ-गीत		76-77
50	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	रत्नसिंह शिष्य जीवराज (र. सं 1749) (?)	77-78
51	थंभरण पार्श्वनाथ-स्तवन	अमरविशाल	78-79
52	फलोधी पार्श्वनाथ-स्तवन	जीवराज शिष्य हीररतन	79-80
53	कर्म-छत्तीसी	बनारसीदास	80-83
57	यु० जिनचन्द्रसूरि-गीत	रत्ननिधान	140-141
58	जिनसिंहसूरि-भास	महिमाकल्याण	142वां (अपूर्ण)
59	जिनसुखसूरि-गीत	मुनि मेघराज	142-143
60	जिनसुखसूरि भास	मेघराज	143-144
61	फलोधी पार्श्वनाथ-स्तवन		144वां (अपूर्ण)
62	प्रास्ताविक दूहा 9		145
65	प्रास्ताविक दूहा कवित, सवैया		158-160
66	सेत्रावा आदिनाथ-स्तवन	महिमाकल्याण शिष्य कल्याणचन्द्र पाठक (र. सं. 1780)	160-161
67	प्रास्ताविक-दूहा		162-163
70	सीख-सज्झाय	लावण्यकीर्ति	169-171
71	आत्म सज्झाय	गंगदास शिष्य लब्धि	171-272
72	चार प्रत्येक बुद्ध-गीत	समयसुन्दर	172-175
73	धर्म-सज्झाय	धर्मसी शिष्य विजयहर्ष	175 176
74	सीख-सज्झाय	तिलकचन्द शिष्य जयरंग शिष्य पुण्यकलश	176-177
75	,, ,,	विमलदेवसूरि	177-178
76	मेघकुमार-सज्झाय	श्रीसार	178-180
77	सुभाषित कवित्त	भद्रसेन, खेम, आस आदि	180-182
78 (क)	आत्म-सज्झाय	कान (पृ० 183-184 चिपके हुए)	182-183
78 (ख)	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	185-186
79	पाबूजी रो गीत		186 187
80	गीत		187-188
81	जिनराजसूरि-गीत		188-179 (अपूर्ण)
82	नेमिनाथ-गीत		190 (अपूर्ण)
84	नेमिनाथ-गीत	जिनहर्ष गणि	198-199

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
85	नेमि-राजीमती बारहमासा	जिनहर्ष गणि	199 200
86	,,	लाभोदय (र. सं 1689)	200-201
87	पार्श्वनाथ-स्तवन	मेघराज	201-202
88	,,	महिमाकल्याण	202
89	,,	राजसमुद्र	202-203
90	मौन एकादशी स्तवन	समयसुन्दर (र. सं. 1681)	203-204
91	रत्नपुर मंडण अजितनाथ-स्तवन	मेघराज शिष्य कनकचन्द्र वाचक	204-205
92	लौद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	205
93	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	205-206
94	,,	,,	206-207
95	,,	,,	207-208
96	आदिनाथ-स्तवन		209-210 (अपूर्ण)
97	प्रास्ताविक दूहा कवितादि		211-227

2105/7024 (1-10)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	धुलेवा ऋषभदेव-स्तवन	भीमराज (र. सं. 1952)	1-3
2	जिनकुशलसूरि-स्तवन	जिनरंगसूरि	3-4
3	गौड़ी पार्श्वनाथ-स्तवन	दीपचन्द	5-6
4	जैसलमेर चिंतामणि पार्श्व०-स्त०	जिनचन्द्रसूरि	7-8
5	ऋषभदेव-स्तवन	मोहनविजय	8-11
6	पार्श्वनाथ-पद	बालचन्द्र	11-12
7	ऋषभदेव-स्तवन	जिनराजसूरि	12-13
8	सुमति-कुमति-लावणी	जिनदास	14-16
9	जिनपद	कनककीर्ति	16-17
10	उपदेश कड़ा	ऋषि रायचंद शिष्य जैमल (र. सं. 1821 तिवरी)	18-46

2106/7025 (2-9)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
2	सोलहसती-सज्झाय	प्रेमराज	44-45
3	औपदेशिक-सज्झाय	भूधर	45
4	,,		45-47
5	,,	देव	47-48

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
7	गजसुकुमाल-सज्झाय	ऋषि (? रीखजी) (र.सं. 1898 जोधपुर)	61-63
8	महावीर-स्तवन		63-64
9	बारह-भावना		64-67

2107/7028 (2-19)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
2	बारह मास रा दूहा	जसराज	106-107
3	दूहा-25, सवैयो 1		107-110
4	फूल अंगोछो	दिलहरख (र. 1836 सिरोही)	111-112
5	हीरविजयसूरि-सज्झाय		112-113
6	वीरजिन-स्तवन	उदयरत्न	114,
7	पार्श्वजिन-स्तवन	हीरविजय	115-116
8	शान्तिनाथ-स्तवन	गुणसागर शिष्य पद्मसागर	116-119
9	16 सती नाम		119-120
13	सोलह सुपनां री सज्झाय		154-163
14	नवकार रो छंद	कुशललाभ	163-167
15	नेमजी री चुंनरी		168-169
16	चार सरणां-सज्झाय	ऋषि चौथमल (र सं. 1852 पाली)	169-171
17	गौतम स्वामी पृच्छा-सज्झाय		171-175
18	वि.सं. 1890 लालचन्द बांठिया के पुत्र की जन्मकुंडली		175 177
19	आधा शीशी और ज्वर-मन्त्र		177-179

2108/7030 (1-22)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	सिद्धाचल स्तवन	जिन महेन्द्रसूरि शिष्य जिनहर्षसूरि (र. सं. 1892) जैसलमेर बाफणा संघ वर्णनात्मक	1-4
2	पार्श्वनाथ-पद	हीर	5
3	पद	ज्ञानसार	5-6
4	महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	6-7
5	सिद्धगिरि-स्तवन	जिनमहेन्द्रसूरि (र. सं. 1893) मोतीसा टूंक की प्रतिष्ठा वर्णनात्मक	8-11

कृति-सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
6	आबू तीर्थयात्रा-स्तवन	हरचन्द (र. सं. 1878)	11-14
7	पद	अमृत	14
8	पद	बनारसी	15
9	पार्श्वनाथ-पद	धर्मसी	15 16
10	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	क्षमाकल्याण	17-18
11	पार्श्वनाथ-पद	सदारंग	19
12	पद		19
13	ऋषभदेव-पद	ऋषभदास	20
14	सोजत धर्मनाथ-स्तवन	नमैसागर (नेमिसागर)	21-22
15	नेमिनाथ-पद	हरखचन्द	23 24
16	पद	,,	24
17	नेमिनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	24-25
18	सम्मेतशिखर-स्तवन	सुश्यालचन्द	25-26
19	महावीर-स्तवन	यशोविजय वाचक	27-28
20	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन		29-30 (अपूर्ण)
21	चैत्यवन्दन विधि-सूत्र		31-34
22	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन		34 36

2109/7034 (1-34)

कृति-सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	पंचमी तप वृहत्-स्तवन	समयसुन्दरोपाध्याय	4 9
2	सीमन्धर-स्तवन	भक्तिलाभोपाध्याय	9-15
3	मौनेकादशी-स्तवन	समयसुन्दरोपाध्याय	15-17
4	नेमिनाथ-स्तवन	दौलत	18
5	सम्मेतशिखर-पद	सुखशील शिष्य जिनमहेन्द्रसूरि (र. सं. 1907)	18-19
6	सिद्धचक्र-पद	जिनमहेन्द्रसूरि (र.सं. 1909)	29-20
7	धर्मनाथ-पद		20 (अपूर्ण)
8	महावीर रो पालणो		21-22 (अपूर्ण)
10	जिन-पद		22-23
11	उपदेश-पद	कीर्तिसागर	23
12	,,	भूधर	23-24
13	ऋषभदेव-पद	कीर्तिसागर	24
14	,,	,,	24-25
15	,,	,,	25-26

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
16	नेमिनाथ-पद	कीर्तिसागर	26-27
17	,,	,,	27-28
18	सिद्धाचल यात्रा-स्तवन	,, (र. 1893 बाफणा संघ)	28-30
19	जिनपद	,,	31
20	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	31-33
21	चौसठाजी-पद	,,	33
22	जिन-पद	,,	33-34
23	नेमिनाथ-स्तवन	,,	34-36
24	,,	,,	36-37
25	सम्मेतशिखर-स्तवन	,,	37-38
26	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	,,	38
27	औपदेशिक कवित्त एवं दोहा		39-41
28	पद		42
29	,,	रूपचन्द	43
30	,,		43-44
31	,,	(र. स्था जैनगर)	44-46
32	प्रास्ताविक दूहे		46-47
33	पद और कवित्त		48 (अपूर्ण)
34	नवकार-मंत्र		49

2110/7036 (1-39)

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
1	सिद्धाचल-स्तवन	कान्तिविजय	1-2 (अपूर्ण)
2	नेमिनाथ-पद	जसविजय कवि	2
3	जन्ममहोत्सव-स्तवन	ज्ञानविमल	2-3
4	पद		3
5	नेमिनाथ-पद		3
6	जिनपद	रतनसागर	3-4
7	नेमिनाथ-पद	जयराम	4
8	चन्द्रप्रभु-पद	हरखचन्द	4-5
9	पार्श्वनाथ-स्तवन	यशोविजय वाचक	5
10	चतुर्विंशति जिन-स्तवन	ज्ञानविमल	5

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
11	अनन्तनाथ-स्तवन	जिनेन्द्रसागर शिष्य जसवंतसागर	6
12	शान्तिनाथ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	7
13	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनराजसूरि	7-8
14	सुविधिनाथ-पद	रूपचन्द	8
15	ऋषभदेव-पद	जिनराजसूरि (?)	8-9
16	गौतमस्वामी-पद	हरखचन्द	9
17	जिनपद	मालदास	9-10
18	अजितनाथ-स्तवन	हरखचन्द	10
19	विमलनाथ-पद	हरखचन्द	10-11
20	नेमिनाथ-पद	रतन	11
21	जिनपद	जिनदास	11
22	पार्श्वनाथ-गीत		11
23	शान्तिनाथ-स्तवन	हरखचन्द	12
24	पद	रंगविजय	12
25	पार्श्वनाथ-पद		12-13
26	ऋषभदेव-पद	कीर्तिसूरि	13
27	शान्तिनाथ-पद	हरखचन्द	13
28	पार्श्वनाथ-स्तवन	मानविजयोपाध्याय	13-14
29	विजयसेठ-पद	ब्रह्म० दयाल	14
30	महावीर-स्तवन	समयसुन्दरोपाध्याय	15-16
31	मधुबिन्दु-सज्झाय	चरणप्रमोद शिष्य	17-18
32	22 अभक्ष्य, 32 अनंतकाय-सज्झाय	लक्ष्मीरत्नसूरि	18-20
33	कठियारा दृष्टान्ते आत्म-हितोपदेश-स्वाध्याय	गुणविजय वाचक	20-22
34	शील-सज्झाय	कुमुदचन्द्र	22-24
35	सुमतिनाथ-स्तवन	मोहनविजय	24-25
36	हितशिक्षा-स्वाध्याय		25-26
37	शील-सज्झाय	सिद्धिविजय शिष्य शीलविजय	26-27
38	शान्तिनाथ-स्तवन	ज्ञानविमल शिष्य धीरविमल	27-28
39	अनन्तनाथ-स्तवन	आनन्दघन	28 (अपूर्ण)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
	2111/7037 (2-11)		
2	जिनधर्म-गीत	समयसुन्दर	9 वां
3	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	"	9-10
4	राणकपुर-स्तवन	"	10
5	चिंतामणि पार्श्व०-स्त० (आगरा)	बनारसी	11
6	वासुपूज्य-गीत	जिनराजसूरि	11
7	चौवीस जिन-गीत	मेघराज	12
8	आत्मप्रबोध-गीत	महमद	13-14
9	बाहुबली-सज्झाय	समयसुन्दर	14
10	जिनदत्तसूरि-गीत	लाभोदय शिष्य भुवनकीर्ति	22-23
	2112/7039 (1-20)		
1	आदिनाथ-पद		1-2
2	अजितनाथ-पद		2-3
3	पार्श्वनाथ-पद	चन्द	3
4	आदिनाथ-पद	मतिधीर	3-4
5	सुमतिनाथ-पद		(पांच वां नं. भूल गया) 4-6
6	प्रभाती-पद	जिनराजसूरि	6-7
7	आत्मशिक्षा-गीत	बनारसी	7-8
8	पार्श्वनाथ-गीत	जिनचन्द्रसूरि	8-9
9	शत्रुंजय-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	9-11
10	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनराजसूरि	11-13
11	महावीर-स्तवन	देवचन्द्र	13-15
12	जिनकुशलसूरि-स्तवन (पाली)	ज्ञानसागर शिष्य नयमेरु शिष्य विवेकजय (र. सं. 1882 पाली)	15-17
13	ज्ञान सवैया (8)	खेत	18-24
14	देवलोक प्रतर, गति, जीवयोनि, अनुपूर्वी आदि वर्णन		24-35
15	मंगल-आरती		36-39 (अपूर्ण)
17	पांच इन्द्रिय-सज्झाय	जिनहर्ष	56-58 पत्र चिपके हुए
18	आदिनाथ-स्तवन	रतन	58-60

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
19	गौतम स्वामी-स्तवन	लावण्यसमय	61-63
20	नाकोड़ापार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	63 (अपूर्ण)
	जीवविचार, गौतमरास लिखना प्ररंभ कर छोड़ दिया है		64-68

2113/7046 (1-15)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	महावीर-स्तवन	समयसुन्दरोपाध्याय	3-5
2	'वाणीब्रह्मा'-स्तवन	प्रीतिविमल	6-11
3	सिद्धाचल-स्तवन	जिनहर्षसूरि शिष्य जिनचन्द्रसूरि	11-12
4	नवकार-स्तवन	पद्मराज	12-13
5	नाकोड़ापार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	13-14
6	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	14
	16 सती नाम, मंगलपद्य		
7	दानशील तप भावना-स्तवन	समयसुन्दर	15
8	पार्श्वनाथ-स्तवन	आनन्द	15-16
9	ऋषभजिन-स्तवन	जिनराजसूरि	16
10	जीवप्रबोध-पद	,,	16
11	सीमन्धर जिन-स्तवन		16-17
12	तीर्थमाला-स्तवन	समयसुन्दर	17-18
13	गौतमस्वामी-स्तवन	,,	18-19
14	श्रावक-करणी	जिनहर्ष	19-21
15	गौतमस्वामी-स्तवन		21-22

2114/7069 (1-12)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	1
2	गौडीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	1
3	पार्श्वनाथ-स्तवन	लाल	1
4	,,	लाभवर्धन	1
5	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	मुनिवसता	1-2
6	पार्श्वनाथ स्तवन	सुखलाभ	2
7	,,	राज	2

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
8	करहेड़ा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि (र. सं. 1825)	2
9	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	रूप	2
10	शीतलनाथ-स्तवन	श्रीसार	2-3
12	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	3

2115/7073 (1-78)

1	नेमिनाथ-स्तवन	उदय	2 रा (अपूर्ण)
2	पार्श्वनाथ-पद		2
3	जिनपद	रूपचन्द	2
4	कृष्ण-पद	सूरदास	2
5	,,	सूरदास	2
6	नेमिनाथ-स्तवन	कुशलसागर	2
7	शान्तिनाथ-स्तवन	कीर्तिसागरसूरि	2-3
8	नेमिनाथ-पद	सिद्धचन्द	3
9	,,	रूपचन्द	3
10	पद	आनन्दघन	3
11	,,	,,	3
12	,,	,,	3
13	,,	,,	3
14	अजितनाथ-पद	रामचन्द	3-4
15	धर्मनाथ-पद	,,	4
16	मुनिगुण-पद	,,	4
17	नेमिनाथ-पद	ऋषभविजय	4
18	पद	द्यानत	4
19	नेमिनाथ-पद		4
20	ऋषभदेव-पद	जिनसुन्दर	4
21	नेमिनाथ-पद	ऋषभदास	4
22	जिनपद	ऋषभदास	4
23	चौवीस-जिनपद		4
24	नेमिनाथ-पद	हरखचन्द	4-5
25	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	लालचन्द	4-5

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
26	जिनपद	जगतराम	5
27	पार्श्वनाथ-पद	जगरामदास (?) रामदास	5
28	जिनपद	द्यानत	5
29	नेमिनाथ-पद	श्रीराम	5
30	जिनपद	द्यानत	5
31	,,	,,	5
32	आत्मशिक्षा-पद	,,	5
33	जिनपद	हर्षकीर्ति	5-6
34	पार्श्वनाथ-पद	रूपचन्द	6
35	जिनपद	नवल	6
36	,,	नवल	6
37	पार्श्वनाथ स्तवन	धर्मसी	6
38	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	6-7
39	,,	,,	7
40	,,	,,	7
41	कलियुग-गीत	करमचन्द	7
42	पार्श्वनाथ-पद	जिनलाभसूरि	7
43	नेमिनाथ-पद	अनोप	7-8
44	आत्मशिक्षा-पद	धर्मसी	8
45	नेमिनाथ-पद	प्रीतिविजय	8
46	आत्मशिक्षा-पद	उदयरत्न	8
47	पार्श्वनाथ-पद	रूपचन्द	8
48	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द उपाध्याय	8
49	,,	ज्ञानसागर	8
50	जिनपद	जगतराम	9
51	नेमिनाथ-पद	ज्ञानसार	9
52	पद	हरजी	9
53	शत्रुंजय-स्तवन	उदयरत्न	9
54	नेमिनाथ-स्तवन		9
55	आत्मशिक्षा-पद	रामचन्द	9
56	नेमिनाथ-पद		9-10
57	पार्श्वनाथ-पद	खेम शिष्य रतन	10
58	पार्श्वनाथ-स्तवन	लाल	10

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता		पत्र सं० (पत्राङ्क)
59	ऋषभदेव-स्तवन	करमसिह		10
60	महावीर-स्तवन	रूपचन्द		10
61	स्थूलिभद्र-सज्झाय	समयसुन्दर		10
62	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	(र. सं. 1826)	10-11
63	जिनपद	हरख		11
64	,,	रूपचन्द		11
65	गौतमस्वामी-स्तवन	रूपचन्द		11
66	पार्श्वनाथ-पद	आनन्द		11
67	जिनपद			11
68	,,	रूपचन्द		11
69	आत्मशिक्षा-पद			12
70	,,			12
71	* जैसलमेर पार्श्वनाथ-स्तवन	खेम		12
72	लोद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	खेम पाठक	(र. सं. 1825)	12
73	पद			12
74	आत्मशिक्षा पद	जिनराजसूरि		12-13
75	,,	समयसुन्दर		13
76	,,	,,		13
77	पार्श्वनाथ-पद	जिनलाभसूरि		13
78	नेमि-राजमती-सज्झाय	मुनि वसता		13

2116/7081 (3-27)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
3	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	24-26
4	राचा-बत्तीसी	राचा	27-29
5	अयमत्ता ऋषि-सज्झाय	लक्ष्मीरत्न	29-30
7	स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	46-47
8	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	47-48
9	शत्रुंजय आदिनाथ-स्तवन	,,	48-50
10	महावीर-स्तवन	,,	50-52

* इस स्तवन में जिनकुशलसूरि द्वारा प्रतिष्ठा करने का उल्लेख है।

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
11	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	कल्याणचंद शिष्य आसकरण (र. सं. 1812) शाह कपूरचंद ने बाड़मेर से संघ निकाला।	53
12	जयतिहुअण-स्तोत्र	अभयदेवसूरि	54-58
15	मौन-एकादशी-स्तवन	समयसुन्दर	109-110
16	बाहुबली-सज्झाय	,,	110
17	जिनकुशलसूरि-गीत	,,	110-111
19	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	119-125
21	महावीर-स्तवन	उदयरत्न	134
23	अजितशान्ति-स्तवन	मेरुनन्दन	141-144
25	सुकोशल ऋषि-गीत	देवचन्द शिष्य विद्यासागर	161-162
26	आत्मप्रबोध-सज्झाय	विजयदेवसूरि	163-164
27	दशवैकालिक अध्ययन गीतानि	जयतसी	164-167

2117/7083 (1-73)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	चतुर्विशति जिन-गीत(चौवीसी)	जिनराजसूरि	54 वां (अपूर्ण)
2	सहस्रफणा पार्श्वनाथ-स्तवन	शिवचन्द्रोपाध्याय	55-56
3	सीमन्धर जिन-स्तवन	,,	56-57
4	,,	,,	57-58
5	भगवतीसूत्र-सज्झाय	,,	58
6	चक्रेश्वरी-स्तुति	ज्ञानविशाल	59-60
7	आदिनाथ-स्तुति		60-61
8	पार्श्वनाथ-पद	शिवचन्द्रोपाध्याय	61
9	सीमन्धर जिन-स्तवन	,,	61-63
10	महावीर-स्तवन	,,	63-64
11	ज्ञान-स्तवन	,,	64
12	सिद्धचक्र-स्तवन	,,	64-65
13	,,	,,	65-66
14	सम्मेतशिखर-स्तवन	,,	66-67
15	पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	67-68
16	सम्मेतशिखर-स्तवन	,,	68-69
22	महावीर-स्तवन	रूपचन्द	141-143

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
23	शीतलनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	144-146
24	छन्नू जिन-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभसूरि (र सं. 1743)	146-150
25	श्रावक री करणी	जिनहर्ष	150-153
26	ऋषभदेव-स्तवन	देवचन्द्र	153-154
27	शान्तिनाथ-स्तवन	गुणसागरसूरि	155-158
29	स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ	174-182
30	शत्रुंजय आदिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	182-186
32	लौद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	गुणनन्द वाचक (र सं. 1686)	188-189
33	,,	हंसहर्ष	189-190
34	स्तंमन पार्श्वनाथ-स्तवन		190-191
43	सिद्धचक्र-स्तुति		15-18
49	शान्तिनाथ-स्तवन	हर्षविशाल शिष्य कीर्तिरत्नसूरि	39-43
50	अजितनाथ-स्तवन	पुण्यसागरापाध्याय शिष्य जिनहंससूरि	43-46
51	पार्श्वनाथ-स्तवन	समयमूर्ति शिष्य गुणनन्दन वाचक	46-50
52	आदिनाथ-स्तवन	गुणनन्दन वाचक शिष्य ज्ञानप्रमोद (र. सं 1693 बापड़ाउ)	50-64
53	चौवीस तीर्थंकर-स्तवन	गुणनंदन वाचक शिष्य ज्ञानप्रमोद (विक्रमपुर)	54-58
54	विमलनाथ-स्तवन	समयमूर्ति शिष्य गुणनन्दन वाचक	58-62
55	साधुगुण-स्तवन	खीमो	62-64
56	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	रत्नधीर वाचक शिष्य शिवधर्मगणि	64-67
57	अमरसर शीतलनाथ-स्तवन	ज्ञानप्रमोद वाचक शिष्य रत्नधीर (1672 अमरसर)	67-71
58	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	71-75
59	अठावीस लब्धि-स्तवन	धर्मवर्धन शिष्य विजयहर्ष	75-79
60	चौदह गुणस्थान-स्तवन	,, (1729 बाड़मेर)	79-84
61	समवसरण-स्तवन	,,	84-88
62	पार्श्वनाथ-स्तवन	राजसमुद्र	88-89
63	वीसी	जिनराजसूरि	89-102
64	सवासौ सीख	धर्मसी	103-107
65	बारह भावना संधि	जयसोम	107-115
66	आदिनाथ-स्तवन	रत्नचन्द्र मुणींद	115-118

कृति स०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
68	आबूयात्रा-स्तवन	रूपचन्द (रामविजय)	129-131
69	वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि (र. सं. 1821)	132
70	वाड़ीपुर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	132-136
71	शत्रुंजय आदिनाथ-स्तवन	जिनसुखसूरि	136-137
72	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनरत्नसूरि	137-138
73	पार्श्व नाथ-स्तवन		138 (अपूर्ण)

2118/7084 (1-12)

1	महावीर-पद	हरखचन्द	1
2	आदिनाथ-स्तवन	आनन्दघन	1
3	जिनपद	रतनविबुध शिष्य रंगना(थ) स्वामी	1-2
4	आत्मप्रबोध-सज्झाय	पद्मविजय	2-3
5	गजसुकुमाल-सज्झाय	शिवसौभाग्य शिष्य सुरसौभाग्य	3-5
6	,,	भावसागर	5
7	नेमि-राजीमती-स्तवन	रूपविजय शिष्य विनयविजय	5-6
8	युगप्रधान जिनचन्द्रसूरि-गीत	समयसुन्दर	6-7
9	दान-सज्झाय	लावण्यसमय	7-8
10	सुभाषित दोहे		8
11	गौड़ीपार्श्वनाथ-छन्द	कुशललाभ	78वां (अपूर्ण)
12	थंभण पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ	78-82

2119/7087 (1-91)

1	पञ्चेन्द्रिय स्वाध्याय	जिनहर्ष	1
2	सुभाषित दोहा-पद्य 4		1
3	नंदिषेण-सज्झाय		2 (अपूर्ण)
4	आत्मप्रबोध-सज्झाय	कीर्तिसूरि	3
5	,,	राजसमुद्र	3-4
6	ढ़ंढ़णऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	4
7	नववाड़ी-स्वाध्याय	अजितदेवसूरि	4-5
8	आत्मशिक्षा-सज्झाय	,,	5-6

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
9	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनराजसूरि	6-7
10	सिद्धाचल-स्तवन	पार्श्वचन्द्र	7-8
11	शान्तिनाथ-स्तवन	जिनरंगसूरि	8
12	मधुबिन्दु-स्वाध्याय	चरणप्रमोद शिष्य	8-9
13	22 अभक्ष्य 32 अनंतकाय-सज्भाय		9-10
14	एकादशी-सज्भाय	उदयरत्न	10
15	शीतलनाथ-स्तवन	जिनविजय	10-11
16	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	मोहनविजय	11
17	आदिनाथ-स्तवन	बुद्धिविमलसूरि	11
18	”	जिनराजसूरि	11-12
19	”	जिनचन्द्र शिष्य जिनचन्द्र वाचक	12
20	नन्दिषेण-स्वाध्याय	मेरुविजय	13
21	सीमन्धर-स्तवन	जिनरंगसूरि	13-14
22	सीमन्धर-स्तुति	दयासुर (दयासूरि)	14
23	संभवनाथ-स्तवन	” (”)	14-15
24	चौवीस जिन-स्तुति	” (”)	15
25	द्वितीया (सिमन्धर) स्तुति	ज्ञानसागरसूरि विजयगच्छीय	15-16
26	पंचमी-स्तुति	डूंगरमुनि शिष्य उदयसागरसूरि	16
27	अष्टमी-स्तुति	” ”	16
28	एकादशी-स्तुति		16-17
29	छवीस सती-सज्भाय	भाणो	17-19
30	गौतमरास	विनयप्रभ	20-25
31	आदिनाथ-स्तवन	दयासुर (दयासूरि)	25
32	चौवीस जिन-स्तवन	दयासूरि	25
33	24 जिन पचबोल-स्तवन	आनन्दविजय	26-27
34	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	जयरत्न शिष्य जीवकीर्ति (र. सं. 1772)	28-30
35	सुभाषित कवित्त		30
38	महावीर पारणक-स्तवन	मुनिमाल	34-35
39	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	35-37
40	पद्मावती-आलोयणा	”	38-39
41	मेघकुमार-सज्भाय	भ्रमर	39

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
42	मुंहपत्ति प्रतिलेखन के 50 बोल		39-40
43	शीतलनाथ-स्तवन	बुद्धिकुशल शिष्य सुन्दरकुशल	40
44	शील-सज्झाय	समयसुन्दर	40-41
45	मनभमरा-सज्झाय	महमद	41-42
46	गौतमस्वामी पद	दयासूरि	42
47	संतोष-सज्झाय		42
49	पच्चक्खाण-सज्झाय		44
50	गौतमस्वामी-स्तवन	लावण्यसमय	44-45
51	सनत्कुमार-सज्झाय	जिनराजसूरि	45-46
52	नवपद-स्तवन	विनीतसागर (र.स. 1788 बीकानेर)	46
53	प्रसन्नचन्द्र-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष	46
54	सामायिक 32 दोष-सज्झाय	कमलविजय	47
60	नन्दिषेण-सज्झाय		65-66
61	सातव्यसन-सज्झाय	क्षेमकलस	66-67
62	आत्मशिक्षा-सज्झाय		68
63	श्याम-बत्तीसी		69 (अपूर्ण)
65	परमेष्ठि पंच पद-स्तवन		74-78
66	पौषध दण्डक-पाठ		79
67	पनरिया मन्ज		80
68	दानादि चोढालियो	समयसुन्दर	81 (अपूर्ण)
69	जिनपद	जिनदास	81
70	,,	,,	81
71	साधुगुण-कवित्त		82
72	शिक्षा-पद	जिनदास	82
73	जिनपद	,,	82
74	आदिनाथ-पद		83 (अपूर्ण)
75	जिन-लावणी	जिनदास	83-84
76	,,	,,	84
77	नेमिनाथ-लावणी	,,	84-85
78	दूहा		85-86
79	घट भ्रमण मन्त्र		86
80	धर्मनाथ-पद		87
81	नेमिनाथ-पद	चन्द	87
82	,,	चतुरकुशल	87

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
83	पार्श्वनाथ-पद	चिदानन्द	87
84	उपदेश-पद	भूधर	88
85	नेमिनाथ-पद		88 (अपूर्ण)
86	आदिनाथ-लावणी	जिनदास	89
87	शिक्षा-लावणी	,,	90
88	नेमिनाथ-पद	सुश्यालचन्द	90-91
89	नवकार-पद	जिनदास	91
90	जिनपद	,,	91
91	,,	,,	9 -92

2120/7090 (4-14)

4	पार्श्वनाथ-पद	क्षमाकल्याण	57
5	चौवीसी का कलस	जिनराजसूरि	57 (अपूर्ण)
6	भृगु-पुरोहित-सज्झाय		58-60
7	नेमिनाथ-पद	आनन्दघन	61
8	,,		62
9	जिनपद		62
10	आदिनाथ-पद	हरखचन्द	62
11	जिनपद	इन्द्रचन्द	62-63
12	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	रूपचन्द	64
13	जिनपद		65
14	आदिनाथ-आरती		65-66

2121/7091 (1-14)

1	पार्श्वनाथ-पद		1
2	नेमि-राजुल-गीत	ज्ञानविमल	2
6	सणलीपुर सुमतिनाथ-स्तवन	लाल शिष्य पदमसी (र.सं. 1766)	11-12
8	नेमिनाथ-राजुल-गीत	जिनहर्ष	27-28
9	प्रास्ताविक सवैया 7	बनारसी, गुमानी आदि	28-30
10	ज्ञानपच्चीसी	बनारसीदास	30-32

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
11	प्रास्ताविक सवैया 4		32-33
12	गूढा एवं कृष्ण-पद 2	सूरदास, खुश्याल आदि	33-34
13	संभवनाथ-पद	रूपचन्द	34
14	कवित्त	ईसर	34

2122/7092 (2-47)

2	महावीर-पद	मुलताण सा.	35
3	शान्तिनाथ-पद	दयासुन्दर	35-37
4	विमलनाथ-पद	मुलताण सा.	37
5	पार्श्वनाथ-पद	दयासुन्दर	38
6	नेमिनाथ-पद	दयासुन्दर	38-39
7	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	मुनिवस्ता	39-41
8	जिनदत्तसूरि-स्तवन	लाभोदय शिष्य भुवनकीर्ति	41-43
9	राणपुर आदिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर (र. सं. 1676)	43-45
10	बाहुबली-सज्झाय	समयसुन्दर	45-47
11	अरणिक-सज्झाय	रूपविजय	47-49
13	आदिनाथ-पद	महिमराज	1
14	,,		1-3
15	आत्मशिक्षा-पद		3
16	आत्मशिक्षा-पद	रूपचन्द	4
17	आदिनाथ-स्तवन	राजिंद	4-7
18	,,		7 (अपूर्ण)
19	आत्मबोध-पद	दीन	8
20	धुलेवा आदिनाथ-पद	मनरूप	8-9
21	बीकानेर आदिनाथ-स्तवन	लालचन्द (र सं 1839)	10-11
22	आत्मबोध-पद	दयासुन्दर	12-13
23	जिनपद	,,	13-14
24	धर्मशिक्षा-पद	,,	14-15
		पत्र 16 से 41 तक चिपके हुए हैं।	
25	आदिनाथ-पद	जिनहर्षसूरि	41
26	सहसफणा पार्श्वनाथ-पद	कीर्तिसागर	41-42

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
27	नवपद-स्तवन	कीर्तिसागर	42-43
28	,,	क्षमाकल्याण	43-44
29	आत्मशिक्षा-लावणी	अखैमल	44-45
30	आत्मशिक्षा-पद		45 (अपूर्ण)
31	चौसठा आदिनाथ-स्तवन	जिनमहेन्द्रसूरि (र सं. 1898)	46
32	जिनकुशलसूरि-गीत	राजिंद	46-48
33	सीमन्धर-स्तवन	श्रीदेव मुनि	48-51
34	आदिनाथ-पद	कीर्तिसागर	51
35	जिनपद	सेवाराम	51-52
36	,,	भूधर	52
37	,,		52-53
38	नेमिनाथ-पद	कीर्तिसागर	53
39	चन्द्रप्रभ-पद		53
40	आदिनाथ-पद	कीर्तिसागर	53-55
41	पार्श्वनाथ-पद	रूपचन्द	55
42	आत्मशिक्षा-पद	,,	55-56
43	,,	,,	56
44	,	,,	56-57
45	आदिनाथ-पद	गुणविलास	57
46	जिनपद	रूपचन्द	57-58
47	आत्मशिक्षा-पद	बनारसी	58

पत्रांक 59-60 चिपके हुए हैं।

2123/7095 (1-31)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्त०(वाणीब्रह्मा)	प्रीतिविमल	13वां (अपूर्ण)
2	स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ	13-18
3	दशवैकालिक दश सज्झाय	जैतसी शिष्य पुण्यकलश	19-27
4	गौतम पृच्छा-स्तवन	नयरंग	27-32
5	अठावीस लब्धि-स्तवन	धर्मवर्धन	33-35
6	सीमन्धर-स्तवन	श्रीदेव मुनि	36-37
7	आदिनाथ वीनती	धर्मसी	
९	नेमि-राजीमती बारहमासो	जिनहर्ष	52-53

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
10	शत्रुंजय आदिनाथ-स्तवन	शुभविजय शिष्य भावविजय	53-55
11	शत्रुंजय-स्तवन	जिनविजय शिष्य क्षमाविजय	55-56
12	वीर-स्तवन	समयसुन्दर	57-59
13	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	59-63
15	गजसुकुमाल-गीत	भावसागर	71-72
16	शत्रुंजय आदिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	73-76
17	छन्नु जिननाम-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनरत्नसूरि	76-79
18	वीस विहरमान-स्तवन	समयसुन्दर	79-81
19	शीतलनाथ-स्तवन	मालदास	81
20	लोद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि (र. सं. 1873)	81-83
21	आदिनाथ-स्तवन	हर्षविजय शिष्य विवेकविजय	83-84
22	पार्श्वनाथ-स्तवन	उदयरत्न	84
24	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	98-104
28	महावीर पारणक-स्तवन	मुनिमाल	132-134
29	अर्बुदाचलतीर्थ-स्तवन	रूपचन्द (रामविजय) पाठक (र. सं. 1821)	134-136
30	पार्श्वनाथ-स्तवन	मुनि वस्ता	136-137
31	वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	137

2124/7097 (3-45)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
3	महावीर-स्तवन	मुनिमाल	43-51.
4	श्रावक री करणी	जिनहर्ष	51-56
5	नवकार-स्तवन		57-59
6	तीर्थमाला-स्तवन	समयसुन्दर	59-62
7	गौतमस्वामी-स्तवन	,,	62-64
8	जिनधर्म-स्तवन	,,	64-66
9	नवकार-स्तवन	कुशललाभ	66-71
10	पद	जिनराजसूरि	72
11	पद	,,	72-73
12	पद	जिनरंगसूरि	73-74
13	पद	राजसमुद्र	74-75
14	पद		75

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
15	आदिनाथ-पद	महिमराज	75-76
16	आदिनाथ-स्तवन	साधुकीर्ति	76-77
17	शान्तिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	77-78
18	पार्श्वनाथ-स्तवन	चन्द	78-79
19	महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	79-80
20	पार्श्वनाथ पद	जिनभक्तिसूरि	80-81
21	,,	जिनचन्द्रसूरि	81-82
22	,,	,,	82-83
23	गौड़ीपार्श्वनाथ-पद		84-85
24	महावीर-पद	जयसागर	85-86
25	नेमिनाथ-पद		86-87
26	सम्मेतशिखर-पद	क्षमाकल्याण	पत्रांक डबल हैं। 86-87
27	धर्मनाथ-पद	,,	87-88
28	नेमिनाथ-पद		88-89
29	जिनकुशलसूरि-पद	अमरसिन्धुर	89-91
30	भैरव-पद		91-92
31	मृगापुत्र-सज्झाय	मुनि खेम शिष्य खेतसी गणि	92-96
32	अनाथीऋषि-सज्झाय	समयसुन्दर	96-98
33	अरणिक मुनि-सज्झाय	,,	98-100
34	आत्मशिक्षा-सज्झाय	,,	100-102
35	मनभमरा-सज्झाय	महमद	102-104
36	कर्म-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष	104-108
37	इलापुत्र-सज्झाय	लब्धिविजय	108-110
38	आत्मशिक्षा-सज्झाय	रत्नतिलक	110-111
39	जिनकुशलसूरि-छंद	साधुकीर्ति	111-115
40	जिनकुशलसूरि-पद	कनककीर्ति	115
41	,,	समयसुन्दर	115-116
42	,,	जिनराजसूरि	116-117
43	,,	जिनचन्द्रसूरि	117
44	,,	जिनभक्तिसूरि	117-119
45	,,	जिनराजसूरि	119-120

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)

2125/7100 (2-11)

2	जिनकुशलसूरि-आरती	अमरगणि	8-9
3	जिनकुशलसूरि-गीत	जिनरंगसूरि	
4	"	लालचन्द	10
5	"	कमलहर्ष	10
6	"	कनककीर्ति	11
7	"	अमरसिन्धुर	11-12
8	जिनकुशलसूरि-छन्द	साधुकीर्ति	12-14
9	"	अमरसिन्धुर	14-17
10	"	"	17-19
11	जिनकुशलसूरि-गीत		19 (अपूर्ण)

2126/7105 (2-75)

2	सीमन्धर-स्तवन	भक्तिलाभ	20-22
3	पर्युषण-स्तुति	मानविजय	22-23
4	आदिनाथ-स्तुति	विजयसेनसूरि	23-24
5	शत्रुञ्जय-स्तुति		24-25
6	कक्का-बत्तीसी		25-26 (अपूर्ण)
9	भमती-गीत	समयसुन्दर	39
10	आत्मशिक्षा-पद	जिनराजसूरि	39
11	अध्यात्म-पद	आनन्दघन	39
12	अजितनाथ-स्तवन	मोहनविजय	40
13	महावीर तप-स्तवन		40-41
14	देवगुरुधर्म-प्रशंसा-पद्य		42
16	शील-सज्झाय	सुमतिकमल	50-52
17	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	52-56
18	तेरह काठिया री सज्झाय	भावप्रभ शिष्य महिमाप्रभसूरि	56
19	सिखामरण-सज्झाय	विजयभद्र	56-59
20	काया री सज्झाय	पद्मतिलक	59
21	दीपावली-स्तुति	रत्नविमल शिष्य लाभविमल	60-61
24	एकादशी-स्तवन	जिनेन्द्रसागर शिष्य जसवंतसागर	69-72

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
25	पंचमी-स्तवन	समयसुन्दर	72-75
26	वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	75-76
27	गजसुकुमाल-सज्झाय	समयसुन्दर	76
28	स्थूलिभद्र-सज्झाय	लालचन्द	76-78
29	पार्श्व०-नेमिनाथ सुखसूरि सवैया	गुणानन्दन ज्ञानसुन्दर, धर्मसी, ज्ञानहर्ष	78-79
30	नेमिनाथ-बारहमासो	कवियण	79-84
31	शत्रुंजय-स्तवन	उदयरत्न	84
32	शान्तिनाथ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	85
33	विमलनाथ-स्तवन	,, ,,	85
34	अजितनाथ-स्तवन	,, ,,	85-86
35	महावीर-स्तवन	उदयरत्न	86
36	भीड़भंजन पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	86-87
37	गजसुकुमाल-सज्झाय	कान्हगणि शिष्य तेजसिंह	87
38	पंचांगुली-मन्त्र		88
39	सीमन्धर-स्तवन	यशोविजय	89
40	सुजात जिन-स्तवन	,,	89-90
41	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	90
42	नेमिनाथ-स्तवन	हरखचन्द	90-91
43	आदिनाथ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	91
44	,,	,, ,,	91-92
45	सम्भवनाथ-स्तवन	,, ,,	92
46	आदिनाथ-स्तवन		93
47	,,	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	93
48	आबूतीर्थ-स्तवन	जैनेन्द्रसागर शिष्य जसवंतसागर	93-94
49	गौड़ीपार्श्वनाथ-पद	केसरविजय	94
50	गौडीपार्श्वनाथ-स्तवन	उदयरत्न	94
51	जन्ममहोत्सव-स्तवन	ज्ञानविमल	95
52	वासुपूज्य-स्तवन	जीत शिष्य जिनचन्द्रोपाध्याय	95-96
53	जिन-स्तवन	भाव	96
54	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	96-97
55	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	97
56	वासुपूज्य-स्तवन	न्यायसागर	97-98

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
57	जिन-आरती		98
58	पार्श्वनाथ-आरती	मतिहंस	98-99
59	पद्मप्रभ-स्तवन	उदयरत्नोपाध्याय (र.सं 1793 नाडूल)	99
60	सुविधिनाथ-स्तवन	सुमतिकुशल शिष्य सुविधिकुशल	100
61	संभवनाथ-स्तवन		100-101
62	आदिनाथ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	101-102
63	समी पार्श्वनाथ-स्तवन	आगम (सागरयाविजय) (सं. 1813) विजयधर्मसूरि के साथ यात्रा	102
64	महावीर-स्तवन	उदयरत्न	103
65	अजितनाथ-स्तवन	कान्तिविजय शिष्य प्रेमविजय	103-104
66	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	रामविजय शिष्य विमलविजय	104-105
67	पार्श्वनाथ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	105
68	विमलाचल-स्तवन	जिनेन्द्रसागर	105
69	,,	,,	105-106
70	सुपार्श्वनाथ-स्तवन		106-107
71	चन्द्रप्रभ-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	107-108
72	धर्मनाथ-स्तवन	,, ,,	108-109
73	अभिनन्दन-स्तवन	,, ,,	109-110
74	शीतलनाथ-स्तवन	,, ,,	110
75	शान्तिनाथ-स्तवन		110 (अपूर्ण)

2127/7107 (1–154)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	नेमिनाथ-पद	मयाराम सुत	9-10
2	समवसरण-पद		10
3	जिनपद		11
4	आदिनाथ-पद	साधुकीर्ति	11
5	,,	मतिधीर	11-12
6	अध्यात्म-पद	आनन्दघन	12
7	महावीर-पद	हरखचन्द	12-13
8	जिनपद	रूपचन्द	13-14
9	विमलनाथ-पद	हरखचन्द	14-15

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
10	नेमिनाथ-पद		15
11	जिनपद	गुणविलास	15
12	गौड़ीपार्श्वनाथ-पद	रूपचन्द	16
13	महावीर-पद	रतन	16
14	,,	सौभाग्यविमल	16-17
15	शान्तिनाथ-पद	हरखचन्द	17-18
16	धुलेवा आदिनाथ-पद	ऋषभदास	18
17	पार्श्वनाथ-पद	खुश्यालराय	18-19
18	नेमिनाथ-पद	आनन्दरंग	19
19	निरंजन-पद	आनन्दघन	19
20	सम्मेतशिखर-पद		20
21	महावीर-पद	चन्द्रकीर्ति	20
22	नेमिनाथ-पद	राज	20-21
23	आत्मशिक्षा-पद		21
24	जिनपद		22
25	पार्श्वनाथ-पद		22
26	आदिनाथ-पद	ऋषभदास	22-23
27	चेतन-पद	आनन्दरत्न	23
28	,,		23
29	आदिनाथ-पद		24
30	जिनपद	नवल	24
31	आदिनाथ-पद		24-25
32	पार्श्वनाथ-पद		25
33	जिनपद		25-26
34	,,		27
35	आत्म-पद	ज्ञानसार	27
36	अयवंती पार्श्वनाथ-पद	गुलाब	27-28
37	जिनपद		28
38	नेमिनाथपद	चैनविजय	28-29
39	अध्यात्म-पद	ज्ञानसार	29
40	नेमिनाथ-पद	जिनदास	29-30
41	,,	जगतराम	30
42	,,	नवल	30-31

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
43	अध्यात्म-पद	ज्ञानसार	31
44	,,	द्यानत	31
45	जिनपद	नवल	32
46	अध्यात्म-पद	नवल	32-33
47	पार्श्वनाथ-पद	लालचन्द	33
48	अध्यात्म-पद		33 (अपूर्ण)
49	आदिनाथ-पद	धर्मसिंह	34
50	जिनपद	भूधर	34-35
51	पार्श्वनाथ-पद	चन्द	35
52	महावीर-पद	नवल	35-36
53	सम्मेतशिखर-पद	नवल	36
54	आदिनाथ-पद		36-37
55	जिनपद	किसनलाल	37
56	,,		37
57	शीतलनाथ-पद	अमृत	38
58	आदिनाथ-पद	अमरसिंधुर	38-39
59	पार्श्वनाथ-पद	हरखचन्द	39-40
60	अध्यात्म-पद	आनन्दघन	40
61	आदिनाथ-पद	चैनविजय	40
62	जिनपद	जिनचन्द्रसूरि	40-41
63	अध्यात्म-पद	आनन्दघन	41
64	नेमिनाथ-पद	भूधर	41-42
65	आत्मशिक्षा पद		42
66	विमलाचल-पद	जिनराजसूरि	43
67	आदिनाथ-पद	महिमराजगणि	43-44
68	पार्श्वनाथ-पद	जिनहर्ष	44
69	आदिनाथ-पद	हरखचन्द	44-45
70	शान्तिनाथ-पद	जिनलाभसूरि	45-46
71	महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	46
72	शान्तिनाथ-पद	समयसुन्दर	46-47
73	महावीर-पद	हरखचन्द	47
74	आदिनाथ-पद	,,	47-48
75	पार्श्वनाथ-पद	चन्द	48-49

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
76	सुविधिनाथ-पद	हरखचन्द	49
77	पार्श्वनाथ-पद	आनन्दघन	49-50
78	अध्यात्म-पद		50
79	महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	50-51
80	पार्श्वनाथ-पद	,,	51-52
81	जिनपद	राजसमुद्र	52
82	पद्मप्रभ-पद	जिनलाभसूरि	52-53
83	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	53
84	जिनपद	आनन्द	53-54
85	पार्श्वनाथ-पद	धीर	54
86	आदिनाथ-पद		54-55
87	,,	हरखचन्द	55
88	सुमतिनाथ-पद	हरखचन्द	56
89	सुविधिनाथ-पद	रूपचन्द	56-57
90	बीकानेर आदिनाथ-पद	जिनलाभसूरि	57
91	अष्टापदतीर्थ-पद	समयसुन्दर	57-58
92	गौतमस्वामी-अष्टक	,,	58-60
93	आत्मशिक्षा-पद	,,	60
94	नवकार-स्तवन	पद्मराज	60-62
96	चन्द्रप्रभ-पद	अमृत	75-76
97	आत्मशिक्षा-पद		76
98	अध्यात्म-पद	महानन्द (?)	77-78
99	मल्लिनाथ-पद	न्यायसागर	78
100	शान्तिनाथ-पद	हरखचन्द	78-79
101	अध्यात्म-पद	,,	79-80
102	पार्श्वनाथ-पद	लाभवर्धन	80
103	पद्मप्रभ-पद	हरखचन्द	80-81
104	अध्यात्म-पद	राज	81
105	अरनाथ-पद	राज	81-82
106	जिनपद	हरखचन्द	82-83
107	अध्यात्म-पद	आनन्दघन	83-84
108	,,		84
109	पार्श्वनाथ-पद	परमसुख (?)	85

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
110	अध्यात्म-पद	आनन्दघन	85-86
111	जिनपद	माणक	86
112	अध्यात्म-पद		87
113	जिनपद		87 (अपूर्ण)
114	जिनकुशलसूरि-पद	जिनचन्द्रसूरि	87
115	,,	जिनमहेन्द्रसूरि	88
116	,,	लालचन्द	88-89
117	,,	समयसुन्दर	89
118	गुरु-पद	क्षमाकल्याण	90
119	पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	90
120	अध्यात्म-पद	क्षमाकल्याण	91
121	धुलेवा आदिनाथ-पद	रत्न	92
122	शिक्षा-पद	उदयरत्न	92-93
123	सिद्धाचल-पद	रूपचन्द	93
124 (क)	जिनपद	सेवक	93
124 (ख)	,,	सेवक	94
125	जन्ममहोत्सव-पद		94
126	सुगुरु-पद	हरखचन्द	95
127	नेमिनाथ-पद		95-96
128	अध्यात्म-पद		96-97
129	सिद्धगिरि-पद	समयसुन्दर	97-98
130	नेमिनाथ-पद	रंग	98
131	अध्यात्म-पद	जिनभक्तिसूरि	99
132	जिनपद	रत्नसागर	99-100
133	होरी-पद	जिनलाभसूरि	100
134	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	अमरचन्द	101
135	आदिनाथ-पद		101
136	पार्श्वनाथ-पद	सेवक	102
137	अध्यात्म-पद	ज्ञानसार	102
138	नेमिनाथ-पद		102-103
139	,,	क्षमाकल्याण	103-104
140	,,	ऋद्धिहर्ष	104-105
141	पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	105

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
142	धर्मनाथ-पद	क्षमाकल्याण	105-106
143	सम्मेतशिखर-पद	,,	106
144	नेमिनाथ-पद	चन्द	106-107
145	शीतलनाथ-पद	रूपचन्द	107
146	जिनकुशलसूरि-छन्द	साधुकीर्ति	107-110
147	जिनकुशलसूरि-स्तवन	जिनचन्दसूरि	110-111
148	,,	जिनलाभसूरि, (सूरत)	111-112
149	चन्द्रप्रभ-स्तवन	आनन्दघन	112-113
150	महादेवजी री लावणी	लालदास	113-114
151	कृष्ण-पद	चन्द्रसखी	114
152	,,	लखत	114-115
153	आत्मशिक्षा-पद	जिनपद्मसूरि	115-116
154	,,		116 (अपूर्ण)

2128/7109 (3-53)

कृति सं.	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं. (पत्राङ्क)
3	शत्रुञ्जय-स्तुति	नभसूरि	33
4	सीमन्धर-स्तुति		33-34 (प्राकृत)
5	आदिनाथ-स्तुति		34 (प्राकृत)
6	अजितशान्ति-स्तव	मेरुनन्दनोपाध्याय	34-37
8	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	45-48
9	थंभण पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ	48-54
10	पार्श्वनाथ-स्तवन		54-55
11	नेमिनाथ ज्ञानपंचमी-स्तवन	कीर्तिराज	55-57
12	साधुवन्दना	पार्श्वचन्द्रसूरि	57-68
13	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	68-70
14	अष्टापद तीर्थ-स्तवन	पद्मराज पाठक	74-75
			(पत्र 76-79 खाली हैं)
15	तीर्थमाला-स्तवन	समयसुन्दर	80
16	चतुर्विंशति जिन-स्तोत्र		81 (संस्कृत)
17	चोवीस तीर्थंकर नाम		81
19	चौदह बोल साधु-स्तवन	सेवक	96-98
20	शत्रुञ्जय आदिनाथ-स्तवन	रत्नचन्द्रसूरि	99-102
21	,,	समयसुन्दर	103-109

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
22	जीरावला पार्श्वनाथ-स्तवन	सेवक	110-112
23	सामायिक 32 दोष-स्तवन	गुणरंग वाचक शिष्य प्रमोदमाणिक्य	113-120
24	आदिनाथ-स्तवन	धर्ममेरुगणि	120-126
25	नवकार-स्तवन	जिनवल्लभसूरि	127-135
26	वाड़मेर सुमतिनाथ-स्तवन	कनकविलास शिष्य उपा० कनककुमार (र.सं. 1746) स्वयं लिखित है।	136-138
27	पुंजराज-चौवीसी	पुंजराज शिष्य उपा० धर्मनिधान (ख ग.) (र. सं लोचन रसण काय ससि वरसे जैसलमेर) विशिष्ट प्रति	138-144
28	महावीर-स्तुति	जिनलाभसूरि	145-146
29	लौद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	हर्षनिधान (र. सं 1744)	146
30	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	147-148
31	शान्तिनाथ-पद	,,	148
32	महावीर-पद	,,	148
33	अनागत चौवीसी नाम गर्भित-स्तवन	खेम शिष्य रत्नसमुद्र	149-150
34	दशवैकालिक-गीतानि	जैतसी शिष्य पुण्यकलश	150-158
35	जिन-स्तवन		159 (मारवाड़ी लिपि में)
36	जैसलमेर शान्तिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	160
37	शत्रुञ्जय आदिनाथ-स्तवन	जिनसुखसूरि	161-162
38	जिन-स्तवन		163 (अपूर्ण)
39	पार्श्वनाथ-घग्घर निसाणी	जिनहर्ष	163-170
40	व्रत टिप्पणक	(र. सं. 1811)	170
41	चौरासी लाख जीव योनि आदि स्फुट वर्णन		171-174 (मारवाड़ी लिपि)
42	,,		175-177
43	पद्मावती आराधना	समयसुन्दर	178-180
44	चार मंगल-गीत	रत्ननिधान पाठक	181-183
45	चौवीसी	जिनराजसूरि	183-194
46	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	राजसमुद्र	194-195
47	जिनकुशलसूरि-गीत	जयतिलक	195
48	शिक्षा-पद		195 (अपूर्ण)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
49	बारह भावना-संधि	जयसोमोपाध्याय	196-203
50	आत्मशिक्षा-पद 3	जिनराजसूरि	204
51	पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	204-205
52	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	205-211
53	जिन-स्तवन		212-114 (मारवाडी लिपि)

2129/7115 (3–26)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
3	नवपद-स्तवन	कीर्तिसागर	34-35
4	शान्तिनाथ-स्तवन	,,	35
5	नेमिनाथ-लावणी		36-37
6	आत्मशिक्षा-लावणी	अखेमल	37-38
7	जिन-स्तवन	पं० मोहन (रैण)	38
8	नेमिनाथ-राजुल-गीत	जिनहर्ष	38-40
9	पंचेन्द्रिय दमन-गीत	ललितकीर्ति	40-42
10	पार्श्वनाथ-स्तवन	धर्मसी	42-43
11	धन्नाऋषि-सज्झाय	श्रीदेव (आलणपुर)	43-45
12	पार्श्वनाथस्तवन	जसवरधन	45-46
13	महावीर-स्तवन	मनोहरविजय	46-47
14	आत्मशिक्षा-पद		47
15	वरकाणा-पार्श्वनाथ-स्तवन	पुण्यविजय	47-48
16	धुलेवा ऋषभदेव-स्तवन	महिमासेन	48-49
17	नवपद-स्तुति	जिनचन्द्रसूरि	49
18	आत्मशिक्षा-पद	कस्तूर	49-50
19	नेमिनाथ-पद		50-51
20	माताजी रो छन्द	कीरतो सेवग	51
21	ऋषभदेव-पद	बुधरचन्द	51-52
22	सम्मेतशिखर-पद	आनन्द	52-53
23	प्रभाती-स्तवन	जिनमहेन्द्रसूरि	53
24	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	,,	53
25	पार्श्वनाथाष्टक	कीरत शिष्य खेमकरण (लुंकागच्छ)	53-55
26	बाहुबली-सज्झाय	समयसुन्दर	55

2130/7116 (1-58)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	1
2	जिनपद	हीरधर्म	1
3	पार्श्वनाथ-पद	उदयरत्न	1

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
4	होरी-पद		1
5	नेमिनाथ होरी-पद	लालचन्द	1-2
6	,,	नवल	2
7	,,	रत्नसुन्दर	2
8	,,		2
9	जिनकुशलसूरि-पद	गूजर	2-3
10	चन्द्रप्रभ-पद	सुगण	3
11	सिद्धाचल-स्तवन	क्षमारत्न	3
12	जिनपद	ग्रानन्दरत्न	3
13	पार्श्वनाथ-स्तवन	ग्रनुपमचन्द शिष्य जिनलाभसूरि	4
14	जिनपद	,,	4
15	नेमिनाथ-पद	जयरंग	4
16	,,	चैनविजय	5
17	धर्मनाथ-पद	जिनहर्ष	5
18	नेमिनाथ-पद	ग्रनुपमसुन्दर	5
19	सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	5
20	पार्श्वनाथ-पद	,,	6
21	धर्म-पद	नवल	6
22	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	6
23	नवकार-छन्द	कुशललाभ वाचक	7-8
24	पार्श्वनाथ-पद	जिनलाभसूरि	8
25	शील-बत्तीसी	राजसमुद्र	9-12
26	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	12-16
27	राचा-बत्तीसी	कवि राचो	17-20
28	प्रभाती-पद	ग्रानन्दघन	20
29	वैराग्य-सज्झाय	रूपचन्द	21-23
30	पार्श्वनाथ-बारहमासो		23-28 (ग्रपूर्ण) पत्र 25 से 28 नहीं
31	कर्म-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष	29-31
32	गौड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	31-32
33	जम्बूकुमार-सज्झाय	पूनो	32-33
34	पनरह तिथि-सज्झाय	गंगदास शिष्य जसवंत ग्राचार्य	33-35
35	शीतलनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	35-37
36	महावीर-स्तवन	,,	37-38 (ग्रपूर्ण)
37	उपदेश-पद	,,	39 (ग्रपूर्ण)
38	पारकी होड़-सज्झाय	,	39
39	ग्रात्मशिक्षा-पद	कबीरदास	39

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
40	सती-सज्झाय		39-42
41	वैराग्य-सज्झाय	पद्मतिलक	42-43
42	मौन एकादशी-स्तवन	समयसुन्दर	43-44
43	वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्ति	44-45
44	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	मुनि वस्ता	45-46
45	शीतलनाथ-स्तवन	श्रीसार	46-47
46	ऋषभदेव-स्तवन	भाव	47-48
47	मुनिसुव्रत-स्तवन	कविलाल शिष्य महिमाचन्द वाचक (र. सं. 1814)	48-49
48	प्रभाती-पद	जिनराजसूरि	49-50
49	गोड़ीपार्श्वनाथ-स्तवन	साधुहर्ष वाचक	50
50	पार्श्वनाथ-स्तवन	श्रीधर	50
51	धर्मपद	समयसुन्दर	50-51
52	प्रभाती-पद	रूपचन्द	51
53	पार्श्वनाथ लघु-स्तवन	जिनहर्ष	52-53
54	चौवीस तीर्थंकर-स्तवन	मेघराज	53
55	सिद्धाचल-स्तवन	पद्मविजय	53-54
56	तीर्थमाहात्म्य कवित्त	जिनहर्ष	54
57	चार शरण-गीत	समयसुन्दर	55
58	हिंसा-असत्य-चोरी-मैथुन-परिग्रह-क्रोध-मान-माया-लोभ परिहार-गीत 9	श्री ब्रह्म	56-62

2131/7117 (1-14)

कृति सं०	कृति नाम	कर्त्ता	पत्र सं० (पत्राङ्क)
1	धन्नाऋषि-सज्झाय	तिलोकसी	1-2 (अपूर्ण)
2	इलापुत्र-सज्झाय	लब्धिविजय	3-4
3	गौतमस्वामी-स्तवन	लावण्यसमय	5-6 (अपूर्ण) 5वां अप्राप्त
4	छह संवर-सज्झाय		6-10
5	सामायिक, चैत्यवन्दन-सूत्र		10-19
6	ऋषभदेव-स्तवन	जिनराजसूरि	19-21
7	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	21-23
8	चौवीस जिन-स्तवन		23-25
9	रुक्मिणी-सज्झाय	राजविजय	25-28
10	परनारी-सज्झाय	उदयरत्न	28-29
11	महावीर-स्तवन	मानविजय	30-32
12	नेमिनाथ-स्तवन	भीमराज (र. सं. 1939)	32-36
13	संभवनाथ-स्तवन	भीमराज (र. सं. 1935)	36-38
14	काया-सज्झाय		38-39

ग्रन्थ-कर्त्तानुक्रमणिका

(परिशिष्ट-3)

कर्त्ता-नाम	पृष्ठ संख्या

कर्त्ता-नाम	पृष्ठ संख्या
जिनलाभसूरि	164,216,230,242,252,254, 260,276,280,316,318,320, 322,324,340,342,381,384, 385-387,389-391,400,406, 409,410,413,423-426,429, 435,441-445,447
जिनवल्लभसूरि	258,260,404,445
जिनविजय	294,398,430,435
जिनसमुद्रसूरि	384,389,400
जिनसुखसूरि	238,284 340,381,384,390, 392,404,411,413,429,445
जिनसुन्दर	424
जिनसौभाग्यसूरि	411
जिनहंस	220
जिनहर्ष गणि (जसराज) शिष्य शांतिहर्ष	42,160,166,172,182,190, 192,204,212,218,222,250, 253,254,262.264,276,286, 310,316,320,326,378,381, 382,384,386,389,392,394-402,404,406-408,410-412, 415-418 422-424,428,429, 432,434,435,441,445-448
जिनहर्षसूरि शिष्य जिनचन्द्रसूरि	148,150,202,216,390,392-395,403 406,407,409,423, 433
जिनाक्षयसूरि	410
जिनेन्द्रसागर शिष्य जसवंतसागर	206,398,399 421,437,439
जिनोदयसूरि	194,250 385
जीत शिष्य जिनचन्द्रोपाध्याय	438
जीतचन्द यति	28
जीतविजय	389
जीवऋद्धि	30
जीवण	392,401

कर्त्ता-नाम	पृष्ठ संख्या
ज्ञानोदय	393
(झ)	
झुंतो जोशी	22
(ट)	
टाडर=टोडर	389
(ठ)	
ठाकुरदास	54
(ड)	
डूंडर मुनि शिष्य उदयसागरसूरि	430
(त)	
तत्वसुन्दर	391,413
तानसेन	54
तारासिंह	56
तिलकचन्द शिष्य जयरंग	178,416
तिलकविजय	397
तिलोकसी	254,448
तुलसीदास गोस्वामी	20,24,26,28,54,98,122
तेजा	278
(थ)	
थिरकुशल	300

कर्त्ता-नाम	पृष्ठ संख्या
देवदास	344
देवादास	52
देवीदास	116
देवीदास द्विज	298,387
दौलत	385,419
दौलतराम	150
दौलतहंस	413
द्यानतकवि	278,282,424,425,441
(ध)	
धनराज/पाठक	118,383
धर्मकीर्ति	312
धर्मदेवमुनि	158
धर्ममंदिर शिष्य दयाकुशल	176,381
धर्ममेरुगणि	445
धर्मरत्न	384
धर्मवर्द्धन/धर्मसी शिष्य विजयहर्ष	40,34,164,176,178,180,200 202,204,210,212,226,228, 234,236,238,242,280,302, 312,318,328,382,384,386, 387,404,408,428,434
धर्मसमुद्र वाचक	184
धर्मसागर शिष्य कुशलधीर	238
धर्मसिंह	411
धर्मसी/धर्मवर्द्धन	226,242,244,264,284,382, 386,388,390-392,399,411, 413-416,419,425,428,434, 438,446
धीर	442
धीरविमल	142,206
धीरसाह	52

कर्त्ता-नाम	पृष्ठ संख्या
बाल	409,410
बालकराम	58
बालचन्द शिष्य देवहर्ष	228,387,410,417
बिहारीदास	28,56
बीरबल	28
बुद्धिकुशल शिष्य सुन्दरकुशल	431
बुद्धिविजय	264
बुद्धिविमलसूरि	430
बुधरचन्द	446
बुधविजय शिष्य हीरविजय	378
बुधानन्द	56
ब्यासदेव	54
ब्रह्मचारी जिनदास	170
ब्रह्मदयाल	421
ब्रह्मदास	56
ब्रह्ममुनि	414
(भ)	
भक्तराय	409
भक्ति शिष्य शुभनय वाचक	300
भक्तिलाभ उपाध्याय	206,214,230,238,326,328, 387,391,392,406,419,437
भगतिरंग	304
भगवानदास निरंजनी	6,8,10
भगौतीदास (भय्या)	144
भडुली	94,96
भद्रसार	40
भद्रसेन	70,196,416
भवानी	116
भवानीदास/कायस्थ	38,50
भवानीदास व्यास	6,70
भवानीराम	232